इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

वार्षिक रिपोर्ट

2016–2017

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068, भारत

www.ignou.ac.in

fuek.k lfefr :	प्रो. अहमद रज़ा खान, प्रो. टी.यू. फुलझले, प्रो. अलका धमेजा, डॉ. पंकज खरे, डॉ. जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव, डॉ. नीलिमा श्रीवास्तव, डॉ. जगदीश शर्मा, डॉ. रोज़ नेम्बियाकिम, डॉ. नीलम चौधरी, डॉ. हेमा पंत, डॉ. हरीश कुमार सेठी, श्री राजीव गिरधर, डॉ. सुनील कुमार (संयोजक)
xkfQDl :	श्री अनिल सक्सेना, उप निदेशक (ग्राफिक्स), संचार केंद्र, इग्नू
fgnh lLdj.k dk l;kstu&lEiknu :	डॉ. हरीश कुमार सेठी
QksVksxkQ :	श्री राजेश शर्मा, सहायक कुलसचिव, कुलपति कार्यालय
lkexh fuek.k :	श्री यदुनाथ शर्मा, सहायक कुलसचिव (प्रकाशन), श्री सुधीर कुमार, अनुभाग अधिकारी (प्रकाशन)
fMtkbu ,.M fifVx%	हाईटेक ग्राफिक्स, एफ–53, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज़–1, नई दिल्ली–110020.

© इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, 2017

इस रिपोर्ट को योजना और विकास प्रभाग, इग्नू द्वारा अंतिम रूप दिया गया और 12 अक्टूबर, 2017 को संपन्न हुई प्रबंध बोर्ड की 129वीं बैठक में अनुमोदित किया गया।

विषय-सूची

		i"B l[;k
v/;k;&I	bfnjk xka/kh jk"Vh; eqDr fo'ofo|ky; % ikQkby	15
v/;k;&II	'kf{kd xfrfof/k;k¡	22
v/;k;&III	ukekadu vkSj fo|kFkhZ ikQkby	42
v/;k;&IV	fo|kFkhZ lgk;rk lsok,¡	55
v/;k;&**V**	'kf{kd dk;ksZ esa ikS|ksfxdh	71
v/;k;&**VI**	xouZsal] lalk/ku vkSj vk/kkjHkwr lajpuk	76
ifjf'k"V&1	fo'ofo|ky; ds ikf/kdkjh&fudk; ds lnL; vkSj fo'ofo|ky; ds vf/kdkjh	89
ifjf'k"V&2	foÙk o"kZ 2016&17 ds nkSjku bXuw }kjk fd, x, le>kSrk&Kkiu@lg;ksx&Kkiu@djkjk@lafonkvksa dh lwph	106
ifjf'k"V&3	fo'ofo|ky; }kjk pyk, tk jgs 'kf{kd dk;ZØe	108
ifjf'k"V&4	31 ekpZ 2017 dks {ks=h; dsanzokj fo|kFkhZ lgk;rk uSVodZ	122
ifjf'k"V&5	Ckkgjh foÙk&iksf"kr Ikfj;kstukvksa dk fooj.k	125
ifjf'k"V&6	bXuw }kjk vk;ksftr lEesyu@dk;Z'kkyk,¡@iquy ifjppkZ,¡@0;k[;ku@laxksf"B;k¡	128
ifjf'k"V&7	'kks/k izdk'ku vkSj lEesyuksa@laxksf"B;ksa@dk;Z'kkykvksa esa ;ksxnku	132
	lf{kIrk{kjksa dh lwph	155
	bXuw ds ckjs esa	

कुलपति की ओर से

यदि हम गाँव वालों की जरूरतों के लिए सर्वोपयुक्त शिक्षा देना चाहते हैं तो हमें विद्यापीठ को गाँवों तक ले जाना होगा।

महात्मा गांधी

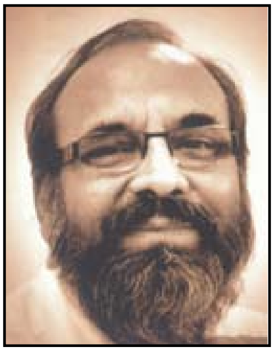

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) की वित्त वर्ष 2016–17 की वार्षिक रिपोर्ट को प्रस्तुत करते हुए मुझे बड़ी सुखद अनुभूति हो रही है। यह, विश्वविद्यालय की वास्तविक अर्थों में उत्साहवर्धक गतिविधियों का लेखा–जोखा है।

मुक्त शिक्षा प्रणाली में अग्रणी इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने अध्ययन–अध्यापन व्यवस्थाओं और संबंधित प्रक्रियाओं के डिजिटीकरण में तीव्र गति से कदम बढ़ाए हैं। इसलिए, विश्वविद्यालय ने 'मुक्त और दूर शिक्षा' को 'मुक्त और डिजिटल शिक्षा' के रूप में पुनर्परिभाषित किया है। वर्ष 2016–17 को डिजिटल क्रांति की दहलीज कहा जा सकता है। विश्वविद्यालय ने अध्ययन–अध्यापन, अनुसंधान, अध्ययन सहायता सेवाओं और क्षमता निर्माण को उच्च शिक्षा में एकीकृत सूचना और संचार प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग को मिलाकर एकरूप कर दिया है। इस एकरूपता को 'मुक्त और डिजिटल शिक्षण' (ओपन एंड डिजिटल लर्निंग) का नाम दिया गया है। इसके गहन और व्यापक निहितार्थ हैं। यह इग्नू को 'दूर शिक्षा' के जंजालों से मुक्त करके डिजिटल विद्यार्थी के नए जिज्ञासु–व्यवहार के समाधान प्रदान करता है। साथ ही, यह लचीले और मुक्त शिक्षण परिवेश की सहज संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त करता है। यह, वास्तव में, नए भारत की वर्तमान शैक्षिक चुनौतियों और निहितार्थों का उत्तर है।

डिजिटल विषय–वस्तु (अध्ययन/शिक्षण सामग्री), आभासी शिक्षण प्लेटफॉर्म (मूक्स), मुक्त शिक्षा संसाधन (ओ.ई. आर.), उपग्रह संचार प्रौद्योगिकी (टेली–शिक्षा), डिजिटल शिक्षण संसाधन कोशागार (राष्ट्रीय आभासी पुस्तकालय ई–ज्ञानकोश), ई–सेवाएँ (प्रशासन–मूल्यांकन) और अपेक्षाकृत नई प्रौद्योगिकियों (क्षमता निर्माण) में प्रशिक्षण इस सूचना और संचार प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग के मूलभूत घटक हैं। इग्नू के लिए आज स्थितियाँ अनुकूल हैं क्योंकि वह इन सभी अनुप्रयोगों से लैस तथा आगे बढ़ने के लिए प्रयत्नशील है। ये अल्पकालिक तथा दीर्घकालिक परिस्थितियाँ भविष्य में और अधिक संभावनाशील होने वाली हैं। विगत वर्षों के दौरान आकार विस्तार और संख्या में वृद्धि के साथ–साथ उल्लेखनीय भौगोलिक पहुँच की दृष्टि से विश्वविद्यालय के प्रभाव का स्तर अधिक व्यापक और गहन होना निश्चित है।

वर्ष 2016–17 के दौरान, इग्नू में देश के कोने–कोने से और विदेशों से 26 लाख विद्यार्थी नामांकित हैं। विश्वविद्यालय 236 शैक्षिक कार्यक्रम चला रहा है। उल्लेखनीय है कि यह देश में इतनी विशाल संख्या में और विविध प्रकृति के शैक्षिक कार्यक्रम चलाने वाला विश्वविद्यालय है। 67 क्षेत्रीय केंद्रों और 2,948 सक्रिय विद्यार्थी सहायता केंद्रों के जरिए, विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को सहायता सेवाएँ प्रदान कर रहा है। रिपोर्टाधीन अवधि में विश्वविद्यालय ने नए विद्यार्थियों के नामांकन में 15.2% की उल्लेखनीय वृद्धि की है। इन नव–नामांकित विद्यार्थियों में से 43.8% महिला–विद्यार्थी हैं। विश्वविद्यालय, महिलाओं को सशक्त करने वाले शैक्षिक कार्यक्रमों के जरिए जेंडर समानता को बढ़ा रहा है। परिणामस्वरूप, विश्वविद्यालय के जेंडर और विकास अध्ययन, मानविकी, स्वास्थ्य विज्ञान, सतत शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, समाज कार्य और अनुवाद अध्ययन विद्यापीठों के शैक्षिक कार्यक्रमों में महिला विद्यार्थियों ने काफी अधिक संख्या में नामांकन कराया है। इन विद्यापीठों में नामांकित कुल विद्यार्थियों में से 50% से अधिक महिला–विद्यार्थी हैं। विश्वविद्यालय, जागरूकता, एप्रीसिएशन और ब्रिज पाठ्यक्रमों के जरिए औपचारिक एवं अनौपचारिक क्षेत्रों में प्रशिक्षण देकर चुनिंदा क्षेत्रों और कौशल अर्जित करने संबंधी सामाजिक मुद्दों से भी निपट रहा है। विश्वविद्यालय ने पूर्वोत्तर राज्यों के शैक्षिक विकास को बढ़ावा देने के लिए योजना अनुदान के लिए विशेष प्रावधान किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप इन राज्यों से विद्यार्थियों के नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। शिक्षा, मानविकी, प्रबंध अध्ययन, कृषि, सामाजिक विज्ञान, सतत शिक्षा, विज्ञान, कंप्यूटर और सूचना विज्ञान, पर्यटन तथा समाज कार्य के क्षेत्रों में शैक्षिक कार्यक्रमों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजातियों के विद्यार्थियों की कुल संख्या

में पर्याप्त वृद्धि हुई है। विश्वविद्यालय, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों के बीच शैक्षिक अंतराल से निपटने के प्रति प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय ने वित्त वर्ष 2016–17 में अपने बी.ए, बी.एस.–सी., बी.टी.एस. और बी.सी.ए. जैसे चुनिंदा स्नातक–स्तरीय शैक्षिक कार्यक्रमों में शुल्क प्रतिपूर्ति/छूट की योजना शुरू की है।

ज्ञान के कई प्रकार के विषय–क्षेत्रों में स्व–शिक्षण निर्देश सामग्री, इग्नू की अद्वितीय सामर्थ्य है। विश्वविद्यालय ने भारत में उच्च शिक्षा के लिए स्व–शिक्षण निर्देश सामग्री का सबसे बड़ा संग्रह निर्मित किया है। भारतीय युवाओं को अच्छे शैक्षिक संसाधनों की अत्यधिक आवश्यकता है, किंतु उनमें से अधिकांश महँगी विदेशी पुस्तकें खरीद नहीं पाते हैं। जब उन्हें गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री हिंदी में नहीं मिलती तो यह समस्या और अधिक विकट हो जाती है। इग्नू को अपने उत्तरदायित्व का बोध है कि उसे शैक्षिक संसाधनों के लिए राष्ट्रीय संसाधन केंद्र की भूमिका निभानी है। इसलिए, विश्वविद्यालय इसे आम लोगों के लिए उपलब्ध डिजिटल कोशागार 'ई–ज्ञानकोश' प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराके उन्हें अध्ययन सामग्री तक व्यापक पहुँच सुलभ करा है।

देश–भर में फैले अपने क्षेत्रीय केंद्रों और समाज के हाशिए के क्षेत्रों पर विशेष ध्यान केंद्रित करने वाले विशेष अध्ययन केंद्रों सहित कई प्रकार के अध्ययन केंद्रों के कारण इग्नू का विद्यार्थी सहायता नेटवर्क स्वयं में अद्वितीय है। विश्वविद्यालय ने शैक्षिक संस्थाओं में महिलाओं के लिए विशेष नियमित अध्ययन केंद्रों की स्थापना करके विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों में महिलाओं द्वारा प्रवेश लेने को प्रोत्साहित किया है। विश्वविद्यालय ने गाँवों में ग्रामीण अध्ययन केंद्र खोलकर समाज के साथ अपने संपर्क को और मज़बूत किया है।

एक तरफ, कम लागत वाले परंपरागत तरीकों का इस्तेमाल करके इग्नू हाशिए के समाज को मुख्य धारा में ला रहा है, वहीं दूसरी ओर, यह प्रौद्योगिकी के उपयोग में भी अग्रणी है। ओ.डी.एल. के माध्यम से उच्च शिक्षा तक पहुँच में समानता प्राप्त करने, तथा गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के वितरण में आई.सी.टी और शिक्षा प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करने में विश्वविद्यालय के अद्वितीय योगदान हैं। विश्वविद्यालय के आई.सी.टी. समर्थ उल्लेखनीय प्रयासों में व्यापक मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (मूक्स) को डिज़ाइन करना, तैयार करना और शुरू करना; शोधगंगा (यू.जी. सी.–इनफ्लिबनेट परियोजना) के माध्यम शिक्षण संसाधनों तक पहुँचना और राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (मानव संसाधन विकास मंत्रालय परियोजना), 'समवय' (स्किल असेसमेंट मैट्रिक्स फॉर वोकेशनल एडवांसमेंट ऑफ यूथ), ज्ञान वाणी एफ.एम. रेडियो स्टेशनों को फिर से शुरू करना, ई–ज्ञानकोश का पुनःसक्रियण, वाई–फाई परिसर कनेक्टिविटी, क्लाउड आधारित आई.टी. आधारिक संरचना और डिजिटल लॉकर आदि शामिल हैं। विश्वविद्यालय की प्रवेश और अन्य कई गतिविधियाँ, आई.सी.टी. के माध्यम से संपन्न की जा रही हैं। विश्वविद्यालय ने भारत के केंद्रीय सार्वजनिक अधिप्राप्ति पोर्टल के माध्यम से वस्तुएँ खरीदने के लिए ई–टेंडरिंग शुरू की है।

वित्त वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय ने अध्यापकों, शैक्षिक सदस्यों और शिक्षकेतर सदस्यों सहित अपने स्टाफ के क्षमता निर्माण के लिए प्रयास किए हैं। इस दौरान, अध्यापकों/शैक्षिक सदस्यों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में ऑनलाइन शिक्षा के डिज़ाइन और वितरण पर ज़ोर दिया गया। ऑनलाइन शिक्षा को डिज़ाइन करने पर विशेष तौर पर ध्यान केंद्रित किया गया। विश्वविद्यालय ने 6 कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण/पुनश्चर्या कार्यक्रम आयोजित किए। विश्वविद्यालय ने सेवारत स्कूली अध्यापकों के प्रशिक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विश्वविद्यालय ने केंद्रीय विद्यालय संगठन (के.वी.एस.) और पूर्वोत्तर राज्यों की सरकार द्वारा नियुक्त किए गए अध्यापकों को प्रशिक्षण देने का काम भी किया। सेवारत अध्यापकों को उनके कार्य–स्थल पर ही बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण के लिए विश्वविद्यालय ने अपने व्यापक रूप से फैले विद्यार्थी सहायता नेटवर्क और प्रौद्योगिकी का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया।

मैं यहाँ विश्वविद्यालय के परिसर रोज़गार सहायक प्रकोष्ठ के द्वारा किए गए विशेष प्रयासों और कड़ी मेहनत का विशेष तौर पर उल्लेख करना चाहता हूँ। प्रकोष्ठ ने वित्त वर्ष के दौरान अनेक रोज़गार–सहायक अभियान चलाए, जो स्वयं में एक रिकॉर्ड है। इनमें केवल महिलाओं के लिए अभियान भी शामिल है, जो प्रधानमंत्री के 'बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ' प्रयास में इग्नू का उल्लेखनीय योगदान है।

विश्वविद्यालय ने अपने विदेशी केंद्रों के नेटवर्क का विस्तार किया है और 2,435 विद्यार्थी पंजीकृत किए हैं। 10 देशों में विश्वविद्यालय के 12 विदेशी अध्ययन केंद्र हैं।

विश्वविद्यालय ने ओ.डी.एल. प्रणाली और विषय–आधारित अनुसंधान में अनुसंधान आयोजित करके विश्व के समक्ष अपनी सर्वोत्कृष्टता सिद्ध की है। यह भी अपेक्षित है कि ओ.डी.एल. प्रणाली भी उच्च शिक्षा की अन्य संस्थाओं के अनुकूल गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान कार्यक्रम चलाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और क्षमता सिद्ध करे। विश्वविद्यालय ने 30 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठियाँ/व्याख्यान/पैनल परिचर्चाएँ आयोजित कीं। इनके विवरण परिशिष्ट 6 में दिए गए हैं।

विश्वविद्यालय को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए मैं विश्वविद्यालय समुदाय के प्रत्येक सदस्य के प्रयासों की सराहना करता हूँ। मुझे आशा है कि विश्वविद्यालय अपनी सफलता की यात्रा को जारी रखेगा और अपने समर्पित विश्वविद्यालय–समुदाय के जरिए गौरव प्राप्त करेगा।

¼ikQlj john dekj½
कुलपति (प्रभारी)

कार्य-निष्पादन सार

समाज के सभी वर्गों को उच्च शिक्षा उपलब्ध कराना, उन सभी लोगों के लिए विभिन्न स्तरों पर उच्च गुणवत्ता वाले नवीन और आवश्यकता–आधारित कार्यक्रम चलाना जिन्हें इसकी जरूरत है; और अपने केंद्रों के माध्यम से देश के सभी भागों और विदेशों में वहन योग्य लागत पर शैक्षिक कार्यक्रम शुरू करके सुविधा–वंचितों तक पहुँचने के लिए इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना 1985 में संसद के अधिनियम द्वारा की गई थी। इग्नू जीवन–पर्यंत उच्च शिक्षा और इसे समावेशी बनाकर शिक्षा का लोकतंत्रीकरण करने के लिए अवसरों का तेजी से विस्तार कर रहा है। विश्वविद्यालय ने लचीले और नवीन दृष्टिकोण को अपनाया है। इससे विद्यार्थियों को शिक्षा से कार्य और कार्य से शिक्षा की दिशा में जाने का प्रोत्साहन मिला है। यह दृष्टिकोण देश की विभिन्न प्रकार की जरूरतों और जनसांख्यिकीय लाभ की पूर्ण संभाव्यता एवं शक्ति में मानव संसाधनों को काम लाने की जरूरतों के संदर्भ में भी सर्वथा उपयुक्त है। 980 प्रशासनिक स्टाफ में से 24.6% अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति से संबंधित है और 415 तकनीकी स्टाफ में से 16.4% अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति से। वित्त वर्ष के अंत तक 250 शैक्षिक सदस्य तथा 273 अध्यापक कार्यरत थे।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की अनुमानित संचयी संख्या लगभग 26 लाख है और इसमें 2016–17 के प्रवेश चक्रों के दौरान नए और पुनःपंजीकरण के द्वारा 9,17,117 विद्यार्थी जुड़े। इनमें से 5,45,840 नव–नामांकित पंजीकरण था, जोकि कुल का 59.5% है। रिपोर्टाधीन अवधि में नामांकन में 15.2% की उल्लेखनीय वार्षिक वृद्धि हुई है। 2016–17 के इन आँकड़ों का विश्लेषण दर्शाता है कि इनमें से 43.8% महिलाएँ, 9.7% अनुसूचित जनजाति, 12.6% अनुसूचित जाति और 22.1% अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थी हैं। यह स्थिति समावेशी शिक्षा की दिशा में उल्लेखनीय सामाजिक प्रसार को दर्शाती है। विश्वविद्यालय ने 1,476 विदेशी; 149 असम राइफल्स; 4,095 थलसेना कार्मिकों और 1,981 वायुसेना कार्मिकों को नामांकित किया। रिपोर्टाधीन अवधि में दिल्ली–2 और दिल्ली–1 क्षेत्रीय केंद्रों से विद्यार्थियों के सबसे अधिक नामांकन हुए। यहाँ से क्रमशः 48,279 और 38,172 विद्यार्थियों ने नामांकन कराया। उसके बाद कुल क्षेत्रीय केंद्रवार नव–नामांकित विद्यार्थियों में से राँची (25,849), जम्मू (24,037), दिल्ली 3 (22,908); और कोलकाता (21,317) स्थित क्षेत्रीय आते हैं।

विश्वविद्यालय की 21 अध्ययन विद्यापीठों ने पाठ्यचर्या विकास के समन्वयन और अनुसंधान गतिविधियाँ करने सहित शैक्षिक कार्यक्रमों के नियोजन, डिजाइन और विकास संबंधी नियमित गतिविधियों को जारी रखा। रिपोर्टाधीन अवधि में विद्यापीठों ने विभिन्न विषयों में पाठ्यक्रमों को संशोधित किया और चल रहे शैक्षिक कार्यक्रमों में नए पाठ्यक्रम विकसित किए। विभिन्न प्रकार की सामाजिक–आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय विभिन्न विषयों में 236 शैक्षिक कार्यक्रम चला है। इन कार्यक्रमों में सततता विज्ञान, मानसिक स्वास्थ्य, सामुदायिक स्वास्थ्य, विदेशी भाषाएँ और पर्यटन आदि अध्ययन के नए विषय भी शामिल हैं। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित कार्यक्रम को शुरू/दोबारा शुरू किए :

i) सततता विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

ii) समाज कार्य परामर्श में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

iii) मानसिक स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

iv) जर्मन भाषा शिक्षण में डिप्लोमा

v) पाक कला में डिप्लोमा

vi) रूसी भाषा में सर्टिफिकेट

vii) नर्सों के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य में ब्रिज कार्यक्रम (सर्टिफिकेट)

viii) पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में सर्टिफिकेट; और

ix) जनसंख्या और सतत विकास संबंधी एप्रीसिएशन पाठ्यक्रम

विद्यार्थी पंजीकरण प्रभाग (एस.आर.डी.), विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एस.ई.डी.), सामग्री निर्माण एवं वितरण प्रभाग (एम.पी.डी.डी.) और संचार केंद्र (ई.एम.पी.सी.) ने विद्यार्थियों को सहायता सेवाओं को विस्तार प्रदान किया। 67 क्षेत्रीय केंद्रों और 2,948 विद्यार्थी सहायता केंद्रों के व्यापक नेटवर्क के जरिए शैक्षिक कार्यक्रम उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अधिकांशतः परंपरागत प्रणाली से लिए गए 60,262 अंशकालिक शैक्षिक परामर्शदाता विद्यार्थी सहायता केंद्रों पर विद्यार्थियों के लिए मानव अंतःक्रियात्मकता उपलब्ध करा रहे हैं। 2016–17 में 79 नए विद्यार्थी सहायता केंद्रों की स्थापना करके विद्यार्थी सहायता नेटवर्क को विस्तृत किया है।

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, 236 शैक्षिक कार्यक्रमों में नामांकित 9 लाख 17 हज़ार विद्यार्थियों की मुद्रित सामग्री की जरूरतों को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय ने अध्ययन सामग्री के 2 करोड़ 26 लाख खंड प्रकाशित किए। विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री के समय पर वितरण के लिए मुद्रित सामग्री के निर्माण और वितरण की निगरानी की जा रही है। अध्ययन सामग्री के वितरण का कार्य निर्धारित समय–सीमा के भीतर पूरा हो गया।

दिसंबर 2016 की सत्रांत परीक्षा में 4 लाख 80 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने 2,450 पाठ्यक्रमों की परीक्षा दी। यह परीक्षा 890 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई जिनमें 91 जेल केंद्र और 21 अंतर्राष्ट्रीय केंद्र भी शामिल हैं। इसी प्रकार, जुलाई 2016 में हुई सत्रांत परीक्षा में 5 लाख 60 हजार विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान मूल्यांकित उत्तर–पुस्तिकाओं की संख्या 32 लाख 80 हजार रही। विश्वविद्यालय, चुनिंदा परीक्षा केंद्रों पर वेब–कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सत्रांत परीक्षा के आयोजन की कड़ी निगरानी भी कर रहा है।

विश्वविद्यालय के अध्यादेश की धारा 5 के अनुसार अनुपस्थिता के आधार पर पात्र विद्यार्थियों की डिग्री/ डिप्लोमा/सर्टिफिकेट उनके क्षेत्रीय केंद्रों पर अग्रेषित किए गए। देश–विदेश के सभी क्षेत्रों के 1,93,662 विद्यार्थियों को डिग्री/डिप्लोमा और सर्टिफिकेट प्रदान किए गए जिनमें 48 डॉक्टोरल उपाधियाँ भी शामिल हैं। प्रमाण–पत्र प्राप्त कुल 1,93,662 विद्यार्थियों में से सर्वाधिक संख्या स्नातक उपाधि प्राप्त करने वालों की थी। उसके पश्चात स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, पी-एच.डी और एम.फिल. उपाधि वालों की। इसमें 79,356 (41%) स्नातक; 56,542 (29%) स्नातकोत्तर; 43,236 (22%) डिप्लोमा; 14,479 (8%) सर्टिफिकेट और 48 पी-एच.डी. तथा 1 एम.फिल. उपाधि शामिल हैं।

क्षेत्रीय केंद्रों ने भारत बोध, डिजिटल इंडिया, ऑनलाइन प्रवेश, 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान', वृक्षारोपण और पौधारोपण, दूर शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा अवसरों का संवर्धन, महिलाओं के शिक्षा अवसरों, सफल विद्यार्थियों के लिए शिक्षा तथा नौकरी संबंधी अवसर जैसे विभिन्न सामाजिक और शैक्षणिक मुद्दों पर जागरूकता के लिए विशेष प्रयास किए। रिपोर्टाधीन अवधि में क्षेत्रीय केंद्रों ने तत्काल प्रवेश, रोड शो, मोबाइल वैनों का प्रयोग, ग्रामीण और दूरदराज़ के क्षेत्रों सहित हर जगह के संभावित विद्यार्थियों के साथ बैठकें आदि नए दृष्टिकोण को अपनाकर नामांकन बढ़ाने के सार्थक प्रयास किए। विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा में अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों की भागीदारी में सुधार करने संबंधी एस.सी.एस.पी. और टी.एस.पी. योजना के अंतर्गत स्नातक–पूर्व शैक्षिक कार्यक्रमों (बी.ए, बी.एस-सी, बी.कॉम, बी.एस.डब्ल्यू. और बी.सी.ए.) में नामांकित अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्गों के विद्यार्थियों को सीधे लाभ अंतरण (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर – डी.बी.टी.) करने के अंतर्गत शुल्क प्रतिपूर्ति की अपनी लोकप्रिय योजना को जारी रखा।

दूर शिक्षा के विद्यार्थियों को न केवल समय पर गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री की जरूरत होती है बल्कि परामर्श सत्रों के आयोजन, सत्रीय कार्य जमा कराना और उनका मूल्यांकन, ग्रेड कार्ड का समय पर अद्यतनीकरण और उन्हें जारी करना जैसी अन्य सभी प्रकार की महत्वपूर्ण शैक्षिक सहायता सेवाओं की भी जरूरत होती है। इसलिए, रिपोर्टाधीन वर्ष में विश्वविद्यालय ने इन सेवाओं को मज़बूत करने संबंधी अपने प्रयासों को जारी रखा। अवधि के दौरान, विश्वविद्यालय ने विभिन्न स्तरों पर क्षेत्रीय केंद्र भवनों के निर्माण और विस्तार के माध्यम से अपने क्षेत्रीय केंद्रों की आधारभूत संरचना का और अधिक विस्तार किया ताकि विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएँ प्रदान की जा सकें।

रिपोर्टाधीन अवधि में विश्वविद्यालय के रोज़गार सहायता प्रकोष्ठ ने संबंधित क्षेत्रीय/अध्ययन केंद्रों के सक्रिय योगदान से विभिन्न स्थलों पर आठ आयोजन किए गए। प्रकोष्ठ ने मुख्यालय में तीन परिसर रोज़गार सहायता अभियान और दिल्ली–1 एवं दिल्ली–2 क्षेत्रीय केंद्रों के अंतर्गत आने वाले इग्नू अध्ययन केंद्रों पर दो नौकरी मेले आयोजित किए। इन रोज़गार सहायक अभियानों में कुल मिलाकर 4,462 विद्यार्थियों ने भाग लिया और उनमें से 1,374 विद्यार्थियों की छटनी की गई अथवा उनका चयन किया गया। एन.एस.क्यू.एफ. मानकों और उद्योग–जगत के साथ जुड़ावों के अनुपालन में विश्वविद्यालय, रोज़गार संभावनाओं और उद्यमशीलता के विकल्प बढ़ाने के लिए कौशल और ज्ञान के प्रसार हेतु शैक्षिक/प्रशिक्षण कार्यक्रमों की योजना बना रहा है और उन्हें डिजाइन कर रहा है।

विश्वविद्यालय, विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से विकलांगों की शैक्षिक, व्यावसायिक और पुनर्वास संबंधी जरूरतों को पूरा करता है। विकलांग विद्यार्थियों को सहायता सेवा प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय ने विशेष अध्ययन केंद्रों की स्थापना की है। रिपोर्टाधीन अवधि में संकेत भाषा में इग्नू पर वीडियो ब्रोशर तैयार किया गया। इससे भावी विकलांग विद्यार्थी विश्वविद्यालय और इसके द्वारा चलाए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जान सकेंगे। दृष्टि–बाधित और कमजोर नजर वाले विद्यार्थियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्हें चुनिंदा पाठ्यक्रमों की अध्ययन सामग्री की सॉफ्ट प्रति उपलब्ध कराई गई। इन्हें माँग पर विद्यार्थियों को उपलब्ध कराया गया। दृष्टि–बाधित विद्यार्थी की मांग पर बी.ए. (राजनीति विज्ञान) कार्यक्रम की अध्ययन सामग्री को श्रव्य रूप में परिवर्तित किया गया। विश्वविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय विकलांगताजन दिवस मनाया और 'ब्रेल दिवस', संवेदिता कार्यक्रम तथा राष्ट्रीय संगोष्ठी जैसी गतिविधियाँ आयोजित कीं ताकि लोगों को विकलांगता संबंधी मुद्दों के बारे में जानकारी दी जा सके और शिक्षित किया जा सके।

विश्वविद्यालय, अक्षम लोगों को सशक्त बनाने के मार्ग में आने वाली बाधाएँ तोड़ने के लक्ष्य के साथ अक्षमता संबंधी अंतर्विद्याश्रयी अध्ययन को बढ़ावा दे रहा है। साथ ही, विश्वविद्यालय मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली के द्वारा अक्षमता अध्ययन के क्षेत्र में अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों को भी बढ़ावा देता है। विश्वविद्यालय ने विकलांगता और उच्च शिक्षा में पिछले दस वर्षों में प्रकाशित/अप्रकाशित शोध कार्यों/दस्तावेजों को संकलित किया और इसे 'कम्पाइलेशन ऑफ इंडियन रिसर्च एब्सट्रेक्ट्स इन डिसेबिलिटीज़ स्टडीज़' शीर्षक से प्रकाशित किया। रिपोर्टाधीन अवधि में विकलांगता अध्ययन में पहली पी-एच.डी. मौखिकी आयोजित की गई। यह पी-एच.डी. शोध 'स्टडिंग दि एटीट्यूड्स ऑफ रूरल एंड अर्बन अनट्रेंड एंड ट्रेंड टीचर्स इन डिसेबिलिटी टूवर्ड्स चिल्ड्रन विद स्पेशल नीड्स इन इनक्लूसिव स्कूल' विषय पर की गई। विश्वविद्यालय ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से तैयार किए गए सामुदायिक स्वास्थ्य में सर्टिफिकेट में ब्रिज कार्यक्रम (बी.पी.सी.सी.एच.एन.) को जनवरी 2017 में शुरू किया। रिपोर्टाधीन अवधि में इस कार्यक्रम में राज्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रायोजित 320 विद्यार्थी नामांकित किए गए।

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ में दो केंद्र हैं – (क) गांधी और शांति अध्ययन केंद्र (सी.जी.पी.एस.); और (ख) इंदिरा गांधी स्वाधीनता संग्राम अध्ययन केंद्र (आई.जी.सी.एफ.एस.एस.)। इनमें से इंदिरा गांधी स्वाधीनता संग्राम अध्ययन केंद्र (आई.जी.सी.एफ.एस.एस.) की तीन अध्ययन पीठें – (i) बहादुरशाह ज़फ़र, (ii) जर्नल शाह नवाज़खान, आई.एन.ए.; और (iii) शहीद करतार सिंह सराभा – हैं। भारत सरकार का संस्कृति मंत्रालय इन अध्ययन पीठों का प्रायोजक है। केंद्र ने उर्दू और हिंदी के देशी समाचार–पत्रों में राष्ट्रवादी कविताओं, समाचारों, करारबद्ध श्रमिकों का इतिहास, फारसी अभिलेख, और आई.एन.ए. और सुभाष चंद्र बोस पर केंद्रित काव्य का संकलन किया है। इस केंद्र ने 'इंडियन फ्रीडम स्ट्रगल : डिफरेंट वॉयसिस, वैरीड स्ट्रीम्स बट कॉमन गोल' विषय पर एक दिन की संगोष्ठी आयोजित की। इसके अलावा, इस केंद्र 'थॉट्स एंड आइडियोलॉजी ऑफ भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकरः एक्सेपटेंस, डेविएशंस एंड रेलिवेंस, इंडिया 2025' विषय पर भी तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की। इस केंद्र ने भारत के अग्रणी समाज सुधारकों और स्वाधीनता सेनानियों के नाम पर चार पुरस्कार शुरू किए। ये हैं : i) श्री नारायण गुरु पुरस्कार, ii) बिरसा मुंडा पुरस्कार, iii) संत रविदास पुरस्कार; और iv) वीरांगना झलकरीबाई पुरस्कार। वर्ष 2016–17 के लिए ये पुरस्कार निम्नलिखित विभूतियों को दिए गए :

1) श्री नारायण गुरु पुरस्कार श्री बेज़वड़ा विल्सन को प्रदान किया गया।

2) बिरसा मुंडा पुरस्कार स्वर्गीय श्री दशरथ मांझी और उनके परिवार को दिया गया।

3) संत रविदास पुरस्कार सुश्री गिन्नी माही को दिया गया।

4) वीरांगना झलकरीबाई पुरस्कार श्री बापूराव भीमराव तजने को प्रदान किया गया।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद (एन.सी.पी.एस.एल.) द्वारा प्रायोजित सिंधी अध्ययन पीठ, इग्नू के अनुवाद अध्ययन और प्रशिक्षण विद्यापीठ में है। इस अध्ययन पीठ ने राष्ट्रीय स्तर की तीन संगोष्ठियाँ और एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की और सिंधी कहानियों के हिंदी अनुवाद पर काम शुरू किया। समाज कार्य विद्यापीठ की सी.बी.सी.आई.–इग्नू अध्ययन पीठ ने समाज कार्य में एम.फिल. और पी-एच.डी. कार्यक्रम में योगदान दिया।

विश्वविद्यालय ने रिपोर्टाधीन अवधि में दो आँकड़ा पुस्तकें प्रकाशित कीं। 'थ्री डिकेड्स ऑफ डिस्टेंस एज्यूकेशनः इग्नू, फ्रॉम 1986–87 टू 2014–15' शीर्षक पहली पुस्तक में इग्नू की सभी अध्ययन विद्यापीठों के वर्षवार, कार्यक्रमवार और स्तरवार नामांकन की आरेखीय प्रस्तुति और प्रवृत्ति विश्लेषण किया गया है। 'नर्चरिंग सोशल इक्विटी थ्रू डिस्टेंस एज्यूकेशन : इग्नू (1998-99 टू 2014-15)' शीर्षक दूसरी पुस्तक में इग्नू नामांकन संबंधी सामाजिक और जनसांख्यिकीय प्रोफाइल संबंधी विवरण दिए गए हैं। पुस्तक में इग्नू की सभी अध्ययन विद्यापीठों के विभिन्न सामाजिक वर्गवार, वर्षवार, कार्यक्रमवार और स्तरवार नामांकन की आरेखीय प्रस्तुति और प्रवृत्ति विश्लेषण किया गया है।

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, इग्नू ने स्ट्राइड की सहायता से जनशक्ति के क्षमता निर्माण पर अपना ध्यान केंद्रित किया। रिपोर्टाधीन अवधि में स्ट्राइड ने इग्नू और राज्य मुक्त विश्वविद्यालयों, दूर शिक्षा निदेशालयों/दूर शिक्षा संस्थाओं के अध्यापकों/शैक्षिक सदस्यों के साथ–साथ इग्नू के शिक्षकेतर/प्रशासनिक स्टाफ जैसे लक्ष्य समूहों के क्षमता निर्माण पर अपने प्रयास केंद्रित किए। 2016–17 के दौरान स्ट्राइड ने दूर शिक्षा में शोध प्रविधि, दूर शिक्षा में पुनश्चर्या कार्यक्रम, मुक्त और दूर शिक्षा के वित्तीय और प्रशासनिक पक्ष; तथा ओ.डी.एल. में स्व–शिक्षण सामग्री डिज़ाइन विषयों पर केंद्रित कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। रिपोर्टाधीन अवधि में स्ट्राइड ने इग्नू के अध्यापकों, शिक्षक वर्ग, शिक्षकेतर स्टाफ के लिए चार कार्यशालाएँ और एक 21–दिवसीय पुनश्चर्या कार्यक्रम आयोजित किया। अन्य अध्ययन विद्यापीठ, प्रभाग और केंद्र भी क्षेत्र–विशेष में प्रशिक्षण देने और कार्यशाला

आयोजित करने जैसे कार्यों में नियमित रूप से संलग्न रहे। इनके बारे में विवरण परिशिष्ट 6 में दिए गए हैं।

सेवारत अध्यापकों की प्रशिक्षण संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने इग्नू की प्रमुख भूमिका को ध्यान में रखा है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान इग्नू और उत्तराखंड सरकार के बीच सहयोग–पत्र (एम.ओ.सी.) पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अनुसार्र, प्रारंभिक शिक्षा में दो वर्षीय डिप्लोमा के माध्यम से प्रारंभिक (प्राथमिक और अपर प्राथमिक) स्तर के अप्रशिक्षित अध्यापकों को व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। केंद्रीय विद्यालय के अध्यापकों के लिए छह महीने के 'सर्टिफिकेट प्रोग्राम फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट ऑफ प्राइमरी टीचर्स' (सी.पी.पी.डी.पी.टी.) को जुलाई 2014 में अखिल भारत में परियोजना माध्यम से शुरू किया गया। जनवरी 2017 प्रवेश सत्र तक इस कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय ने पाँच बैचों में लगभग 11,000 अध्यापकों को नामांकित किया। विश्वविद्यालय, पूर्वोत्तर भारत के कुछ राज्यों में सेवारत अध्यापकों को प्रशिक्षण देने का काम भी कर रहा है। विश्वविद्यालय ने अध्यापक शिक्षा विषय में हुए अधुनातन विकास का अध्यापकों के ज्ञान और कौशल को अद्यतन करने के लिए बी.एड. के प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों को रिपोर्टाधीन वर्ष में संशोधित किया और द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रमों को संशोधित किया जा रहा है। रिपोर्टाधीन अवधि में शैक्षिक/प्रशिक्षण कार्यक्रमों के डिज़ाइन और वितरण के लिए विश्वविद्यालय ने विभिन्न उद्योगों/शैक्षिक/प्रशिक्षण/पेशेवर संस्थाओं के साथ शैक्षिक सहयोग किए हैं, जिनके विवरण परिशिष्ट 2 में दिए गए हैं।

रिपोर्टाधीन अवधि में विश्वविद्यालय ने राज्य मुक्त विश्वविद्यालयों के कुलपतियों का छठा सम्मेलन आयोजित किया। इसमें राज्य मुक्त विश्वविद्यालयों और दूर शिक्षण संस्थाओं/निदेशालयों के कुलपतियों/प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन में पिछले सम्मेलनों के कार्यों को आगे बढ़ाया गया और 'स्वयं' प्लेटफॉर्म के अंतर्गत, प्रयास के रूप में 'राज्य मुक्त विश्वविद्यालय' चैनल के संचालन पर विचार–विमर्श किया गया। सम्मेलन के परिणामस्वरूप, इस चैनल के लिए दृश्य विषय–वस्तु विकसित करने के लिए कार्य–योजना निर्धारित की गई।

विश्वविद्यालय ने अध्ययन–अध्यापन प्रक्रियाओं को बढ़ाने के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.) की क्षमताओं का उपयोग करने संबंधी प्रयास जारी रखे। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान दूर शिक्षा की गुणवत्ता में सर्वोत्कृष्टता अर्जित करने और पहुँच में सुधार करने के लिए आई.सी.टी. प्रयोग एवं तैनाती में उल्लेखनीय परिवर्तन लाने हेतु कई कदम उठाए हैं। विश्वविद्यालय के संचार केंद्र (ई.एम.पी.सी.) में कार्यरत तकनीकी स्टाफ, प्रोड्यूसरों और अन्य सहायक स्टाफ को साउंड रिकॉर्डिंग और चैनल पैकजिंग पर प्रशिक्षित किया गया। रिपोर्टाधीन वर्ष में संचार केंद्र ने 55 दृश्य और 83 श्रव्य कार्यक्रम तैयार किए। इस प्रकार, यह केंद्र अब तक कुल 4,665 दृश्य और 2,570 श्रव्य कार्यक्रम तैयार कर चुका है।

भारत के प्रथम शैक्षिक टी.वी. चैनल ज्ञान दर्शन–1 (जी.डी.1) ने अपने संचालन के 16 वर्ष सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। ज्ञान दर्शन–1 के कार्यक्रमों को एन.सी.ई.आर.टी. के केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान, एन.आई.ओ.एस., राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, सी.ई.सी. (यू.जी.सी), डी.एस.टी., डी.ए.ई. (प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय), एन.एल.एम. (राष्ट्रीय साक्षरता मिशन), एन.आई.टी.टी.टी.आर., बी.आर.ए.ओ.यू., और भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों आदि जैसे विभिन्न विकास संगठनों एवं शैक्षिक संस्थाओं के साथ पूल किया गया है। मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली में अंतःक्रियात्मकता बनाने के लिए, ज्ञान दर्शन–2 (जी.डी.2) के माध्यम से एक–तरफा दृश्य और दो–तरफा श्रव्य टेलीकॉन्फ्रेंसिंग सुविधाएँ प्रदान की जा रही थीं। इस चैनल के जरिए इग्नू विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण राष्ट्र–व्यापी कार्यक्रम, प्रसिद्ध विशेषज्ञों/सम्मानित व्यक्तियों के व्याख्यान और क्षेत्रीय केंद्रों के स्टाफ के साथ चर्चाएँ आयोजित की जा रही थीं। वर्तमान इनसैट 3 सी उपग्रह से नए जी.एस.ए.टी–10 उपग्रह में अंतरित करने के लिए इसरो ने जून 2014 से ज्ञान दर्शन 1 और 2 का प्रसारण बंद किया हुआ था। ज्ञान दर्शन को फिर से शुरू करने के लिए इग्नू और दूरदर्शन के बीच 7 अक्तूबर 2016 को समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

शैक्षिक एफ.एम. रेडियो चैनल ज्ञान वाणी देश के 37 शहरों के एफ.एम. रेडियो स्टेशनों के जरिए चलाया जा रहा है। ज्ञान वाणी एफ.एम. रेडियो स्टेशनों का प्रसारण अक्तूबर 2014 से चालू नहीं था। ज्ञान वाणी और ज्ञान दर्शन को फिर से शुरू कराने के लिए विश्वविद्यालय ने रिपोर्टाधीन अवधि में गंभीर प्रयास किए। विश्वविद्यालय ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ अनुमति समझौता अनुमोदन (ग्रांट ऑफ परमिशन एग्रीमेंट) पर हस्ताक्षर किए। इस दस्तावेज पर हस्ताक्षर से इग्नू 37 स्थानों से 15 वर्ष के लिए रेडियो स्टेशन चला सकेगा। 37 ज्ञान वाणी स्टेशनों के वायरलैस ऑपरेटिंग लाइसेंस (डब्ल्यू.ओ.एल.) को संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इस वर्ष 18 अक्तूबर 2016 को नवीकृत किया। 37 शहरों से ज्ञान वाणी 10 के.वी. एफ.एम. रेडियो स्टेशनों को संचालित करने के लिए आकाशवाणी और इग्नू ने 9 दिसंबर 2016 को एक नए समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। 11 जनवरी 2017 से ज्ञान वाणी दिल्ली से हर रोज़ सुबह 8.00 बजे से शाम 8.00 बजे तक प्रसारण शुरू हो गया है। अप्रैल 2017 से हर रोज़ अंतक्रियात्मक रेडियो परामर्श सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। हर रोज़, दिन में 11 बजे से 1 बजे के दौरान दो सीधे अंतक्रियात्मक रेडियो परामर्श सत्र आयोजित किए जाते हैं और उन सत्रों का शाम 5.30 से 7.30 बजे के दौरान पुनःप्रसारण किया जाता है।

रिपोर्टाधीन अवधि में ज्ञान धारा नामक इंटरनेट आधारित अंतक्रियात्मक श्रव्य परामर्श/वेब रेडियो सेवा शुरू की गई। इसके जरिए विद्यार्थी, अपने अध्यापकों और विशेषज्ञों के साथ दिन–विशेष के विषय पर सीधे चर्चा को सुन सकते हैं। इग्नू को 'स्वयं' (Study Webs of Active Learning for Young Aspiring Minds - SWAYAM) तथा 'स्वयंप्रभा' (SWAYAMPRABHA) के पाँच डी.टी.एच. चैनलों की मेजबानी का दायित्व सौंपा गया। ये चैनल हैं – संस्कृति; लिबरल कला; राज्य मुक्त विश्वविद्यालय; कृषि और व्यावसायिक शिक्षा; और अध्यापक शिक्षा। 'स्वयंप्रभा' भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय का प्रयास है। विश्वविद्यालय, 'स्वयं' और 'स्वयंप्रभा' परियोजनाओं के अंतर्गत डी.टी.एच. चैनलों के लिए टेली–व्याख्यान मूक्स पाठ्यक्रमों के निर्माण में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। थोड़े ही समय (मई 2016 से मार्च 2017) के दौरान ही सामाजिक विज्ञान, मानविकी, विदेशी भाषाएँ, दूर शिक्षा और अन्य विषय–क्षेत्रों के पाठ्यक्रमों के लिए लगभग 600 टेली–व्याख्यान रिकॉर्ड किए गए। रिकॉर्ड किए गए इन कार्यक्रमों में से 394 टेली–व्याख्यानों को संपादित भी किया गया। जुलाई 2017 सत्र के लिए स्वयं प्लेटफॉर्म पर ग्यारह पाठ्यक्रम विकसित किए और उनकी मेजबानी की। आगामी वर्ष में, द्वितीय चरण के अंतर्गत, कुल 44 पाठ्यक्रम तैयार किए जाएँगे।

विश्वविद्यालय ने 'नवधारणा' नामक मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली में नवप्रवर्तन संबंधी अंतःक्रियात्मक ऑनलाइन डाटाबेस डिज़ाइन और विकसित किया है। इसमें, हित–धारकों के लिए एक सौ से अधिक नवप्रवर्तन और विचार शामिल हैं। विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, स्टाफ और विद्यार्थियों के बीच सृजनात्मकता, नवप्रवर्तनों और बौद्धिक संपदा अधिकार (आई.पी.आर.) के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 'इनोवेट क्लब/इग्नू' स्थापित किया है। रिपोर्टाधीन अवधि में विश्वविद्यालय ने इस क्लब की आठ बैठकें आयोजित कीं। विश्वविद्यालय में नवप्रवर्तन की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय ने 'इनोवेट' नामक ई–न्यूज़लेटर शुरू किया। विश्वविद्यालय, विद्यार्थी सहायता सेवा को डिजिटल रूप में विस्तारित करने के लिए अंतःक्रियात्मक वेब पोर्टल विकसित करने की प्रक्रिया में है। इस उद्देश्य के निमित्त विश्वविद्यालय के कौशल विकास कार्यक्रमों के लिए उद्योग अंतःक्रियाओं/जुड़ावों तथा एन.एस.क्यू.एफ. अनुपालन के लिए अंतर–विद्यापीठ समूह का गठन किया है।

अनुसंधान पर अपने पिछले जोर को ध्यान में रखते हुए, विश्वविद्यालय ने अनुसंधान शिक्षा को और अधिक प्रोत्साहन दिया है। रिपोर्टाधीन अवधि में विश्वविद्यालय ने पी-एच.डी./एम.फिल. में कुल मिलाकर 340 शोधार्थियों को नामांकित किया और 48 शोधार्थियों को पी-एच.डी. एवं 1 को एम.फिल. की उपाधि प्रदान की। विश्वविद्यालय ने 'शोधधारा' नामक नवीन ऑनलाइन अनुप्रयोग डिज़ाइन और विकसित किया है। 'शोधधारा' शोध कार्य में प्रगति, शोध पत्र प्रकाशन, शोध दस्तावेजों के कोशागार आदि के बारे में सूचना की प्रबंध–व्यवस्था करने और अद्यतन

करने के प्रावधान के लिए तैयार किया गया है। इसमें पाँच मॉड्यूल हैं। ये हैं – प्रवेश मॉड्यूल, विद्यार्थी मॉड्यूल, शोध–निर्देशक मॉड्यूल, कार्यक्रम समन्वयक मॉड्यूल; और अनुसंधान मॉड्यूल। इन मॉड्यूलों में से रिपोर्टाधीन अवधि में प्रवेश मॉड्यूल और विद्यार्थी मॉड्यूल विकसित किए गए।

केंद्रीय पुस्तकालय संसाधन होस्ट वेबसाइट, वेब–ओपेक और एकीकृत सर्च इंजनों के माध्यम से और रिमोट एक्सैस के जरिए सभी इग्नू हितधारकों के लिए सुलभ हैं। मुख्यालय में स्थित पुस्तकालय में 1,43,981 मुद्रित पुस्तकें हैं और क्षेत्रीय केंद्रों एवं विद्यार्थी सहायता केंद्रों पर 2,51,762 पुस्तकें हैं। रिपोर्टाधीन अवधि में पुस्तकालय और प्रलेखन प्रभाग 75,000 ई–जर्नल और 1,711 ई–पुस्तकों का ग्राहक रहा। विश्वविद्यालय संकाय, शैक्षिक सदस्य, शोधार्थी, शिक्षकेतर सदस्य और विद्यार्थी इनका नियमित रूप से इस्तेमाल करते हैं। 1,646 पंजीकृत उपयोक्ताओं (अध्यापकों, शैक्षिक सदस्यों, शोधार्थियों, शिक्षकेतर स्टाफ और विद्यार्थियों) को पुस्तकालय के इन ई–संसाधनों की रिमोट एक्सैस सर्विसिज़ उपलब्ध कराई गई। डिजिटल कोशागार (ई–ज्ञानकोश) सेवा की फिर से स्थापना की गई और उसे संचालित किया गया। ई–ज्ञानकोश पोर्टल से विश्वविद्यालय की ज्यादा अध्ययन सामग्री समाज को उपलब्ध हो जाती है। अब, कोई भी इंटरनेट–सुविधा प्राप्त व्यक्ति इग्नू के 227 से अधिक कार्यक्रमों की अध्ययन सामगी को पढ़ सकता है।

इग्नू में राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एन.के.एन.) के अंतर्गत मुख्यालय में 1 जी.बी.पी.एच. की अतिरिक्त इंटरनेट ब्राडबैंड कनेक्टिविटी है। सहभागियों और विश्व के अन्य लोगों के लिए इंटरनेट पहुँच और ऑनलाइन सेवाओं के लिए यह मूलभूत सुविधा है। विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में सूचना प्रौद्योगिकी आदि सेवाओं के अलावा, एन.आई.सी. क्लाउड से सूचना प्रौद्योगिकी कंप्यूटिंग और भंडारण संबंधी आधारभूत संरचना को किराए पर लिया गया है ताकि ऑनलाइन प्रवेश, वेबसाइट और डी.एन.सी. जैसी विश्वविद्यालय की कुछ महत्वपूर्ण आई.टी. सुविधाओं को उसमें सहेजा जा सके। इससे विश्वविद्यालय के सभी हितधारकों को इन सेवाओं की उच्च उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी।

विश्वविद्यालय की अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उपस्थिति नजर आती है। विश्वविद्यालय ने बढ़ते हुए शैक्षिक सहयोग तथा क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के जरिए अपने विदेशी विद्यार्थियों के आधार को व्यापक किया है। इग्नू की इस समय 29 विदेशी अध्ययन केंद्रों (पैन–अफ्रीकी ई–नेटवर्किंग परियोजना के अंतर्गत स्थापित अध्ययन केंद्रों के अलावा) के माध्यम से 15 देशों तक पहुँच है। प्रशासनिक कारणों से, कुछ समय के लिए, विदेशी अध्ययन केंद्र प्रास्थगित किए हुए थे। किंतु, पिछले दो वर्षों के दौरान विश्वविद्यालय ने विदेशी अध्ययन केंद्रों को फिर से शुरू करने की दिशा में प्रयास किए। विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष, भारत के माननीय राष्ट्रपति के अनुमोदन से पिछले दो वर्षों में 10 देशों में 12 विदेशी अध्ययन केंद्रों को दोबारा से शुरू किया गया। इनमें से 3 केंद्रों को रिपोर्टाधीन वर्ष में शुरू किया गया। विश्वविद्यालय पैन–अफ्रीका ई–नेटवर्क के अंतर्गत अफ्रीका महाद्वीप के 31 देशों की 32 संस्थाओं/विश्वविद्यालयों में प्रबंध अध्ययन और प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल विषयों में अपने शैक्षिक कार्यक्रम भी चला रहा है। रिपोर्टाधीन अवधि के अंत तक पैन–अफ्रीका ई–नेटवर्क के अंतर्गत 2,750 विद्यार्थी नामांकित थे। 618 विद्यार्थियों ने अपने–अपने अध्ययन कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरे किए। अब इस परियोजना को मार्च 2017 तक विस्तारित किया गया है। रिपोर्टाधीन अवधि के अंत तक विदेशी अध्ययन केंद्रों के माध्यम से 2,435 विदेशी विद्यार्थी नामांकित थे, जिनमें ऊपर उल्लिखित पैन–अफ्रीका ई–नेटवर्क के अंतर्गत नामांकित विद्यार्थियों की संख्या शामिल नहीं है।

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, प्रशासन प्रभाग ने अपने गवर्नेंस, स्थापना, केंद्रीय क्रय एकक, सामान्य प्रशासन, सुरक्षा एकक, जन संपर्क एकक, हिंदी प्रकोष्ठ, विधि प्रकोष्ठ, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ, समन्वय एकक, भर्ती प्रकोष्ठ और आर.टी.आई. प्रकोष्ठ जैसे कार्यात्मक एककों के माध्यम से अपनी नेमी गतिविधियाँ कीं। भारत सरकार के केंद्रीय सार्वजनिक अधिप्राप्ति पोर्टल के माध्यम से विश्वविद्यालय के लिए मदों की खरीद हेतु ई–निविदा शुरू करके प्रशासन में डिजिटीकरण प्रक्रिया को अपनाने के प्रयास किए।

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय की वित्तीय उपलब्धियों के अंतर्गत 631.93 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्ति की तुलना में व्यय 105.7% (668.21 करोड़ रुपए) रहा। कुल राजस्व में से मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा केंद्रीय योजना निधियन 19.0% (120.32 करोड़ रुपए) है और शेष राजस्व विद्यार्थियों से शुल्क एवं अन्य आंतरिक स्रोतों के जरिए प्राप्त हुआ।

इग्नू बैक ऑफिस प्रक्रियाओं के लिए इलेक्ट्रॉनिक रिसोर्सिस प्लानिंग (ई.आर.पी.) लागू करता है, जिसे 'ओ.डी.एल. सॉफ्ट–ई.आर.पी.' के नाम से जाना जाता है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, ओ.डी.एल. सॉफ्ट–ई.आर.पी. के लिए डाटा सेंटर के जरिए सृजित सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी आधारभूत संरचना और संबंधित सेवाएँ ओ.एफ.सी., सी.ए.टी.6, और वाई–फाई कनेक्टिविटी का इस्तेमाल करते हुए लगभग 2500 नेटवर्क नोड चौबीसों घंटे काम करती रहती है।

विश्वविद्यालय का बागवानी प्रकोष्ठ 150 एकड़ में फैले विश्वविद्यालय परिसर को हरा–भरा रखता है। रिपोर्टाधीन वर्ष में प्रकोष्ठ ने परिसर में फल वाले अत्यधिक पौधे लगाने और इग्नू के भवनों को भीतरी पौधों से सजाने पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया है। प्रकोष्ठ ने विश्वविद्यालय मुख्यालय में दो बगीचे तैयार किए। विश्वविद्यालय ने वर्षा जल संचयन के लिए परिसर में पहली बार 2,000 अस्थायी जल निकास खंदक बनाए। प्रजनन की विभिन्न तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए कई गुणा प्रवर्धन करते हुए प्रकोष्ठ ने 5,781 पौधों; 5,194 सजावटी पौधों; 2,500 बेलबूटे वाले पौधे; तथा मौसमी फूलों के पौधारोपण के अलावा ऑएस्टर मशरूम और 'हैरीमोन समर ज़ोन ऐप्पल' नामक सेब की नई प्रजातियाँ और नींबू के पौधे लगाए। साथ ही, कई प्रकार के मौसमी फूलों वाले पौधों के 6,013 गमले तैयार किए।

समेकन की प्रक्रिया में विश्वविद्यालय ने रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान अपने आकार और संचालनात्मक आयाम के समक्ष उभरी चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है। तदनुसार, सर्वोत्तम व्यवहारों को बनाए रखते हुए और समेकन करते हुए गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए समीक्षा, अनुचिंतन, विश्लेषण और समुचित कार्रवाई करने के लिए समुचित कदम उठाए गए हैं। मुख्य फोकस उस विद्यार्थी–केंद्रित दृष्टिकोण पर ही है, जो विद्यार्थियों की व्यक्तिगत अपेक्षाओं और संयुक्त जरूरतों के लिए उपयुक्त हो।

अध्याय-I
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय : प्रोफाइल

iLrkouk

विश्व के सबसे बड़े विश्वविद्यालय इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) की स्थापना वर्ष 1985 में संसद के अधिनियम के अंतर्गत निम्नलिखित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए की गई :

- अपनी गतिविधियों के आयोजन में किसी भी संचार प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल सहित विविध माध्यमों के द्वारा शिक्षा और ज्ञान का उन्नयन और प्रसार;
- अपेक्षाकृत अधिक लोगों को उच्च शिक्षा की सुविधाएँ उपलब्ध कराना;
- आम तौर पर समुदाय के शैक्षिक कल्याण को बढ़ावा देना; और
- देश के शैक्षिक प्रतिरूप में मुक्त विश्वविद्यालय और दूर शिक्षा प्रणाली को प्रोत्साहन देना।

विश्वविद्यालय ने मुक्त एवं दूर शिक्षा (ओ.डी.एल.) प्रणाली के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुँच बढ़ाकर देश की उच्च शिक्षा के क्षेत्र में योगदान किया है। विश्वविद्यालय ने वर्ष 1987 में थोड़े से विद्यार्थियों के साथ प्रबंध में डिप्लोमा; और दूर शिक्षा में डिप्लोमा नामक दो कार्यक्रमों से शुरुआत की थी। उस समय इसके विद्यार्थियों की संख्या 4,528 थी। लेकिन धीरे–धीरे आगे बढ़ते हुए विश्वविद्यालय ने जबरदस्त प्रगति की है। इस समय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की अनुमानित संचयी संख्या 26 लाख है। वर्ष 2016–17 के दौरान 9,17,117 विद्यार्थियों ने नामांकन कराया। इनमें से 5,45,840 (कुल का 59.5%) नए विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान नामांकन में 15.2% प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2016–17 में कुल नव–नामांकन में से 43.8% महिलाएँ, 9.7% अनुसूचित जनजाति, 12.6% अनुसूचित जाति और 22.1% अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थी हैं। ये सभी देश के विभिन्न सामाजिक परिदृश्य का प्रतिनिधित्व करते हैं।

विश्वविद्यालय 21 विद्यापीठों और 67 क्षेत्रीय केंद्रों, 2,948 विद्यार्थी सहायता केंद्रों के नेटवर्क के जरिए अपने शैक्षिक कार्यक्रम चला रहा है। इनमें सुविधा-वंचित समूहों को मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली के माध्यम से उच्च शिक्षा की मुख्य धारा में लाने के लिए स्थापित विशेष अध्ययन केंद्र (एस.एस.सी.) भी शामिल हैं।

इग्नू ने सतत व्यावसायिक विकास और विस्तार गतिविधियाँ आयोजित करने के लिए विभिन्न प्रकार के शैक्षिक कार्यक्रम एवं पाठ्यक्रम चलाकर उच्च शिक्षा के उन्नयन और विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है। दूर शिक्षा में विश्व के अग्रणी संस्थान के रूप में इग्नू को कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग (सी.ओ.एल.), कनाडा ने सर्वोत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया। इंटरनेट पर प्रभाव, मुक्तता और सर्वोत्कृष्टता के संदर्भ में इसकी विद्यमानता के मानदंड के आधार पर भारतीय विश्वविद्यालयों की वेबमैट्रिक रैंकिंग की सूची में यह 224वें स्थान पर रहा। विश्वविद्यालय अध्यापन, अनुसंधान, प्रशिक्षण और विस्तार सेवाओं में गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। यह दूर एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली में विशेषज्ञता के लिए राष्ट्रीय संसाधन केंद्र के रूप में भी कार्य करता है। विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा स्टाफ प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (स्ट्राइड), अंतर–विश्वविद्यालय कंसोर्टियम (आई.यू.सी.), राष्ट्रीय अक्षमता अध्ययन केंद्र (एन.सी.डी.एस.) और राष्ट्रीय दूर शिक्षा नवप्रवर्तन केंद्र (एन.सी.आई.डी.ई.) जैसे केंद्र विशिष्ट विद्यार्थी समूहों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और दूर शिक्षा प्रणाली को समृद्ध बना रहे हैं। अंतर–विश्वविद्यालय कंसोर्टियम की स्थापना से विश्वविद्यालय ने देश में प्रौद्योगिकी–समर्थ शिक्षा के नए युग में प्रवेश किया।

19 uocj 2016 dk fo'ofo|ky; d 31o LFkkiuk fnol lekjkg dk vk;ktu

विद्यार्थियों से अंतःक्रिया करने के लिए उच्च नामांकन वाले अध्ययन केंद्रों और अनेक क्षेत्रीय केंद्रों को कंप्यूटर आधारित नेटवर्क कनेक्टिविटी प्रदान की गई है। अब इंटरेक्टिव मल्टीमीडिया और ऑन–लाइन विद्यार्थी सहायता–सेवा प्रणाली विकसित करने के साथ–साथ मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली के ढाँचे के भीतर परंपरागत दूर शिक्षा वितरण प्रणाली में आधुनिक प्रौद्योगिकी–समर्थ शिक्षा जोड़ने पर बल दिया जा रहा है।

विश्वविद्यालय ने विदेशी अध्ययन केंद्रों (ओ.एस.सी.) के माध्यम से विदेशी विद्यार्थियों का नामांकन करके अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी पर्याप्त ख्याति प्राप्त की है। अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों और सम्मेलनों में संकाय की भागीदारी के साथ–साथ व्याख्यानों के अलावा अन्य संगोष्ठियों और सम्मेलनों में विदेशी शिक्षाविदों के नियमित दौरों से संकाय के साथ अंतःक्रिया का अवसर उपलब्ध होता है।

23&25 Qjojh 2017 dk Hkkjr&ck/k lc/kh vrjk"Vh; lxk"Bh e Hkkjr d ekuuh; jk"Vifr Jh i.ko e[kth

fo'ofo|ky; dk i kf/kdkjh&fudk;

भारत के राष्ट्रपति विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष हैं। वे विश्वविद्यालय के उच्चतम प्राधिकारी हैं। 'प्रबंध–बोर्ड' विश्वविद्यालय का प्रमुख कार्यपालक निकाय है। इसे संविधियों द्वारा विश्वविद्यालय के राजस्व, वित्त और संपत्ति तथा विश्वविद्यालय के सभी शैक्षिक तथा प्रशासनिक कार्यों के प्रबंधन तथा प्रशासन की शक्ति प्रदान की गई है। 'शैक्षिक परिषद' विश्वविद्यालय का शीर्षस्थ शैक्षिक प्राधिकारी.निकाय है जो विश्वविद्यालय की शैक्षिक नीतियों संबंधी निर्णय लेता है और अध्ययन प्रणाली, मूल्यांकन और शैक्षिक मानकों में सुधार लाने के लिए दिशा–निर्देश देता है। यह विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों में मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण भी प्रदान करता है। विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों का डिज़ाइन तैयार करने, विकसित करने और वितरण करने का दायित्व 'योजना बोर्ड' का है। इस पर विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जाने वाले शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए प्राथमिकताओं को सूत्रबद्ध करने का दायित्व भी है। विश्वविद्यालय के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक समझे जाने वाले किसी भी विषय पर यह प्रबंध बोर्ड और शैक्षिक परिषद को परामर्श भी देता है। अनुसंधान कार्यक्रमों की योजना, डिज़ाइन, संगठन और देखरेख का दायित्व 'अनुसंधान परिषद' का है। अध्ययन विद्यापीठ आधारभूत शैक्षिक इकाइयाँ हैं जिन पर शैक्षिक कार्यक्रमों के संकल्पना–निर्माण, डिज़ाइन और विकास का दायित्व है। प्रत्येक अध्ययन विद्यापीठ में एक 'विद्यापीठ बोर्ड' होता है, जो विद्यापीठ की शैक्षिक गतिविधियों का निरीक्षण एवं देख–देख करता है। विद्यापीठ का निदेशक बोर्ड की अध्यक्षता करता है। 'वित्त समिति' विश्वविद्यालय को सभी वित्तीय मामलों के संबंध में परामर्श देती है। यह सरकार से प्राप्त कुल अनुदान, और विश्वविद्यालय की आय के आधार पर कुल आवर्ती और गैर–आवर्ती व्यय के लिए सीमाएँ भी निश्चित करती है। यह विश्वविद्यालय के लेखा की जाँच और व्यय की संवीक्षा भी करती है।

12 tqykbZ 2016 dks vk;ksftr ;kstuk cksMZ dh cSBd

विश्वविद्यालय के अधिकारी हैं – कुलपति, समकुलपति, विद्यापीठों/प्रभागों/केंद्रों/संस्थानों के निदेशक, कुलसचिव, वित्त अधिकारी और पुस्तकालयाध्यक्ष। कुलपति विश्वविद्यालय के मुख्य कार्यपालक अधिकारी हैं और वे प्रबंध बोर्ड, शैक्षिक परिषद, योजना बोर्ड, अनुसंधान परिषद; और वित्त समिति के पदेन अध्यक्ष हैं।

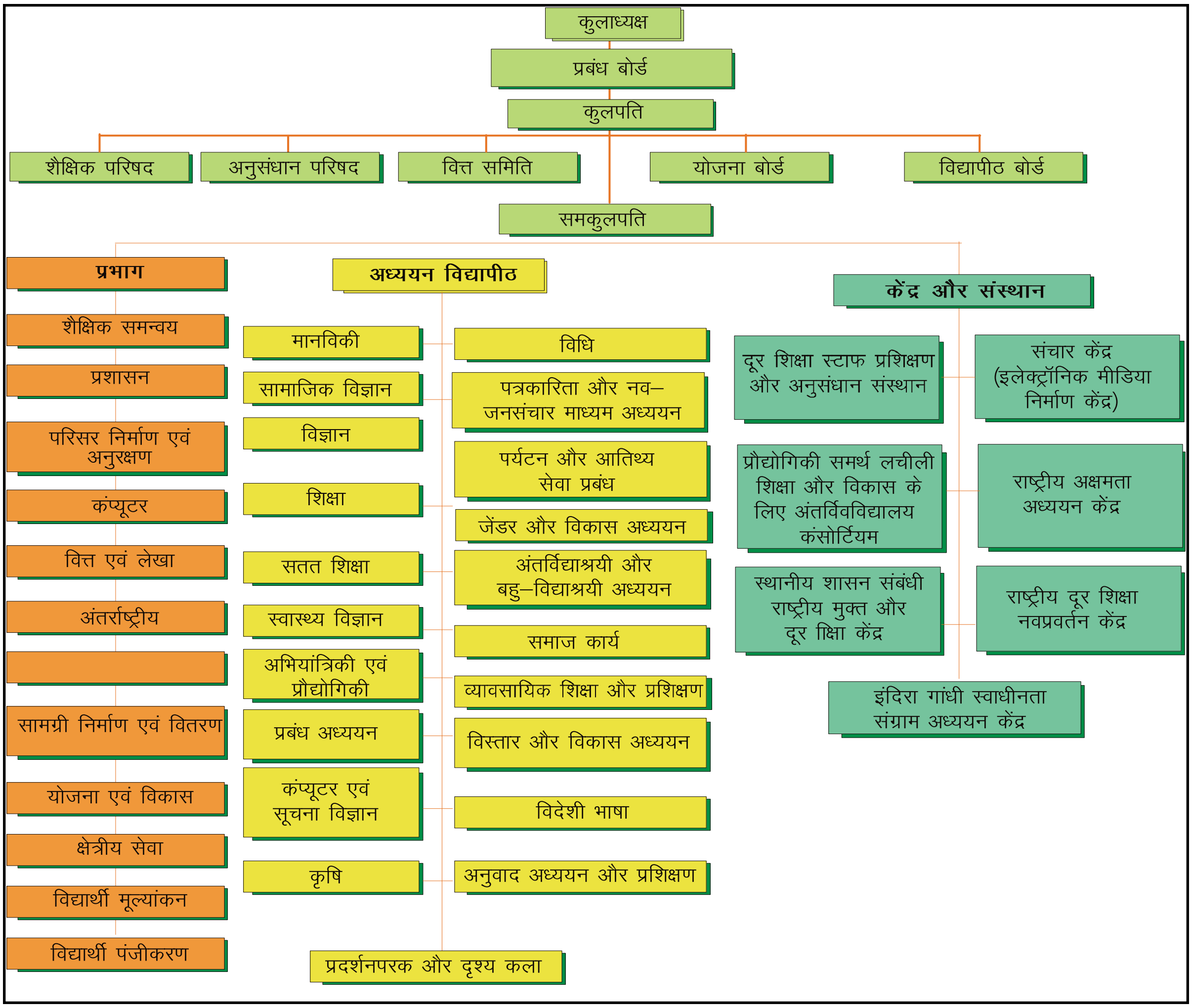

bfnjk xka/kh jk"Vªh; eqDr fo'ofo|ky; dh laxBukRed lajpuk

'kSf{kd dk;Øe

रिपोर्टाधीन अवधि में इग्नू 236 शैक्षिक, व्यावसायिक, रोज़गारमूलक, जागरूकता–सृजन करने वाले और कौशलमूलक अध्ययन कार्यक्रम चला रहा है। ये शैक्षिक कार्यक्रम सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर, एम.फिल. और डॉक्टोरल उपाधि स्तर के हैं। लोगों और विशेष रूप से समाज के सुविधा वंचित वर्गों के लोगों की विभिन्न शैक्षिक एवं रोज़गार संबंधी जरूरतों को पूरा करना इन कार्यक्रमों का मुख्य केंद्र है। व्यावसायिक वृद्धि के लिए रोज़गाररत लोगों की सतत शिक्षा और प्रशिक्षण संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए कई कार्यक्रम तैयार किए गए हैं। इन शैक्षिक कार्यक्रमों का डिज़ाइन और विकास देश–भर के प्रसिद्ध विशेषज्ञों और इग्नू के शैक्षिक डिज़ाइनकारों तथा मीडिया विशेषज्ञों के सक्रिय सहयोग से संकाय–सदस्यों द्वारा किया जाता है। अपने विद्यार्थियों को अच्छी गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री प्रदान करके विश्वविद्यालय देश में उच्च शिक्षा के मानकों को ऊँचा उठाने में सफल रहा है। विद्यार्थी–केंद्रिकता पर बल देने वाले इस विश्वविद्यालय ने ज्यादा लचीला शिक्षा परिवेश प्रदान करने के उद्देश्य से कई मॉड्यूलर कार्यक्रमों को भी शुरू किया।

जागरूकता/एप्रीसिएशन कार्यक्रमों के अलावा, अन्य सभी शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए क्रेडिट निर्धारित किए गए हैं। सामान्यतः स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम के लिए 64–72 क्रेडिट, स्नातक उपधि कार्यक्रम के लिए 96–124 क्रेडिट, डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए 24–36 क्रेडिट और सर्टिफिकेट कार्यक्रम के लिए 12–18 क्रेडिट निर्धारित किए गए हैं। क्रेडिट छूट और क्रेडिट–अंतरण प्रदान करने के लिए भी एक नीति अपनाई गई है। मुक्त और दूर शिक्षा

संस्थान होने के नाते इग्नू प्रवेश अर्हताओं, स्थान, गति और अध्ययन की अवधि में पर्याप्त लचीलापन प्रदान करता है। अध्ययन विद्यापीठों के सभी शैक्षिक विषयों में शोध के साथ–साथ मुक्त एवं दूर शिक्षा प्रणाली में व्यवस्थित अनुसंधान इग्नू का प्रमुख फोकस है। विद्यार्थी, विभिन्न विषयों में कई पी-एच.डी. और एम. फिल. कार्यक्रमों में अध्ययन कर रहे है। रिपोर्टाधीन अवधि में विभिन्न अध्ययन विद्यापीठों में 340 शोधार्थियों को एम.फिल/पी-एच.डी. उपाधि कार्यक्रमों में दाखिला दिया गया। रिपोर्टाधीन अवधि में विभिन्न विषयों में 49 शोधार्थियों को एम.फिल/पी-एच.डी. (48 पी-एच.डी. और 1 एम.फिल.) उपाधियाँ प्रदान की गईं। प्रशिक्षण, अनुसंधान और शैक्षिक संवृद्धि के लिए बाह्य वित्त–पोषित परियोजनाओं के अलावा, शैक्षिक कार्यक्रमों के डिज़ाइन, विकास और वितरण के लिए विश्वविद्यालय ने विभिन्न संगठनों से सहयोग किया है। इन संगठनों में कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग (सी.ओ.एल.), विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.), विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यू.आई.पी.ओ.), केंद्रीय विद्यालय संगठन (के.वी.एस.), भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालय, राज्य सरकारें, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एस.एस.आर.), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आई.सी.ए.आर.), प्रसार भारती (ब्रॉडकास्टिंग कार्पोरेशन ऑफ इंडिया), नोएडा स्थित दि इंडियन कलिनरी इंस्टीट्यूट और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.), बंबई आदि संगठन शामिल हैं।

21 tu 2016 dks varjkZ"Vªh; ;ksx fnol dk vk;kstu

f'k{k.k iz.kkyh

विश्वविद्यालय मल्टीमीडिया शिक्षण प्रणाली के माध्यम से अपने शैक्षिक कार्यक्रम उपलब्ध कराता है। इनमें स्व–शिक्षण मुद्रित सामग्री, दृश्य–श्रव्य सामग्री, रूबरू परामर्श, रेडियो, टेलीविजन, अंतःक्रियात्मक रेडियो परामर्श, प्रयोगशाला और व्यावहारिक अनुभव, वेबकॉन्फ्रेंसिंग, अंतःक्रियात्मक मल्टीमीडिया, सीडी–रोम और इंटरनेट आधारित अध्ययन के साथ–साथ तुरंत संदेश के लिए मोबाइल फोनों का इस्तेमाल शामिल हैं। विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, नर्सिंग, चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी आदि जैसे विषय–क्षेत्रों में गहन प्रायोगिक कक्षाओं/प्रायोगिक अध्यापन के लिए कुछ चुनिंदा अध्ययन केंद्रों/कार्य केंद्रों/कार्यक्रम केंद्रों की व्यवस्था की गई है। मुद्रित अध्ययन सामग्री और अध्ययन केंद्र सहायता जैसे दूर शिक्षा के परंपरागत वितरण तरीकों को अंतःक्रियात्मक रेडियो, टेलीविजन पर नियमित अंतराल में परामर्श, अंतःक्रियात्मक मल्टीमीडिया विषयवस्तु, वेब–आधारित कॉन्फ्रेंस और डिजिटल विषय-वस्तु के साथ–साथ सी.डी./वेब सुविधा के माध्यम से पुष्ट किया जा रहा है। शैक्षिक प्रणाली का डिज़ाइन तथा अध्यापकों एवं काउंसिलरों के क्षमता निर्माण को विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्यापीठ, प्रभाग और केंद्र आगे बढ़ाते हैं।

bfnjk xk/kh jk"Vh; eDr fo'ofo|ky; e f'k{k.k i.kkyh

fo|kFkh lgk;rk lok,¡

इग्नू ग्रामीण, शहरी, जनजातीय क्षेत्रों, शारीरिक रूप से विकलांगों, सामाजिक रूप से हाशिए के लोगों, सैक्स वर्करों, कैदियों; सरकारी और ग़ैर–सरकारी क्षेत्रों के कार्मिकों; नियोक्ताओं, संगठित और असंगठित क्षेत्रों के कर्मचारियों; सशस्त्र सेनाओं और अर्ध–सैनिक बलों के कार्मिकों; अभिभावकों एवं गृहणियों आदि को शिक्षा प्रदान कर रहा है। विश्वविद्यालय के पास क्षेत्रीय केंद्रों तथा विद्यार्थी सहायता केंद्रों का राष्ट्रीय–स्तरीय एक विद्यार्थी सहायता नेटवर्क है। गहरी जड़ें जमाए अपने इस विद्यार्थी सहायता सेवा नेटवर्क के जरिए इग्नू, देश के दूरदराज़ और हाशिए के क्षेत्रों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक लोगों तक पहुँचने में सक्षम है। विद्यार्थियों और अन्य सहभागियों को विषय–विशेष आधारित शैक्षिक परामर्श, श्रव्य/दृश्य कार्यक्रमों को सुनना/देखना, पुस्तकालय सुविधाएँ, टेलीकॉन्फ्रेंसिंग, वीडियो–कॉन्फ्रेंसिंग, मल्टीमीडिया सहायता, कंप्यूटर की उपलब्धता, प्रयोगशाला कार्य और अन्य अभ्यास कार्य जैसी कई प्रकार की सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। विश्वविद्यालय महिलाओं, अल्पसंख्यक समुदायों, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सुविधा-वंचित समूहों, कैदियों, पूर्वोत्तर क्षेत्र, और देश के जनजातीय क्षेत्रों तथा कम साक्षरता वाले क्षेत्रों की ओर विशेष रूप से ध्यान दे रहा है। पूरे देश में पहचान किए गए इन क्षेत्रों में विश्वविद्यालय ने विशेष अध्ययन केंद्र खोले हैं। विशेष अध्ययन केंद्रों के बारे विवरण 'विद्यार्थी सहायता सेवाएँ' शीर्षक अध्याय–IV में दिया गया है। शैक्षिक ज़रूरतों के आधार पर अपने विद्यार्थियों को कार्य–अनुभव, प्रैक्टिकल और व्यावहारिक प्रशिक्षण सुविधाएँ प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय, बाहरी अभिकरणों के साथ सहयोग कर रहा है।

02 tykb 2016 dk Mk- lt; ck: }kjk fn;k x;k 21ok ik- th- jke jMMh Lefr 0;k[;ku

i'kklu vkj foÙk

प्रशासन प्रभाग, विश्वविद्यालय का सामान्य प्रशासन संचालित करता है। कुलसचिव इस प्रभाग के अध्यक्ष हैं। यह प्रभाग, विश्वविद्यालय की सभी विद्यापीठों, प्रभागों, केंद्रों और अन्य एककों को प्रशासनिक सहायता उपलब्ध कराता है। इस प्रभाग की कार्य-प्रणाली संबंधी विवरण, इस रिपोर्ट के 'गवर्नेंस, संसाधन और आधारभूत संरचना' शीर्षक अध्याय–VI में दिया गया है।

विश्वविद्यालय के वित्त की देख–रेख वित्त एवं लेखा प्रभाग द्वारा की जाती है। यह प्रभाग, विश्वविद्यालय की ओर से राजस्व प्राप्तियों को एकत्रित करने तथा व्यय करने का कार्य करता है। यह प्रभाग, वित्त समिति के दिशा–निर्देश में बजट अनुमान तैयार करना, प्राप्तियाँ और व्यय की समीक्षा, वित्तीय निवेश तथा विश्वविद्यालय के वित्त संबंधी सभी दायित्व निभाता है। वित्त और लेखा संबंधी विवरण भी अध्याय–VI में ही शामिल किए गए हैं।

m|e llk/ku fu;ktu

विश्वविद्यालय के सभी संचालनों को कंप्यूटरीकृत करने के प्रयास में विभिन्न गतिविधियों को स्वचालित और एकीकृत किया गया है। बैक ऑफिस इंटीग्रेटिड ऑटोमेशन के लिए पीपुल्स सॉफ्ट ई.आर.पी. मॉड्यूलों को कार्यान्वित किया गया है। बैक ऑफिस ऑटोमेशन के अंतर्गत वित्त एवं लेखा, मानव संसाधन, वेतन पत्रांक, प्रशासन और केंद्रीय पुस्तकालय आते हैं। विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एस.ई.डी.), सामग्री निर्माण एवं वितरण प्रभाग (एम.पी.डी.डी.), क्षेत्रीय सेवा प्रभाग (आर.एस.डी.) तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रभाग (आई.डी.) में भी प्रक्रियाओं के ऑटोमेशन करने की योजना है।

15 vxLr 2016 dk bXu LVkQ vkj mud cPpk d lkFk Lorr=rk fnol lekjkg dk vk;ktu

अध्याय–II
शैक्षिक गतिविधियाँ

विश्वविद्यालय की शैक्षिक गतिविधियाँ मुख्य रूप से अध्ययन विद्यापीठों के जरिए संपन्न की जाती हैं। विभिन्न अध्ययन विद्यापीठों की अनुसंधान संबंधी गतिविधियों का समन्वय 'अनुसंधान एकक' नामक एक अलग एकक के द्वारा किया जाता है। कुछ केंद्र, अनुसंधान सहित नवप्रवर्तन को बढ़ावा देने, क्षमता निर्माण को मज़बूत करने और सहायक शैक्षिक गतिविधियों का कार्य भी करते हैं। इस अध्याय में रिपोर्टाधीन अवधि में अध्ययन विद्यापीठों, केंद्रों/संस्थालन और अन्य नए शैक्षिक प्रयासों के बारे में जानकारी दी गई है। विभिन्न विद्यापीठों द्वारा चलाए जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों की जानकारी परिशिष्ट 3 में दी गई है। बाह्य वित्त–पोषण वाली अनुसंधान परियोजनाओं के साथ–साथ अध्ययन विद्यापीठों, दूर शिक्षा स्टाफ प्रशिक्षण अनुसंधान संस्थान (स्ट्राइड), केंद्रों और अंतर–विश्वविद्यालय कंसोर्टियम (आई.यू.सी.) द्वारा आयोजित संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, व्याख्यानों और प्रशिक्षण के बारे में जानकारी परिशिष्ट 5 और 6 में दी गई है। चलाए जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों की संख्या के बारे में समेकित जानकारी इस अध्याय के अंत में तालिकाबद्ध रूप में और आरेख के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है। इस अध्याय में विश्वविद्यालय की शैक्षिक गतिविधियों संबंधी जानकारी अध्ययन विद्यापीठ, केंद्र/संस्थान और अन्य शैक्षिक गतिविधियाँ शीर्षक से तीन भागों में विभाजित करके प्रस्तुत की गई हैं।

v/; ;u fo|kihB

इस समय विश्वविद्यालय में 21 अध्ययन विद्यापीठ हैं। विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे सभी शैक्षिक कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों के नियोजन, डिजाइन, विकास और समन्वय का उत्तरदायित्व इन विद्यापीठों पर है। प्रत्येक विद्यापीठ का एक स्कूल बोर्ड है जो विद्यापीठ विशेष के पाठ्यचर्या डिज़ाइन और विकास, अनुसंधान कार्य और अन्य प्रमुख कार्यकलापों जैसी शैक्षिक गतिविधियों की देखरेख करता है। शैक्षिक कार्यक्रमों, पात्रता, अवधि, अपेक्षित क्रेडिट और शिक्षा के माध्यम संबंधी जानकारी इग्नू की वेबसाइट www.ignou.ac.in और उसमें संबंधित विद्यापीठ के वेब–पृष्ठ पर उपलब्ध हैं।

ekufodh fo|kihB

अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू और अन्य भारतीय भाषाओं में शैक्षिक कार्यक्रम तैयार करना और शुरू करना विद्यापीठ का अधिदेश है। विद्यापीठ में हिंदी, अंग्रेजी, असमिया, संस्कृत, बांग्ला, कन्नड़, मलयालम, गुजराती, मराठी, ओड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू, भोजपुरी और मैथिली के विषय शामिल हैं। विद्यापीठ हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, पूर्व–स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के कार्यक्रम/पाठ्यक्रम चला रहा है। विद्यापीठ ने भोजपुरी और मैथिली भाषाओं सहित 16 आधुनिक भारतीय भाषाओं में आधार पाठ्यक्रम भी डिज़ाइन और विकसित किए हैं। इसके अलावा, संकाय द्वारा विश्वविद्यालय की अध्ययन सामग्री और अन्य प्रकाशनों का संपादन कार्य भी किया जा रहा है। विद्यापीठ का अनुवाद एकक अध्ययन सामग्री और अन्य प्रकाशनों का अनुवाद और पुनरीक्षण कार्य करता है।

lkekftd foKku fo|kihB

सामाजिक विज्ञान के प्रमुख क्षेत्रों/शाखाओं में शैक्षिक कार्यक्रम चलाना और अनुसंधान आयोजित करना विद्यापीठ का अधिदेश है। सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के लिए निर्धारित किए गए विषय हैं – अर्थशास्त्र, इतिहास, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान, राजनीति विज्ञान, लोक प्रशासन, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र और नृविज्ञान। विद्यापीठ ने 'इंटरप्रेटिंग कल्चर : सब्जेक्टिविटी, आइडियोलॉजी एंड आइडेंटिटी' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 'हार्नेसिंग दि पोटेंशियल ऑफ जेनेरेशन 'वाई'' विषय पर एक सत्र के साथ–साथ 'ओवरकमिंग डिप्रेशन : दि कॉमन कोल्ड ऑफ मॉडर्न लाइफ' पर डॉ. जयंती दत्ता की वार्ता आयोजित की। विद्यापीठ उसे सौंपे गए विषयों के क्षेत्रों में डॉक्टोरल, स्नातकोत्तर तथा स्नातक स्तर के शैक्षिक कार्यक्रम चलाता है। इस समय, विद्यापीठ 33 शैक्षिक कार्यक्रम चला रहा है।

Ckkck lkgc vacsMdj dh t;arh ds volj ij lkekftd foKku fo|kihB }kjk
12 vizy 2016 dks fp=dyk izfr;ksfxrk dk vk;kstu

विद्यापीठ में दो केंद्र हैं :

d½ xka/kh vkSj 'kkafr v/;;u dsUnz ¼lh-th-ih-,l-½ : संघर्ष में शांति निर्माण और संघर्षोत्तर समाजों में शांति निर्माण सहित शांति अध्ययन के सभी पक्षों में सृजनात्मक रूप से भागीदारी के लिए विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करना इस केंद्र का उद्देश्य है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए इस केंद्र ने इस क्षेत्र में काम कर रहे जाने–माने भारतीय विद्वानों द्वारा विकसित यथार्थ शैक्षिक पाठ्यचर्या तैयार की है। इससे विद्यार्थियों को आलोचनात्मक चिंतन और विश्लेषणात्मक कौशल के साथ–साथ अनुसंधान के लिए वैकल्पिक प्रविधियाँ विकसित करने में भी मदद मिलेगी।

[k½ bafnjk xka/kh Lok/khurk laxzke v/;;u dsaæ ¼vkbZ-th-lh-,Q-,l-,l-½ : यह केंद्र वर्ष 2008 में स्थापित किया गया। इस केंद्र में तीन अध्ययन पीठ हैं। ये हैं – (i) बहादुरशाह ज़फ़र, (ii) जर्नल शाह नवाज़खान, आई.एन.ए.; और (iii) शहीद करतार सिंह सराभा। भारत सरकार का संस्कृति मंत्रालय इन अध्ययन पीठों का प्रायोजक है। इस केंद्र ने देशी समाचार पत्रों में राष्ट्रवादी कविताओं का संकलन किया है। केंद्र ने हिंदी, फारसी और उर्दू में काम शुरू किया है। केंद्र ने निम्नलिखित क्षेत्रों में संकलन कार्य करके अनुसंधान आयोजित किए :

1) 1857–58 के फारसी अभिलेख

2) उर्दू समाचार–पत्रों का राष्ट्रवादी काव्य

3) हिंदी समाचार–पत्रों का राष्ट्रवादी काव्य

4) करारबद्ध श्रमिकों के इतिहास पर भारतीय समाचार–पत्रों में प्रकाशित समाचारों और रिपोर्टें

5) आई.एन.ए. और सुभाष चंद्र बोस पर केंद्रित काव्य

आधुनिक भारतीय इतिहास और विशेष तौर पर स्वाधीनता संग्राम संबंधी इतिहास के विद्वानों और शोधार्थियों की मदद के लिए इस संकलन को प्रकाशन के लिए तैयार किया गया है।

केंद्र ने 'इंडियन फ्रीडम स्ट्रगल : डिफरेंट वॉयसिस, वैरीड स्ट्रीम्स बट कॉमन गोल' विषय पर 9 अगस्त 2016 को एक दिन की संगोष्ठी आयोजित की। संगोष्ठी का विषय प्रवर्तन करते हुए केंद्र के निदेशक प्रो. कपिल कुमार ने बताया कि भारत के स्वाधीनता संघर्ष का मुख्यधारा का इतिहास लिखते समय इस प्रकार के कई पक्षों, घटनाओं और व्यक्तियों को नज़रअंदाज़ किया गया है। पूर्व सांसद, इतिहासकार और वरिष्ठ पत्रकार डॉ. चंदन मित्र ने संगोष्ठी में आधार व्याख्यान दिया। डॉ. मित्र ने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में भारतीयों की भूमिका पर प्रकाश डाला और इस बात पर ज़ोर दिया कि नज़अंदाज़ स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान का न केवल रिकॉर्ड किया जाना चाहिए बल्कि उनके द्वारा किए गए त्याग के बारे में वर्तमान पीढ़ी को अवगत भी कराया जाना चाहिए।

bfM;u ÝhMe LV'xy % fMQjsV ok;fl l] oSjhM LVªhEl cV dkWeu xksy fo"k; ij 9 vxLr 2016 dks vk;ksftr laxks"Bh dk mn?kkVu djrs gq, iwoZ lkaln Mk- pUnu fe=k(iks- dfiy dqekj vkSj iks- johUnz dqekj] dqyifr

केंद्र ने 16–18 नवंबर 2016 के दौरान 'थॉट्स एंड आइडियोलॉजी ऑफ भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर : एक्सेपटेंस, डेविएशंस एंड रेलिवेंस, इंडिया 2025' विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी भी आयोजित की।

केंद्र ने भारत के अग्रणी समाज सुधारकों और स्वाधीनता सेनानियों के नाम पर चार पुरस्कार शुरू किए। ये हैं : i) श्री नारायण गुरु पुरस्कार, ii) बिरसा मुंडा पुरस्कार, iii) संत रविदास पुरस्कार; और iv) वीरांगना झलकरीबाई पुरस्कार।

प्रत्येक पुरस्कार में एक सम्मान पत्र और 51,000/– रुपए की राशि दी जाती है। यह पुरस्कार हर वर्ष प्रदान किया जाएगा। वर्ष 2016–17 के लिए ये पुरस्कार निम्नलिखित विभूतियों को दिए गए :

1) श्री नारायण गुरु पुरस्कार श्री बेज़वड़ा विल्सन को प्रदान किया गया। कर्नाटक के एक दलित परिवार में जन्मे श्री विल्सन ने हाथों से गंदगी उठाने के अमानवीय व्यवहार के विरुद्ध अभियान चलाने वाले के रूप में उभरे।

2) बिरसा मुंडा पुरस्कार स्वर्गीय श्री दशरथ मांझी और उनके परिवार को दिया गया। श्री मांझी ने 110 मीटर (360 फुट) लंबी, 9.1 मीटर (30 फुट) चौड़ी और 7.6 मीटर (25 फुट) गहरे आकार की पहाड़ी को काटकर सड़क बनाने का अद्वितीय कार्य किया था।

3) संत रविदास पुरस्कार सुश्री गिन्नी माही को दिया गया। उनकी दृढ़ आवाज़ सामाजिक मीडिया में लोकप्रिय रही। उन्होंने पंजाबी संगीत के माध्यम से वंचित जातियों के मुद्दों को दृढ़ता के साथ उद्‌घाटित किया।

4) वीरांगना झलकरीबाई पुरस्कार श्री बापूराव भीमराव तजने को प्रदान किया गया। जब गाँव के ऊँची जाति के लोगों ने उन्हें कुएँ का इस्तेमाल करने से मना कर दिया तो उन्होंने सकारात्मक रूप से लड़ाई लड़ने का दृढ़ निश्चय किया। इसके परिणामस्वरूप उन्होंने केवल 40 दिनों के भीतर कुआँ खोद डाला।

16 uoacj 2016 dks *FkkV~l ,.M vkbfM;kyksth vkQ Hkkjr jRu Mk- Hkhejko vacsMdj % ,DlsiVsal] Mfo,'ku ,.M jsfyoasl] bfM;k] 2025* fo"k; ij vk;kftr jk"Vªh; laxks"Bh

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ में डॉ. भीमराव अंबेडकर सामाजिक परिवर्तन और विकास अध्ययन पीठ है। डॉ. अंबेडकर के विचारों एवं चिंतन का प्रसार करना और संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएँ, व्याख्यान, फिल्में आदि सहित शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित करना इस अध्ययन पीठ का उद्‌देश्य है। अध्ययन पीठ से समानता पर आधारित समावेशी समाज के डॉ. अंबेडकर के स्वप्न को पूरा करने की दिशा में प्रयास करने की अपेक्षा है।

foKku fo|kihB

विज्ञान और गणित के विभिन्न क्षेत्रों/शाखाओं में शैक्षिक कार्यक्रम तैयार करने और चलाने के साथ–साथ अनुसंधान आयोजित करना विद्यापीठ का अधिदेश है। विद्यापीठ में जैव रसायन विज्ञान, रसायन विज्ञान, भूगोल, भूविज्ञान, जीव विज्ञान, गणित, भौतिकी और सांख्यिकी विषय हैं। विद्यापीठ द्वारा तैयार किए कुछ पाठ्‌यक्रम कुछ अन्य विद्यापीठों द्वारा चलाए जा रहे स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.ए. और बी.कॉम.), पर्यटन अध्ययन में स्नातक (बी.टी.एस.), कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (बी.सी.ए.), पोस्ट बेसिक बी.एस-सी. (नर्सिंग), 'पर्यावरण अध्ययन में सर्टिफिकेट' (सी.ई.एस.), बौद्धिक संपदा अधिकारों में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.आई.पी.आर.), और स्नातक प्रारंभिक कार्यक्रम (बी.पी.पी.) जैसे शैक्षिक कार्यक्रमों के अनिवार्य घटक हैं।

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान विद्यापीठ, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (सी.बी.सी.एस.) के अनुसार बी.एस-सी. के लिए स्व–शिक्षण सामग्री तैयार कर रहा है। 'साइंस एंड टेक्नोलॉजी

फॉर स्पेशली एबेल्ड पर्संस' विषय पर संगोष्ठी आयोजित करके 28 फरवरी 2017 को विज्ञान दिवस मनाया। इस अवसर पर, संगोष्ठी के विषय पर केंद्रित एक पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

f'k{kk fo|kihB

ज्ञान के साथ–साथ व्यावसायिक पेशे के एक क्षेत्र के रूप में शिक्षा संबंधी शैक्षिक कार्यक्रम तैयार करना और शुरू करना एवं अनुसंधान आयोजित करना विद्यापीठ का अधिदेश है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान इग्नू और उत्तराखंड सरकार के बीच सहयोग–पत्र (एम.ओ.सी.) पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग–पत्र के अनुसार, प्रारंभिक शिक्षा में दो वर्षीय डिप्लोमा के माध्यम से प्रारंभिक (प्राथमिक और अपर प्राथमिक) स्तर के अप्रशिक्षित अध्यापकों को व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

if'kf{kr vè;kidk dk 0;kolkf;d if'k{k.k miyC/k djku d fy, bXuw vkj mÙkjk[kM ljdkj d chp 22 twu 2016 dk lg;kx&i= ¼,e-vks-lh-½ ij gLrk{kj

केंद्रीय विद्यालय के अध्यापकों के लिए छह महीने के 'सर्टिफिकेट प्रोग्राम फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट ऑफ प्राइमरी टीचर्स' (सी.पी.पी.डी.पी.टी.) को जुलाई 2016 शैक्षिक सत्र में परियोजना माध्यम से देश–भर में शुरू किया गया था। जनवरी 2017 प्रवेश सत्र तक इस कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय ने पाँच बैचों में लगभग 11,000 अध्यापकों को नामांकित किया। विद्यापीठ ने जुलाई 2016 सत्र में पीएच.डी. (शिक्षा) के लिए कोर्स वर्क शुरू किया। मिज़ोरम, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा जैसे पूर्वोत्तर भारत के राज्यों के लिए हस्ताक्षर किए गए सहयोग–पत्र के अंतर्गत परियोजना माध्यम में 'प्रारंभिक शिक्षा में डिप्लोमा' कार्यक्रम शुरू किया गया। विद्यापीठ ने 'शैक्षिक प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा' का संशोधन शुरू किया और इग्नू के स्नातक उपाधि कार्यक्रम के अंतर्गत विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (सी.बी.सी.एस.) के अनुसार बी.ए. शिक्षा कार्यक्रम तैयार करना शुरू किया। बी.एड. के प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों को संशोधित किया गया और रिपोर्टाधीन वर्ष में शुरू किया गया। इसी कार्यक्रम के द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रमों को संशोधित किया जा रहा है। विद्यापीठ के संकाय ने 24 जनवरी 2017 को थाईलैंड की सुखोथाई थम्माथिराट ओपन यूनिवर्सिटी के संकाय के साथ अंतःक्रिया की। विद्यापीठ ने 27–29 मार्च 2017 को 'टीचर

एज्यूकेशन थ्रू ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग : चैलेंजिज एंड दि रोड एहैड’ मूल विषय पर अध्यापक शिक्षा संबंधी एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजत किया।

27&29 ekpZ 2017 dks *Vhpj ,T;qds'ku Fkzw vksiu ,.M fMLVsal yfuZax % pSysaftt ,.M fn jksM ,gsM* fo"k; ij vk;ksftr jk"Vªh; lEesyu ds izfrHkkxh

lrr f'k{kk fo|kihB

प्रत्येक व्यक्ति को जीवन-पर्यंत शिक्षा प्राप्त करने और उसे निरंतर अद्यतन करने के अवसर प्रदान करना विद्यापीठ का अधिदेश है ताकि व्यक्ति ज्ञान के प्रत्येक क्षेत्र में और खास तौर से व्यावसायिक तथा रोज़गारमूलक क्षेत्रों में हुई वृद्धि के साथ कदम से कदम मिला सकें। विद्यापीठ सतत विकास पर जोर दे रहा है जिसमें ग्रामीण गरीबी की स्थिति में सुधार के साथ–साथ महिलाओं और बच्चों का सशक्तीकरण भी शामिल है। इस विद्यापीठ में ग्राम विकास, पोषण विज्ञान, बाल विकास एवं गृह विज्ञान विषय शामिल हैं।

vfHk;kaf=dh vkSj çkS|ksfxdh fo|kihB

रोज़गार और सतत शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी संबंधी विभिन्न विषयों/शाखाओं में शैक्षिक कार्यक्रम तैयार करने और चलाने के साथ–साथ अनुसंधान आयोजित करना विद्यापीठ का अधिदेश है। विद्यापीठ ने उद्योगों, प्रशिक्षण, व्यावसायिक और शैक्षिक संस्थाओं के साथ सहयोग में शिक्षा और प्रशिक्षण परियोजनाएँ की हैं। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान विद्यापीठ सर्टिफिकेट स्तर के दो शैक्षिक कार्यक्रम डिज़ाइन करने के साथ–साथ सर्टिफिकेट स्तर के तीन शैक्षिक कार्यक्रमों को संशोधित करने संबंधी काम भी कर रहा था।

çca/k v/;;u fo|kihB

नौकरी कर रहे व्यक्तियों को प्रबंध संबंधी शैक्षिक योग्यता प्राप्त करने के अवसर उपलब्ध कराना विद्यापीठ का अधिदेश है ताकि वे अपने प्रबंधकीय कौशल और सामर्थ्य का उन्नयन कर सकें। विद्यापीठ, व्यावसायिक जगत और समाज में व्यापक रूप से हो विकास के संदर्भ में शैक्षिक पाठ्यक्रम/कार्यक्रम चला रहा है। विद्यापीठ विशिष्ट लक्ष्य

समूहों की जरूरतों को पूरा करने के लिए कार्यक्रम तैयार करने के लिए विभिन्न शीर्षस्थ संस्थाओं के साथ सहयोग भी करता है। विद्यापीठ, नौकरी कर रहे व्यक्तियों और व्यावसायिक विशेषज्ञों को प्रबंध संबंधी शैक्षिक योग्यता प्राप्त करने के अवसर उपलब्ध कराता है ताकि वे प्रबंधकीय कौशल और सामर्थ्य का उन्नयन कर सकें और क्षेत्र विशेष संबंधी योग्यताएँ अर्जित कर सकें। विद्यापीठ में प्रबंध और वाणिज्य विषय हैं। पूँजी बाज़ार के व्यावसायिक–विशेषज्ञों के लिए सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, स्नातक और स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम चलाने के लिए विद्यापीठ ने 23 जनवरी 2017 को मुंबई के एन.एस.ई. एकेडमी लिमिटेड के साथ समझौता–ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए।

i¡th ckt+kj d¢ O;kolkf;d&fo'k"kKk¨ g¢rq fofHkUu ikB~;Øe pyku¢ d¢ fy, 23 tuojh 2017 dk¨ eqcbZ d¢ ,u-,l-bZ- ,dMeh fyfeVsM d¢ lkFk le>kSrk&Kkiu ¼,e-vk¨-;w-½ ij gLrk{kj

LokLF; foKku fo|kihB

चिकित्सा, नर्सिंग और परा–चिकित्सा कार्मिकों के लिए दूर एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली से शैक्षिक अवसरों में वृद्धि करना विद्यापीठ का अधिदेश है। स्वास्थ्य से संबंधित व्यावसायिक–विशेषज्ञों की विविध श्रेणियों के लिए डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट स्तर के शैक्षिक कार्यक्रमों की योजना बनाना, उनका विकास करना और उन्हें शुरू करना इस विद्यापीठ की मुख्य गतिविधि है। इसके अलावा, आम लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता पाठ्यक्रम उपलब्ध कराना और स्वास्थ्य संबंधी मामलों पर शोध करना भी इस विद्यापीठ की प्रमुख गतिविधियों में शामिल है। विद्यापीठ ने शैक्षिक कार्यक्रमों के विकास और प्रसार के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, तथा नेशनल बोर्ड ऑफ एग्ज़ामिनेशन (एन.बी.ई.) जैसे कई राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से सहयोग किया है।

विद्यापीठ ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य में सर्टिफिकेट (बी.पी.सी.सी.एच.एन.) कार्यक्रम तैयार किया और शुरू किया। इस कार्यक्रम में राज्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रायोजित 320 विद्यार्थी नामांकित किए गए। बी.पी.सी.सी.एच.एन. कार्यक्रम के लिए बाइस नए कार्यक्रम अध्ययन केंद्र स्थापित किए गए। विद्यापीठ द्वारा चलाए जा रहे अन्य शैक्षिक कार्यक्रमों में कौशल और प्रशिक्षण देने के लिए तीन/चार कार्यक्रम अध्ययन केंद्र स्थापित किए गए।

gkVZ Vw gkVZ fo"k; ij 26 vDrwcj 2016 dks 0;k[;ku nsrs gq, iùJh) ân;jksx fo'ks"kK Mk- uj's'k =gu

विद्यापीठ ने 'नवजात और शिशु नर्सिंग में सर्टिफिकेट' और 'माता एवं शिशु स्वास्थ्य नर्सिंग में सर्टिफिकेट' को सफलतापूर्वक संशोधित किया। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, एक सर्टिफिकेट, दो स्नातकोत्तर डिप्लोमा और बी.एस-सी. पोस्ट बेसिक नर्सिंग कार्यक्रमों को संशोधित करने का काम किया जा रहा था। विद्यापीठ ने 'स्वास्थ्य देखभाल अपशिष्ट प्रबंधन' (सी.एच.सी.डब्ल्यू.एम.) कार्यक्रम के संशोधन के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (सिएरो) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके अलावा, विद्यापीठ रिपोर्टाधीन अवधि में 'आयुर्वेद प्रैक्टिशनरों के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य में ब्रिज कार्यक्रम' तैयार करने पर कार्य कर रहा है। विद्यापीठ ने, रिपोर्टाधीन अवधि में, 'आयुर्वेद प्रैक्टिशनरों के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य में सर्टिफिकेट में ब्रिज कार्यक्रम' तैयार करने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

bXuw rFkk LokLF; vkSj ifjokj dY;k.k ea=ky; ds chp 03 vxLr 2016 dks le>kSrk&Kkiu ¼,e-vks-;w-½ nLrkost dk vknku&inku

विद्यापीठ ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर 7 अप्रैल 2017 को पी.एस.आर.आई. टीम के सहयोग से स्वास्थ्य वार्ता और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। इसके अलावा, विद्यापीठ ने 26 अक्तूबर 2016 को भी एक और स्वास्थ्य शिविर लगाया। (इनके विवरण परिशिष्ट 6 में दिए गए हैं।)

26 vDVwcj 2016 dks LokLF; foKku fo|kihB }kjk LokLF; f'kfoj dk vk;kstu

dEI;wVj vkSj lwpuk foKku fo|kihB

कंप्यूटर और सूचना विज्ञान के क्षेत्र में शैक्षिक कार्यक्रम उपलब्ध कराना विद्यापीठ का अधिदेश है। विद्यापीठ ने इस चुनौती को स्वीकार किया कि कंप्यूटर शिक्षा न केवल मुक्त और दूर शिक्षा माध्यम से संभव है बल्कि प्राथमिकता भी दिए जाने योग्य है। विद्यापीठ, विभिन्न स्तरों पर उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करता है और नवप्रवर्तनकारी बहु–मीडिया अध्ययन/अध्यापन पैकेजों के द्वारा विभिन्न प्रकार के विद्यार्थियों की शैक्षिक जरूरतों को पूरा करता है। रिपोर्टाधीन अवधि में विद्यापीठ ने दूर शिक्षा स्टाफ प्रशिक्षण अनुसंधान संस्थान (स्ट्राइड) और क्षेत्रीय सेवा प्रभाग (आर.एस.डी.) के सहयोग से 21 दिवसीय पुनश्चर्या कार्यक्रम आयोजित किया। 'आई.सी.टी. इन ओ.डी.एल.' विषय पर केंद्रित यह पुनश्चर्या कार्यक्रम इग्नू के अध्यापकों और शैक्षिक सदस्यों के लिए आयोजित किया गया था। विद्यापीठ, कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग (सी.ओ.एल.) के साथ हस्ताक्षर किए गए करार के अंतर्गत आई.सी.टी. कौशल में पाठ्यक्रमों को डिज़ाइन करने संबंधी कार्य भी कर रहा था।

—f"k fo|kihB

संसाधनों के सुरक्षित एवं सतत उपयोग और पोषणात्मक खाद्य उत्पादन/सुरक्षा के लिए कृषि में शिक्षा और ज्ञान प्रबंधन की जरूरतों को पूरा करना कृषि विद्यापीठ का अधिदेश है। राष्ट्रीय और क्षेत्रीय नीतियों के साथ–साथ बाज़ार की जरूरतों के संदर्भ में प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने के लिए किसानों और ग्रामीण युवाओं के कृषि संबंधी ज्ञान, कौशल और उद्यमशीलता क्षमताओं में सुधार करना विद्यापीठ का विज़न है। विद्यापीठ सक्षमता–आधारित शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से जलवायु परिवर्तन तथा कम होती जा रही उत्पादकता जैसे कृषि संबंधी उभरते मुद्दों पर लाभार्थियों की क्षमता का विकास करना चाहती है। ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादकता और मानव जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने और उसे बनाए रखने के लिए शैक्षिक और विस्तार संबंधी कार्य करने के उद्देश्य से विद्यापीठ द्वारा शैक्षिक और विस्तार गतिविधियाँ की गईं। विद्यापीठ, भारत सरकार के प्रयास 'स्वयंप्रभा' परियोजना के अंतर्गत डी.टी.एच. चैनलों में से कृषि (व्यावसायिक) और संबंधित विज्ञान के एक चैनल का समन्वयन कर रहा

है। विद्यापीठ ने स्वयं प्लेटफॉर्म के अंतर्गत कृषि और संबंधित क्षेत्रों में चार व्यापक मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सिस – मूक्स) विकसित करने के प्रयास शुरू किए। रिपोर्टाधीन अवधि में खाद्य प्रसंस्करण और गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशाला ने काम करना शुरू किया। विद्यापीठ ने फलों और सब्ज़ियों से मूल्य-वर्धित उत्पादों में डिप्लोमा के सभी पाठ्यक्रमों के साथ–साथ डेयरी प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा तथा खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम के दो–दो पाठ्यक्रमों को संशोधित किया। विद्यापीठ ने, रिपोर्टाधीन अवधि में, भारत सरकार के खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा वित्त–पोषित 'डेवलपमेंट ऑफ ट्रेनिंग मॉड्यूल फॉर फूड सेफ्टी एंड हाइजिन फॉर हाउसवाइव्स' शीर्षक परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया।

Tky icU/ku vkSj okVj'kSM icU/ku ds {ks= esa viuh mYys[kuh; ;ksxnku ds fy, 20 tuojh 2017 dks Hkkjr ljdkj dh dsanzh; ea=h mek Hkkjrh ls fo'ks"k iqjLdkj izkIr djrs gq, fo|kihB ds ladk; lnL; MkW- egsd'k dqekj

fof/k fo|kihB

मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली के माध्यम से ज्ञान और पेशेवर प्रैक्टिस के क्षेत्र के रूप में विधि विषय में शिक्षा और अनुसंधान करना विद्यापीठ का अधिदेश है। उभरती विश्व व्यवस्था में विधिक अधिकारों और उत्तरदायित्वों के बारे में नवप्रवर्तनकारी, मल्टी–मीडिया शिक्षण पैकेजों के जरिए जागरूकता पैदा करना विद्यापीठ का उद्देश्य है। विद्यापीठ ने परा–लीगल शिक्षा, न्यायालय प्रशासन, विधि और कार्यालय प्रबंधन, विधिक सहायता प्रशासन, सरकारी तथा उद्योग जगत में मध्यम और उच्च स्तरों पर काम करने वालों के लिए व्यवसाय–आधारित और प्रबंधोन्मुखी विधि शिक्षा में कार्यक्रमों के विकास पर ज़ोर दिया है। जेंडर और विकास अध्ययन विद्यापीठ और विधि विद्यापीठ मिलकर विधि में जेंडर में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट कार्यक्रम तैयार कर रहे हैं।

i=dkfjrk vkSj uo&tulapkj ek/;e v/;;u fo|kihB

मीडिया क्रांति के परिणामस्वरूप सामान्य रूप से मीडिया का और विशेष रूप से समाचार उद्योग का अत्यधिक प्रसार हुआ है। इस मीडिया क्रांति का मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली के माध्यम से शिक्षा और प्रशिक्षण में सार्थक उपयोग करना विद्यापीठ का अधिदेश है। समाज के बड़े वर्ग तक पहुँचने के लिए पत्रकारिता और नव–जनसंचार माध्यम,

संचार के सशक्त साधनों के रूप में उभर रहे हैं। मीडिया क्रांति ने अत्यधिक व्यावसायिक अवसर खोले हैं। इसी के कारण उद्योग, शिक्षा जगत और अनुसंधान में प्रशिक्षित मानव संसाधन की ज़रूरत सामने आई है। विद्यापीठ, पत्रकारिता और नव–जनसंचार के विविध क्षेत्रों में प्रशिक्षित कार्यबल की अलग–अलग प्रकार की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए विभिन्न स्तरों के शैक्षिक कार्यक्रम चला रहा है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान विद्यापीठ संचार अध्ययन में एम.फिल., पत्रकारिता और जनसंचार में एम.ए., पत्रकारिता और नव–मीडिया में बी.ए; तथा पत्रकारिता और नव–मीडिया में डिप्लोमा स्तर के पाँच कार्यक्रम तैयार कर रहा है। इसके अलावा, रिपोर्टाधीन अवधि में विद्यापीठ द्वारा पत्रकारिता और जनसंचार माध्यम में स्नातकोत्तर डिप्लोमा का व्यापक संशोधन और मीडिया तथा सूचनात्मक साक्षरता में एप्रीसिएशन कार्यक्रम भी प्रगति पर है।

जेंडर और विकास अध्ययन विद्यापीठ

'महिलाएँ और जेंडर अध्ययन' तथा 'जेंडर और विकास अध्ययन' के क्षेत्रों में शिक्षा और अनुसंधान के जरिए जेंडर समता एवं न्याय प्राप्त करना विद्यापीठ का अधिदेश है। विद्यापीठ जेंडर असमानता के मुद्दे पर विचार करता है। महिलाओं को सशक्त बनाने और जेंडर संबंधी मुद्दों की अपेक्षाकृत गहन अवधारणात्मक समझ को बढ़ावा देने वाले व्यक्तिगत और संस्थागत प्रयासों को सुदृढ़ करना इसका उद्देश्य है। विद्यापीठ अनुसंधान आयोजित करने; समुचित शोध प्रविधि तैयार करने; और दो मुख्य क्षेत्रों ('जेंडर और विकास' तथा 'महिलाएँ और जेंडर अध्ययन') में प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करने एवं उन्हें लागू करने संबंधी कार्य कर रहा है। विद्यापीठ के अन्य प्रमुख केंद्रित विषय हैं – विधि, विज्ञान, कृषि, साहित्य और संस्कृति आदि ज्ञान क्षेत्रों में जेंडर समानता के मुद्दे पर विचार करना। विद्यार्थियों और विशेष तौर पर सीमित नामांकन वाले क्षेत्रों के विद्यार्थियों की परामर्श सहायता संबंधी जरूरतों को पूरा करने के अलावा विद्यापीठ ने वेब–आधारित सहायता भी उपलब्ध कराई। विश्वविद्यालय के स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.डी.पी.) में शामिल करने के लिए विद्यापीठ ने 'जेंडर सेंस्टाइज़ेशन : सोसाइटी, कल्चर एंड चेंज' विषयक ऐच्छिक पाठ्यक्रम शुरू किया। रिपोर्टाधीन अवधि में विद्यापीठ ने जेंडर और विकास अध्ययन में एम.ए. कार्यक्रम में लघु संशोधन भी पूरा किया। विद्यापीठ ने 'विंग्स' (वूमैंस एंड जेंडर रिसोर्स स्पेस) के अंर्तगत 'ओ.डी.एल. एंड वूमेंस कैरियर्स इन आई.टी. एंड एस.टी.ई.एम.' विषय पर यू.के. ओपन यूनिवर्सिटी की डॉ. क्लैम हर्मन की वार्ता आयोजित की। विद्यापीठ ने 8 मार्च 2017 को 'वॉयसिस फ्रॉम ग्रासरूट्स' विषय पर पैनल परिचर्चा आयोजित करके अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'वॉयसिस फ्रॉम ग्रासरूट्स' विषय पर 8 मार्च 2017 को पैनल परिचर्चा

i;Vu vkj vkfrF; lok çc/k fo|kihB

पर्यटन और आतिथ्य के क्षेत्रों में प्रशिक्षण और शिक्षा के जरिए बढ़ती संभावनाएँ तलाशना विद्यापीठ का अधिदेश है। इन क्षेत्रों ने देश के आर्थिक परिदृश्य को बड़ी प्रेरणा दी है। पाठ्यक्रमों को तैयार करने तथा उनके प्रस्तुतीकरण की शैली में क्षेत्रीय विविधताओं और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्रों में विकास को शामिल करना विद्यापीठ के शैक्षिक कार्यक्रमों की खास तौर पर उल्लेखनीय विशेषता है। ये दूरदराज़ के क्षेत्रों में रहने वाले और शैक्षिक दृष्टि से वंचित विद्यार्थियों तक को उपलब्ध हैं।

fo|kihB e 30 flrcj 2016 dk fo'o Ik;Vu fnol dk vk;ktu

vrfo|kJ;h vkj cgfo|kJ;h v/;;u fo|kihB

सामाजिक नृविज्ञान, श्रम और विकास, पर्यावरणी अध्ययन, सतत विकास, भाषा और भाषाविज्ञान; तथा शांति और संघर्ष आदि के अध्ययन को समर्पित नवप्रवर्तनकारी कार्यक्रम और पाठ्यक्रम शुरू करके परंपरागत एवं उभरते हुए विषय–क्षेत्रों के भीतर और बाहर शैक्षिक अध्ययन एवं अनुसंधान को बढ़ावा देना विद्यापीठ का अधिदेश है। विद्यापीठ ने लोकतत्व और सांस्कृतिक अध्ययन के क्षेत्र में पाठ्यक्रमों को बढ़ावा भी दिया है। विद्यापीठ, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग से विभिन्न परियोजनाओं के अंतर्गत विभिन्न संसाधनों का उपयोग करते हुए अनुसंधान को भी बढ़ावा दे रहा है (इनके विवरण परिशिष्ट 5 में दिए गए हैं)। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान विद्यापीठ ने 'सततता विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा' नामक नया शैक्षिक कार्यक्रम शुरू किया। पी-एच.डी. (पर्यावरण विज्ञान), एम.एस-सी. (पर्यावरण विज्ञान), एम.ए. (श्रम और विकास), तीन डिप्लोमा कार्यक्रम, एक सर्टिफिकेट के अलावा मूक्स के अंतर्गत एक कार्यक्रम तैयार कर रहा था। रिपोर्टाधीन अवधि में 'माइग्रेशन एंड डायस्पोराज़' विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा 'विद्यापीठ संगोष्ठी श्रृंखला' के अंतर्गत कई संगोष्ठियाँ आयोजित की गईं। इनके विवरण परिशिष्ट 6 में दिए गए हैं।

lekt dk; fo|kihB

आजीवन शिक्षण और विशेष तौर पर समाज कार्य तथा सामाजिक अंतःक्षेप से संबंधित क्षेत्रों में शैक्षिक एवं प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करना विद्यापीठ का अधिदेश है। विद्यापीठ ने समाज कार्य, एच.आई.वी./एड्स,

परामर्श, परिवार अध्ययन और जनजातीय अध्ययन जैसे कुछ चुनिंदा विचारणीय क्षेत्रों पर ध्यान दिया है। यह विद्यापीठ इन क्षेत्रों में ओ.डी.एल. के माध्यम से ऐसे कार्यक्रम चला रहा है जिनसे सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और उपाधि प्राप्त होते हैं।

रिपोर्टाधीन अवधि में विद्यापीठ ने समाज कार्य में एम.ए. (एम.एस.डब्ल्यू.), समाज कार्य में बी.ए. (बी.एस.डब्ल्यू.), एच.आई.वी. और परिवार शिक्षा में सर्टिफिकेट (सी.ए.एफ.ई); और एच.आई.वी. और परिवार शिक्षा में डिप्लोमा (डी.ए.एफ.ई.) कार्यक्रमों का संशोधन शुरू किया। विद्यापीठ के अंतर्गत सी.बी.सी.आई.–इग्नू अध्ययन पीठ ने कई राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ एवं क्षेत्रकार्य कार्यशालाओं के लिए वित्त–पोषण और योगदान दिया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वर्ष 2016 के विनियम के अनुसार समाज कार्य में एम.फिल. और पी-एच.डी. कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

0;kolkf;d f'k{kk vkj çf'k{k.k fo|kihB

कौशलों के विकास के लिए शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करना इस विद्यापीठ का अधिदेश है ताकि देश की व्यावसायिक तथा तकनीकी आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। सामाजिक और औद्योगिक आवश्यकताओं की पहचान करने के लिए अनुसंधान भी विद्यापीठ के प्राथमिकता का अन्य क्षेत्र है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, विद्यापीठ 'व्यसाय में बी.ए.' (बी.वोके.) को डिज़ाइन करने और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण में पी-एच.डी. के लिए कोर्स वर्क को संशोधित करने का काम कर रहा था।

foLrkj vkj fodkl v/;;u fo|kihB

विस्तार शिक्षा, विकास अध्ययन, आजीविका शिक्षा; और सशक्तीकरण अध्ययन संबंधी विद्यापीठ के चार प्रमुख क्षेत्रों में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, स्नातकोत्तर और डॉक्टोरल उपाधि प्रदान करने वाले विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रम प्रदान करके विस्तार और विकास के विभिन्न पक्षों में गुणवत्ता और प्रशिक्षण प्रदान करना इस विद्यापीठ का अधिदेश है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, विद्यापीठ 'विकास अध्ययन में एम.ए.', 'पशु कल्याण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा'; और 'कार्पोरेट सामाजिक दायित्व में स्नातकोत्तर डिप्लोमा' शीर्षक शैक्षिक कार्यक्रम तैयार कर रहा था।

fons'kh Hkk"kk fo|kihB

विदेशी भाषाओं के शिक्षण के लिए मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली के माध्यम से नवप्रवर्तनकारी, लचीले और लागत–प्रभावी शैक्षिक कार्यक्रम शुरू करके विदेशों के साथ संप्रेषण को बढ़ावा देना विद्यापीठ का अधिदेश है। विद्यापीठ जहाँ एक ओर विद्यार्थियों द्वारा चयनित भाषा/भाषाओं में संप्रेषण कौशल विकसित करना चाहता है, वहीं साथ ही, दूसरी ओर भाषा, साहित्य और संस्कृति के अध्ययन के जरिए विद्यार्थियों में सांस्कृतिक समझ और अंतर्सांस्कृतिक संप्रेषण विकसित करना चाहता है। अरबी और फ्रांसीसी भाषा, साहित्य और संस्कृति के ज्ञान को समझना और उसका विस्तार करने में योगदान देना अनुसंधान कार्यक्रमों का उद्देश्य है। विद्यापीठ इस समय अरबी, रूसी और फ्रांसीसी भाषाओं संबंधी शैक्षिक कार्यक्रम चला रहा है। ये शैक्षिक कार्यक्रम, आज रोज़गार के क्षेत्र में विद्यार्थियों को व्यावसायिक दृष्टि से सक्षम बनाता है।

vuqokn v/;;u vkj çf'k{k.k fo|kihB

अनुवाद के क्षेत्र में शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाना इस विद्यापीठ का अधिदेश है। अनुवाद सिद्धांत; अनुवाद की तुलनात्मक एशियाई और पश्चिमी परपंराएँ; अनुप्रयुक्त अनुवाद; अनुवाद और जनसंचार माध्यम; अनुवाद और अंतर्सांस्कृतिक अध्ययन तथा अनुवाद और भाषाविज्ञान जैसे क्षेत्र इसके प्रमुख शैक्षिक क्षेत्रों में शामिल हैं। इसके अलावा, अनुवाद के क्षेत्र में अपेक्षित मानव संसाधन तैयार करने के लिए विद्यापीठ नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है। विद्यापीठ ने कला, साहित्य और सांस्कृतिक कार्यों पर चर्चा के लिए 'उत्था' नामक गृह साहित्यिक मंच शुरू किया। युवाओं और प्रतिष्ठित कलाकारों और लेखकों को अपने विचारों के आदान–प्रदान के लिए यह एक मंच उपलब्ध कराता है। विद्यापीठ ने रिपोर्टाधीन की अवधि में दो दिवसीय अनुवाद कार्यशाला, दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी और तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की। विवरण परिशिष्ट 6 में दिए गए हैं।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद (एन.सी.पी.एस.एल.) द्वारा प्रायोजित सिंधी अध्ययन पीठ, विद्यापीठ में है। इस अध्ययन पीठ के तत्वावधान में विद्यापीठ ने राष्ट्रीय स्तर की तीन संगोष्ठियाँ और एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की। (इनके विवरण परिशिष्ट 6 में दिए गए हैं।) इसके अलावा, रिपोर्टाधीन अवधि में सिंधी कहानियों के हिंदी अनुवाद पर भी काम शुरू किया गया।

Ýfeæx U;w LdhEl Qkj izkseks'ku vkWQ fla/kh ySaXost fo"k; ij 25&26 vizSy] 2016 dks jk"Vªh; dk;Z'kkyk

çn'kuijd vkSj –'; dyk fo|kihB

विभिन्न प्रकार के कला–रूप, प्रत्येक मनुष्य के विकास का अभिन्न अंग हैं। विभिन्न प्रकार की गतिविधियों और अभिव्यक्ति के तरीकों से सृजनात्मकता को विकसित करने से संबंधित है। प्रदर्शनपरक और दृश्य कला विद्यापीठ, प्रदर्शनपरक और दृश्य कला के विभिन्न विषयों में शैक्षिक कार्यक्रमों के विकास और वितरण में अग्रणी भूमिका के लिए प्रयास कर रहा है। संगीत, नृत्य, रंगमंच और दृश्य कला के क्षेत्रों में शैक्षिक कार्यक्रम तैयार करने और शुरू करने के साथ–साथ इन क्षेत्रों में अनुसंधान करना विद्यापीठ का अधिदेश है। विद्यापीठ कला और सौंदर्य शिक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने के साथ–साथ अपने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से कौशल विकसित करने पर केंद्रित करता है।

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान विद्यापीठ, शिल्प और कुंभकारी डिज़ाइन, कला एप्रीसिएशन, प्रस्तुतिपरक कला – रंगमंच एप्रीसिएशन, 'हिंदुस्तानी संगीत (गायन) में डिप्लोमा', 'पेंटिंग में डिप्लोमा' और 'प्रदर्शनपरक कला (कर्नाटक संगीत) में स्नातक' जैसे क्षेत्रों में सर्टिफिकेट कार्यक्रमों के लिए पाठ्यचर्या और अध्ययन सामग्री विकसित करने के अलावा, पहले से शुरू किए हुए सर्टिफिकेट कार्यक्रमों को संशोधित करने की प्रक्रिया में संलग्न रहा।

dsæ

विश्वविद्यालय ने विशिष्ट अध्ययन क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास पर बल देने के लिए कुछ केंद्रों की स्थापना की है। इनके विवरण निम्नलिखित भागों में दिए गए हैं :

jk"Vh; nj f'k{kk uoçorlu dæ ¼,u-lh-vkbl-Mh-bl-½

मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली में नवप्रवर्तनों का संवर्धन, समर्थन, नया रूप देने तथा उनका प्रसार राष्ट्रीय दूर शिक्षा नवप्रवर्तन केंद्र का उद्देश्य है। यह केंद्र रिपोर्टें, ई–न्यूजलेटर, ब्लॉग्स और पुस्तिकाओं आदि विभिन्न माध्यमों के जरिए प्रलेखों को अभिलेखित करता है और ओ.डी.एल. में नवप्रवर्तनों का प्रसार करता है। विश्वविद्यालय ने दूर शिक्षा में नवप्रवर्तन के लिए वर्ष 2006 में स्वर्ण पदक शुरू किया था। यह पुरस्कार विश्वविद्यालय के संकाय/अन्य स्टाफ को दीक्षांत समारोह के अवसर पर प्रदान किया जाता है।

केंद्र ने रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान 'नवधारणा' के नाम से मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली में नवप्रवर्तन संबंधी अंतःक्रियात्मक ऑनलाइन डाटाबेस डिज़ाइन और विकसित किया है। इसमें, हितधारकों के लिए एक सौ से अधिक नवप्रवर्तन और विचार शामिल किए गए। यह डाटाबेस http://navdharana.ignouonline.ac.in/navdharana/ पर उपलब्ध है। विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, स्टाफ और विद्यार्थियों के बीच सृजनात्मकता, नवप्रवर्तनों और बौद्धिक संपदा अधिकार (आई.पी.आर.) के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 'इनोवेशन क्लब @ इग्नू' स्थापित किया है। रिपोर्टाधीन अवधि में केंद्र ने इस क्लब की आठ बैठकें आयोजित कीं। विश्वविद्यालय में नवप्रवर्तन की संस्कृति को बढ़ावा देना केंद्र का उद्देश्य है। इसके लिए केंद्र ने 'इनोवेट' नामक ई–न्यूज़लेटर शुरू किया। इनोवेशन इनक्यूबेटर के रूप में यह केंद्र इग्नू की विभिन्न विद्यापीठों को शिक्षण के डिजाइन एवं वितरण में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल के विचार से लेकर आदिप्ररूप विकसित करने तक की मदद करता है। इस संदर्भ में, यह केंद्र स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ और विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से 'स्वास्थ्य देखभाल अपशिष्ट प्रबंधन' (सी.एच.सी.डब्ल्यू.एम.) कार्यक्रम के लिए अंतःक्रियात्मक वेब सहायक पोर्टल विकसित कर रहा है। केंद्र ने स्व–शिक्षण सामग्री के विकास के लिए सृजनात्मक निवेश उपलब्ध कराने में स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ की सहायता की। केंद्र, अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ तथा संचार केंद्र को 'इंट्रोडक्शन टू नीड ऑफ न्यू, इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज़ फॉर एफोर्डेबल हाउसिंग' विषय पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम के लिए तीन वीडियो मॉड्यूल विकसित करने में मदद कर रहा है। उद्योग जगत के साथ कौशल विकास और विशेषीकृत ज्ञान प्रसार संबंधी कार्यक्रम चलाने के लिए नियोजन और डिजाइनिंग में केंद्र ने अपनी भूमिका को विस्तार प्रदान किया। इन्हें विभिन्न अध्ययन विद्यापीठों के द्वारा चलाया जाएगा। इस उद्देश्य के निमित्त विश्वविद्यालय के कौशल विकास कार्यक्रमों के लिए उद्योग अंतःक्रियाओं/जुड़ावों तथा एन.एस.क्यू.एफ. अनुपालन के लिए अंतर–विद्यापीठ समूह का गठन किया है। विश्वविद्यालय के अनुसंधान एकक के सहयोग से इस केंद्र ने 'शोधधारा' नामक नवीन ऑनलाइन अनुप्रयोग डिज़ाइन और विकसित किया है। 'शोधधारा' शोध कार्य में प्रगति, शोध पत्र प्रकाशन, शोध दस्तावेजों के कोशागार आदि के बारे में सूचना की प्रबंध–व्यवस्था करने और अद्यतन करने के प्रावधान के लिए तैयार किया गया है। इसमें पाँच मॉड्यूल हैं। ये हैं – प्रवेश मॉड्यूल, विद्यार्थी मॉड्यूल, शोध–निर्देशक मॉड्यूल, कार्यक्रम समन्वयक मॉड्यूल; और अनुसंधान मॉड्यूल। इन मॉड्यूलों में से रिपोर्टाधीन अवधि में प्रवेश मॉड्यूल और विद्यार्थी मॉड्यूल विकसित किए गए।

jk"Vh; fodykxrk v/;;u dæ ¼,u-lh-Mh-,l-½

अक्षम लोगों के हित में काम करने वाला समाज सृजित करने के लिए अक्षमता संबंधी विभिन्न क्षेत्रों में मानव संसाधन तैयार करना इस केंद्र का अधिदेश है। अक्षमता संबंधी अंतर्विद्याश्रयी अध्ययन को बढ़ावा देना भी इसका अधिदेश है। अक्षम लोगों को सशक्त बनाने के मार्ग में आने वाली बाधाएँ तोड़ना इस केंद्र का लक्ष्य है। यह केंद्र मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली के द्वारा अक्षमता अध्ययन के क्षेत्र में अनुसंधान और विस्तार गतिविधियाँ उपलब्ध कराता है और बढ़ावा देता है। केंद्र विकलांगता और उच्च शिक्षा पर पिछले 10 वर्षों में प्रकाशित और अप्रकाशित शोध कार्यों/दस्तावेजों को संकलित किया और इसे 'कंपाइलेशन ऑफ इंडियन रिसर्च एब्सट्रेक्ट्स इन डिसेबिलिटीज़ स्टडीज़' शीर्षक से प्रकाशित किया। इग्नू के स्थापना दिवस के अवसर पर 19 नवंबर 2016 को इस दस्तावेज़ का लोकार्पण किया गया। इसे इग्नू वेबसाइट पर भी डाला गया ताकि लोग इसका उपयोग कर सकें। रिपोर्टाधीन अवधि में विकलांगता अध्ययन में पहली पीएच.डी. मौखिकी परीक्षा आयोजित की गई। यह पी-एच.डी. शोध 'स्टडिंग दि एटीट्यूड्स ऑफ रूरल एंड अर्बन अनट्रेंड एंड ट्रेंड टीचर्स इन डिसेबिलिटी टूवर्ड्स चिल्ड्रन विद स्पेशल नीड्स इन इनक्लूसिव स्कूल' विषय पर की गई।

2 दिसंबर 2016 को अंतर्राष्ट्रीय विकलांगजन दिवस मनाने के लिए केंद्र ने अनेक गतिविधियाँ भी आयोजित कीं। इन गतिविधियों में 'इनक्लूशन ऑफ पर्सस विद डिसेबिलिटीज़ इन सोसाइटी' विषय पर स्लोगन प्रतियोगिता और 'एक्सैसिबल इंडिया कैंपेन' विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी शामिल रहा। इस अवसर पर प्रतिष्ठित युद्ध विकलांग और भारतीय पुनर्वास परिषद (आर.सी.आई.) के पूर्व अध्यक्ष मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) इयान कार्डोज़ो, अति–विशिष्ट सेवा मेडल, सेवा मेडल मुख्य अतिथि थे। उन्होंने 'राइट्स एंड स्टेट्स ऑफ पर्सस विद डिसेबिलिटीज़ इन इंडियन सोसाइटी' विषय पर व्याख्यान दिया। केंद्र ने मेजर जनरल इयान कार्डोज़ो के साथ 'नेवर गिव अप' विषय पर एक दृश्य कार्यक्रम भी रिकॉर्ड किया। ब्रेल के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए केंद्र ने 25 जनवरी 2017 को एक कार्यशाला आयोजित करके 'ब्रेल दिवस' मनाया। विज्ञान विद्यापीठ के साथ मिलकर केंद्र ने 28 फरवरी 2017 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया और 'साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर दी पर्सस विद डिसेबिलिटीज़' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

2 fnlcj 2016 dk vrjkZ"Vªh; fodykaxtu fnol dk vk;kstu

LFkkuh; 'kklu lca/kh jk"Vªh; eqDr vkSj nwj f'k{kk dsaæ ¼,u-vks-lh-,y-th-½

लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण की प्रक्रिया को प्रेरित करने के लिए स्थानीय शासन संबंधी राष्ट्रीय मुक्त और दूर शिक्षा केंद्र (एन.ओ.सी.एल.जी.) की स्थापना की गई है। यह केंद्र उपयुक्त शैक्षिक एवं प्रशिक्षण हस्तक्षेप के माध्यम से संविधान के 73वें और 74वें संशोधनों के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण और कार्यनीति को विकसित कर रहा है।

nwj f'k{kk LVkQ izf'k{k.k vkSj vuqla/kku laLFkku* ¼LVªkbM½

एक विषय के रूप में ओ.डी.एल. में अनुसंधान और विकास के साथ–साथ ओ.डी.एल. प्रणाली में काम करने वाले शैक्षिक सदस्यों और प्रशासनिक स्टाफ को प्रशिक्षण देने के लिए विश्वविद्यालय ने 'दूर शिक्षा स्टाफ प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान' (स्ट्राइड) की स्थापना की।

विश्वविद्यालय मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली में पद्धतिपरक अनुसंधान के प्रति प्रतिबद्ध है। कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग (सी.ओ.एल.), कनाडा की सहायता से इग्नू के दूर शिक्षा विभाग का 1993 में 'दूर शिक्षा स्टाफ प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान' (स्ट्राइड) का दक्षिण एशियाई क्षेत्र में दूर शिक्षा संबंधी प्रशिक्षण एवं अनुसंधान की नोडल एजेंसी के रूप में उन्नयन किया गया। दूर और मुक्त शिक्षा और उससे संबंधित क्षेत्रों से जुड़े स्टाफ के क्षमता निर्माण, अनुसंधान और विकास, कार्यक्रम मूल्यांकन और प्रणाली विकास का दायित्व स्ट्राइड को सौंपा गया है। रिपोर्टाधीन अवधि में स्ट्राइड ने इग्नू के अध्यापकों, शिक्षक वर्ग, और शिक्षकेतर स्टाफ के लिए चार कार्यशालाएँ; तथा 21–दिनों का एक पुनश्चर्या कार्यक्रम आयोजित किया। इनके विवरण परिशिष्ट 6 में दिए गए हैं।

स्ट्राइड ने रिपोर्टाधीन अवधि में राजनीति विज्ञान में एम.ए, पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा में डिप्लोमा, ओरल इंप्लांटोलॉजी में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट, और इंडोडॉन्टिक्स में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट कार्यक्रमों के कार्यक्रम मूल्यांकन अध्ययन को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस दौरान, एम.ए. (हिंदी) शैक्षिक कार्यक्रम का मूल्यांकन संबंधी कार्य प्रगति पर था। स्ट्राइड ने, 'चेंजिंग रोल ऑफ डिस्टेंस एज्यूकेटर', 'हाउ टू लर्न इफैक्टिवली' और 'प्रिंसिपल्स एंड कंट्रीब्यूशन ऑफ पाओ फ्रेरेरे' शीर्षक तीन श्रव्य कार्यक्रम तैयार किए। रिपोर्टाधीन अवधि में 'स्वयं' के अंतर्गत मूक्स के रूप में 'डिज़ाइन एंड फेसिलिटेशन ऑफ ई–लर्निंग कोर्सिस' शीर्षक एक पाठ्यक्रम तैयार किया। दूर शिक्षा में एम.ए. कार्यक्रम के सत्रीय कार्य और परियोजना कार्य के रख–रखाव और प्रबंध–व्यवस्था के लिए स्ट्राइड ने एक इन–हाउस सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग विकसित किया। स्ट्राइड ने विदेश मंत्रालय की भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग/अफ्रीका के लिए विशेष कॉमनवेल्थ सहायता कार्यक्रम (आई.टी.ई.सी/एस.सी.ए.ए.पी.) योजना के अंतर्गत ई–लर्निंग पाठ्यक्रम डिज़ाइन, विकसित और शुरू करने के लिए सी–डैक, नोएडा के साथ एक पाठ्यक्रम आयोजित किया। ब्राज़ील की रियो डि जेनेरियो यूनिवर्सिटी के संकाय ने स्ट्राइड का दौरा किया। रिपोर्टाधीन अवधि में स्ट्राइड ने 'ओपन एज्यूकेशन इन दि ग्लोबल वर्ल्ड' विषय पर राष्ट्रीय और 'स्किल डेवलपमेंट थ्रू ओ.डी.एल. इनोवेशंस, इंटरप्रीनियोरशिप, एम्प्लॉयमेंट फॉर इनक्लूसिव एंड सस्टेनेबल लाइलीहुड' विषय पर तीन दिन की अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की। स्ट्राइड, इस समय इग्नू के अध्यापकों और शिक्षकेतर कर्मचारियों की प्रशिक्षण संबंधी जरूरतों को समझने के लिए सर्वेक्षण आयोजित करने की प्रक्रिया में है।

18 tqykbZ ls 10 vxLr 2016 dks vè;kidksa vkSj 'kSf{kd lnL;ksa ds fy, *vkbZ-lh-Vh- bu vks-Mh-,y-* fo"k; ij iqu'p;kZ dk;ZØe dk bXuw ds dqyifr izks- johUnz dqekj us mn?kkVu fd;k

vU; 'kSf{kd xfrfofèk;k¡

वार्षिक रिपोर्ट के इस भाग में विषय–विशेष केंद्रित अनुसंधान, शोध–पत्रिकाओं का प्रकाशन और चलाए जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों के समेकन को शामिल किया गया है।

'kks/k mikf/k dk;Øe

अनुसंधान एकक इग्नू का मुख्य शैक्षिक स्कंध है। यह एकक, शैक्षिक परिषद और अनुसंधान परिषद के दिशा–निर्देश में विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रमों की प्रबंध व्यवस्था करता है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की 2016 की अनुसंधान संबंधी राजपत्र अधिसूचना के अनुपालन में विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियाँ निर्देशित करने के लिए अनुसंधान नीति घोषित की गई है। इग्नू के सांविधिक निकायों ने अनुसंधान संबंधी अध्यादेश को संशोधित किया और इग्नू के सांविधिक निकायों के अनुमोदन के पश्चात कुलाध्यक्ष के अनुमोदन के लिए भेजा। विश्वविद्यालय ने शोध उपाधि कार्यक्रम पर इग्नू के अध्यादेश में प्रावधान के अनुसार विद्यापीठ बोर्ड का उत्तरदायित्व निभाने संबंधी क्षेत्र समिति गठित की। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान विश्वविद्यालय ने विभिन्न अध्ययन विद्यापीठों में 340 शोधार्थियों को नामांकित किया। इस अवधि में कुल 49 शोधार्थियों (48 पी-एच.डी. और 1 एम.फिल.) शोधार्थियों ने पी-एच.डी. उपाधियाँ प्राप्त कीं।

bfM;u tuly vkQ vkiu yfuax ¼vkbZ-ts-vks-,y-½

इग्नू वर्ष 1992 से 'इंडियन जर्नल ऑफ ओपन लर्निंग' (आई.जे.ओ.एल.) नामक एक संदर्भित/समीक्षायुक्त प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय शोध–पत्रिका प्रकाशित कर रहा है। यह पत्राचार और मल्टीमीडिया शिक्षा, शैक्षिक प्रौद्योगिकी और संचार, स्वतंत्र और अनुभवजन्य शिक्षा और शिक्षा के अन्य नवीन रूपों सहित मुक्त और दूर शिक्षा के क्षेत्र में सिद्धांत, व्यवहार और अनुसंधान के बारे में सूचना प्रसारित करने वाली प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका है। इसके जरिए शोधार्थियों और विद्वानों को अपने लेखकीय योगदान प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है। यह शोध पत्रिका विकासशील देशों के विशेष संदर्भ में ऊपर बताए गए विषय–क्षेत्रों पर बहस करने के लिए विश्व में शोधार्थियों को एक मंच भी प्रदान करती है। इस शोध पत्रिका में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर योगदान प्राप्त होता है, मंगाई जाती है और जानकारी ग्रहण की जाती है। वर्ष 1992–1996 के दौरान यह शोध पत्रिका वर्ष में दो बार प्रकाशित होती थी और 1997 से यह वर्ष में तीन बार (जनवरी, मई और सितंबर) में प्रकाशित की जा रही है।

bfM;u tuZy vkQ fMLVsal ,T;qds'ku dk jtr t;arh o"kZ dk volj ij mldk fo'ks"kkad

रिपोर्टाधीन अवधि में विश्वविद्यालय ने आई.जे.ओ.एल. के वर्ष 24 के तीन और वर्ष 25 का पहला अंक प्रकाशित किया। आई.जे.एल.ओ.एल. के रजत जयंती के अवसर पर रिपोर्टाधीन अवधि में विश्वविद्यालय ने दो विशेषांक भी प्रकाशित किए। इस शोध पत्रिका के अंक http://journal.ignouonline.ac.in/iojp/index.php/ijol.login पर भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

शैक्षिक कार्यक्रम – एक विश्लेषण

चलाए जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों की संख्या के बारे में समेकित सूचना तालिका 2.1 और इस सूचना का आरेखीय निरूपण आरेख 2.1 में दिया गया है। विश्वविद्यालय 54 अनुसंधान, 35 स्नातकोत्तर और 13 स्नातक स्तरीय शैक्षिक कार्यक्रम चला रहा है। इसके अलावा विश्वविद्यालय, सर्टिफिकेट और डिप्लोमा स्तरों के 124 अल्पकालीन शैक्षिक कार्यक्रम भी चला रहा है। 'अन्य' के अंतर्गत उल्लिखित दस शैक्षिक कार्यक्रम सामाजिक मामलों की समझ को बढ़ावा देने के लिए बिना क्रेडिट वाले जागरूकता पाठ्यक्रम हैं।

तालिका 2.1 : 2016-17 में शैक्षिक कार्यक्रमों की स्तरवार और विद्यापीठवार संख्या

विद्यापीठ	शोध	स्नातकोत्तर	स्नातक	डिप्लोमा	सर्टिफिकेट	अन्य	कुल
मानविकी विद्यापीठ	2	2	-	3	3	-	10
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	13	9	2	4	4	1	33
विज्ञान विद्यापीठ	8	1	1	4	3	1	18
शिक्षा विद्यापीठ	3	4	1	7	5	-	20
सतत शिक्षा विद्यापीठ	3	3	-	5	3	-	14
अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ	2	-	-	-	3	1	6
प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ	3	6	4	2	2	-	17
स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ	1		1	8	5	1	16
कंप्यूटर और सूचना विज्ञान विद्यापीठ	1	1	1	-	1	-	4
कृषि विद्यापीठ	2	-	-	8	6	4	20
विधि विद्यापीठ	1	-	-	3	7	-	11
पत्रकारिता और नव–जनसंचार माध्यम अध्ययन विद्यापीठ	1	-	-	2	1	-	4
जेंडर और विकास अध्ययन विद्यापीठ	2	2	-	2	-	-	6
पर्यटन और आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ	1	2	2	1	1	-	7
अंतर्विद्याश्रयी और बहु–विद्याश्रयी विद्यापीठ	1	1	-	2	-	1	5
समाज कार्य विद्यापीठ	2	2	1	3	2	-	10
व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण विद्यापीठ	1	-	-	3	2	-	6
विस्तार शिक्षा और विकास अध्ययन विद्यापीठ	1	1	-	2	2	-	6
विदेशी भाषा विद्यापीठ	2	-	-	1	3	-	6

fo|kihB	'kks/k	LukrdksÙkj	Lukrd	fMIyksek	lfVZfQdsV	vU;	dqy
अनुवाद अध्ययन और प्रशिक्षण विद्यापीठ	2	1	-	1	2	-	6
प्रदर्शनपरक और दृश्य कला विद्यापीठ	**2**	-	-	-	7	-	9
dqy	**54**	**35**	**13**	**62**	**62**	**10***	**236***

*****_इसमें विद्यापीठों के अलावा अन्य के द्वारा चलाए जानें वाला कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम (जागरूकता कार्यक्रम) भी शामिल है।_

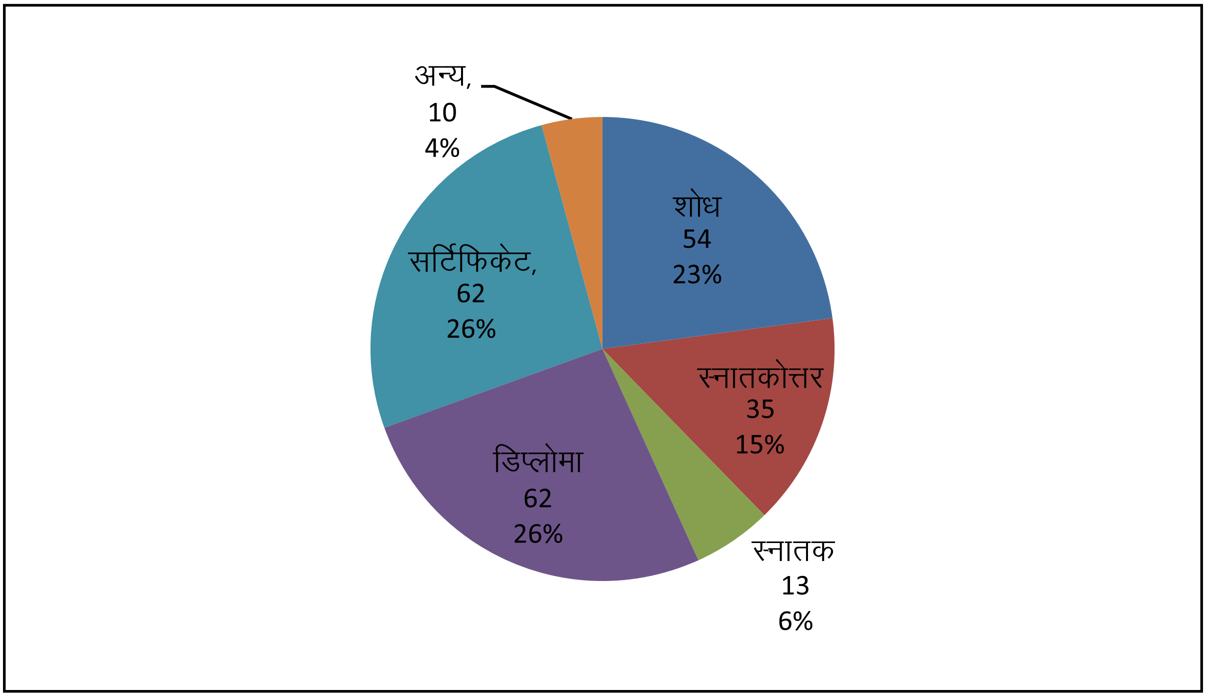

vkjs[k 2-1 % 'kSf{kd dk;Øeksa dh 2016&17 esa Lrjokj la[;k

अध्याय–III
नामांकन और विद्यार्थी प्रोफाइल

विश्वविद्यालय अधिकांश कार्यक्रमों के लिए दो शैक्षिक वार्षिक चक्रों – जनवरी से दिसंबर और जुलाई से जून का अनुसरण करता है। विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र प्रवेश के नोडल केंद्र हैं। आमतौर पर विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों में प्रवेश न्यूनतम पात्रता को पूरा करने पर निर्भर करता है। किंतु डॉक्टोरल कार्यक्रम, प्रबंध कार्यक्रम, शिक्षा स्नातक (बी.एड.) और पोस्ट बेसिक बी.एस-सी. नर्सिंग जैसे कुछ विशिष्ट शैक्षिक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रवेश संबंधी निर्णय प्रवेश–परीक्षाओं के आधार पर लिया जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों की सूची परिशिष्ट 3 में दी गई है।

बेहतर विद्यार्थी सेवाएँ उपलब्ध कराने की दृष्टि से विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों की विवरणिकाएँ तथा आवेदन–पत्र इग्नू की वेबसाइट (www.ignou.ac.in) पर अपलोड किए गए हैं। इनमें प्रवेश और पुनःपंजीकरण ब्यौरे, क्षेत्रीय केंद्रों और अध्ययन केंद्रों की सूची आदि सूचनाएँ शामिल हैं। विश्वविद्यालय ने डिजिटीकरण की दिशा में प्रमुख प्रयास करते हुए ऑनलाइन प्रवेश शुरू किया है। क्षेत्रीय केंद्रों और मुख्यालय के लिए विद्यार्थियों की प्रवेश संबंधी सूचना के आदान–प्रदान के लिए आंतरिक वेब पोर्टल पर पिछले पाँच चक्रों (वर्षों) में प्रवेश की स्थिति संबंधी जानकारी का रखरखाव भी किया जाता है। अपने–अपने क्षेत्र के भीतर विद्यार्थियों को शैक्षिक सहायता उपलब्ध कराने की दृष्टि से प्रत्येक क्षेत्रीय केंद्र की अपनी वेबसाइट भी है। जन सूचना केंद्र पर एकल खिड़की अवधारणा के माध्यम से विश्वविद्यालय में नामांकित और भावी विद्यार्थियों को सूचना तथा अन्य सेवाएँ उपलब्ध कराई गईं।

विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों का नामांकन बढ़ाने के लिए पूरे देश में नवीन उपायों को अपनाया। इनमें से सेकेंडरी/सीनियर सेकेंडरी स्कूल के उत्तीर्ण विद्यार्थियों, सैक्स वर्करों, कैदियों और अन्य संभावित विद्यार्थियों तक पहुँचना, एन.आई.ओ.एस. और गैर–सरकारी संगठनों के नेटवर्क के साथ–साथ कॉर्पोरेट संगठनों के माध्यम से अन्य संभावित विद्यार्थियों तक पहुँचना शामिल है। नामांकन बढ़ाने के लिए प्रत्येक क्षेत्रीय केंद्र के द्वारा लागू किए गए नवीन उपायों का विवरण 'विद्यार्थी सहायता सेवाएँ' शीर्षक अध्याय–IV में दिया गया है। इन नवीन उपायों के अलावा, नव–नामांकित विद्यार्थियों को प्रेरित करने और विद्यार्थियों को पुनःपंजीकृत करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से क्षेत्रीय केंद्रों के साथ नियमित रूप से वेबकास्टिंग आयोजित की गई। इन सभी सकारात्मक प्रयासों के परिणामस्वरूप रिपोर्टाधीन अवधि में विद्यार्थी नामांकन में 15.2% की वार्षिक वृद्धि में मदद मिली। हमारे समाज के उपेक्षित वर्गों तक पहुँचना विश्वविद्यालय का अधिदेश है। इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सुविधा–वंचित समूहों के विद्यार्थियों को आकर्शित करने के लिए विशेष प्रयास शुरू किए गए। सुविधा–वंचित लोगों, जेल और अल्पसंख्यक बहुल जनसंख्या वाले क्षेत्रों में विश्वविद्यालय ने 453 विशेष अध्ययन केंद्र स्थापित किए हैं। इनमें शारीरिक रूप से विकलांगों, दृष्टि–बाधितों और महिलाओं के लिए विशेष अध्ययन केंद्र भी शामिल हैं। विश्वविद्यालय ने कम नामांकन वाले चुनिंदा शैक्षिक कार्यक्रमों में वेब–समर्थित सहायता सेवा शुरू की है। इससे दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थी सहायता सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

d½ fo|kihBokj tulkf[;dh; fo'ys"k.k

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान विश्वविद्यालय में 9,17,117 विद्यार्थी नामांकित थे, जिनमें से 5,45,840 नव–नामांकित विद्यार्थी थे। अध्ययन विद्यापीठ, कार्यक्रम का स्तर, जेंडर, रहने का क्षेत्र और सामाजिक वर्ग से संबंधित विद्यार्थियों का प्रोफाइल निम्नलिखित तालिकाओं और आरेखों में दिया गया है। तालिका 3.1 यह दर्शाती है कि 2016–17 में नए पंजीकृत कुल 5.46 लाख विद्यार्थियों में से 2.39 लाख महिला–विद्यार्थी हैं, जोकि कुल का 43.8% है। विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों में नामांकित कुल 115 विद्यार्थियों ने प्रवेश–फॉर्म में 'जेंडर' कॉलम में 'अन्य' विकल्प को चुना। ये वे विद्यार्थी हैं जो या तो ट्रांसजेंडर हैं या फिर अपना जेंडर बताने के इच्छुक नहीं हैं। शिक्षा विद्यापीठ, जेंडर और विकास अध्ययन विद्यापीठ, प्रदर्शनपरक और दृश्य कला विद्यापीठ, मानविकी विद्यापीठ, स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ, सतत शिक्षा विद्यापीठ, समाज कार्य विद्यापीठ; और अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ में नव–नामांकित विद्यार्थियों में से महिला–विद्यार्थियों की संख्या 50% से भी अधिक है। इनमें से जेंडर और विकास अध्ययन

विद्यापीठ में यह प्रतिशतता सर्वाधिक (81.1%) है और उसके बाद मानविकी विद्यापीठ में (65.7%) है। विद्यार्थियों की जेंडरवार संख्या का आरेखीय प्रस्तुतीकरण, आरेख 3.1 में किया गया है।

rkfydk 3-1 ¼ uo&ukekafdr fo|kfFkZ;ksa dh tsaMjokj la[;k ½ 2016&17

fo|kihB dk uke	fo|kihB dksM	Iq#"k		efgyk,¡		vU;	dqy ukekadu
		La[;k	%	La[;k	%		
कृषि विद्यापीठ	एस.ओ.ए.	2002	81.0	471	19.0		2473
कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्यापीठ	एस.ओ.सी.आई.एस.	13066	73.1	4815	26.9		17881
सतत शिक्षा विद्यापीठ	एस.ओ.सी.ई.	11409	45.6	13584	54.3	3	24996
शिक्षा विद्यापीठ	एस.ओ.ई.	6545	43.8	8363	56.2	2	14910
अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ	एस.ओ.ई.टी.	529	63.1	309	36.9		838
विस्तार और विकास अध्ययन विद्यापीठ	एस.ओ.ई.डी.एस.	1112	69.0	499	31-0		1611
विदेशी भाषा विद्यापीठ	एस.ओ.एफ.एल.	395	62.6	236	37.4		631
जेंडर और विकास अध्ययन विद्यापीठ	एस.ओ.जी.डी.एस.	123	18.9	528	81.1		651
स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ	एस.ओ.एच.एस.	643	39.6	982	60.4		1625
मानविकी विद्यापीठ	एस.ओ.एच.	15166	34.3	29025	65.7	9	44200
अंतर्विद्याश्रयी और बहु–विद्याश्रयी अध्ययन विद्यापीठ	एस.ओ.आई.टी.एस.	930	62.4	557	37.5	1	1488
पत्रकारिता और नव–जनसंचार माध्यम अध्ययन विद्यापीठ	एस.ओ.जे.एन.एम.एस.	539	68.7	250	31.3		789
विधि विद्यापीठ	एस.ओ.एल.	2003	67.1	982	32.8	1	2986
प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ	एस.ओ.एम.एस.	37166	55.0	30450	45.0	6	67622
प्रदर्शनपरक और दृश्य कला विद्यापीठ	एस.ओ.पी.वी.ए.	62	45.2	77	54.8		139
विज्ञान विद्यापीठ	एस.ओ.एस.	13826	62.2	8395	37.8	4	22225
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	एस.ओ.एस.एस.	183052	58.6	129233	41.4	85	312370
समाज विद्यापीठ	एस.ओ.एस.डब्ल्यू.	4857	48.1	5236	51.8	2	10095
पर्यटन और आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ	एस.ओ.टी.एच.एस.एस.एम.	11260	77.0	3372	23.0	1	14633
अनुवाद अध्ययन और प्रशिक्षण विद्यापीठ	एस.ओ.टी.एस.टी.	1081	50.8	1048	49.2		2129

fo|kihB dk uke	fo|kihB dkM	Ik#"k		Ekfgyk,¡		vU;	dqy ukekadu
		Lka[;k	%	Lka[;k	%		
व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण विद्यापीठ	एस.ओ.वी.ई.टी.	468	61.5	292	38.4	1	761
vU; : इनमें विद्यापीठों के अतिरिक्त चलाए जा रहे एप्रीसिएशन/जागरूकता शैक्षिक कार्यक्रम शामिल हैं		433	55.0	354	45.0	0	787
dqy		**306667**	**56.2**	**239058**	**43.8**	**115**	**545840**

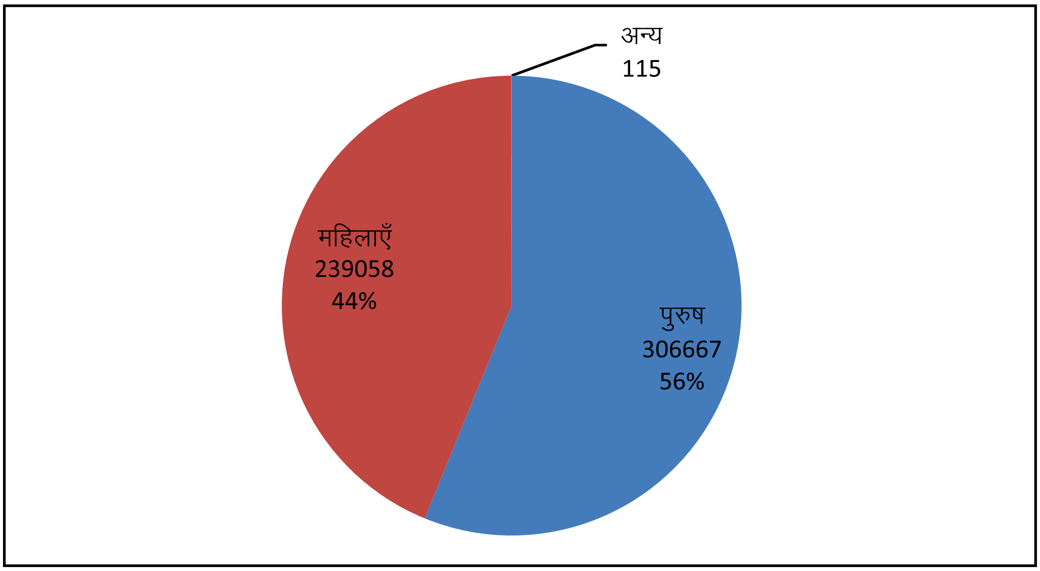

vkjs[k 3-1 % uo&ukekafdr fo|kfFk;ksa dh tsaMjokj la[;k % 2016&17

तालिका 3.2 रिपोर्टाधीन अवधि में समाज के सुविधा–वंचित और उपेक्षित वर्गों के विद्यार्थियों के पर्याप्त प्रतिनिधित्व की सूचक है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान कुल नव–नामांकित विद्यार्थियों में से अनुसचित जाति वर्ग के 68,650 (12.6%), अनुसूचित जनजाति वर्ग के 53,192 (9.7%); और अन्य पिछड़ा वर्ग के 1,20,459 (22.1%) विद्यार्थी थे। वहीं, समाज कार्य विद्यापीठ, कंप्यूटर और सूचना विज्ञान विद्यापीठ, विज्ञान विद्यापीठ, शिक्षा विद्यापीठ और सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ द्वारा चलाए जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों में सुविधा–वंचित समूह की संख्या काफी अच्छी है। इन विद्यापीठों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जाति के नव–नामांकित विद्यार्थियों की कुल संख्या 20% से भी अधिक थी। विद्यार्थियों की सामाजिक वर्गवार संख्या का आरेखीय प्रस्तुतीकरण, आरेख 3.2 में किया गया है।

rkfydk 3-2 % 2016&17 esa uo&ukekafdr fo|kfFk;ksa dh lkekftd oxZokj
¼lkekU;@vuqlwfpr tkfr@vuqlwfpr tutkfr@vU; fiNM+k oxZ½ la[;k

fo|kihB dk uke	fo|kihB dkM	lkekU;		vuqlwfpr tkfr		vuqlwfpr tutkfr		vU; fiNM+k oxZ		dqy ukekadu
		Lka[;k	%	Lka[;k	%	Lka[;k	%	Lka[;k	%	
कृषि विद्यापीठ	एस.ओ.ए.	1404	56.8	202	8.2	86	3.5	781	31.6	2473
कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्यापीठ	एस.ओ. सी.आई. एस.	10967	61.3	3222	18-0	617	3.5	3075	17.2	17881

fo|kihB dk uke	fo|kihB dkM	lkekU;		vu|lfpr tkfr		vu|lfpr tutkfr		vU; fiNMk oxl		dy ukek& du
		Lk[;k	%	Lk[;k	%	Lk[;k	%	Lk[;k	%	
सतत शिक्षा विद्यापीठ	एस.ओ. सी.ई.	14589	58.4	2397	9.6	2050	8.2	5960	23.8	24996
शिक्षा विद्यापीठ	एस.ओ.ई.	7380	49.6	1774	11.9	1964	13.2	3758	25.3	14910
अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ	एस.ओ.ई. टी.	685	81.7	31	3.7	9	1.1	113	13.5	838
विस्तार और विकास अध्ययन विद्यापीठ	एस.ओ.ई. डी.एस.	1134	70.4	107	6.6	120	7.4	250	15.5	1611
विदेशी भाषा विद्यापीठ	एस.ओ. एफ.एल.	499	79.1	33	5.2	9	1.4	90	14.3	631
जेंडर और विकास अध्ययन विद्यापीठ	एस.ओ. जी.डी. एस.	467	71.7	48	7.4	39	6.0	97	14.9	651
स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ	एस.ओ. एच.एस.	901	55.4	209	12.9	79	4.9	436	26.8	1625
मानविकी विद्यापीठ	एस.ओ. एच.	26752	60.5	4485	10.1	3230	7.3	9733	22.0	44200
अंतर्विद्याश्रयी और बहु–विद्याश्रयी अध्ययन विद्यापीठ	एस.ओ. आई.टी. एस.	1001	67.1	100	6.7	150	10-2	237	16-1	1488
पत्रकारिता और नव–जनसंचार माध्यम अध्ययन विद्यापीठ	एस.ओ. जे.एन. एम.एस.	619	79-2	44	5-4	30	3-7	96	11-7	789
विधि विद्यापीठ	एस.ओ. एल.	1977	66-3	269	9-0	95	3-2	645	21.6	2986
प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ	एस.ओ. एम.एस.	46675	69-0	5533	8-2	2334	3-5	13080	19.4	67622
प्रदर्शनपरक और दृश्य कला विद्यापीठ	एस.ओ. पी.वी.ए.	105	74-8	13	9-6	4	3-0	17	12.6	139

fo|kihB dk uke	fo|kihB dkM	lkekU;		vu|lfpr tkfr		vu|lfpr tutkfr		vU; fiNMk ox		d|y ukek& du
		Lk[;k	%	Lk[;k	%	Lk[;k	%	Lk[;k	%	
विज्ञान विद्यापीठ	एस.ओ.एस.	12314	55.4	3057	13.7	1506	6.8	5348	24.1	22225
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	एस.ओ.एस.एस.	158275	50.7	43496	13.9	38414	12.3	72185	23.1	312370
समाज विद्यापीठ	एस.ओ.एस.डब्ल्यू.	4672	46.2	2172	21.5	1665	16.5	1586	15.7	10095
पर्यटन और आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ	एस.ओ.टी.एच.एस.एस.एम.	11330	77.4	1050	7.2	717	4.9	1536	10.5	14633
अनुवाद अध्ययन और प्रशिक्षण विद्यापीठ	एस.ओ.टी.एस.टी.	1176	55.1	310	14.6	68	3.2	575	27.1	2129
व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण विद्यापीठ	एस.ओ.वी.ई.टी.	492	64.7	57	7.5	6	0.8	206	27.1	761
vU; : इनमें विद्यापीठों के अतिरिक्त चलाए जा रहे एप्रीसिएशन/जागरूकता शैक्षिक कार्यक्रम शामिल हैं		91	11.6	41	5.2	0	0.0	655	83.2	787
d|y		**303505**	**55-6**	**68650**	**12.6**	**53192**	**9.7**	**120459**	**22.1**	**545840**

**शिक्षा विद्यापीठ के 34 शोधार्थियों के सामाजिक वर्गवार विवरण उपलब्ध नहीं हैं।*

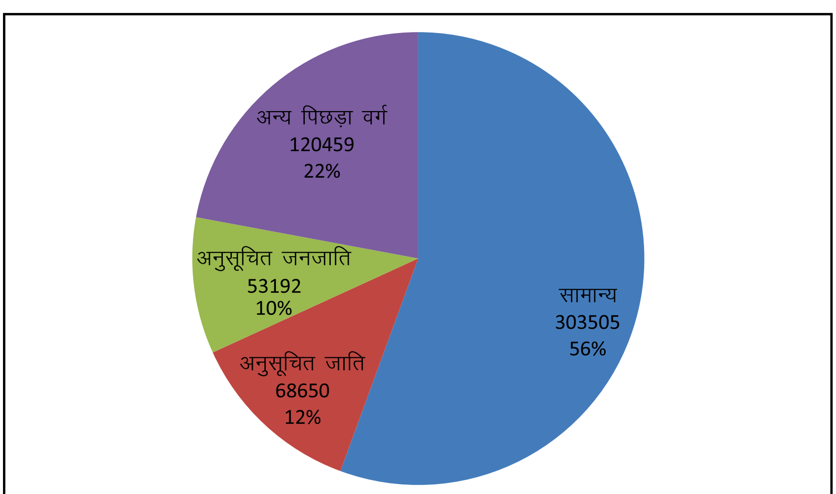

vkj[k 3-2 % 2016&17 esa uo&ukekafdr fo|kfFk;ksa dh lkekftd oxZokj l[;k

तालिका 3.3 रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान नव–नामांकित विद्यार्थियों का शहरी, ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों के रूप में क्षेत्रवार वितरण को दर्शाती है। इस दौरान शहरी क्षेत्रों के 3,44,250 (63.0%) और ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों के कुल 2,01,556 (37.0%) विद्यार्थी नामांकित हुए। हालाँकि शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों की संख्या अधिक है, किंतु ग्रामीण और जनजातीय, दोनों क्षेत्रों के कुल विद्यार्थियों की संख्या से काफी अच्छी है। इसके अलावा, प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ, समाज कार्य विद्यापीठ, कृषि विद्यापीठ, पर्यटन और आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ, कंप्यूटर और सूचना विज्ञान विद्यापीठ, विज्ञान विद्यापीठ, सतत शिक्षा विद्यापीठ, शिक्षा विद्यापीठ, मानविकी विद्यापीठ और सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ द्वारा चलाए जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों में ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व है। इनमें से प्रत्येक विद्यापीठ में ग्रामीण क्षेत्रों के एक हजार से अधिक नए विद्यार्थी हैं। इसी प्रकार, प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ, सतत शिक्षा विद्यापीठ, शिक्षा विद्यापीठ, सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ और मानविकी विद्यापीठ द्वारा चलाए जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों में जनजातीय क्षेत्रों के विद्यार्थियों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व है। इनमें से प्रत्येक विद्यापीठ में जनजातीय क्षेत्रों के पाँच सौ से अधिक नए विद्यार्थी हैं। विद्यार्थियों के आवास के क्षेत्र के आधार पर क्षेत्रवार संख्या का आरेखीय प्रस्तुतीकरण, आरेख 3.3 में किया गया है।

rkfydk 3-3 % jgus dk {ks= ¼'kgjh@xzkeh.k@tutkrh;½ ds vk/kkj ij 2016&17
esa uo&ukekafdr fo|kfFkZ;ksa dh la[;k

fo|kihB dk uke	fo|kihB dksM	'kgjh		xzkeh.k		Tkutkrh;		dqy ukekadu
		Lka[;k	%	Lka[;k	%	Lka[;k	%	
कृषि विद्यापीठ	एस.ओ.ए.	1158	46.8	1307	52.9	8	0.3	2473
कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्यापीठ	एस.ओ.सी.आई.एस.	13790	77.1	4025	22.5	66	0.4	17881
सतत शिक्षा विद्यापीठ	एस.ओ.सी.ई.	16678	66.7	7686	30.7	632	2.5	24996
शिक्षा विद्यापीठ	एस.ओ.ई.	7538	50.7	6590	44.3	748	5.0	14910
अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ	एस.ओ.ई.टी.	671	80.1	164	19.6	3	0.4	838
विस्तार और विकास अध्ययन विद्यापीठ	एस.ओ.ई.डी.एस.	1444	89.6	153	9.5	14	0.9	1611
विदेशी भाषा विद्यापीठ	एस.ओ.एफ.एल.	591	93.7	40	6.3			631
जेंडर और विकास अध्ययन विद्यापीठ	एस.ओ.जी.डी.एस.	546	83.9	100	15.4	5	0.8	651
स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ	एस.ओ.एच.एस.	1091	67.1	530	32.7	4	0.2	1625
मानविकी विद्यापीठ	एस.ओ.एच.	30043	68.0	13477	30.5	680	1.5	44200
अंतर्विद्याश्रयी और बहु–विद्याश्रयी अध्ययन विद्यापीठ	एस.ओ.आई.टी.एस.	1092	73.3	361	24.3	35	2.4	1488
पत्रकारिता और नव–जनसंचार माध्यम अध्ययन विद्यापीठ	एस.ओ.जे.एन.एम.एस.	615	78.1	165	20.7	9	1.2	789
विधि विद्यापीठ	एस.ओ.एल.	2355	78.8	612	20.5	19	0.6	2986

fo|kihB dk uke	fo|kihB dkM	'kgjh		xkeh.k		Tkutkrh;		dy ukek&du
		Lk[;k	%	Lk[;k	%	Lk[;k	%	
प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ	एस.ओ.एम.एस.	53066	78.5	14021	20.7	535	0.8	67622
प्रदर्शनपरक और दृश्य कला विद्यापीठ	एस.ओ.पी.वी.ए.	129	92.6	10	7.4			139
विज्ञान विद्यापीठ	एस.ओ.एस.	15654	70.4	6257	28.2	314	1.4	22225
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	एस.ओ.एस.एस.	176708	56.6	125977	40.3	9685	3.1	312370
समाज विद्यापीठ	एस.ओ.एस.डब्ल्यू.	6239	61.8	3397	33.7	459	4.6	10095
पर्यटन और आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ	एस.ओ.टी.एच.एस.एस.एम.	11997	82.0	2450	16.8	186	1.3	14633
अनुवाद अध्ययन और प्रशिक्षण विद्यापीठ	एस.ओ.टी.एस.टी.	1836	86.3	289	13.6	4	0.1	2129
व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण विद्यापीठ	एस.ओ.वी.ई.टी.	556	73.1	203	26.7	2	0.3	761
अन्य : इनमें विद्यापीठों के अतिरिक्त चलाए जा रहे एप्रीसिएशन/जागरूकता शैक्षिक कार्यक्रम शामिल हैं		453	57.6	333	42.3	1	0.1	787
dy		**344250**	**63.1**	**188147**	**34.5**	**13409**	**2.5**	**545840**

शिक्षा विद्यापीठ के 34 शोधार्थियों के क्षेत्रवार विवरण उपलब्ध नहीं हैं।

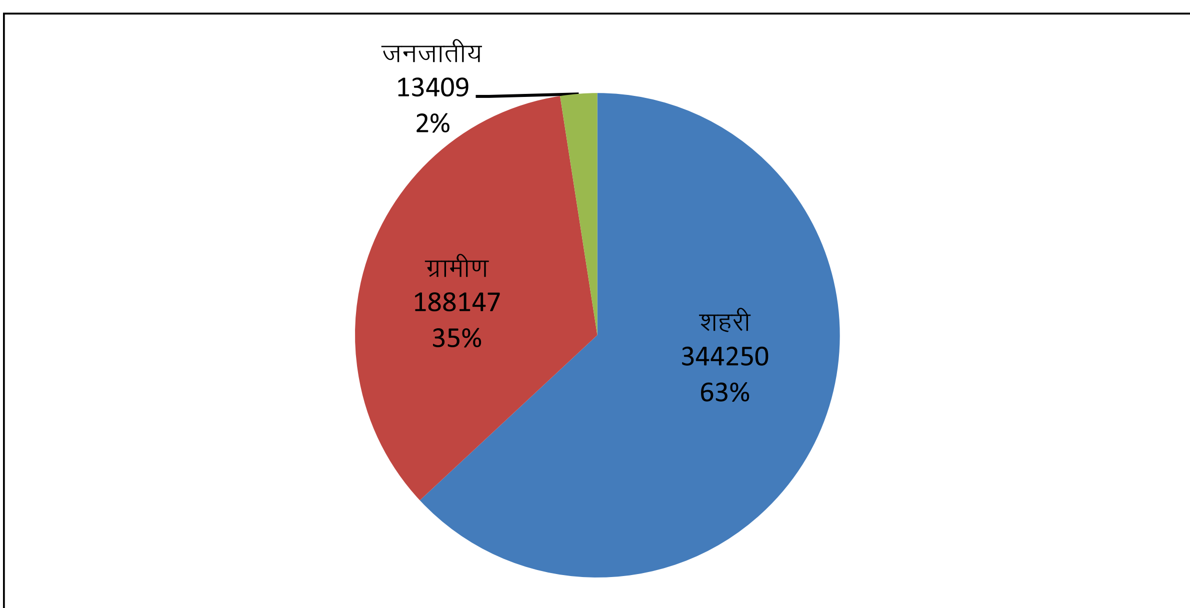

vkj[k 3-3 % jgu d {k= ¼'kgjh@xkeh.k@tutkrh;½ d vk/kkj ij 2016&17 e uo&ukekfdr fo|kfFk;k dh l[;k

[k½ 'kf{kd dk;Øek d Lrj d vulkj tulkf[;dh; fooj.k

विश्वविद्यालय विभिन्न प्रकार के वर्गों की शैक्षिक और प्रशिक्षण संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए अध्ययन के विभिन्न स्तरों/उन्नयन के डॉक्टोरल उपाधि, स्नातकोत्तर उपाधि, स्नातक उपाधि, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट स्तरों के शैक्षिक कार्यक्रम चला रहा है। तालिका 3.4 में नव–नामांकित विद्यार्थियों का शैक्षिक कार्यक्रमों के स्तर के आधार पर वर्गीकृत जेंडरवार विवरण दिया गया है।

rkfydk 3-4 % 2016&17 e uo&ukekfdr fo|kfFk;k d tMj&Lrj d vk/kkj ij 'kf{kd dk;Øek dk forj.k

'kf{kd dk;Øe dk Lrj	Ik#"k		Ekfgyk,¡		vU;	dy ukekdu
	Lk[;k	%	Lk[;k	%		
स्नातक	189591	65.0	102214	35.0	75	291880
सर्टिफिकेट	13538	52.9	12033	47.1	3	25574
डिप्लोमा	17202	52.0	15886	48.0	1	33089
स्नातकोत्तर	86165	44.2	108756	55.8	36	194957
अनुसंधान	171	49.7	169	49.7		340
dy	**306667**	**56.2**	**239058**	**43.8**	**115**	**545840**

तालिका 3.4 से पता चलता है कि स्नातकोत्तर स्तर पर महिला–विद्यार्थियों की संख्या 55.8% है। नव–नामांकित विद्यार्थियों में से स्नातक स्तर पर महिला–विद्यार्थियों की संख्या सबसे कम (35%) है। विद्यार्थियों की जेंडरवार संख्या का आरेखीय प्रस्तुतीकरण आरेख 3.4 में दिया गया है।

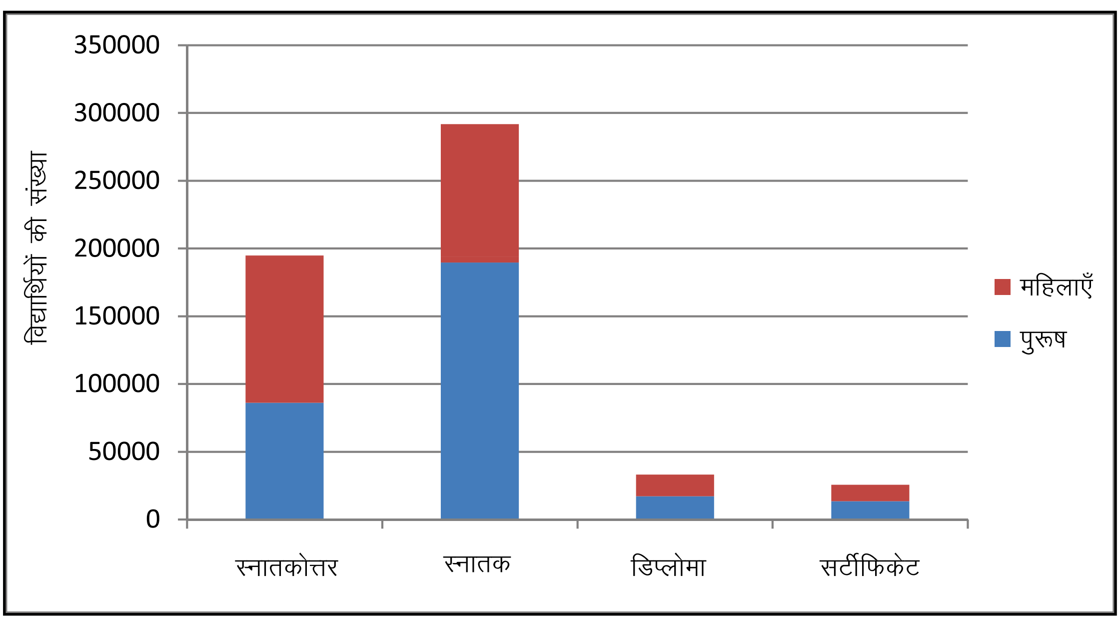

vkjs[k 3-4 % 2016&17 e uo&ukekfdr fo|kfFk;k d tMj vkj 'kf{kd dk;Øek d Lrj d vk/kkj ij l[;k

तालिका 3.5 में रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान नव–नामांकित विद्यार्थियों का सामाजिक वर्ग अर्थात सामान्य, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के आधार पर वर्गीकरण दिया गया है।

rkfydk 3-5 % 'kf{kd dk;Øek d Lrj d vk/kkj ij 2016&17 e uo&ukekfdr fo|kFk;k d lkekftd ox
¼vulfpr tkfr@vulfpr tutkfr@vU; fiNMk ox½ dk forj.k

'kf{kd dk;Øe dk Lrj	lkekU;		vulfpr tkfr		vulfpr tutkfr		vU; fiNMk ox		dy ukekdu
	Lk[;k	%	Lk[;k	%	Lk[;k	%	Lk[;k	%	
स्नातक	148907	51.0	44356	15.2	33312	11.4	65305	22.4	291880
सर्टिफिकेट	14380	56.2	2661	10.4	1074	4.2	7459	29.2	25574
डिप्लोमा	21023	63.5	2927	8.8	2381	7.2	6758	20.4	33089
स्नातकोत्तर	118987	61.0	18662	9.6	16412	8.4	40896	21.0	194957
अनुसंधान	208	61.2	44	12.9	13	3.8	41	12.1	340*
dy	**303505**	**55.6**	**68650**	**12.6**	**53192**	**9.7**	**120459**	**22.1**	**545840**

**शिक्षा विद्यापीठ के 34 शोधार्थियों के सामाजिक वर्ग संबंधी विवरण उपलब्ध नहीं हैं।*

तालिका 3.5 से पता चलता है कि स्नातक स्तर पर अनुसूचित जनजातियों के विद्यार्थियों की भागीदारी अधिक है। इस स्तर पर 11.4% विद्यार्थी अनुसूचित जनजाति के हैं। अनुसंधान, स्नातक और सर्टिफिकेट स्तरों के शैक्षिक कार्यक्रमों में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की भागीदारी प्रत्येक शैक्षिक कार्यक्रम के स्तर पर कुल नामांकित विद्यार्थियों के 10% से अधिक है। स्नातक स्तर पर यह भागीदारी 15.2% है। इसी प्रकार, अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी के अंतर्गत अनुसंधान स्तर के अलावा, अन्य सभी स्तरों पर 20 से 29% के बीच में है। उनमें से सर्टिफिकेट स्तर पर यह संख्या सर्वाधिक (अर्थात 29.2%) है। विद्यार्थियों की सामाजिक वर्गवार संख्या और शैक्षिक कार्यक्रमों के स्तर का आरेखीय प्रस्तुतीकरण आरेख 3.5 में दिया गया है।

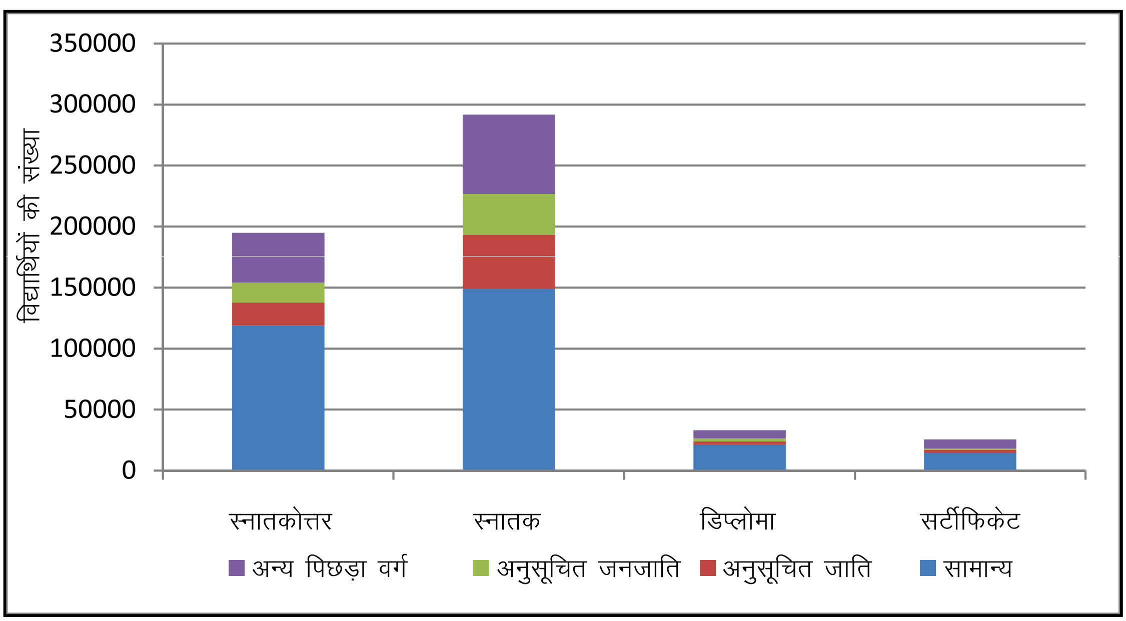

vkj[k 3-5 % 2016&17 e uo&ukekfdr fo|kFk;k d lkekftd ox vkj 'kf{kd dk;Øek d Lrj d vk/kkj ij l[;k

तालिका 3.6 में रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान नव–नामांकित विद्यार्थियों के रहने के क्षेत्रवार (अर्थात शहरी, ग्रामीण, शहरी और जनजातीय क्षेत्रों) के आधार पर वर्गीकरण दिया गया है।

rkfydk 3-6 % 'kSf{kd dk;Øeksa ds Lrj ds vk/kkj ij uo&ukekafdr fo|kfFkZ;ksa ds jgus dk {ks=okj ¼vFkkZr 'kgjh] xzkeh.k] 'kgjh vkSj tutkrh;½ fooj.k % 2016&17

'kSf{kd dk;Øe dk Lrj	'kgjh		xzkeh.k		tutkrh;		dqy ukekadu
	la[;k	%	la[;k	%	la[;k	%	
स्नातक	167466	57.4	115945	39.7	8469	2.9	291880
सर्टिफिकेट	16448	64.3	8859	34.6	267	1.0	25574
डिप्लोमा	24443	73.9	7954	24.0	692	2.1	33089
स्नातकोत्तर	135645	69.6	55338	28.4	3974	2.0	194957
अनुसंधान	248	72.9	51	15.0	7	2.1	340*
कुल	**344250**	**63.1**	**188147**	**34.5**	**13409**	**2.5**	**545840**

**शिक्षा विद्यापीठ के 34 शोधार्थियों के क्षेत्रवार विवरण उपलब्ध नहीं हैं।*

तालिका 3.6 से पता चलता है कि स्नातक स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों की भागीदारी अधिक है। इस स्तर पर 39.7% विद्यार्थी ग्रामीण क्षेत्रों के हैं और सर्टिफिकेट स्तर पर यह संख्या 34.6% है। स्नातकोत्तर स्तर पर जनजातीय क्षेत्रों के विद्यार्थियों की भागीदारी भी अपेक्षाकृत अधिक है। इन स्तरों पर 2.9% विद्यार्थी जनजातीय क्षेत्रों के हैं। विद्यार्थियों की रहने के क्षेत्र और शैक्षिक कार्यक्रमों के आधार पर संख्या का आरेखीय प्रस्तुतीकरण आरेख 3.6 में दिया गया है।

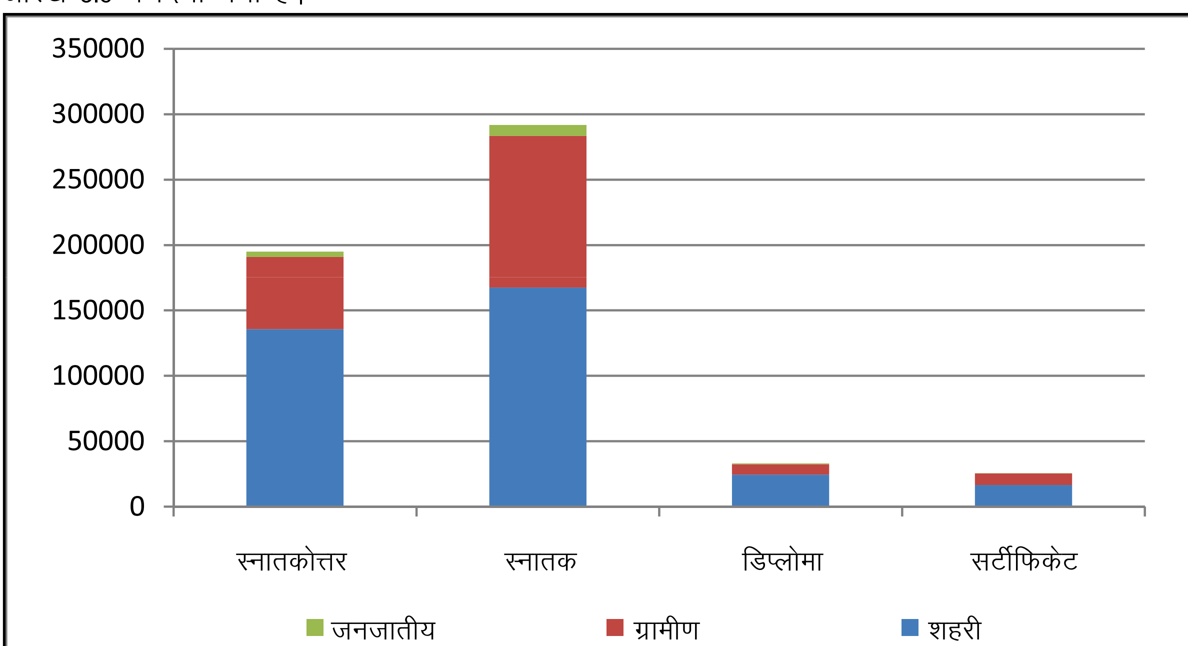

vkjs[k 3-6 % 2016&17 esa uo&ukekafdr fo|kfFkZ;ksa dh jgus ds {ks= vkSj 'kSf{kd dk;Øeksa ds vk/kkj ij la[;k

Xk½ jkT;okj ukekadu fo'ys"k.k

रिपोर्टाधीन अवधि में नव–नामांकित विद्यार्थियों में दिल्ली–2 क्षेत्रीय केंद्र का योगदान सबसे अधिक रहा। यह कुल नामांकन का 8.9% था। यहाँ से 48,279 विद्यार्थियों ने नामांकन कराया। उसके बाद कुल नव–नामांकित विद्यार्थियों

में से 38,172 विद्यार्थी दिल्ली–1 क्षेत्रीय केंद्र से थे, जोकि कुल नामांकन का 7% है। इसके बाद राँची क्षेत्रीय केंद्र (25,849), जम्मू क्षेत्रीय केंद्र (24,037), दिल्ली–3 क्षेत्रीय केंद्र (22,908) और कोलकाता क्षेत्रीय केंद्र (21,317) आते हैं। अन्य क्षेत्रीय केंद्रों में से प्रत्येक केंद्र से रिपोर्टाधीन अवधि में बीस हजार से कम नए विद्यार्थियों ने नामांकन कराया। पर्वतीय क्षेत्रों वाले राज्यों अथवा समाज के हाशिए वाले ज्यादा जनसंख्या वाले राज्यों से पर्याप्त नामांकन हुआ है। देश के पूर्वोत्तर क्षेत्रों में स्थित राज्यों से भी पर्याप्त नामांकन हुआ है। इस प्रकार, उच्च शिक्षा के लिए प्रावधान करके विश्वविद्यालय समाज के सुविधावंचित और हाशिए के वर्गों के लोगों से संपर्क करने में महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है। विश्वविद्यालय में कुल नामांकित विद्यार्थियों में से 1,476 विदेशी; 149 असम राइफल्स; 4,095 थल सेना कार्मिक; और 1,981 नौसेना कार्मिक हैं।

rkfydk 3-7 % 2016&17 esa uo&ukekafdr fo|kfFkZ;ksa dk jkT;okj fooj.k

{ks=h; dsUnz dk LFkku	{ks=h; dsUnz dksM	fo|kfFkZ;ksa dh la[;k
अगरतला	26	6023
अहमदाबाद	09	6859
आईज़ौल	19	4162
अलीगढ़	47	6223
बंगलौर	13	8450
भागलपुर	82	4575
भोपाल	15	7476
भुवनेश्वर	21	18536
बीजापुर	85	2330
चंडीगढ़	06	6044
चेन्नई	25	4367
कोच्चि	14	11253
दरभंगा	46	7296
देहरादून	31	7252
दिल्ली 1	07	38172
दिल्ली 2	29	48279
दिल्ली 3	38	22908
देवघर	87	12135
गंगटोक	24	2389
गुवाहाटी	04	6509

{ks=h; dsUnz dk LFkku	{ks=h; dsUnz dksM	fo|kfFk;ksa dh la[;k
हैदराबाद	01	4505
इम्फाल	17	4306
ईटानगर	03	6540
जबलपुर	41	5067
जयपुर	23	8118
जम्मू	12	24037
जोधपुर	88	3594
जोरहाट	37	4136
करनाल	10	16141
खन्ना	22	5821
कोहिमा	20	2342
कोलकाता	28	21317
कोरापुट	44	6974
लखनऊ	27	10971
मदुरै	43	2468
मुंबई	49	5858
नागपुर	36	4478
नोएडा	39	13173
पणजी	08	3164
पटना	05	18628
पोर्ट ब्लेयर	02	2138
पुणे	16	6859
रघुनाथ गंज	50	2181
रायपुर	35	4770
राजकोट	42	2486
राँची	32	25849
सहरसा	86	6970

{ks=h; dsanz dk LFkku	{ks=h; dsanz dksM	fo|kfFk;ksa dh la[;k
शिलांग	18	5676
शिमला	11	14802
सिलीगुड़ी	45	8813
श्रीनगर	30	16112
तिरुवनंतपुरम	40	8297
वाराणसी	48	12540
वडाकरा	83	6477
विजयवाड़ा	33	2060
विशाखापतनम	84	1694
{ks=h; dsanzksa ds vfrfjDr vU; ek/;eksa ls izos'k		
कोलकाता, थल सेना क्षेत्रीय केंद्र	51	841
चंडीमंदिर, थल सेना क्षेत्रीय केंद्र	52	1056
लखनऊ, थल सेना क्षेत्रीय केंद्र	53	498
पुणे, थल सेना क्षेत्रीय केंद्र	54	596
उधमपुर, थल सेना क्षेत्रीय केंद्र	55	703
जयपुर, थल सेना क्षेत्रीय केंद्र	56	401
नई दिल्ली, नौसेना क्षेत्रीय केंद्र	71	61
मुंबई, नौसेना क्षेत्रीय केंद्र	72	1029
विशाखापतनम, नौसेना क्षेत्रीय केंद्र	73	798
कोच्चि, नौसेना क्षेत्रीय केंद्र	74	93
शिलांग, असम राइफल्स क्षेत्रीय केंद्र	81	149
bXuw eq[;ky; esa izos'k		
अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ		322
पर्यटन और आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ		6877
अंतर्राष्ट्रीय प्रभाग		1476
शोधार्थी		340
dqy		**545840**

अध्याय-IV
विद्यार्थी सहायता सेवाएँ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के पास रूबरू परामर्श और प्रौद्योगिकी–समर्थ शैक्षिक एवं प्रशासनिक सहायता सहित विद्यार्थी सहायता सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्र–व्यापी विद्यार्थी सहायता सेवा नेटवर्क है। मुख्यालय में स्थित विद्यार्थी पंजीकरण प्रभाग (एस.आर.डी.), विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एस.ई.डी.), सामग्री निर्माण एवं वितरण प्रभाग (एम.पी.डी.डी.) और संचार केंद्र (ई.एम.पी.सी.) आदि जैसे संचालन प्रभागों द्वारा विद्यार्थियों को सहायता सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। मुख्यालय से बाहर देश–विदेश में विद्यार्थियों को सहायता सेवाएँ क्षेत्रीय केंद्रों और विद्यार्थी सहायता केंद्रों के नेटवर्क द्वारा प्रदान की जाती हैं। देश में विद्यार्थी सहायता सेवा उपलब्ध कराने के लिए क्षेत्रीय सेवा प्रभाग (आर.एस.डी.) प्रमुख नोडल इकाई है और विदेशों में सहायता सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रभाग (आई.डी.)।

d½ fo|kFkhZ lgk;rk lsokvksa dk usVodZ

देश–भर में फैले विद्यार्थियों को विद्यार्थी सहायता सेवाएँ उपलब्ध कराने हेतु विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्रों और अध्ययन केंद्रों को संचालित करने के लिए 1986 में क्षेत्रीय सेवा प्रभाग (आर.एस.डी.) की स्थापना की गई। क्षेत्रीय सेवा प्रभाग को जो दायित्व और कार्य सौंपे गए, वे इस प्रकार हैं :

क) क्षेत्रीय केंद्रों और अध्ययन केंद्रों की स्थापना और प्रबंध व्यवस्था करने के संदर्भ में नीतियाँ, प्रणालियाँ और कार्यविधियाँ विकसित करना;

ख) क्षेत्रीय केंद्रों और अध्ययन केंद्रों के राष्ट्रीय नेटवर्क की व्यवस्था और प्रबंध करना;

ग) नए क्षेत्रीय केंद्रों और अध्ययन केंद्रों की स्थापना करने और इन केंद्रों पर सुविधाएँ मज़बूत करने के लिए सरकारी विभागों, शैक्षिक संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों सहित अन्य संगठनों के साथ बातचीत करना;

घ) परामर्श, प्रैक्टिकल सत्रों तथा सत्रीय कार्यों के मूल्यांकन के लिए शैक्षिक परामर्शदाताओं के रूप में उपयुक्त व्यक्तियों की पहचान करके उनकी नियुक्ति करना;

ङ) अध्ययन केंद्रों पर अंशकालिक आधार पर काम करने वालों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित करना;

च) क्षेत्रीय केंद्रों के पूर्णकालिक स्टाफ के लिए परिचय और सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना;

छ) क्षेत्रीय केंद्रों और अध्ययन केंद्रों की वित्त–व्यवस्था एवं व्यय का नियंत्रण करना;

ज) क्षेत्रीय केंद्रों और अध्ययन केंद्रों को आवश्यक फर्नीचर और उपकरण उपलब्ध कराना; और

झ) सामान्य रूप से मुख्यालय में अध्ययन विद्यापीठों और प्रभागों के बीच तथा विशेष तौर पर क्षेत्रीय केंद्रों एवं अध्ययन केंद्रों के बीच विद्यार्थी सहायता सेवाओं से संबंधित विभिन्न मामलों में तालमेल स्थापित करना।

विद्यार्थियों को अपने शैक्षिक परामर्शदाताओं और साथी–विद्यार्थियों के बीच सीधे विचार–विमर्श की सुविधाएँ उपलब्ध कराना इग्नू की सहायता सेवाओं का प्रमुख आधार है। सहायता–सेवा उपलब्ध कराने वाली गतिविधियों में विद्यार्थी सहायता केंद्र (एल.एस.सी.) स्थापित करना; अध्ययन केंद्रों पर कार्मिकों का चयन करना, उन्हें नियुक्त करना और प्रशिक्षित करना; संसाधन उपलब्ध कराना तथा उन संसाधनों का समुचित प्रयोग सुनिश्चित करना; सैद्धांतिक/व्यावहारिक परामर्श और विद्यार्थियों की प्रगति संबंधी प्रतिपुष्टि की निगरानी; परीक्षा केंद्र तलाशना तथा वर्ष में दो बार सत्रांत (सैद्धांतिक और प्रयोगात्मक) परीक्षाएँ आयोजित कराने संबंधी सहायता देना शामिल है।

इन उत्तरदायित्वों को निभाने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र में विश्वविद्यालय में 9 और देश के अन्य भागों में 47 क्षेत्रीय केंद्र हैं। इन क्षेत्रीय केंद्रों के अलावा, 11 मान्यता–प्राप्त क्षेत्रीय केंद्र भी काम कर रहे हैं। इनमें से छह थल सेना,

चार नौसेना और एक असम राइफल्स का है। इस प्रकार क्षेत्रीय केंद्रों की कुल संख्या 67 है। तालिका 4.1 में क्षेत्रीय केंद्रों और अध्ययन केंद्रों/विद्यार्थी सहायता केंद्रों संबंधी विद्यार्थी सहायता नेटवर्क की वर्गीकृत संख्या को दर्शाया गया है।

rkfydk 4-1 % 31-3-2017 dks fo|kFkhZ lgk;rk usVodZ dh fLFkfr

{ks=h; dsUnz	La[;k
पूर्वोत्तर भारत में क्षेत्रीय केंद्र	9
शेष भारत में क्षेत्रीय केंद्र	47
मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय केंद्र (थल सेना, नौसेना और असम राइफल्स)	11
dqy ¼{ks=h; dsUnz½	**67**
fo|kFkhZ lgk;rk dsUnz	
नियमित अध्ययन केंद्र	808
कार्यक्रम अध्ययन केंद्र	1,570
विशेष अध्ययन केंद्र	453
मान्यता प्राप्त अध्ययन केंद्र	11
महिलाओं के लिए नियमित अध्ययन केंद्र	8
उत्तर बिहार प्रतिरूप विद्यार्थी अध्ययन केंद्र	6
उप–अध्ययन केंद्र	8
mi&;ksx	**2,864**
मान्यता प्राप्त थल सेना अध्ययन केंद्र	49
मान्यता प्राप्त नौसेना अध्ययन केंद्र	5
असम राइफल्स मान्यता प्राप्त अध्ययन केंद्र	30
mi&;ksx ¼ekU;rk izkIr fo|kFkhZ lgk;rk dsUnz½	**84**
dqy ;ksx ¼fo|kFkhZ lgk;rk dsUnz½	**2,948**

रिपोर्टाधीन अवधि में विश्वविद्यालय ने 79 नए विद्यार्थी सहायता केंद्रों की स्थापना की है। रिपोर्टाधीन वर्ष में विद्यार्थी सहायता केंद्रों पर विद्यार्थियों को शैक्षिक सहायता प्रदान करने के लिए 60,262 शैक्षिक परामर्शदाता कार्य कर रहे थे।

[k½ iwoksZÙkj {ks= 'kSf{kd fodkl ,dd

इग्नू, पूर्वोत्तर क्षेत्र शैक्षिक विकास एकक (एडनेरू) के माध्यम से देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में उच्च शिक्षा, प्रशिक्षण, कौशल विकास और अन्य प्रयासों से सुविधाएँ उपलब्ध करा रहा है। शुरू में, इस एकक को पूर्वोत्तर परियोजना (एन.ई.पी.) के रूप में वर्ष 2000 में स्थापित किया गया था और इसके लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री की 8 करोड़ रुपए का अव्यपगमनीय (non-lapsable) अनुदान दिया गया था। पूर्वोत्तर क्षेत्र में समान शैक्षिक अवसरों और पहुँच को बढ़ाने के उद्देश्य से पूर्वोत्तर परियोजना (एन.ई.पी.) शुरू की गई थी। अपनी स्थापना के बाद से एडनेरू ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के 8 राज्यों में 9 क्षेत्रीय केंद्रों और 512 अध्ययन केंद्रों के नेटवर्क के माध्यम से

शैक्षिक विकास के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया है। एडनेरू, सभी 9 क्षेत्रीय केंद्रों के लगभग 82,000 विद्यार्थियों (2016–17) की जरूरतों को पूरा कर रहा है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 'इग्नू क्षेत्रीय केंद्र पूर्वोत्तर परिषद' (नॉर्थ–ईस्ट काउंसिल फॉर इग्नू रीजनल सेंटर्स – एन.ई.सी.आई.आर.सी.) सृजित की गई है। पूर्वोत्तर क्षेत्र के समग्र शैक्षिक विकास के लिए कार्यनीतियाँ विकसित करना इस परिषद का अधिदेश है। इस परिषद के लिए शिलांग स्थित क्षेत्रीय केंद्र में नोडल कार्यालय बनाया गया है और शिलांग क्षेत्रीय केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक पहले दो वर्षों के लिए इस परिषद के समन्वयक के रूप में काम करेंगे। परिषद की उद्घाटन बैठक गुवाहाटी क्षेत्रीय केंद्र पर 5 फरवरी 2017 को हुई। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में किए गए अन्य प्रयास इस प्रकार हैं :

क) नेहू परिसर में इग्नू के शिलांग क्षेत्रीय केंद्र के स्थायी भवन का 27 सितंबर 2016 को तत्कालीन राज्यपाल श्री वी. षणमुखनाथन ने उद्घाटन किया।

f'kykax {k=h; dsUnz Hkou dk 27 flracj 2016 dks rRdkyhu jkT;iky Jh oh- "k.keq[kukFku }kjk mn?kkVu

ख) पूर्वोत्तर क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशकों की 28–29 सितंबर 2016 को शिलांग क्षेत्रीय केंद्र में बैठक आयोजित की गई।

ग) पूर्वोत्तर क्षेत्र के क्षेत्रीय केंद्रों के शैक्षिक परामर्शदाताओं के लिए 18–19 नवंबर 2016 को अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

घ) 21–22 जनवरी 2017 को गुवाहाटी में पूर्वोत्तर क्षेत्र के क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयकों का प्रथम सम्मेलन।

ङ) क्षेत्रीय मूल्यांकन केंद्र को गुवाहाटी से शिलांग क्षेत्रीय केंद्र में स्थानांतरित किया गया।

iwoksZÙkj {k= ds leUo;dksa dk 21&22 tuojh 2017 dks xqokgkVh esa lEesyu

x½ vkpfyd {k=h; fun'kdk dh cBd

क्षेत्रीय सेवा प्रभाग ने क्षेत्रीय निदेशकों की अंचलवार बैठकें आयोजित कीं। परस्पर अंतःक्रिया, अनुभवों के आदान–प्रदान, सुधार के लिए क्षेत्रों और गतिविधियों की पहचान करना इन बैठकों का मूलभूत उद्देश्य रहा ताकि क्षेत्रीय भाषाओं के लिए उपयुक्त कार्यक्रमों की पहचान करके पहुँच को बढ़ाना और समानता लाना संभव हो सके। क्षेत्रीय निदेशकों की बैठक पाँच अंचलों में आयोजित की गईं। ये अंचल हैं – लखनऊ, शिलांग, मदुरै, भुवनेश्वर और पणजी। इन बैठकों में किए गए विचार–विमर्श से उभरकर सामने आए सुझावों में से कुछ के संदर्भ में विश्वविद्यालय ने प्रयास शुरू किए।

2-3 flrcj 2016 dk y[kuÅ {k=h; dn ij mÙkjh vpy d {k=h; fun'kdk dh cBd

4-5 uocj 2016 dk Hkqou'oj {k=h; dn ij iot vpy d {k=h; fun'kdk dh cBd

?k½ vfHkfoU;kl dk;Øe

विद्यार्थी सहायता केंद्रों पर शैक्षिक कार्यक्रमों के वितरण को मज़बूत करने के लिए देश–भर में शैक्षिक परामर्शदाताओं के लिए रूबरू अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन अभिविन्यास कार्यक्रमों में पाँच हज़ार से अधिक नव–नियुक्त शैक्षिक परामर्शदाताओं को प्रशिक्षित किया गया।

f'k{kk fo|kihB }kjk pyk, tk jg dk;Øek d 'kf{kd ijke'knkrkvk d fy, 23&24 flrcj 2016 dk y[kuÅ e vfHkfoU;kl dk;Øe

³½ leUo;dksa ds lEesyu

हर वर्ष क्षेत्रीय केंद्र, अपने कार्य–क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विद्यार्थी सहायता केंद्रों के समन्वयकों और कार्यक्रम प्रभारियों के साथ बैठकें (कम से कम एक) आयोजित करते हैं। इस वर्ष, पहली बार, विश्वविद्यालय ने प्रत्येक राज्य के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रीय केंद्रों को समूहों में विभाजित करके समन्वयकों के सम्मेलन आयोजित किए। इस व्यवस्था से क्षेत्र स्तर पर काम करने वालों को एक ऐसा मंच उपलब्ध कराया गया जहाँ वे पूरे राज्य के व्यापक संदर्भ में सामान्य मुद्दों पर विचार–विमर्श कर सकें और अपने अनुभवों का आदान–प्रदान कर सकें। विद्यार्थी सहायता केंद्रों के समन्वयकों का इस प्रकार का पहला सम्मेलन पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी नौ क्षेत्रीय केंद्रों के लिए गुवाहाटी में आयोजित किया गया। पूर्वोत्तर क्षेत्र में विश्वविद्यालय संचालनों को मज़बूती प्रदान करना और अनुभव की जा रही समस्याओं का समाधान करने के लिए इस सम्मेलन को आयोजित किया गया। आंध्र प्रदेश के क्षेत्रीय केंद्रों के लिए भी विजयवाड़ा में सम्मेलन आयोजित किया गया।

p½ jk"Vªh; laxksf"B;k¡

विश्वविद्यालय ने एक प्रमुख शैक्षिक प्रयास किया है। यह प्रयास क्षेत्रीय केंद्रों और क्षेत्रीय सेवा प्रभाग के शैक्षिक सदस्यों के द्वारा राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों के आयोजन से संबंधित रहा। क्षेत्रीय सेवा प्रभाग और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के तीन क्षेत्रीय केंद्रों के सह योग से नोएडा क्षेत्रीय केंद्र ने 21–22 अप्रैल 2017 को 'आई.सी.टी. सपोर्ट फॉर इनक्लूसिव डिजिटल लर्निंग' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की। संगोष्ठी, मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली में डिजिटल शिक्षण और प्रौद्योगिकी सहायक शिक्षण संबंधी विविध पक्षों पर केंद्रित थी। नैस्कॉम के पूर्व अध्यक्ष डॉ. किरण कर्णिकर और कुलपति प्रो. रवींद्र कुमार ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया। संगोष्ठी में देश–भर के क्षेत्रीय केंद्रों, अन्य विश्वविद्यालयों के शैक्षिक सदस्यों और अग्रणी आई.टी. कंपनियों के 200 से अधि-क प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

uks,Mk {ks=h; dsanz ij 21&22 viSy 2017 dks *vkbZ-lh-Vh- liksVZ QkWj buDyfl o fMftVy yfuZx* fo"k; ij jk"Vªh; laxks"Bh

N½ igpu lsa nj okyks rd dh fy, i;kl

जयपुर क्षेत्रीय केंद्र ने भारत सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा आयोजित जन सूचना अभियान में भाग लिया। इसके लिए क्षेत्रीय केंद्र ने 13–18 जून 2016 के दौरान खिजोरी, चोमू, गोविंदगढ़, संगोड, बिलंदरपुर, अजमेर

और जयपुर में राजस्थान के विभिन्न अन्य सरकारी विभागों के साथ स्टॉल लगाए। विश्वविद्यालय के अध्ययन कार्यक्रमों के संवर्धन और प्रचार के साथ–साथ जागरूकता विकसित करने के लिए इन स्टॉलों में संवर्धनात्मक सामग्री को प्रदर्शित किया गया और लोगों को वितरित किया गया।

tu lpuk vfHk;ku dk;Øe d nkjku t;ij e bXu LVky e vkxrd

पहुँच से बाहर वालों तक पहुँचने के लिए हैदराबाद क्षेत्रीय केंद्र ने प्रयास किया। इस प्रयास के अंतर्गत नवंबर 2016 और जनवरी 2017 में एफ.एम. चैनल, रेडियो सिटी के माध्यम से कार्यक्रम रिकॉर्ड किए गए और प्रसारित किए गए। इन कार्यक्रमों में उपनिदेशक डॉ. के. रमेश और क्षेत्रीय निदेशक डॉ. फियाज़ अहमद विषय–विशेषज्ञों के रूप में भाग लिया।

t½ fo|kFkh lgk;rk c<ku gr uohure i;kl

शिमला क्षेत्रीय केंद्र ने एकल खिड़की सूचना सुविधा तंत्र को शुरू किया। विद्यार्थियों/आम लोगों के इस्तेमाल के लिए टोल–फ्री नंबर शुरू किया गया। पूरे डाटाबेस को समाकलित किया गया और क्षेत्रीय केंद्र पर काम करने वालों के साथ उसका अंतरानेट के माध्यम से आदान–प्रदान किया गया। विद्यार्थी डाटाबेस, शैक्षिक परामर्शदाता डाटाबेस और दीक्षांत समारोह विवरण आदि से संबंधित सॉफ्टवेयर अनुप्रयोगों को क्षेत्रीय केंद्र स्टाफ अनेक कार्यों के लिए पुनःप्राप्त (रिट्रिव) कर सकते हैं। इससे डाटाबेस में एकरूपता को बनाए रखा जा सकेगा।

>½ {k=h; dnk dk viu&viu ifjlj e LFkkukrj.k

अपने भवन प्राप्त कर चुके कुछ क्षेत्रीय केंद्र वर्ष 2016–17 के दौरान, अपने परिसरों में स्थानांतरित हुए। विश्वविद्यालय ने यह निर्णय लिया है कि क्षेत्रीय केंद्रों के अपने भवनों का अध्ययन सामग्री के भंडारण और वितरण, नियमित अध्ययन केंद्र, क्षेत्रीय मूल्यांकन केंद्र तथा परीक्षाएँ आयोजित करने के लिए परीक्षा केंद्र के रूप में उपयोग भी किया जाए। इन क्षेत्रीय केंद्रों ने निम्नलिखित कार्यान्वित किए :

i) f'kykx {k=h; dn % शिलांग में स्थित क्षेत्रीय केंद्र अपने परिसर में स्थानांतरित हुआ। यह परिसर पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय (नेहू) द्वारा उपलब्ध कराई गई 5 एकड़ भूमि पर बनाया गया है। शिलांग क्षेत्रीय केंद्र के नवनिर्मित भवन का 27 सितंबर 2016 को मेघालय के तत्कालीन राज्यपाल श्री वी. षणमुखनाथन ने उद्‌घाटन किया।

ii) Hkou'oj {k=h; dn % भुवनेश्वर क्षेत्रीय केंद्र भवन के चार–मंज़िला विस्तार खंड का कुलपति प्रो. रवींद्र कुमार ने 5 नवंबर 2016 को उद्‌घाटन किया। इस अवसर पर ओडिशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति

डॉ. श्रीकांत महापात्र, क्षेत्रीय सेवा प्रभाग के निदेशक डॉ. वी. वेणुगोपाल रेड्डी, आई.यू.सी. की निदेशक प्रो. उमा कांजीलाल और सभी क्षेत्रीय केंद्रों के क्षेत्रीय निदेशक उपस्थित थे।

´½ {k=h; eY;kdu dsnzk dk {k=h; dsnzk ij LFkkukrj.k

अपने भवनों वाले क्षेत्रीय केंद्रों पर क्षेत्रीय मूल्यांकन केंद्रों को स्थानांतरित किया गया। इन क्षेत्रीय केंद्रों ने क्षेत्रीय मूल्यांकन केंद्रों को निम्नलिखित विवरण के अनुसार स्थान उपलब्ध कराया गया:

1. कोच्चि क्षेत्रीय केंद्र
2. शिलांग क्षेत्रीय केंद्र
3. भुवनेश्वर क्षेत्रीय केंद्र
4. लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र
5. अहमदाबाद क्षेत्रीय केंद्र
6. भोपाल क्षेत्रीय केंद्र

V½ f'k{kk ds ek/;e ls xkeh.k Hkkjr dk l'kDr dju lc/kh i;kl

i½ ukxiqj {k=h; dsn

महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल ने यवतमाल ज़िले के मंगुरडा गाँव को अपनाया। नागपुर क्षेत्रीय केंद्र ने इस गाँव में कई ज्ञानगंगा जागरूकता बैठकें और प्रवेश शिविर लगाए। जनजाति कल्याण विभाग ने 110 गाँव वालों को प्रायोजित किया, जिनमें ग्राम सरपंच श्रीमती मनीषा किनाके भी शामिल हैं। श्रीमती मनीशा ने स्वयं को स्नातक प्रारंभिक कार्यक्रम के लिए नामांकित कराया। गाँवों के इन विद्यार्थियों के लिए विशेष परिचय बैठक और मोबाइल परामर्श कक्षाएँ आयोजित की गईं।

ii½ xqokgkVh {k=h; dsn

गुवाहाटी क्षेत्रीय केंद्र ने उदलगुड़ी ज़िले के गाँवों (गुंगाओ, गारोबोस्ती, बरूंकुली, बोंगुरूंग, गैसन और कुंगुरबिएल) तथा बोडो जनजाति–बहुल बाक्सा और कोकराझार ज़िलों के गाँवों में तत्काल प्रवेश प्रक्रिया आयोजित की। जुलाई 2016 सत्र के लिए इस ज़िले से कुल 177 प्रवेश लिए गए।

iii½ gFkdj?kk cqudj leqnk; ds fy, tkx:drk f'kfoj

क्षेत्रीय केंद्रों ने देश–भर में हथकरघा बुनकर समुदाय के लिए जागरूकता शिविर लगाए। उस समुदाय के काफी लोगों ने इग्नू के कार्यक्रमों में दाखिला लिया। केवल वाराणसी क्षेत्रीय केंद्र से ही इस समुदाय के 2000 से अधिक विद्यार्थियों ने नामांकन कराया।

iv½ {k=h; dsnk }kjk jkstxkj lgk;rk vfHk;ku

अर्हता प्राप्त विद्यार्थियों को अपनी शैक्षिक योग्यता और अभिरुचि के अनुसार रोज़गार प्राप्त करने में मदद करने के लिए क्षेत्रीय केंद्र रोज़गार सहायता गतिविधियाँ आयोजित करते हैं। मुख्यालय के रोज़गार सहायता अभियान के समग्र पर्यवेक्षण के अंतर्गत क्षेत्रीय केंद्रों/कुछ अध्ययन केंद्रों अथवा प्रायोजक कंपनियों की सुविधा के अनुसार निश्चित स्थानों पर कई रोज़गार अभियान चलाए गए। लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र ने उत्तर प्रदेश सरकार के प्रशिक्षण और रोज़गार विभाग के सहयोग से 16–19 मई 2016 को अपने यहाँ मेगा रोज़गार मेला आयोजित किया। चंडीगढ़, जोधपुर, दिल्ली–2, बंगलौर और चेन्नई क्षेत्रीय केंद्रों ने भी रोज़गार सहायता अभियान आयोजित किए।

fodykax fo|kfFk;ksa dks lgk;rk&lsok

विश्वविद्यालय, अनुसंधान, शिक्षण, प्रशिक्षण और जागरूकता संबंधी व्यापक गतिविधियों के माध्यम से विकलांगों की शैक्षिक, व्यावसायिक और पुनर्वास संबंधी जरूरतों को पूरा करता है। विकलांग विद्यार्थियों को सहायता सेवा प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय ने विशेष अध्ययन केंद्रों की स्थापना की है। दृष्टि–बाधित और कमजोर नजर वाले विद्यार्थियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्हें चुनिंदा पाठ्यक्रमों की अध्ययन सामग्री की सॉफ्ट प्रति उपलब्ध कराई गई। इन्हें माँग पर विद्यार्थियों को उपलब्ध कराया गया। दृष्टि–बाधित विद्यार्थी की मांग पर बी.ए. (राजनीति विज्ञान) कार्यक्रम की अध्ययन सामग्री को श्रव्य रूप में परिवर्तित किया गया। संकेत भाषा में इग्नू पर वीडियो ब्रोशर तैयार किया गया। इससे भावी विकलांग विद्यार्थी विश्वविद्यालय और इसके शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में जान सकेंगे। इस ब्रोशर का विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर 19 नवंबर 2016 को लोकार्पण किया गया।

Lkkexh fuekZ.k vkSj forj.k

मुद्रित अध्ययन सामग्री, ओ.डी.एल. प्रणाली में शैक्षिक कार्यक्रमों के वितरण का एक अनिवार्य घटक है। इसलिए सामग्री निर्माण और वितरण विश्वविद्यालय की सर्वाधिक महत्वपूर्ण गतिविधियों में से एक है। सामग्री निर्माण और वितरण प्रभाग (एम.पी.डी.डी.) को सभी अध्ययन विद्यापीठों द्वारा तैयार अध्ययन सामग्री और प्रशासनिक उपयोग के लिए अन्य मुद्रित सामग्री के मुद्रण कार्य का दायित्व सौंपा गया है। विद्यार्थियों के पास अध्ययन सामग्री समय पर पहुँचाने और समय पर मुद्रण करने के साथ–साथ परिवहन लागत न्यूनतम करने के लिए अध्ययन सामग्री के मुद्रण का विकेंद्रीकरण किया गया है। देश के दक्षिणी क्षेत्र में विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्रों की चुनिंदा मुद्रित अध्ययन सामग्री की जरूरतों को पूरा करने के लिए कोयम्बटूर में एक मुद्रण एकक स्थापित किया गया। विद्यार्थियों को समय पर अध्ययन सामग्री वितरित करने के लिए रिपोर्टाधीन अवधि में विशेष प्रयास किए गए।

निम्नलिखित आरेख 4.1 में पिछले एक दशक में प्रभाग द्वारा मुद्रित अध्ययन सामग्री के खंडों के बारे में दर्शाया गया है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान 236 शैक्षिक कार्यक्रमों में नामांकित 9.16 लाख विद्यार्थियों को मुद्रित सामग्री की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रभाग ने अध्ययन सामग्री के 2 करोड़ 26 लाख खंड प्रकाशित किए।

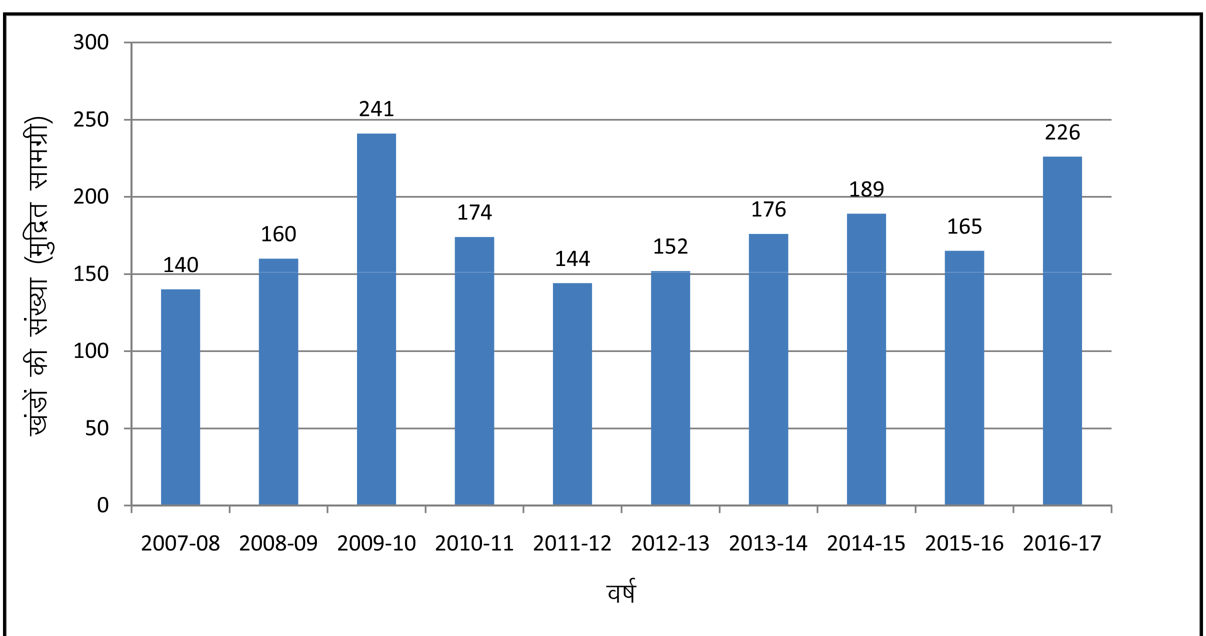

vkjs[k 4-1 % fiNys ,d n'kd esa eqfnzr v/;;u lkexh ¼[kaM vkSj ikB;Øe½

fo|kFkhZ lgk;rk lsok dsanz

विद्यार्थी सहायता सेवाएँ मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली का एक अभिन्न और अनिवार्य घटक हैं। ये सेवाएँ, शिक्षण संस्थान और विद्यार्थियों के बीच परस्पर संपर्क–स्थल का कार्य करती हैं। इग्नू मुख्यालय में स्थित यह विद्यार्थी सहायता सेवा केंद्र विद्यार्थियों को एक ही जगह पर विभिन्न प्रकार की सुविधाएँ उपलब्ध कराता है। इग्नू–भारतीय वायुसेना समझौता–ज्ञापन के अंतर्गत आगस्त्य इंटरनेशनल फाउंडेशन (ए.आई.एफ.) द्वारा इग्नू परिसर में स्थापित विज्ञान केंद्र के समन्वय का अतिरिक्त दायित्व रिपोर्टाधीन अवधि में विद्यार्थी सहायता सेवा केंद्र को सौंपा गया। इग्नू परिसर के आसपास रहने वाले बच्चों (विशेष तौर पर सरकारी स्कूलों के बच्चों) और समुदाय को विज्ञान का व्यावहारिक अनुभव उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस विज्ञान केंद्र की स्थापना की गई है।

19 uoacj 2016 dks bXuw LFkkiuk fnol ds volj ij foKku dsanz dk mn?kkVu

विद्यार्थी सहायता सेवा केंद्र पर फैक्स, डाक के जरिए, प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित होने, व्हाट्सएप, इग्नू शिकायत निवारण पोर्टल, यू.जी.सी. शिकायत निवारण पोर्टल, ई–मेल/एस.एम.एस. ई–मेल/एस.एम.एस. और टेलीफोन आदि जैसे अनेक तरीकों से समस्याएँ और शिकायतें प्राप्त होती हैं तथा प्रश्न पूछे जाते हैं। केंद्र ने डाक से प्राप्त 1,057 पत्रों, ई–मेल से प्राप्त 76,639 संदेशों, 64,090 टेलीफोन कॉल, व्हाट्सऐप से प्राप्त 23 संदेशों, इग्नू शिकायत निवारण पोर्टल के जरिए प्राप्त 5,600 संदेशों और ऑनलाइन आर.टी.आई. एम.आई.एस. शिकायत निवारण पोर्टल से प्राप्त 408 संदेशों के आधार पर विद्यार्थियों/इच्छुक व्यक्तियों की पूछताछ/प्रश्नों के जवाब दिए। केंद्र ने मुख्यालय में प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित होने वाले 51,281 विद्यार्थियों आदि की शिकायतों आदि का समाधान किया/जानकारी प्रदान की। केंद्र ने टेलीफोन से प्राप्त ऑनलाइन प्रवेश संबंधी 41,720 शिकायतों और ई–मेल के माध्यम से प्राप्त 33,962 शिकायतों के समाधान किए। 212 यू.जी.सी. ऑनलाइन शिकायतों में से सभी का समाधान किया गया। इसी प्रकार, केंद्रीकृत लोक शिकायत समाधान और मॉनीटरिंग प्रणाली (पी.जी. पोर्टल) से प्राप्त 616 शिकायतों के समाधान भी किए गए। 10,693 विवरणिकाओं (सामान्य/बी.कॉम ए.एंड एफ./एम.बी.ए./बी.एड./बी.एससी. नर्सिंग) की बिक्री की गई। केंद्र में प्राप्त समस्याओं और शिकायतों का एकल खिड़की

अवधारणा के अंतर्गत तत्काल और संतोषजनक उत्तर दिया जाता है। विद्यार्थियों द्वारा अक्सर पूरे गए प्रश्नों को इस प्रकार वर्गीकृत किया जा सकता है :

भावी विद्यार्थियों को शैक्षिक कार्यक्रमों, प्रवेश प्रक्रिया–विधियों, शुल्क आदि संबंधी सूचना, मार्गदर्शन और परामर्श प्रदान करने के लिए प्रवेश–पूर्व पूछताछ। रिपोर्टाधीन अवधि में हैंडबुक और विवरणिका की बिक्री, प्रवेश फॉर्म भरने और समय पर जमा कराने के संबंध में मार्गदर्शन जैसी विद्यार्थी सहायता सेवाएँ भी प्रदान की गईं। इग्नू कार्यक्रमों में नामांकन से पहले और बाद से संबंधित विभिन्न क्रियाविधियों के बारे में भावी विद्यार्थियों को परिचित कराने तथा दिशा–निर्देश देने के लिए केंद्र ने 1 दिसंबर 2016 को प्रवेश–पूर्व परामर्श आयोजित किया। साथ ही एक रेडी रेकनर भी तैयार किया गया और उसे विद्यार्थियों को वितरित किया गया।

fo|kFkhZ lgk;rk lsok dsUnz esa 1 fnlacj 2016 dks vk;ksftr iwoZ&izos'k ijke'kZ

- नामांकित विद्यार्थियों की परामर्श/संपर्क कक्षाओं की अनुसूची, प्रयोगात्मक कार्य के आयोजन, सत्रीय कार्यों को जमा कराना, अंक को अद्यतन न होना, अंक–तालिका/उपाधि के प्राप्त न होने, अध्ययन सामग्री के न मिलने, परीक्षा–परिणाम की घोषणा न होने आदि से संबंधित प्रवेश–पश्चात पूछताछ और शिकायतों का निवारण। 19–23 सितंबर 2016 को विद्यार्थी शिकायत समाधान सप्ताह आयोजित किया गया।

- उत्तीर्ण/पूर्व–विद्यार्थियों द्वारा दीक्षांत समारोह, कैरियर संभावनाओं, उच्च अध्ययन के लिए शिक्षा प्रणाली में पुनःप्रवेश आदि से संबंधित कार्यक्रमोत्तर पूछताछ।

रिपोर्टाधीन अवधि में केंद्र ने स्टाफ के क्षमता निर्माण के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएँ आयोजित कीं ताकि वे विद्यार्थियों को कुशल और प्रभावी सहायता सेवाएँ उपलब्ध करा सकें। अपने स्टाफ के लिए केंद्र ने दो कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। इसमें आर.टी.आई. एम.आई.एस. ऑनलाइन पोर्टल के उपयोग संबंधी प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा, रिपोर्टाधीन अवधि में सामान्य संप्रेषण कौशल और विशेश तौर पर विद्यार्थियों की शिकायतों और जानकारी संबंधी प्रश्नों से निपटाने के संदर्भ में संप्रेषण कौशल विकसित करने के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। विकलांगजनों और वृद्धों की जरूरतों से संबंधित मुद्दों के बारे में संवेदनशील बनाने और कर्मचारियों को शिक्षित करने के उद्देश्य से इस केंद्र ने विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय अक्षमता अध्ययन केंद्र (एन.सी.डी.एस.) के सहयोग से 27 मार्च 2017 को संवेदिता कार्यशाला आयोजित की।

fo|kFkhZ izca/ku iz.kkyh

विद्यार्थियों को ऑनलाइन सूचना और सेवाएँ प्रदान करने में सहायता के लिए इग्नू ने 'इग्नू विद्यार्थी प्रबंधन प्रणाली' (आई.एस.एम.एस.) नामक एकीकृत प्रणाली विकसित की है। इस सहायता प्रणाली के जरिए विद्यार्थियों को निम्नलिखित सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं:

- प्रवेश और पुनःपंजीकरण गतिविधियों का संकलन;
- सत्रीय कार्य, प्रैक्टिकल और परियोजना जमा कराना और उसका प्रबंधन;
- विद्यार्थियों के पंजीकरण से संबंधित आँकड़ों का क्षेत्रीय केंद्रों से मुख्यालय में हस्तातंरण;
- सत्रांत परीक्षा के लिए परीक्षा फॉर्म जमा कराना;
- परीक्षा से पहले और बाद की गतिविधियों का प्रबंधन और देख–रेख;
- डायनैमिक डैशबोर्ड सुविधा; और
- मांग पर विद्यार्थी ई–प्रोफाइल।

fo|kFkh vkdyu vkj eY;kdu

इग्नू में विद्यार्थियों के मूल्यांकन के लिए त्रि–स्तरीय प्रणाली को अपनाया गया है। इस प्रणाली में पाठ्य–सामग्री में शामिल युक्तियों के जरिए स्व–मूल्यांकन; सिद्धांत और व्यवहार आधारित सत्रीय कार्यों के मिले–जुले प्रयोग के माध्यम से सतत मूल्यांकन; तथा परीक्षाओं के माध्यम से सत्रांत मूल्यांकन शामिल है। ये सत्रांत परीक्षाएँ पूरे देश में और 11 देशों में अनेक केंद्रों पर वर्ष में दो बार (जून और दिसंबर में) आयोजित की जाती हैं। परियोजना कार्य वाले स्नातकोत्तर शैक्षिक कार्यक्रमों के मामले में, मूल्यांकन प्रणाली के अंतर्गत मौखिकी भी शामिल है।

दिसंबर 2016 सत्रांत परीक्षा में 890 परीक्षा केंद्रों पर 4 लाख 76 हज़ार विद्यार्थियों ने 2,450 पाठ्यक्रमों की परीक्षा दी। इन परीक्षा केंद्रों में से 91 जेल केंद्र और 21 अंतर्राष्ट्रीय केंद्र थे। इसी प्रकार, जून 2016 में आयोजित सत्रांत परीक्षा में 5 लाख 56 हज़ार विद्यार्थियों ने परीक्षा दी।

सत्रांत परीक्षाओं के संदर्भ में, सात मूल्यांकन केंद्रों पर उत्तर–पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य के विकेंद्रीकरण से जल्दी परीक्षा परिणाम घोषित करने में मदद मिली। ये सात मूल्यांकन केंद्र हैं – दिल्ली, कोलकाता, पटना, लखनऊ, गुवाहाटी, पुणे; और चेन्नई। अधिकांश क्षेत्रीय केंद्रों ने प्रयोगात्मक परीक्षाएँ आयोजित कीं। उन्होंने बी.सी.ए., एम.सी.ए. और एम.ए. (शिक्षा) कार्यक्रमों के परियोजना प्रस्तावों और परियोजना रिपोर्टों के मूल्यांकन की व्यवस्था भी की। विश्वविद्यालय कुछ चुनिंदा परीक्षा केंद्रों पर सत्रांत परीक्षा का नज़दीकी से अनुवीक्षण (मॉनीटरिंग) भी करता है।

आरेख 4.2 में जून 2007 से दिसंबर 2016 (अर्थात पिछले दस से अधिक वर्षों की अवधि) के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा सत्रांत परीक्षाओं की जाँची गई उत्तर–पुस्तिकाओं की संख्या को दर्शाया गया है। जून 2016 की सत्रांत परीक्षा की 18 लाख 76 हज़ार उत्तर–पुस्तिकाओं को मूल्यांकित किया गया है और दिसंबर 2016 की सत्रांत परीक्षा की 14 लाख 7 हज़ार उत्तर–पुस्तिकाओं का।

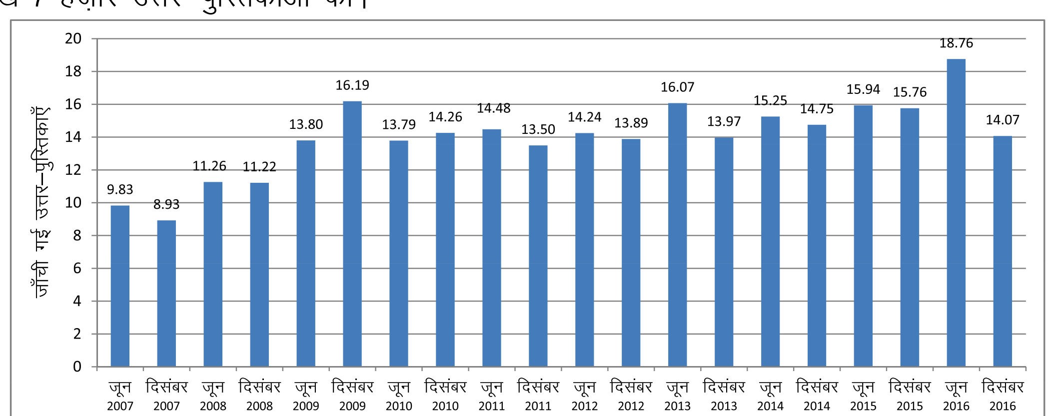

vkjs[k 4-2 % l=kar ijh{kk esa tkaph xbZ mÙkj&iqfLrdk,a

nh{kkar lekjksg

किसी भी कार्यक्रम विशेष के लिए निर्धारित क्रेडिटों को सफलतापूर्वक पूरा कर लेने वाले विद्यार्थियों को दीक्षांत समारोह में सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/उपाधियाँ प्रदान की जाती हैं। दीक्षांत समारोह का आयोजन हर वर्ष आम तौर पर मार्च/अप्रैल में विश्वविद्यालय परिसर में और टेलीकॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कुछ चुनिंदा क्षेत्रीय केंद्रों पर एक साथ किया जाता है। विश्वविद्यालय के सभी डिप्लोमा और उपाधि कार्यक्रमों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को दीक्षांत समारोह में प्रति वर्ष स्वर्ण पदक भी प्रदान किए जाते हैं।

विश्वविद्यालय ने यह निर्णय लिया कि इग्नू अधिनियम की संविधि 21 के अंतर्गत दीक्षांत समारोहों के अध्यादेश की धारा 5 के अनुसार दिसंबर 2014 और जून 2015 को आयोजित सत्रांत परीक्षाओं में अपना शैक्षिक अध्ययन कार्यक्रम पूरा करने वाले पात्र विद्यार्थियों को डिग्री/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट अनुपस्थिता के आधार पर प्रदान किया जाए। इस प्रावधान के अनुसार विश्वविद्यालय का 29वाँ दीक्षांत समारोह अनुपस्थिता के आधार पर रहा और पात्र विद्यार्थियों की डिग्री/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट उनके क्षेत्रीय केंद्रों पर भिजवा दिए गए ताकि उन्हें विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार विद्यार्थियों को जारी किया जा सके। देश–विदेश के सभी क्षेत्रों के 1,93,662 विद्यार्थियों को डिग्री/डिप्लोमा और सर्टिफिकेट प्रदान किए गए जिनमें 48 डॉक्टोरल उपाधियाँ भी शामिल हैं।

29osa nh{kkar lekjksg esa fMxzh@fMIyksek@lfVZfQdsV izkIr djus okys fo|kfFkZ;ksa dks vfHkys[kksa ij gLrk{kj djrs gq, dqyifr

आरेख 4.3 में 29वें दीक्षांत समारोह में प्रमाण–पत्रों प्राप्त करने वालों की संख्या को स्तर–वार दर्शाया गया है। इसमें कुल 1,93,662 विद्यार्थियों को प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए। इनमें से सर्वाधिक संख्या स्नातक उपाधि प्राप्त करने वालों की थी। उसके पश्चात स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, पी-एच.डी और एम.फिल. उपाधि वालों की। इसमें 79,356 (41%) स्नातक; 56,542 (29%) स्नातकोत्तर; 43,236 (22%) डिप्लोमा; 14,479 (8%) सर्टिफिकेट और 48 पी-एच.डी. तथा 1 एम.फिल. उपाधि शामिल हैं।

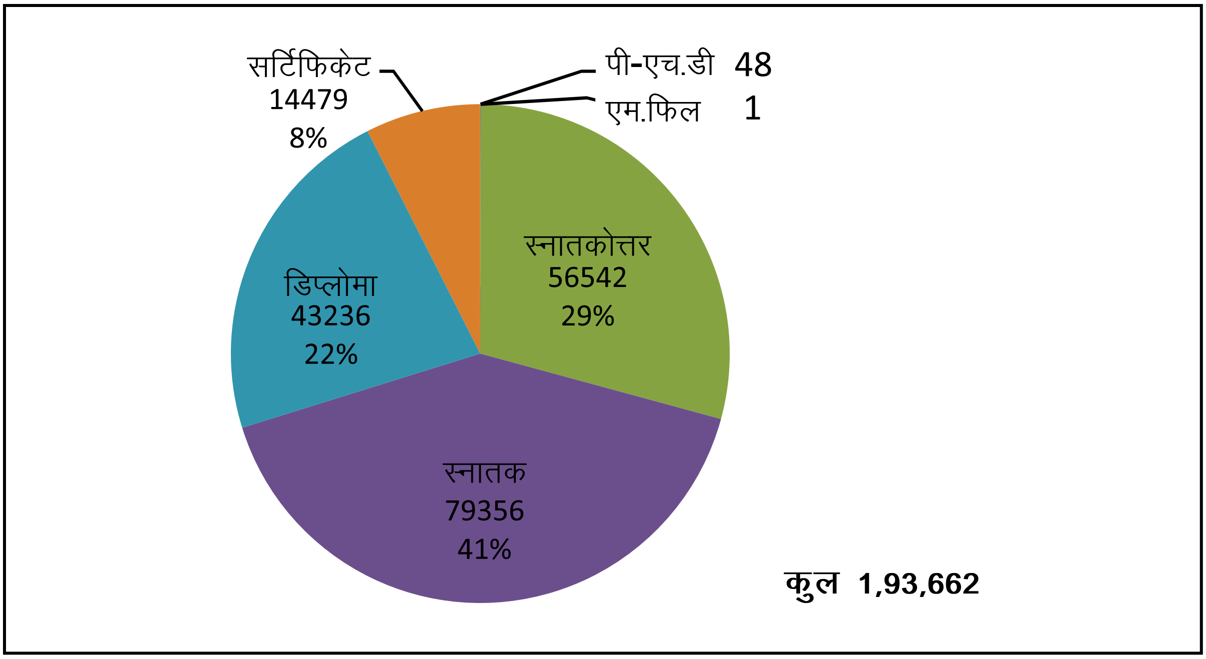

vkjs[k 4-3 % 29osa nh{kkar lekjksg esa fMxzh@fMIyksek@lfVZfQdsV izkIr djus okyksa dh la[;k

आरेख 4.4 में 2007 (18वें दीक्षांत समारोह) से लेकर वर्ष 2016 में संपन्न हुए 29वें दीक्षांत समारोह, अर्थात पिछले एक दशक में विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए गए डिग्री/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट की संख्या की संवृद्धि को दर्शाया गया है।

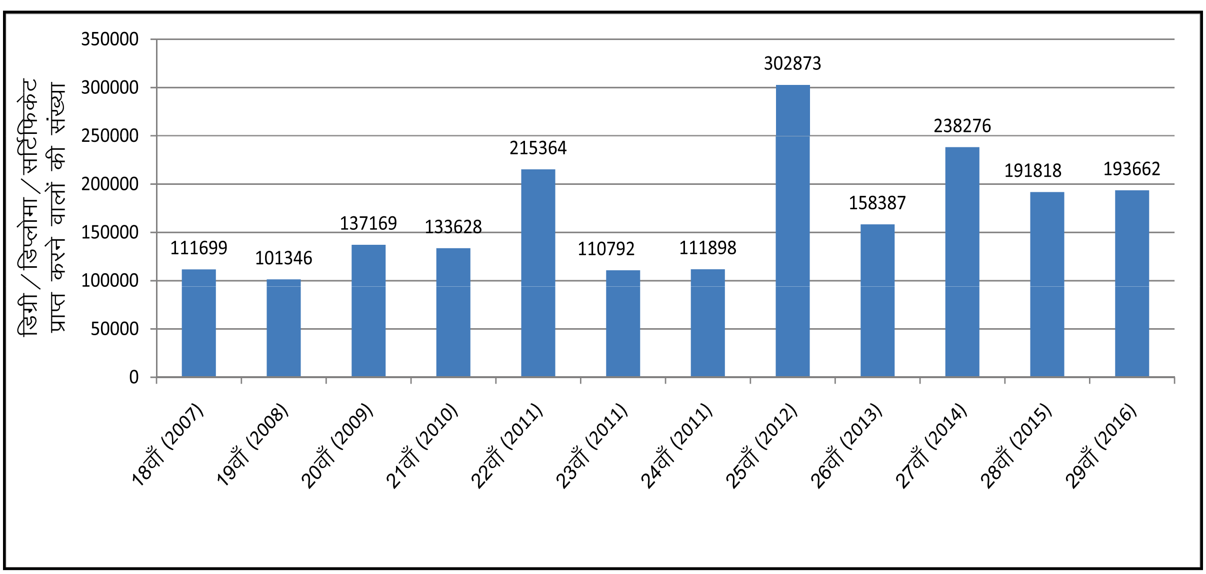

vkjs[k 4-4 % fiNys ,d n'kd esa fMxzh@fMIyksek@lfVZfQdsV izkIr djus okys fo|kfFkZ;ksa dh lao`f)
¼nh{kkar lekjksg&okj½

ifjlj jkstxkj lgk;rk

सफल विद्यार्थियों और संभावित नियोक्ताओं के बीच आपसी संपर्क की सुविधा उपलब्ध कराना और सहायता करना 'परिसर रोज़गार सहायक प्रकोष्ठ' का उद्देश्य है ताकि वे उपयुक्त नियोक्ताओं से मिल सकें। रोज़गार सहायता के लिए मुख्यालय का परिसर रोज़गार सहायता प्रकोष्ठ नोडल इकाई है।

रिपोर्टाधीन अवधि में इंडिगो एयरलाइंस, आई.सी.आई.सी.आई. प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड, नेटएम्बिट, जेनपैक्ट इंडिया लिमिटेड, इंटरग्लोब टेक्नोलॉजीज़, ग्लोबस इनफोकॉम, एच.डी.एफ.सी. बैंक, क्लब महेंद्रा, पॉलिसी बाज़ार, भारत बी.पी.ओ. लिमिटेड, कोजेंट ई. सर्विसिज़, फ्यूचर सॉफ्ट सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटड, वन प्वाइंट वन सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड, आई.सी.सी.एस. लिमिटेड (मानव संसाधन फर्म), विवाहज़ोन डॉट कॉम, नवज्योति ग्लोबल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, ऑर्नट्स बिज़नेस प्राइवेट लिमिटेड, आलसैक टेक्नोलॉजी, फ्रेंकफिन, कारट्रेड डॉट कॉम, एन.आई.आई.टी. लिमिटेड, इनटलनेट ग्लोबल सर्विसिज़, आलसैक आई.डी.एस. इनफोटेक लिमिटेड, आलसैक टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड, कनवर्जिज़ बी.पी.ओ. लिमिटेड, नवीजेंट टेक्नोलॉजी, रिलायंस लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, डिज़िप्रो इनफोटेक प्राइवेट लिमिटेड, पेटीएम प्रोसेस, पिरामिड्स मैरीन एविएशन मैनजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, एडीको ग्रुप, वीकेयरऑल सॉल्यूशंन प्राइवेट लिमिटेड, डिजिकॉल टेलीसर्विसिज़ प्राइवेट लिमिटेड, टेकनक् सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, प्रोवीज़ो सॉल्यूशंस इंडिया, कनवर्जिज़, ऐजिस, हिंदुजा ग्लोबल सॉल्यूशंस, आईएनज़ाइज़र एंड कृतिकल सॉल्यूशंस आदि कई प्रतिष्ठित कंपनियों ने सी.पी.सी. से सहयोग किया। विद्यार्थियों को उनकी स्थानन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए इन कंपनियों के साथ मिलकर विभिन्न भर्ती अभियान, परिसर रोज़गार सहायता अभियान, नौकरी मेले आदि आयोजित किए गए।

रिपोर्टाधीन अवधि में संबंधित क्षेत्रीय/अध्ययन केंद्रों के सक्रिय योगदान से विभिन्न स्थलों पर आठ आयोजन किए गए। प्रकोष्ठ ने मुख्यालय में तीन परिसर रोज़गार सहायता अभियान, क्षेत्रीय केंद्रों पर तीन रोज़गार सहायता अभियान; और दिल्ली–1 एवं दिल्ली–2 क्षेत्रीय केंद्रों के अंतर्गत आने वाले इग्नू अध्ययन केंद्रों पर दो नौकरी मेले आयोजित किए। इन रोज़गार सहायता अभियानों में कुल मिलाकर 4,462 विद्यार्थियों ने भाग लिया और उनमें से 1,374 विद्यार्थियों की छटनी की गई अथवा उनका चयन किया गया।

23 uocj 2016 dk vk;kftr ukdjh ey e fo|kFkh

vrjk"Vh; xfrfof/k;k

अंतर्राष्ट्रीय मंच पर इग्नू, विदेशी संस्थानों के साथ सहयोग करने, अनुसंधान परियोजनाएँ आयोजित करने, और क्षमता निर्माण कार्यशालाएँ आयोजित करने से जुड़ी अन्य गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। अंतर्राष्ट्रीय प्रभाग, विदेशों में प्रवेश और विद्यार्थी सहायता सेवा की प्रबंध–व्यवस्था करता है। अंतर्राष्ट्रीय प्रभाग ने देश से बाहर इग्नू की सीमाओं के विस्तार के लिए वैश्विक पटल पर सहयोग, सहकारिता, समन्वय और प्रतियोगिता के माध्यम से चार–स्तरीय दृष्टिकोण को अपनाया। पहले, पैन–अफ्रीकी ई–नेटवर्किंग परियोजना के अंतर्गत स्थापित अध्ययन केंद्रों के अलावा इग्नू के 29 विदेशी अध्ययन केंद्रों के माध्यम से लगभग 15 देशों तक पहुँच रही। पैन अफ्रीकी ई–नेटवर्क परियोजना के बारे में विवरण 'शैक्षिक कार्यों में प्रौद्योगिकी' शीर्षक अध्याय–IV में दिया गया है। विदेशी अध्ययन केंद्रों पर विद्यार्थी सहायता सेवाएँ, परामर्श सत्रों का आयोजन, विश्वविद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों के लिए प्रैक्टिकल और परीक्षाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं। चार वर्ष पूर्व, प्रशासनिक कारणों से, विदेशी अध्ययन केंद्र प्रास्थगित किए हुए थे। किंतु, वित्त वर्ष 2015–16 के दौरान विश्वविद्यालय ने विदेशी अध्ययन केंद्रों को फिर से शुरू करने की दिशा में प्रयास किए। विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष, भारत के माननीय राष्ट्रपति के अनुमोदन से पिछले दो वर्षों में 10 देशों में 12 विदेशी अध्ययन केंद्रों को दोबारा से शुरू किया गया। इनमें से 3 केंद्रों को रिपोर्टाधीन वर्ष में शुरू किया गया।

rkfydk 4-3 % fon'kh v/;;u dn ¼vk-,l-lh-½

fon'kh v/;;u dn dk uke vkj LFkku
इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऐकेडेमिक्स, काठमांडु, नेपाल (9602)
ग्लोरी इंस्टीट्यूट, सल्तनत ऑफ ओमान, मस्कट (5905)
रीजेंट इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एज्यूकेशन, गम्पा, श्रीलंका (9702)
सेंट मैरीज़ यूनिवर्सिटी कॉलेज, अदिस अबाबा, इथोपिया (8105)
नेपाल इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, काठमांडु, नेपाल (9604)
गल्फ सेंटर फॉर यूनिवर्सिटी एज्यूकेशन, कुवैत (5704)
ओपन यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरिशस, मॉरिशस (7202)
सेंटर फॉर ओपन एंड डिस्टेंस एज्यूकेशन, केन्या (9401)
हाउत्ज इतुदस कमर्शियलिज़ (एच.ई.सी.), आइवरी कोस्ट (8203)
इंडियन एकेडेमी डब्ल्यू.एल.एल, बहरीन (6001)
एज्यूकेशनल कंसलटिंग एंड गाइडेंस सर्विसिज़, जद्दा, सउदी अरब (6101)
एज्यूकेशनल कंसलटिंग एंड गाइडेंस सर्विसिज़, रियाद, सउदी अरब (6102)

ukehfc;k dh jk"Vªh; vlsacyh ds v/;{k izks- ihVj ,p- dr tkohoh dh v/;{krk esa ukehfc;k ds lalnh; ifrfuf/keaMy dk 29 ekpZ 2017 dks fo'ofo|ky; esa nkSjk

रिपोर्टाधीन अवधि के अंत तक विदेशी अध्ययन केंद्रों के माध्यम से 2,435 विदेशी विद्यार्थी नामांकित थे। इस दौरान, विश्वविद्यालय की अन्य प्रमुख गतिविधियों में निम्नलिखित प्रतिनिधिमंडलों के दौरे शामिल थे :

1) किर्गीस्तान के विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थानों के सात सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल (11 अप्रैल 2016)

2) चीन की ओपन यूनिवर्सिटी ऑफ गुआंगडोंग का प्रतिनिधिमंडल (19 दिसंबर 2016)

3) नामीबिया की संसद के माननीय अध्यक्ष के नेतृत्व में संसदीय प्रतिनिधिमंडल (29 मार्च 2017)

विद्यापीठ/केंद्र/प्रभाग–विशेष में दौरा करने वाले विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के दौरों का समन्वय संबंधित एककों के द्वारा किया गया। इन दौरों के बारे में जानकारी अध्याय–II : शैक्षिक गतिविधियाँ में दी गई है।

23&25 tuojh 2017 dks fon'kh v/;;u dsUnzksa ds leUo;dksa dh vkBoha cSBd

अध्याय-V
शैक्षिक कार्यों में प्रौद्योगिकी

अत्याधुनिक नई–नई प्रौद्योगिकियों और विशेष तौर पर सूचना–संचार प्रौद्योगिकी के आविष्कार से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षण प्रणाली और वितरण व्यवस्था में महत्वपूर्ण परिवर्तन आ रहा है। देश का शीर्षस्थ मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली का विश्वविद्यालय होने के नाते इग्नू इन अपेक्षाकृत नवीन प्रौद्योगिकियों और सूचना–संचार प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल करने के साथ ज्ञान के सृजन और प्रसार में योगदान दे रहा है।

iu&vÝhdk b&uVod

पैन–अफ्रीका ई–नेटवर्क चार अफ्रीकी देशों (मिस्र, रवांडा, बोत्सवाना और मलावी) के विद्यार्थियों के लिए 'व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर' (एम.बी.ए.) और 'प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा में डिप्लोमा' (डी.ई.सी.ई.) कार्यक्रमों के साथ 11 फरवरी 2010 को शुरू हुआ। जुलाई 2010 में घाना और इथोपिया एम.बी.ए. कार्यक्रम के लिए इस परियोजना में शामिल हो गए। बोत्सवाना, मलावी और रवांडा के विद्यार्थियों ने भी 'एच.आई.वी. और परिवार शिक्षा में डिप्लोमा' (डी.ए.एफ.ई.) कार्यक्रम में प्रवेश लिया। इग्नू ने पैन–अफ्रीका ई–नेटवर्क परियोजना के अंतर्गत अफ्रीका महाद्वीप के 31 देशों की 32 संस्थानों/विश्वविद्यालयों के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। ये देश हैं – बेनिन, बोत्सवाना, बुर्कीना फासो, कैमरून, केप वर्डे, कांगो, लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो (डी.आर. कांगो), इथोपिया, मिस्र, इरीट्रिया, गेबन, घाना, ग्वेना, आइवरी कोस्ट, लेसोथो, मेडागास्कर, मलावी, माली, मॉरिशस, मोज़ाम्बीक, नाइजीरिया, रवांडा, सेशेल्स, सेनेगल, सिएरा लियोन, सोमालिया, सूडान, साओ तोमे, तंज़ानिया, यूगांडा और ज़ाम्बिया।

रिपोर्टाधीन अवधि के अंत तक इस परियोजना के अंतर्गत नामांकित विद्यार्थियों की कुल संख्या 2,750 थी। 618 विद्यार्थियों ने अपने–अपने अध्ययन कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरे किए। अब इस परियोजना को मार्च 2017 तक विस्तार प्रदान किया गया है।

çk|kfxdh&leFk yphyh f'k{kk vkj fodkl d fy, vrj&fo'ofo|ky; dlkfV;e

अंतर–विश्वविद्यालय कंसोर्टियम (आई.यू.सी.) मुक्त एवं दूर शिक्षा प्रणाली की संवृद्धि और विकास के लिए काम करने वाली संस्थाओं के बीच सहयोगात्मक प्रयासों का एक प्लेटफॉर्म है। मुक्त और दूर शिक्षा, ई–लर्निंग, नव ज्ञान सृजन और समुचित प्रौद्योगिकी सृजन जैसे विभिन्न प्रकार के सहयोगात्मक कार्यों को करने के लिए यह कंसोर्टियम नोडल केंद्र के रूप में भी काम करता है। इसके उद्देश्य इस प्रकार हैं :

- देश के समग्र विकास के लिए प्रौद्योगिकी समर्थ शिक्षा और प्रशिक्षण को बढ़ावा देना;
- सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों के माध्यम से लचीले, परिवर्धित अंतःक्रियात्मक फॉर्मेट के जरिए वर्तमान दूर और मुक्त शिक्षा कार्यक्रमों को बढ़ावा देना;
- दूर और मुक्त शिक्षा प्रौद्योगिकी समर्थ कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक, शैक्षिक और आार्थिक विकास से संबंधित अनुसंधान और विकास कार्य करना;
- विकलांगों, शैक्षिक दृष्टि से पिछड़ों और कमज़ोर वर्गों के लोगों को शिक्षा और रोज़गार के विकास के बारे में और अधिक विचार करने के लिए प्रेरित करना;
- मुक्त विश्वविद्यालयों, परंपरागत विश्वविद्यालयों, ग़ैर–सरकारी संगठनों जैसे समाज के विभिन्न वर्गों में उपलब्ध प्रतिभाओं का पूल तैयार करना; और
- राज्य मुक्त विश्वविद्यालयों के सहयोग से एक भाषा में उपलब्ध शिक्षण सामग्री का समुचित प्रौद्योगिकी की सहायता से अन्य भाषाओं में अनुवाद करना।

कंसोर्टियम को रिपोर्टाधीन अवधि में भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के प्रयास 'स्वयं' (Study Webs of Active Learning for Young Aspiring Minds - SWAYAM) तथा 'स्वयंप्रभा' (SWAYAMPRABHA) के पाँच डी.टी.एच. चैनलों की मेजबानी का दायित्व सौंपा गया। जुलाई 2017 सत्र के लिए, 'स्वयं' प्लेटफॉर्म पर ग्यारह पाठ्यक्रम विकसित किए और उनकी मेजबानी की। आगामी वर्ष में, द्वितीय चरण के अंतर्गत, कुल 44 पाठ्यक्रम तैयार किए जाएँगे। विश्वविद्यालय द्वारा समन्वय किए जा रहे पाँच चैनलों में से एक 'राज्य मुक्त विश्वविद्यालय' चैनल है। कंर्सोटियम ने इस चैनल के लिए वीडियो विषय–वस्तु विकसित और संचालित करने के लिए कार्य योजना की योजना बनाने और निर्धारित करने के लिए राज्य मुक्त विश्वविद्यालयों की एक बैठक आयोजित की। बैठक में बारह मुक्त विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और उनके प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

jkT; eqDr fo'ofo|ky; Mh-Vh-,p- pSuy ij ppkZ dh fy, 19 flrEcj 2016 dks vk, jkT; eqDr fo'ofo|ky;ksa ds dqyifr

डिजिटल कोशागार (ई–ज्ञानकोश) सेवा फिर से शुरू की गई और इसने काम करना शुरू कर दिया। आई.यू.सी. को ऑनलाइन ई–लर्निंग प्लेटफॉर्म और बेवकास्टिंग के साथ ई–ज्ञानकोश की मेजबानी, अद्यतनीकरण और रख–रखाव का उत्तरदायित्व सौंपा गया। इग्नू द्वारा चलाए जा रहे 227 से अधिक कार्यक्रमों की स्व–शिक्षण सामग्री ई–ज्ञानकोश पोर्टल पर डिजिटल रूप में उपलब्ध है। कोई भी व्यक्ति, इंटरनेट की सहायता से इसका उपयोग कर सकता है। कंसोर्टियम, देश–भर में स्थित इग्नू क्षेत्रीय केंद्रों के साथ इग्नू मुख्यालय के दो–तरफा वीडियो अंतःक्रिया उपलब्ध कराने वाली वेब–कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं का समन्वयन कर रहा है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, नियमित रूप से वेब–कॉन्फ्रेंसिंग सत्र आयोजित किए गए। प्रमुख आयोजनों के वेब–कास्ट वीडियो, ई–ज्ञानकोश डिजिटल कोशागार के इग्नू यूट्यूब भाग में अपलोड किए गए।

lapkj dsUnz ¼bysDVªkfud ehfM;k izksMD'ku lsVj½

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से शैक्षिक विषय-वस्तु के विकास और प्रसार का दायित्व इग्नू के संचार केंद्र (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रोडक्शन सेंटर – ई.एम.पी.सी.) पर है। शुरू में यह केंद्र विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों की स्व–शिक्षण सामग्रियों के अनुपूरक के रूप में पाठ्यचर्या–आधारित दृश्य–श्रव्य कार्यक्रम निर्मित करता था। समय बीतने के साथ–साथ संचार केंद्र रेडियो, टेलीविज़न और वेब–आधारित टेलीकॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अंतःक्रियात्मक प्रसारण सहित अपनी गतिविधियों में कई स्तरों पर विविधता लाया है। संचार केंद्र, ज्ञान दर्शन 1 और 2 चैनलों तथा ज्ञानवाणी केंद्रों के लिए नोडल केंद्र के रूप में काम भी करता है। इग्नू के कार्यक्रम डी.डी. राष्ट्रीय चैनल पर हर रोज़ सुबह 6.00 से 6.30 बजे तक भी प्रसारित होते हैं।

संचार केंद्र ने अब तक 4,665 दृश्य और 2,570 श्रव्य कार्यक्रम तैयार किए हैं। इनमें से रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान कुल 55 दृश्य और 83 श्रव्य कार्यक्रम तैयार किए गए।

Kku n'ku&1

वर्ष 2000 में शुरू हुआ भारत का प्रथम शैक्षिक टी.वी. चैनल ज्ञान दर्शन–1 (जी.डी.1) शिक्षा जगत में एक प्रमुख मील का पत्थर है। यह मानव संसाधन विकास मंत्रालय और सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय का एक संयुक्त प्रयास है और इग्नू नोडल एजेंसी के रूप में काम कर रहा है। ज्ञान दर्शन–1 के कार्यक्रमों को एन.सी.ई.आर.टी. के केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान, एन.आई.ओ.एस., राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, सी.ई.सी. (यू.जी.सी), डी.एस.टी., डी.ए.ई. (प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय), एन.एल.एम. (राष्ट्रीय साक्षरता मिशन), एन.आई.टी.टी.टी.आर., बी.आर.ए.ओ.यू., और भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों आदि जैसे विभिन्न विकास संगठनों एवं शैक्षिक संस्थाओं के साथ पूल किया गया है।

Kku n'ku&2

मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली में अंतःक्रियात्मकता निर्मित करने के लिए, ज्ञान दर्शन–2 (जी.डी.2) के माध्यम से एक–तरफा दृश्य और दो–तरफा श्रव्य टेलीकॉन्फ्रेंसिंग सुविधाएँ प्रदान की जा रही थीं। इस चैनल के जरिए इग्नू विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण राष्ट्र-व्यापी कार्यक्रम, प्रसिद्ध विशेषज्ञों/सम्मानित व्यक्तियों के व्याख्यान और क्षेत्रीय केंद्रों के स्टाफ के साथ चर्चाएँ आयोजित की जाती थीं। देश के कोने–कोने में रह रहे अपने लक्ष्य श्रोताओं तक लागत–प्रभावी ढंग से पहुँचने के लिए इग्नू के अलावा, आई.सी.ए.आई., एन.बी.ई., डी.ए.वी.सी.एम.सी. और यूनिसेफ जैसी कई अन्य संस्थाएँ भी इस सुविधा का लाभ उठाती थीं। वर्तमान इनसैट 3 सी उपग्रह से नए जी.एस.ए.टी–10 उपग्रह में अंतरित करने के लिए इसरो ने जून 2014 से ज्ञान दर्शन 1 और 2 का प्रसारण बंद किया हुआ था। ज्ञान दर्शन को फिर से शुरू करने के लिए इग्नू और दूरदर्शन के बीच 7 अक्तूबर 2016 को समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

Kku n'ku puyk dk fQj l 'k: dju grq egkfun'kd d dk;ky; e 7 vDrcj 2016 dk njn'ku vkj fo'ofo|ky; d chp le>krk&Kkiu ij gLrk{kj

Kku ok.kh ,Q-,e- jfM;k

शैक्षिक एफ.एम. रेडियो चैनल ज्ञान वाणी देश के 37 शहरों में स्थित एफ.एम. रेडियो स्टेशनों के जरिए चलाया जा रहा है। कम लागत वाले लोकप्रिय जनसंचार माध्यम के जरिए विद्यार्थियों तक पहुँचकर अध्ययन–अध्यापन प्रक्रिया में अनुपूरक का काम करना और उसे बढ़ाना ज्ञान वाणी का उद्देश्य है। ज्ञान वाणी स्टेशन, मीडिया प्रसारण सहकारिता के रूप में काम करते हैं। ज्ञान वाणी एफ.एम. रेडियो से एन.सी.ई.आर.टी, एन.आई.ओ.एस, इग्नू, राज्य मुक्त विश्वविद्यालयों, ग़ैर–सरकारी संगठनों, भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, सरकारी संगठनों और विदेशी प्रसारकों जैसी विभिन्न शैक्षिक संस्थाओं के योगदान से शैक्षिक कार्यक्रम नियमित रूप से प्रसारित किए जाते हैं।

ज्ञान वाणी एफ.एम. रेडियो स्टेशनों का प्रसारण अक्तूबर 2014 से चालू नहीं था। लेकिन, ज्ञान वाणी को फिर से शुरू करने के निरंतर प्रयास किए जा रहे थे। 15 वर्ष के लिए 37 स्थानों से ज्ञान वाणी एफ.एम. रेडियो स्टेशनों से प्रसारण शुरू कराने के लिए विश्वविद्यालय ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ अनुमति समझौता अनुमोदन (ग्रांट ऑफ परमिशन एग्रीमेंट) पर हस्ताक्षर किए थे। 37 ज्ञान वाणी स्टेशनों के वायरलैस ऑपरेटिंग लाइसेंस (डब्ल्यू.ओ.एल.) को संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इस वर्ष 18 अक्तूबर 2016 को नवीकृत किया। 37 शहरों से ज्ञान वाणी 10 के.वी. एफ.एम. रेडियो स्टेशनों को संचालित करने के लिए आकाशवाणी और इग्नू ने 9 दिसंबर 2016 को एक नए समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

Kku ok.kh ,Q-,e- jfM;ks izlkj.kksa dks fQj ls 'kq: djus ds fy, 9 fnlacj 2016 dks bXuw vkSj vkdk'kok.kh }kjk le>kSrk&Kkiu ij gLrk{kj

इन सभी प्रयासों के परिणामस्वरूप अंततः ज्ञान वाणी चैनल फिर से शुरू हुआ। अब 11 जनवरी 2017 से सुबह 8.00 बजे से लेकर रात 9.00 बजे के दौरान ज्ञान वाणी दिल्ली का नियमित प्रसारण किया जा रहा है।

Kku ok.kh] fnYyh ds fQj ls 'kq: gksus ij bXuw ds dqyifr ds lkFk mn?kkVu l=

'kSf{kd osc jfM;ks esa iz;ksx & Kku /kkjk

रिपोर्टाधीन अवधि में ज्ञान धारा नामक इंटरनेट आधारित अंतक्रियात्मक श्रव्य परामर्श/वेब रेडियो सेवा शुरू की गई। इसके जरिए विद्यार्थी, अपने अध्यापकों और विशेषज्ञों के साथ दिन–विशेष के विषय पर सीधे चर्चा को सुन सकते हैं। इसके साथ–साथ विद्यार्थी उनसे टेलीफोन, ई–मेल अथवा चैट माध्यम से बातचीत भी कर सकते हैं। विस्तार और विकास अध्ययन विद्यापीठ, पत्रकारिता और नव माध्यम अध्ययन विद्यापीठ के साथ–साथ पर्यटन आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ ने इस सेवा का प्रायोगिक आधार पर दो माह के लिए उपयोग किया।

bXu }kjk viu fo|kfFk;k dk inku dh tku okyh bVjuV vk/kkfjr jfM;k lok e i;kx & Kku /kkjk

ekuo lalk/ku fodkl e=ky; dh *Lo;* ¼eDl½ vkj *Lo;iHkk* ifj;kstukvk d fy, Vyh&ikB;Øe fuek.k

इग्नू का संचार प्रभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा अभी हाल ही शुरू की गई 'स्वयं' और 'स्वयंप्रभा' परियोजनाओं के लिए टेली–व्याख्यान मूक्स पाठ्यक्रमों के निर्माण में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। थोड़े ही समय (मई 2016 से मार्च 2017) के दौरान ही सामाजिक विज्ञान, मानविकी, विदेशी भाषाएँ, दूर शिक्षा और अन्य विषय–क्षेत्रों के पाठ्यक्रमों के लिए लगभग 600 टेली–व्याख्यान रिकॉर्ड किए गए। रिकॉर्ड किए गए इन कार्यक्रमों में से 394 टेली–व्याख्यानों को संपादित भी किया गया। स्वयं और स्वयंप्रभा परियोजनाओं के लिए विश्वविद्यालय के संचार केंद्र में रिकॉर्ड किए गए टेली–व्याख्यानों का इग्नू के संबंधित शैक्षिक कार्यक्रमों/पाठ्यक्रमों के लिए भी इस्तेमाल किया जाएगा।

dkfj;kbl Hkk"kk ,ihfl,'ku ikB;Øe d fy, LVfM;k e fjdkM fd;k tk jgk Lo;iHkk Vyh&0;k[;ku

b&lalk/kuk dh njLFk igp

पुस्तकालय और प्रलेखन प्रभाग ने इक्एक्सेस (इनफॉर्मेटिक्स इंडियन लिमिटेड) के साथ इज़प्रॉक्सी (अमेरिका का उत्पाद ओ.सी.एल.सी.) के जरिए जून 2011 में 'रैट' (रिमोट एक्सेस टू ई–रिर्सोसिज़) सेवा लागू की थी। यह सेवा, पुस्तकालय द्वारा जारी प्रत्यय पत्र (क्रीडेंशियल) का इस्तेमाल करते हुए एकल साइन–इन की सुविधा के द्वारा वेब आधारित ई–विषय–वस्तु से पुस्तकालय उपयोक्ताओं को कनेक्ट करती है। इस समय 1,646 से अधिक उपयोक्ताओं (संकाय, स्टाफ, क्षेत्रीय केंद्र, शोधार्थी और विद्यार्थी आदि) की देश के किसी भी कोने में कहीं भी, किसी भी समय और कभी भी 7,500 से अधिक ई–जर्नलों, जर्नलों में प्रकाशित 1 करोड़ 60 लाख आलेखों और 1,711 ई–पुस्तकों (खरीदी हुई) और राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय के माध्यम से 35 लाख ई–पुस्तकों तक पहुँच संभव हो जाती है।

अध्याय-VI
गवर्नेंस, संसाधान और आधारभूत संरचना

इस अध्याय में विश्वविद्यालय के गवर्नेंस, वित्त परिव्यय और आधारभूत संरचना संबंधी संक्षिप्त जानकारी दी जा रही है। विश्वविद्यालय की संगठनात्मक संरचना और अधिकारियों संबंधी विवरण 'इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालयः प्रोफाइल' शीर्षक अध्याय–I और परिशिष्ट 1 (1.6 : विद्यापीठों के निदेशक; और 1.7 : प्रभाग/एकक/केंद्र के निदेशक/अध्यक्ष) में शामिल किया गया है।

i’kklu vkj xouil

विश्वविद्यालय के दैनिक प्रशासन और गवर्नेंस की देखरेख अन्य क्रियाशील एवं संचालन प्रभागों की सहायता से प्रशासन प्रभाग द्वारा की जाती है। यह प्रभाग विश्वविद्यालय की सभी शैक्षिक और गैर–शैक्षिक गतिविधियों में सहायता के लिए सभी क्रियाशील और संचालन प्रभागों, केंद्रों, एककों, अध्ययन विद्यापीठों, संस्थानों और क्षेत्रीय केंद्रों को प्रशासनिक एवं संभार संबंधी सहायता प्रदान करता है। विश्वविद्यालय परिसर और दिल्ली के अन्य स्थलों के साथ–साथ क्षेत्रीय केंद्रों पर विश्वविद्यालय की संपत्ति एवं सुरक्षा का प्रबंधन भी प्रशासन प्रभाग द्वारा किया जाता है।

विभिन्न कार्यों को पूरा करने के लिए प्रशासन प्रभाग को कर्तव्यों और दायित्वों के आधार पर अनुभागों में वर्गीकृत किया गया है। गवर्नेंस अनुभाग प्रबंध बोर्ड और उसकी स्थायी समितियों (स्थापना समिति और क्रय समिति) की बैठकें आयोजित करने का कार्य करता है। यह अनुभाग विश्वविद्यालय अधिनियम के अंतर्गत निर्धारित अध्यादेशों और विनियमों; विश्वविद्यालय के अधिनियमों और संविधियों में संशोधन, परिवर्धन और विलोपन से संबंधित कार्य भी करता है। अनुभाग इनका अनुपालन भी सुनिश्चित करता है। यह प्रभाग, संसदीय प्रश्नों से संबंधित मामले भी निपटाता है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय/प्रधानमंत्री कार्यालय आदि से प्राप्त विद्यार्थियों की शिकायतों का निपटारा करने और इग्नू से संबंधित अपेक्षित सूचना उपलब्ध कराने के लिए यह प्रभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से निकट संपर्क भी बनाए रखता है। गवर्नेंस अनुभाग अन्य अनुभागों/प्रभागों/केंद्रों/एककों/प्रकोष्ठों/विद्यापीठों को विशेष रूप से नीति विषयों से संबंधित उनके कार्य की सुविधा के लिए मुख्य दस्तावेज़/कार्यवृत्त/निर्णय इत्यादि उपलब्ध कराता है। गवर्नेंस अनुभाग ने रिपोर्टाधीन अवधि में प्रबंध बोर्ड की तीन बैठकों के साथ–साथ क्रय समिति और स्थापना समिति की एक–एक बैठक आयोजित कराने की व्यवस्था भी की।

5 vxLr 2016 dks LoPN Hkkjr vfHk;ku fp=dyk izfr;ksfxrk

LFkkiuk

स्थापना अनुभाग विश्वविद्यालय के सभी गैर–शैक्षिक कर्मचारियों (प्रशासनिक और तकनीकी) के सेवा संबंधी मामलों का कार्य करता है। तालिका 6.1 संस्वीकृत और कार्यरत प्रशासनिक स्टाफ की संख्या को दर्शाती है। तकनीकी स्टाफ की तुलना में प्रशासनिक स्टाफ की संख्या 2.95 गुणा है। कुल प्रशासनिक स्टाफ में से 24.6% और तकनीकी स्टाफ में से 16.4% स्टाफ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय से संबंधित है।

Rkkfydk 6-1 % Loh—r vkSj dk;Zjr iz'kklfud vkSj rduhdh LVkQ dh la[;k

J.kh leg [k	iz'kklfud LVkQ				Rkduhdh LVkQ				dqy LVkQ			
	lLohd`r	dk;Zjr		[kkyh in	lLohd`r	dk;Zjr		[kkyh in	lLohd`r	dk;Zjr		[kkyh in
		vuq- tkfr@ vuq- tu- tkfr	lkekU;@ vk- ch-lh-			vuq- tkfr@ vuq- tu- tkfr	lkekU;@ vk- ch-lh-			vuq- tkfr@ vuq- tu- tkfr	lkekU;@ vk- ch-lh-	
समूह क	203	28	114	61	81	3	51	27	284	31	165	88
समूह ख	527	79	345	103	345	43	187	115	872	122	532	218
समूह ग	1137	134	280	723	206	22	109	75	1343	156	389	798
dqy ;ksx	**1867**	**241**	**739**	**887**	**632**	**68**	**347**	**217**	**2499**	**309**	**1086**	**1104**

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान समूह 'क' के 31, समूह 'ख' का एक; और समूह 'ग' के 45 कर्मचारी पदोन्नत किए गए।

HkrhZ

भर्ती एकक, समूह 'क', 'ख' और 'ग' सेवाओं के लिए विभिन्न पदों पर भर्ती से संबंधित विज्ञापन देने, प्राप्त आवेदन–पत्रों की छानबीन और अन्य कार्यकलाप करता है। इन कार्यकलापों में विज्ञापन का प्रकाशन, आवेदन पत्रों की प्राप्ति, गठित छानबीन समिति के माध्यम के आवेदन पत्रों की छानबीन, लिखित परीक्षा/साक्षात्कार आयोजित करना, चयन समिति/समितियों की सिफारिशों के आधार पर प्रत्याशियों का चयन शामिल हैं।

uo&inkUur lgk;d@dfu"B lgk;d@Vkbfi"V dk Ikf'k{k.k&lg&vfHkfoU;kl dk;ZØe dh dqN >fy;k¡

vu|lfpr tkfr@vu|lfpr tutkfr dY;k.k

अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के कर्मचारियों के कल्याण के लिए विश्वविद्यालय में पृथक एकक है। यह प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय में भारत सरकार की आरक्षण नीति के कार्यान्वयन का निगरानी करता है। प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय के एस.सी./एस.टी. स्टाफ और विद्यार्थियों से संबंधित कल्याणकारी गतिविधियों को भी बढ़ावा देता है। विश्वविद्यालय के इस एकक ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों और विद्यार्थियों से संबंधित सांख्यिकीय आँकड़ों को मिलाया और उन्हें मानव संसाधन विकास मंत्रालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा अन्य बाहरी अभिकरणों को उपलब्ध कराया।

jktHkk"kk uhfr dk;kZUo;u

भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन का कार्य राजभाषा प्रकोष्ठ करता है। यह प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय के रोज़मर्रा के कार्य में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए आवश्यक सहायता/सामग्री उपलब्ध कराता है। प्रकोष्ठ, राजभाषा अधिनियम और उसकी अपेक्षाओं के अनुसार प्रशासनिक दस्तावेज़ों के अनुवाद का कार्य करता है। प्रकोष्ठ ने रिपोर्टाधीन अवधि में स्टाफ सदस्यों के क्षमता निर्माण के लिए नियमित रूप से कार्यशालाएँ और अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए ताकि उन्हें कार्यालयी कामकाज में हिंदी का प्रयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया जा सके। प्रकोष्ठ ने कार्यालयी कार्य में हिंदी के इस्तेमाल और जागरूकता में सुधार करने के लिए कवि सम्मेलन, वाद–विवाद एवं अन्य प्रतियोगिताएँ आयोजित करके हिंदी दिवस मनाया।

fgnh i[kokMk d nkjku dfo lEesyu

lpuk dk vf/kdkj ¼vkj-Vh-vkbZ-½

विश्वविद्यालय सूचना का अधिकार (आर.टी.आई.) अधिनियम, 2015 के अंतर्गत मांगी गई सूचनाओं को शीघ्र उपलब्ध कराता है। इस कार्य के लिए अलग प्रकोष्ठ है। आर.टी.आई. अधिनियम के कठोरता से अनुपालन करने और समय पर प्रश्नों के उत्तर देने के लिए विश्वविद्यालय में मुख्यालय और क्षेत्रीय केंद्रों में जन सूचना अधिकारी (पी.आई.ओ.) और अपीलीय प्राधिकारी पदनामित किए हैं। मुख्य सूचना आयोग (सी.आई.सी.) द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार आर.टी.आई. से संबंधित मुद्दों के लिए विश्वविद्यालय की त्रैमासिक रिपोर्ट को आयोग की वेबसाइट पर अपलोड किया जाता है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान विश्वविद्यालय ने सूचना का अधिकार (आर.टी.आई.) अधिनियम, 2005 के अंतर्गत मांगी गई 1,975 जानकारियों के उत्तर दिए।

dsanzh; Ø;

केंद्रीय क्रय एकक, विश्वविद्यालय के लिए मदों की खरीद करने की प्रबंध–व्यवस्था करता है। एकक विश्वविद्यालय की परिसंपत्तियों और संपत्तियों के बीमे के साथ–साथ एकक को उपलब्ध सभी उपकरणों/मशीनों के रखखाव संबंधी कार्य भी करता है।

fof/k lsc/kh ekeys

विश्वविद्यालय से संबंधित सभी कानूनी मामलों, देश–भर में स्थित विभिन्न अदालतों के समक्ष लंबित अदालती मामलों और क्षेत्रीय केंद्रों के जरिए उनकी निगरानी का कार्य विधि प्रकोष्ठ द्वारा किया जाता है। प्रकोष्ठ, विश्वविद्यालय के द्वारा उसे भेजे गए विभिन्न प्रकार के दस्तावेजों का कानूनी दृष्टि से पुनरीक्षण करने संबंधी कार्य भी करता है।

lrdZrk

केंद्रीय सतर्कता आयोग (सी.वी.सी.) द्वारा निर्धारित दिशा–निर्देशों के आधार पर इग्नू ने 1998 में सतर्कता प्रकोष्ठ की स्थापना की। मुख्य सतर्कता अधिकारी, सतर्कता संबंधी सभी मामलों में मुख्य कार्यपालक के विशेष सहायक/सलाहकार की भूमिका निभाता है। वह केंद्रीय सतर्कता आयोग एवं अपने संस्थान तथा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सी.बी.आई.) तथा अपने संस्थान के बीच संपर्क–सेतु की भूमिका में होता है। सतर्कता प्रकोष्ठ के उद्देश्य निम्नलिखित हैं :

- शिकायतों की जाँच–पड़ताल करने के लिए विश्वविद्यालय की सतर्कता व्यवस्था को सक्रिय बनाना;
- विश्वविद्यालय समुदाय को भ्रष्टाचार और भ्रष्ट व्यवहारों के विरुद्ध जागरूक बनाना;
- कार्यविधियों को सुव्यवस्थित करके निवारक सतर्कता को सुदृढ़ बनाना; और
- भ्रष्टाचार की संभावनाओं को रोकना तथा ईमानदारी और सत्यनिष्ठता की संस्कृति को बढ़ावा देना।

31 अक्तूबर–5 नवंबर 2016 के दौरान 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' आयोजित किया। विश्वविद्यालय स्टाफ ने भ्रष्टाचार–उन्मूलन गतिविधियों तथा ईमानदारी के साथ कार्य करने की शपथ ली।

lrdZrk tkx:drk lIrkg ds nkSjku Hkz"Vkpkj&mUewyu xfrfof/k;ksa rFkk bZekunkjh ds lkFk dk;Z djus dh 'kiFk fnyokrs gq, dqyifr

lkekU; ç'kklu

सामान्य प्रशासन अनुभाग आवास आबंटन, विद्यापीठों/प्रभागों/केंद्रों को स्थान आबंटन, लाइसेंस शुल्क की प्राप्ति/भुगतान, बिजली के बिल, संपत्ति कर संबंधी भुगतान, कर्मचारी कल्याण गतिविधियाँ, विश्वविद्यालय वाहनों का रख–रखाव, अधिकारियों और सरकारी दौरों/बैठकों आदि के लिए वाहनों की प्रबंध–व्यवस्था संबंधी मामलों को देखता है। यह क्वार्टरों के आबंटन के लिए बैठकें आयोजित करता है और विश्वविद्यालय की अन्य बैठकों, सम्मेलनों, दीक्षांत समारोह आदि के लिए साजो–सामान व्यवस्था करने संबंधी कार्य भी करता है। इसके अलावा, यह अनुभाग टेलीफोन एक्सचेंज, इंटरकॉम लाइनों के रख–रखाव के साथ–साथ एम.सी.डी/डी.डी.ए/डी.जे.बी./बी.आर.पी.एल. जैसे सरकारी निकायों/एजेंसियों के साथ संपर्क करने के मामलों को देखता है।

deZpkfj;ksa dk dY;k.k

समन्वय अनुभाग इनडोर और आउटडोर चिकित्सा बिलों, एल.टी.सी, स्थानांतरण, टी.ए. और सी.ई.ए. जैसे व्यक्तिगत दावों का निपटान करता है। ये दावे कंप्यूटरीकृत ओ.डी.एल. प्रणाली के माध्यम संसाधित किए जाते हैं। इसके अलावा, यह अनुभाग व्यक्तिगत अग्रिमों के लिए कर्मचारियों के अनुरोध, भविष्य निधि, अग्रिम निकासी और सामूहिक बीमा संबंधी कार्य भी करता है। यह अनुभाग मैदान गढ़ी में स्थित मुख्यालय और नई दिल्ली के खेल गाँव आवासीय परिसर में स्थित दो स्वास्थ्य केंद्रों की प्रबंध–व्यवस्था भी करता है।

[ksy vk;kstu dk nkSjku bXuw deZpkfj;ksa dh fØdsV Vhe dk mRlkgo/kZu djrs gq, dqyifr

;kSu mRihM+u ls jksdFkke

विश्वविद्यालय ने अपनी महिला कर्मचारियों और विद्यार्थियों के विरुद्ध यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए नीति को अपनाया और नियम–विनियम तैयार किए हैं। यौन–उत्पीड़न के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय के निर्णय के आलोक में विश्वविद्यालय ने तीन समितियाँ गठित की हैं। इनमें से एक–एक क्षेत्रीय केंद्र (आर.एस.डी.सी.ए.एस.एच.) और मुख्यालय (आई.सी.ए.एस.एच.) के स्तर पर हैं और तीसरी शीर्षस्थ समिति (ए.सी.ए.एस.एच.) है। इग्नू वेबसाइट पर 'टूवर्ड्स जेंडर इक्वैलिटी' शीर्षक पेज सृजित किया गया जिसमें 'महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, प्रतिषेध और दंड व्यवस्था' संबंधी इग्नू की वर्ष 2008 की नीति और 'कार्य–स्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, प्रतिषेध और दंड व्यवस्था' से संबंधित इग्नू की नियमावली और कार्यविधि संबंधी जानकारी हिंदी और अंग्रेजी में दी गई है।

v/;kidk@'kf{kd lnL;k d lok lc/kh ekey

अध्यापकों/शैक्षिक स्टाफ के सेवा संबंधी कार्य करने के लिए विश्वविद्यालय में शैक्षिक समन्वय प्रभाग नामक एक अलग प्रभाग है। यह अध्यापकों और शैक्षिक सदस्यों की भर्ती, शिक्षा नीति का निर्धारण और उसे लागू करने, कैरियर प्रगति योजना, यात्रा अनुदान, अध्ययन/सबैटिकल अवकाश, शैक्षिक परिषद और उसकी स्थायी समिति की बैठकों का आयोजन से संबंधित सभी प्रशासनिक और शैक्षिक गतिविधियों का समन्वय भी करता है। प्रभाग, मुख्यालय और क्षेत्रीय केंद्रों पर तैनात अध्यापकों और शैक्षिक स्टाफ के सेवा संबंधी कार्य करता है। वित्त वर्ष के अंत तक 250 शैक्षिक स्टाफ और 273 अध्यापक है। प्रभाग ने रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान शैक्षिक परिषद की दो और उसकी स्थायी समिति की दो बैठकें आयोजित कीं।

fuek.k ,o vuj{k.k lc/kh xfrfof/k;k

निर्माण एवं अनुरक्षण संबंधी गतिविधियाँ विश्वविद्यालय के निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग (सी.एम.डी.) द्वारा की जाती हैं। विश्वविद्यालय की संपदा में अस्थायी भवनों, अकादमिक ब्लॉक, संचार केंद्र (ई.एम.पी.सी.) भवन, कुलपति कार्यालय भवन, अतिथि गृह, सभागार, इग्नू परिसर में स्थित आवासीय परिसर के साथ–साथ एशियाई खेल गाँव आवासीय परिसर तथा दिल्ली स्थित सभी क्षेत्रीय केंद्र शामिल हैं। रख–रखाव संबंधी गतिविधियों के अंतर्गत इग्नू मुख्यालय और आवासीय परिसर में बिजली और पानी की आपूर्ति, एयरकंडीशनिंग प्रणाली की व्यवस्था के साथ–साथ स्ट्रीट लाइट, पंप हाउस और ट्यूबवैलों आदि का रख–रखाव भी शामिल है।

विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों के भवनों का निर्माण और रख–रखाव के बारे में उल्लेखनीय उपलब्धियों को 'अध्याय–IV : विद्यार्थी सहायता सेवाएँ' में शामिल किया गया है।

;ktuk ,o fodkl

विश्वविद्यालय के समग्र नियोजन और निगरानी का दायित्व योजना एवं विकास प्रभाग का है। इस प्रभाग के निम्नलिखित उद्देश्य हैं :

- विश्वविद्यालय की मुक्त और दूर शिक्षा प्रणााली के लिए विज़न और दिशा–निर्देश निर्धारित करना;
- विश्वविद्यालय के लिए मुद्दों, सरोकारों और उभरते अवसरों की पहचान करना;
- अल्पकालिक और दीर्घकालिक संवृद्धि लक्ष्यों को निर्धारित करना; इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कार्यविधियाँ निर्धारित करना एवं कार्य–निष्पादन की निगरानी करना;
- प्रणाली की क्षमताओं और प्रभावशीलता में सुधार करके संसाधनों का अनुकूलतम प्रयोग करना; तथा विश्वविद्यालय की बौद्धिक संपदा अधिकार नीति के अनुपालन में शैक्षिक संस्थाओं एवं एजेंसियों के साथ बौद्धिक संसाधनों का आदान–प्रदान; और
- विश्वविद्यालय के पंचवर्षीय योजना प्रस्ताव तैयार करना।

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान प्रभाग ने योजना बोर्ड की एक बैठक और योजना बोर्ड की 'शैक्षिक कार्यक्रम समिति' नामक स्थायी समिति की चार बैठकें आयोजित कीं। रिपोर्टाधीन अवधि में प्रभाग ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्गों के विद्यार्थियों को सीधे लाभ अंतरण (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर – डी.बी.टी.) नीति को अंतिम रूप देने संबंधी कार्य का समन्वय भी किया। इस योजना के अंतर्गत 'योजना बजट' के एस.सी.एस.पी. और टी.एस.पी. घटकों के उपयोग के लिए बी.ए, बी.एस-सी, बी.कॉम, बी.एस.डब्ल्यू. और बी.सी.ए. शैक्षिक कार्यक्रमों में नामांकित अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों की शुल्क प्रतिपूर्ति के प्रावधान किया गया।

योजना और विकास प्रभाग ने रिपोर्टाधीन अवधि में दो आँकड़ा पुस्तकें प्रकाशित कीं। 'थ्री डिकेड्स ऑफ डिस्टेंस एज्यूकेशन : इग्नू, फ्रॉम 1986–87 टू 2014–15' शीर्षक पहली पुस्तक में इग्नू की सभी अध्ययन विद्यापीठों के

वर्षवार, कार्यक्रमवार और स्तरवार नामांकन की आरेखीय प्रस्तुति और प्रवृत्ति विश्लेषण किया गया है। 'नर्चरिंग सोशल इक्विटी थ्रू डिस्टेंस एज्यूकेशन : इग्नू (1998–99 टू 2014–15)' शीर्षक दूसरी पुस्तक में इग्नू नामांकन संबंधी सामाजिक और जनसांख्यिकीय प्रोफाइल संबंधी विवरण दिए गए हैं। इस पुस्तक में इग्नू की सभी अध्ययन विद्यापीठों के विभिन्न सामाजिक वर्गवार, वर्षवार, कार्यक्रमवार और स्तरवार नामांकन की आरेखीय प्रस्तुति और प्रवृत्ति विश्लेषण किया गया है।

lsVj Qkj ikfylh fjlpZ ds 'kklh eMy ds lnL; Mk- lat; ck:(bXuw ds iwoZ/k ckMZ ds lnL; iks- ts-,l-jktiwr rFkk bXuw ds dqyifr iks- johUnz dqekj }kjk 2 tqykbZ 2016 dks *Fkh fMdsMl vkQ fMLVsal ,T;qds'ku % bXuw* 'kh"kZd iqLrd dk yksdkiZ.k

foÙk ,oa ys[kk

प्रबंध बोर्ड के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय की वित्त संबंधी प्रबंध–व्यवस्था वित्त एवं लेखा प्रभाग द्वारा की जाती है। प्रभाग बजट अनुमान तैयार करना; प्रबंधन सूचना प्रणाली (एम.आई.एस.) के लिए प्राप्ति और व्यय की समीक्षा; स्थायी वित्त समिति (एस.एफ.सी.) ज्ञापन के लिए निविष्टियाँ तैयार करना; विकास योजनाओं के वित्तीय लक्ष्यों की निगरानी; वित्तीय परामर्श/सहमति प्रदान करना; राजस्व/प्राप्तियाँ एकत्रित करना; क्षेत्रीय केंद्रों/विद्यापीठों/एककों को योजना और गैर–योजना निधि के अंतर्गत त्रैमासिक अनुदान जारी करना; योजना/गैर–योजना तथा ई.एम.एफ. निधियों के अंतर्गत प्रभागों/एककों/केंद्रों से संबंधित बिलों/दावों पर कार्रवाई करना और भुगतान करना; और विश्वविद्यालय की वार्षिक लेखे तैयार करने के साथ–साथ भविष्य निधि और पेंशन फंड लेखे और क्षेत्रीय/अध्ययन केंद्रों, प्रभागों और विद्यापीठों की आंतरिक लेखापरीक्षा आदि जैसे दायित्व निभाता है।

इग्नू को उसकी विकास संबंधी गतिविधियों के संदर्भ में मानव संसाधन विकास मंत्रालय से आंशिक रूप से अनुदान के द्वारा वित्त–पोषण किया जाता है। विश्वविद्यालय की विकास संबंधी गतिविधियों के अलावा, अन्य संदर्भों में विश्वविद्यालय अपने आंतरिक स्रोतों से एकत्रित किए गए राजस्व से व्यय करता है। वर्ष 2016–17 सहित पिछले पाँच वर्षों के विश्वविद्यालय की प्राप्तियों का ब्यौरा तालिका 6.2 में और योजना एवं गैर–योजना व्यय का ब्यौरा तालिका 6.3 में दिया गया है। वित्त वर्ष 2016–17 के दौरान विश्वविद्यालय को 631.93 करोड़ रुपए की कुल

प्राप्तियाँ हुईं। इनमें मानव संसाधन विकास मंत्रालय से प्राप्त अनुदान कुल प्राप्ति का 19.0% है। कुल राजस्व का 67.0% विद्यार्थियों से शुल्क के रूप में प्राप्त हुआ और 14.0% अन्य आय के रूप में हुआ। यह विवरण आरेख 6.1 में भी प्रस्तुत किया गया है।

rkfydk 6-2 % fo'ofo|ky; dh ikfIr;ksa dk fooj.k

(राशि करोड़ रुपयों में)

ikfIr dk Lo:Ik	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
कुल प्राप्तियाँ	533.26	569.71	564.79	498.63	631.93
एम.एच.आर.डी. से प्राप्त अनुदान	105.06	46.25	100	74.25	120.32
प्राप्तियों का प्रतिशत	19.7	8.1	17.7	14.9	19.0
विद्यार्थियों से प्राप्त शुल्क	356.95	435.21	382.26	349.89	423.19
प्राप्तियों का प्रतिशत	66.9	76.4	67.7	70.2	67.0
अन्य प्राप्तियाँ*	71.25	88.25	82.53	74.49	88.42
प्राप्तियों का प्रतिशत	**13.4**	**15.5**	**14.6**	**14.9**	**14.0**

**इसके अंतर्गत आवेदन–पत्रों की बिक्री, परीक्षा शुल्क और अन्य विविध प्राप्तियाँ आदि शामिल हैं।*

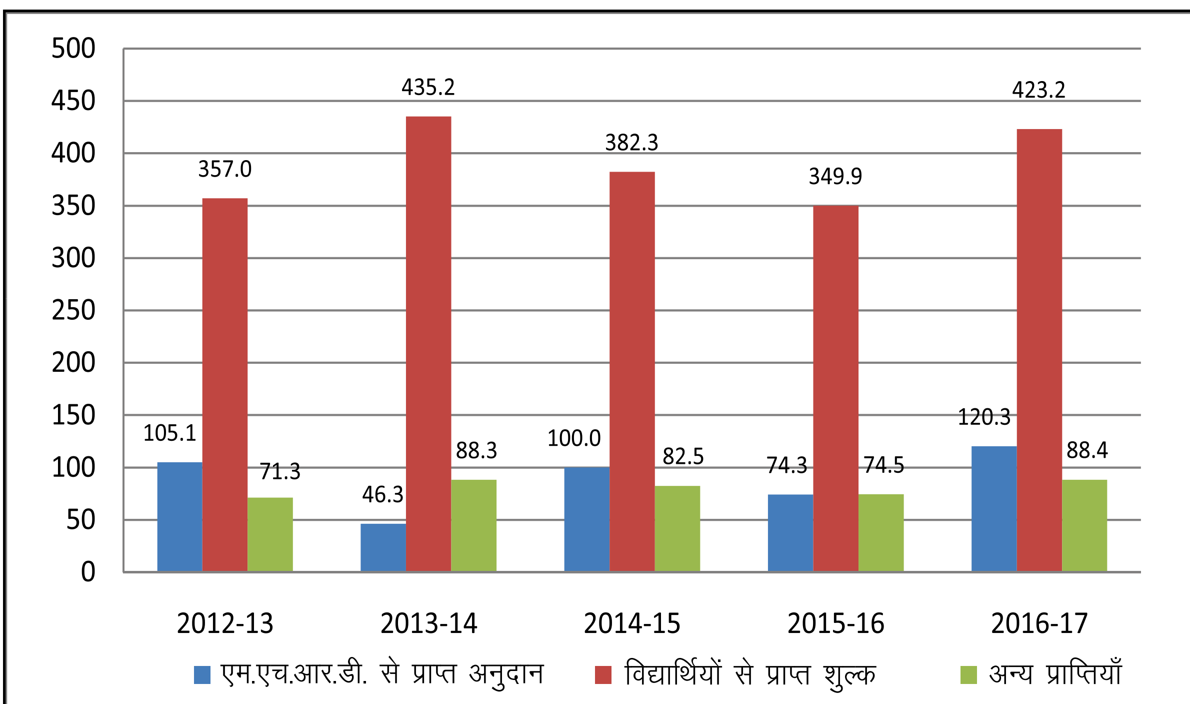

vkj[k 6-1 % fo'ofo|ky; dh ikfIr;ka dk fooj.k

तालिका 6.3 में रिपोर्टाधीन अवधि में विश्वविद्यालय के योजना और गैर–योजना व्यय को दर्शाया गया है। यह व्यय विवरण आरेख 6.2 में भी आरेखीय रूप में दर्शाया गया है।

rkfydk 6-3 % ;kstuk vkj xj&;kstuk 0;; dk fooj.k

(राशि करोड़ रुपयों में)

0;; dk Lo:Ik	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
कुल व्यय	473.05	565.65	527.66	584.04	668.21
वेतन	150.47	168.81	187.99	202.55	248.17
व्यय का प्रतिशत	31.8	29.9	35.6	34.7	37.1
कर्मचारी कल्याण	9.28	10.48	11.47	12.82	10.56
व्यय का प्रतिशत	2	1.9	2.2	2.2	1.6
सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ	26.21	94.72	35.9	116.84	88.52
व्यय का प्रतिशत	5.5	16.7	6.8	20	13.2
शैक्षिक व्यय	122.67	142.53	150.67	148.4	164.9
व्यय का प्रतिशत	25.9	25.2	28.5	25.4	24.7
मरम्मत एवं रखरखाव	4.9	4.6	5.81	4.61	4.34
व्यय का प्रतिशत	1	0.8	1.1	0.8	0.6
प्रशासनिक व्यय	82.85	91.14	90.89	87.26	91.62
व्यय का प्रतिशत	17.5	16.1	17.2	14.9	13.7
ज्ञान वाणी/ज्ञान दर्शन संचालन	23.57	27.18	40.93	1.24	22.38
व्यय का प्रतिशत	5	4.8	7.8	0.2	3.3
राज्य मुक्त विश्वविद्यालयों और दूर शिक्षा संस्थानों को अनुदान	42.06	*19.40	0	0	0
व्यय का प्रतिशत	8.9	3.4	0	0	0
पूँजीगत व्यय	11.04	6.79	4	10.32	37.72
व्यय का प्रतिशत	2.3	1.2	0.8	1.8	5.6

**विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.ज.सी.) को 19.4 करोड़ रुपए अंतरित किए गए।*

(राशि करोड़ में)

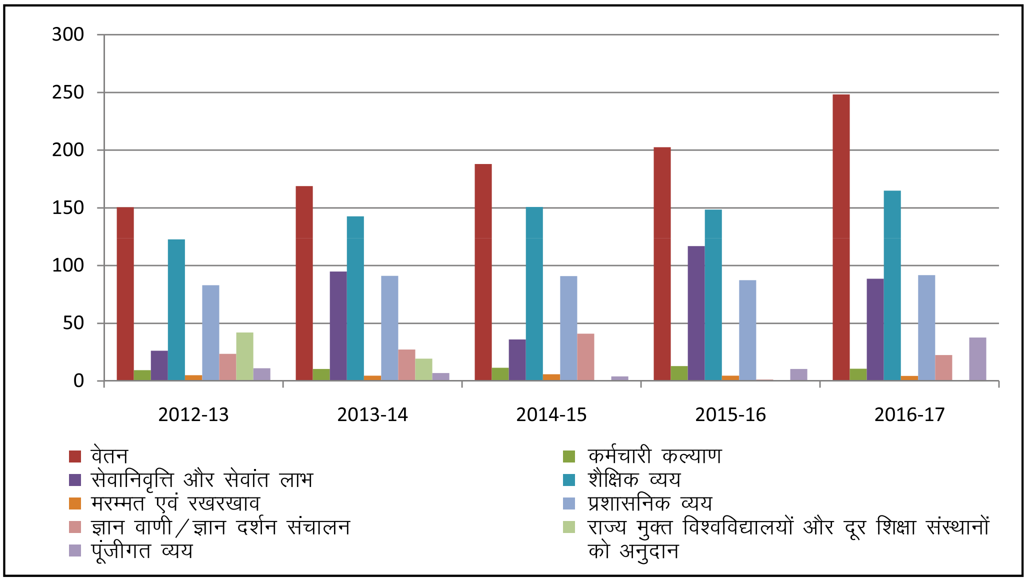

vkjs[k 6-2 % ;kstuk vkSj xSj&;kstuk O;; dk fooj.k

lwpuk vkSj lapkj izkS|ksfxdh lsok,¡

मुख्यालय स्थित कंप्यूटर प्रभाग विश्वविद्यालय को मुख्य रूप से सूचना प्रौद्योगिकी सेवा प्रदान करता है। यह सूचना–संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.) के माध्यम से विभिन्न कंप्यूटिंग और नेटवर्क सेवाएँ प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक संप्रेषण की रीढ़ है। प्रभाग मुख्यालय, क्षेत्रीय केंद्रों, अध्ययन केंद्रों और विदेशों में स्थित विदेशी अध्ययन केंद्रों में विद्यार्थियों, कर्मचारियों और संकाय को सेवाएँ प्रदान करता है। यह प्रभाग, इग्नू की वेबसाइट (www.ignou.ac.in) की प्रबंध व्यवस्था भी करता है। इस वेबसाइट का आभासी माध्यम से गहन विद्यार्थी सहायता सेवा में इस्तेमाल किया जाता है।

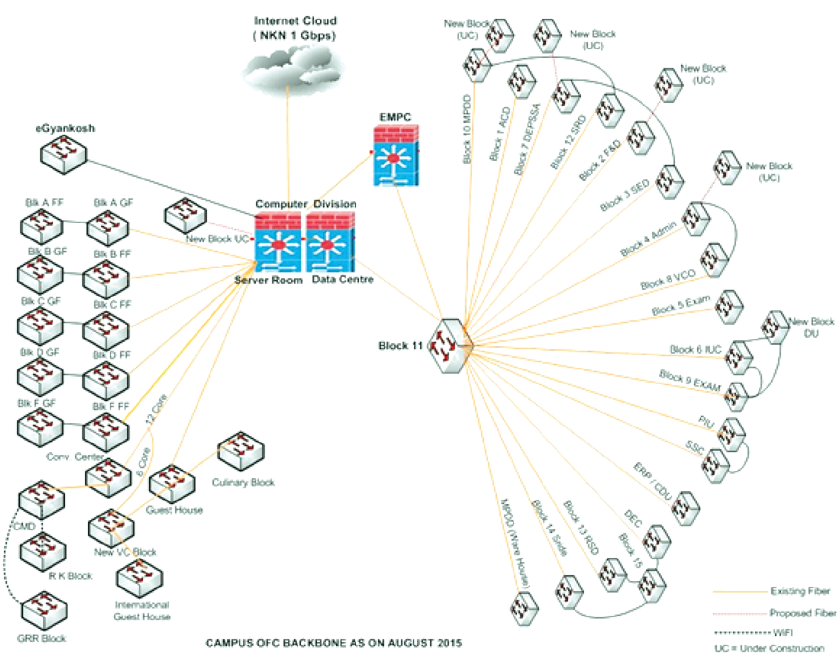

Ek[;ky; dk lwpuk vkSj lapkj izkS|ksfxdh vk/kkj

इग्नू, बैक ऑफिस प्रक्रियाओं के लिए ई.आर.पी. कार्यान्वयन करके संबंधित कार्यों का स्वचलन करने और प्रभाविता को सुधारने तथा प्रबंधन करने वाला राष्ट्रीय स्तर का पहला विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय ने इसे वर्ष 2008 में लागू किया और यह 'ओ.डी.एल. सॉफ्ट–ई.आर.पी.' नाम से प्रचलित है। मानव संसाधन, वेतन पत्रक, क्रय, वित्त एवं लेखाकरण के साथ–साथ आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन प्रक्रियाओं का स्वचलन करने के लिए इस परियोजना को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया गया है ताकि मुख्यालय की आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सके। कंप्यूटर प्रभाग ने वर्ष 2014 में बाहरी एजेंसी से इस परियोजना को अपने अधिकार में ले लिया। प्रभाग ने नव–निर्मित भवनों में लैन और इंटरनेट सुविधा का विस्तार किया। प्रभाग, क्षेत्रीय केंद्रों के साथ और माँग पर अन्य एजेंसियों/विशेषज्ञों के साथ की जाने वाली वेब–कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित कराने की सुविधाएँ प्रदान करता है।

ओ.डी.एल. सॉफ्ट–ई.आर.पी. के लिए डाटा सेंटर के जरिए सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी आधारभूत संरचना और संबंधित सेवाएँ सृजित की गईं। इसमें ओ.एफ.सी., सी.ए.टी.6, और वाई–फाई कनेक्टिविटी का इस्तेमाल करते हुए लगभग 2500 नेटवर्क नोड चौबीसों घंटे डाटा सेंटर के माध्यम से कार्य करते रहते हैं। ओ.डी.एल. सॉफ्ट के कार्यान्वयन के लिए ई.आर.पी. पैकेज के विभिन्न संचालनात्मक मॉड्यूलों से संबंधित आवश्यक प्रशिक्षण आयोजित किए गए। इग्नू में राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एन.के.एन.) के अंतर्गत मुख्यालय में 1 जी.बी.पी.एच. की इंटरनेट ब्राडबैंड कनेक्टिविटी है। सहभागियों और अन्य विश्व के अन्य लोगों के लिए इंटरनेट पहुँच और ऑनलाइन सेवाओं के लिए यह मूलभूत सुविधा है। विद्यार्थियों की बेहतर सुविधाएँ प्रदान करने के लिए विद्यार्थियों के केंद्रीकृत प्रोफाइल का ऑनलाइन डाटाबेस और ऑनलाइन प्रवेश प्रणाली लागू की गई थी। विश्वविद्यालय ने भारत सरकार के केंद्रीय सार्वजनिक अधिप्राप्ति पोर्टल के माध्यम से मदों की खरीद के लिए ई–निविदा शुरू की। एन.आई.सी. क्लाउड से सूचना प्रौद्योगिकी कंप्यूटिंग और भंडारण संबंधी आधारभूत संरचना को किराए पर लिया गया है ताकि ऑनलाइन प्रवेश, वेबसाइट और डी.एन.सी. जैसी विश्वविद्यालय की कुछ महत्वपूर्ण आई.टी. सुविधाओं को उसमें सहेजा जा सके। इससे विश्वविद्यालय के सभी हितधारकों को इन सेवाओं की उच्च उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी।

iLrdky; lok,

विश्वविद्यालय का पुस्तकालय और प्रलेखन प्रभाग, पुस्तकालय सेवाएँ और प्रलेखन संबंधी कार्य करता है। यह प्रभ: ाग मुक्त और दूर शिक्षा के क्षेत्र में देश का सर्वाधिक संसाधन संपन्न भंडार है। यह तीन स्तरों पर काम करने वाली प्रणाली है। इस प्रणाली के अंतर्गत मुख्यालय परिसर में स्थित केंद्रीय पुस्तकालय के साथ–साथ क्षेत्रीय केंद्रों और विद्यार्थी सहायता केंद्रों पर स्थित पुस्तकालय कार्य करते हैं। केंद्रीय पुस्तकालय, विश्वविद्यालय परिसर में शिक्षक वर्ग के साथ–साथ प्रशासनिक, तकनीकी एवं सहायक स्टाफ, शोधार्थियों और विज़िटिंग संकाय की ज़रूरतों को पूरा करता है। क्षेत्रीय केंद्रों के पुस्तकालय वहाँ के स्टाफ, शैक्षिक परामर्शदाताओं और समन्वयकों की पुस्तकालय सबंधी ज़रूरतों को पूरा करते हैं। अध्ययन केंद्रों के पुस्तकालय विशेष रूप से विद्यार्थियों के लिए हैं।

Ek[;ky; fLFkr dnh; iLrdky; dk iLrd tkjh dju okyk dkmVj

पुस्तकालय और प्रलेखन प्रभाग ने इग्नू के पिछले वर्षों की सत्रांत परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों को डिजीकृत करके उन्हें इग्नू वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। पुस्तकालय की पुस्तकों और ई–संसाधनों की पहुँच को इग्नू पुस्तकालय के सदस्य वेब–ओपेक और इंटिग्रेटिड सर्च इंजन के जरिए अपने डेस्कटॉप से ब्राउज़ और डाउनलोड कर सकते हैं। क्षेत्रीय केंद्रों पर इसी प्रकार सेवाएँ कोहा सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराता है। पुस्तकालय ई–शोधसिंधु, डेलनेट और आई.एल.ए. का सदस्य है। डेलनेट, केंद्रीय तथा क्षेत्रीय केंद्रों के पुस्तकालयों को यूनियन केटलॉगों, अंतर्पुस्तकालय कर्ज़ और प्रलेख वितरण सुविधा प्रदान करता है। ई–शोधसिंधु से अनेक ई–संसाधनों तक पहुँच संभव हो जाती है। पुस्तकालय द्वारा उपलब्ध कराई गई ई–संसाधनों की रिमोट एक्सैस सर्विसिज़ का विवरण अध्याय-V में दिया गया है।

तालिका 6.4 में मुख्यालय, क्षेत्रीय केंद्रों और विद्यार्थी सहायता केंद्रों पर पुस्तकों आदि की संख्या को दर्शाया गया है। कुल मुद्रित और इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की संख्या काफी अधिक है। मुख्यालय में 1.43 लाख मुद्रित पुस्तकें हैं और क्षेत्रीय केंद्रों एवं विद्यार्थी सहायता केंद्रों पर 2.5 लाख पुस्तकें हैं। इस समय इग्नू पुस्तकालय 316 जर्नल और 30 समाचार–पत्रों का ग्राहक है। राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (एन.डी.एल.) के माध्यम से 35 लाख पुस्तकों और 1 करोड़ 60 लाख शोध आलेखों के अलावा, ई–संसाधनों में लगभग 75 हजार शोध पत्रिकाएँ और खरीदी गईं 1,700 पुस्तकें शामिल हैं। पुस्तकालय और प्रलेखन प्रभाग ने पुस्तकों की खरीद की प्रक्रिया को क्षेत्रीय केंद्रों तथा विद्यार्थी सहायता केंद्र को विकेंद्रित किया है ताकि वे अपनी जरूरतों के अनुसार पुस्तकें खरीद सकें।

rkfydk 6-4 % 31 ekpZ 2017 rd iqLrdky; esa iqLrdksa vkfn dh la[;k bl izdkj gS %

Lkzksr/kuksa dk Lo:i	Lka[;k
dsanzh; iqLrdky;	
क) मुद्रित पुस्तकें	1,43,981
ख) शोध प्रबंध	260
ग) पम्फलेट्स	94
घ) इग्नू अध्ययन सामग्री	2,443
ङ) जिल्दबंद जर्नल	16,284
च) माइक्रोफिच	17,558
छ) माइक्रोफिल्में	199
ज) जर्नल	316
झ) सी.डी. रोम	4,160
ञ) समाचार–पत्र	30
ट) पत्रिकाएँ	49
ठ) रिपोर्ट	12
ड) मैनुअल	195
ढ) फोटोग्राफ एल्बम	209
{ks=h; dsanzksa vkSj v/;;u dsanzksa esa iqLrdsa	
क) मुद्रित पुस्तकें	2,51,762

Ek[;ky; vkj {k=h; dinks ij b&lalk/ku igqp	
क) ई–पुस्तकें	1,711
ख) एन.डी.एल. के माध्यम से ई–पुस्तकें	35,00,000
ग) ई–जर्नल	75,000
घ) जर्नल आलेख	1,60,00,000

पुस्तकालय एवं प्रलेखन प्रभाग ने 21वें प्रो. जी.राम रेड्डी स्मृति व्याख्यान के अवसर पर 2 जुलाई, 2016 को अभिलेखीय सामग्रियों की प्रदर्शनी का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

ifjlj dks gjk&Hkjk cukuk

विश्वविद्यालय का बागवानी प्रकोष्ठ 150 एकड़ में फैले विश्वविद्यालय परिसर को हरा–भरा रखता है। प्रकोष्ठ, बीजों को चारों ओर फैला कर तथा जगह–जगह पर पौधारोपण करके प्राकृतिक वन को समृद्ध करता है और उसका रखरखाव करता है। प्रकोष्ठ परिसर की पारिस्थितिकी को बनाए रखने में मदद करता है। प्रकोष्ठ, परिसर को पर्यावरण हितैशी बनाने और पौधों संबंधी जैव–विविधता को मज़बूत करने के लिए मार्गस्थ पौधों, मौसमी फूलों, सजावटी पौधों, मौसमी फूलों के पौधारोपण, रसायन–मुक्त सब्ज़ियाँ उगाने, परिसर में उद्यानों को तैयार करने का कार्य करता है। पिछले कुछ वर्षों से प्रकोष्ठ ने परिसर में फलों वाले अत्यधिक पौधे लगाने और इग्नू के कार्यालय भवनों को भीतरी पौधों से सजाने पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया है। खाली पड़े भूभागों के टुकड़ों को मनोहार भू–दृश्यों का रूप प्रदान गया और उन्हें सुंदर लॉन के रूप में विकसित किया गया।

प्रकोष्ठ ने रिपोर्टाधीन अवधि में दो नए बगीचे तैयार किए। प्रकोष्ठ ने वर्षा जल संचयन के लिए परिसर में पहली बार 2,000 अस्थायी जल निकास खंदक बनाए। प्रजनन की विभिन्न तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए कई गुणा प्रवर्धन करते हुए प्रकोष्ठ ने 5,781 पौधों; 5,194 सजावटी पौधों; 2,500 बेलबूटे वाले पौधे; तथा मौसमी फूलों के पौधारोपण के अलावा ऑएस्टर मशरूम और 'हैरीमोन समर ज़ोन ऐप्पल' नामक सेब की नई प्रजातियाँ और नींबू के पौधे लगाए। साथ ही, कई प्रकार के मौसमी फूलों वाले पौधों के 6,013 गमले तैयार किए गए। प्रकोष्ठ ने कृषि–अपशिष्टों का इस्तेमाल करते हुए वर्मी–कम्पोस्ट और एन.ए.डी.ई.पी. इकाइयों के माध्यम से खाद की सहायता से जैविक सब्जियाँ उत्पादित कीं।

परिशिष्ट-1

fo'ofo|ky; ds ikf/kdkjh&fudk;ksa ds lnL; vkSj fo'ofo|ky; ds vf/kdkjh
¼1 vizSy 2016 ls 31 ekpZ 2017 rd dh vof/k ds nkSjku½

1-1 izcU/k cksMZ

Ø-la-	lnL; dk uke	in@ukekadu
1.	प्रो. एम.असलम* (20.03.2013–28.11.2014 से अवकाश पर) पदेन प्रो. नागेश्वर राव (28.11.2014–28.04.2016) पदेन प्रो. रवींद्र कुमार (28.04.2016–आज तक**) पदेन	कुलपति – अध्यक्ष प्रभारी कुलपति – अध्यक्ष प्रभारी कुलपति – अध्यक्ष
Hkkjr ljdkj ds izfrfuf/k		
2.	श्री विनय शील ओबराय (04.06.2015–28.02.2017) पदेन श्री केवल कुमार शर्मा (01.03.2017–आज तक) पदेन	सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली
3.	श्री सुनील अरोड़ा (31.08.2015–30.04.2016) पदेन श्री अजय मित्तल (02.05.2016–आज तक) पदेन	सचिव, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली सचिव, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली
dqyk/;{k }kjk ukfer		
4.	प्रो. वसुधा कामत (08.10.2015–07.10.2018)	कुलपति, एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय, मुंबई
5.	प्रो. जे.एस. राजपूत (08.10.2015–07.10.2018)	पूर्व निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी ए–16, सेक्टर पी–7, मित्र एनक्लेव (ग्रेटर वैली स्कूल के सामने), ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश)
6.	श्री रामजी राघवन (08.10.2015–01.05.2017)	संस्थापक और अध्यक्ष, आगस्त इंटरनेशनल फाउंडेशन, बंगलुरु

7.	श्री मनीष सब्बरवाल (08.10.2015–15.07.2016)	सह–संस्थापक और अध्यक्ष, टीम लीज़ सर्विसिज़ लिमिटेड, बंगलुरु
ic/k ckM }kjk lg;kftr		
8.	डॉ. हितेश डेका (04.03.2016–03.03.2019)	कुलपति, कृष्णकांत हैंडीक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, गुवाहाटी
9.	प्रो. के. एन. त्रिपाठी (31.10.2014–30.10.2017)	पूर्व समकुलपति, इग्नू
10.	डॉ. ए. सूर्य प्रकाश (05.01.2016–04.01.2019)	अध्यक्ष, प्रसार भारती, पी.टी.आई. बिल्डिंग, नई दिल्ली
dyifr }kjk ukfer		
11.	प्रो. एस. श्रीलता (23.04.2015–04.08.2016) प्रो. स्वराज बसु (04.10.2016–03.10.2018)	निदेशक, प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ, इग्नू निदेशक, सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ, इग्नू
12.	प्रो. कपिल कुमार (04.05.2016–03.05.2018)	प्रोफेसर, समाजिक विज्ञान विद्यापीठ, इग्नू
13.	डॉ. पी. शिवस्वरूप (04.05.2016–03.05.2018)	क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, नागपुर, महाराष्ट्र
Lkfpo ¼inu½		
14.	श्री सुधीर बुडाकोटी (11.09.2014–18.10.2016) श्री एस. के. शर्मा (19.10.2016–आज तक**)	कुलसचिव (प्रशासन), इग्नू कुलसचिव (प्रभारी), प्रशासन, इग्नू

* मानव संसाधन विकास मंत्रालय के 18.11.2014 के क्रमांक एफ 10–2/2014–डी.4 के अनुपालन में प्रो. नागेश्वर राव (वरिष्ठतम सम कुलपति) 28.11.2014 से 28.04.2016 तक; और 28.04.2016 से प्रो. रवींद्र कुमार कार्यकारी कुलपति हैं।

** 'आज तक' रिपोर्टाधीन अवधि के अंत अर्थात 31 मार्च 2017 तक का सूचक है।

1-2 'kf{kd ifj"kn

Ø-l-	lnL;k dk uke	in@ukekadu
1.	प्रो. एम. असलम* (20.03.2013–28.11.2014 से अवकाश पर) पदेन प्रो. नागेश्वर राव (28.11.2014–28.04.2016) पदेन प्रो. रवींद्र कुमार (28.04.2016–आज तक*) पदेन	कुलपति – अध्यक्ष प्रभारी कुलपति – अध्यक्ष प्रभारी कुलपति – अध्यक्ष
lnL; ¼inu½		
2.	प्रो. सुनैना कुमार (01.10.2013–30.09.2016) प्रो. सत्यकाम (01.10.2016–आज तक)	निदेशक, मानविकी विद्यापीठ
3.	प्रो. दरवेश गोपाल (01.07.2013–30.06.2016) प्रो. स्वराज बसु (01.07.2016–आज तक)	निदेशक, सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
4.	प्रो. विजयश्री (09.07.2013–30.06.2016) प्रो. एम.एस. नाथावत (01.07.2016–आज तक)	निदेशक, विज्ञान विद्यापीठ
5.	प्रो. पिटी कौल (06.08.2014–आज तक)	निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ
6.	डॉ. पी.वी. सुरेश (14.05.2015–आज तक)	निदेशक, कंप्यूटर और सूचना विज्ञान विद्यापीठ
7.	प्रो. पी. श्रीनिवास कुमार (05.08.2014–आज तक)	निदेशक, अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ
8.	प्रो. के. इल्लूमल्लै (03.05.2013–24.11.2016) प्रो. टी.यू. फुलझले (25.11.2016–आज तक)	निदेशक, विधि विद्यापीठ निदेशक (प्रभारी), विधि विद्यापीठ

Ø-l-	lnL;k dk uke	in@ukekdu
9.	डॉ. एस.के. यादव (25.06.2013–24.06.2016) प्रो. एम.के. सलूजा (25.06.2016–आज तक)	निदेशक, कृषि विद्यापीठ
10.	डॉ. अशोक कुमार गाबा (25.06.2013–24.06.2016) डॉ. आर.एस.पी. सिंह (25.06.2016–आज तक)	निदेशक, व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ
11.	प्रो. शंभुनाथ सिंह (25.02.2016–आज तक)	निदेशक, पत्रकारिता और नव–जनसंचार माध्यम अध्ययन विद्यापीठ
12.	प्रो. रवींद्र कुमार (30.04.2015–आज तक)	निदेशक (प्रभारी), पर्यटन और आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ
13.	प्रो. ग्रेशियस थॉमस (11.02.2012–24.06.2016) डॉ. रोज़ नेम्बियाकिम (25.06.2016–आज तक)	निदेशक, समाज कार्य विद्यापीठ
14.	प्रो. अन्नू अनेजा (11.02.2015–आज तक)	निदेशक, जेंडर और विकास अध्ययन विद्यापीठ
15.	डॉ. नेहाल ए. फारूकी (25.06.2013–24.06.2016) डॉ. पी.वी.के. शशिधर (25.06.2016–आज तक)	निदेशक, विस्तार और विकास अध्ययन विद्यापीठ
16.	डॉ. गोविंदराजू भारद्वाज (25.06.2013–24.06.2016) डॉ. सीमा जौहरी (25.06.2016–आज तक)	निदेशक, प्रदर्शनपरक एवं दृश्य कला विद्यापीठ
17.	प्रो. अंजु सहगल गुप्ता (27.10.2014–आज तक)	निदेशक (प्रभारी), विदेशी भाषा विद्यापीठ
18.	डॉ. राजेंद्र प्रसाद पांडेय (02.06.2014–आज तक)	निदेशक, अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ

Ø-l-	lnL;k d uke	in@ukekdu
19.	डॉ. बाबू पी. रमेश (01.08.2015–03.08.2016) डॉ. बोइना रूपिणी (04.08.2016–आज तक)	निदेशक, अंतर्विद्याश्रयी और बहु–विद्याश्रयी अध्ययन विद्यापीठ
20.	प्रो. नीरजा चड्डा (01.01.2015–आज तक)	निदेशक, सतत शिक्षा विद्यापीठ
21.	प्रो. एन.के. दाश (01.08.2013–31.07.2016) प्रो. सरोज पांडेय (01.08.2016–आज तक)	निदेशक, शिक्षा विद्यापीठ
22.	प्रो. एस. श्रीलता (05.08.2013–04.08.2016) प्रो. मधु त्यागी (05.08.2016–आज तक)	निदेशक, प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
23.	प्रो. जयदीप शर्मा (01.01.2014–आज तक)	पुस्तकालयाध्यक्ष (प्रभारी), पुस्तकालय एवं प्रलेखन प्रभाग
bXu d ic/k ckM }kjk ukfer		
24.	प्रो. सत्यकाम (02.08.2014–01.08.2016) प्रो. प्रदीप साहनी (24.11.2016–आज तक)	प्रोफेसर, मानविकी विद्यापीठ प्रोफेसर, सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
25.	प्रो. नीरजा चड्डा (08.07.2015–01.08.2016) प्रो. बी. ई. फौज़दार (24.11.2016–आज तक)	प्रोफेसर, सतत शिक्षा विद्यापीठ प्रोफेसर, विज्ञान विद्यापीठ
26.	प्रो. पी. के. विश्वास (02.08.2016–01.08.2016) प्रो. एस. श्रीलता (24.11.2016–आज तक)	प्रोफेसर, स्ट्राइड प्रोफेसर, प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
27.	डॉ. संजय गुप्ता (08.07.2015–01.08.2016) डॉ. नीलिमा श्रीवास्तव (24.11.2016–आज तक)	रीडर, विज्ञान विद्यापीठ रीडर, जेंडर और विकास अध्ययन विद्यापीठ

Ø-l-	lnL;k dk uke	in@ukekdu
28.	डॉ. भारती डोगरा (02.08.2014–01.08.2016) डॉ. नीरा सिंह (24.11.2016–आज तक)	रीडर, शिक्षा विद्यापीठ रीडर, मानविकी विद्यापीठ
29.	डॉ. बी. किरणमयी (02.08.2014–01.08.2016) डॉ. ओ.पी. देवल (24.11.2016–आज तक)	रीडर, सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ रीडर, पत्रकारिता एवं नव जनसंचार माध्यम अध्ययन विद्यापीठ
30.	डॉ. अनुप्रिया पांडेय (15.03.2016–01.08.2016) डॉ. हरीश कुमार सेठी (24.11.2016–आज तक)	सहायक प्रोफेसर, प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ सहायक प्रोफेसर, अनुवाद अध्ययन और प्रशिक्षण विद्यापीठ
31.	डॉ. निशा वर्गीज़ (02.08.2014–01.08.2016) डॉ. रचना अग्रवाल (02.08.2016–आज तक)	सहायक प्रोफेसर, विस्तार और विकास अध्ययन विद्यापीठ सहायक प्रोफेसर, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण विद्यापीठ
32.	डॉ. विजय कुमार (02.08.2014–01.08.2016) डॉ. आनंद गुप्ता (02.08.2016–आज तक)	सहायक प्रोफेसर, कृषि विद्यापीठ सहायक प्रोफेसर, विधि विद्यापीठ
33.	प्रो. सत्यकाम (27.01.2016–01.08.2016) डॉ. बिन्नी टॉम्स (24.11.2016–आज तक)	निदेशक (प्रभारी), अनुसंधान एकक निदेशक (प्रभारी), विद्यार्थी सहायता सेवा केंद्र
34.	डॉ. वी. वेणुगोपाल रेड्डी (12.05.2015–01.08.2016) प्रो. टी.यू. फुलझले (24.11.2016–आज तक)	निदेशक, क्षेत्रीय सेवा प्रभाग निदेशक (प्रभारी), योजना एवं विकास प्रभाग
35.	प्रो. सी.आर.के. मूर्ति (02.08.2014–01.08.2016) प्रो. उमा कांजीलाल (24.11.2016–आज तक)	निदेशक, स्ट्राइड निदेशक (प्रभारी), अंतर–विश्वविद्यालय कंसोर्टियम

Ø-l-	lnL;k dk uke	in@ukekadu
36.	डॉ. पी. शिवस्वरूप (02.08.2014–01.08.2016) डॉ. पूर्णेंदु त्रिपाठी (24.11.2016–आज तक)	क्षेत्रीय निदेशक, नागपुर क्षेत्रीय केंद्र, इग्नू उप निदेशक, कुलपति कार्यालय, इग्नू
37.	डॉ. एस. के. प्रसाद (02.08.2016–01.08.2016) डॉ. एस. राजाराव (24.11.2016–आज तक)	निदेशक (प्रभारी), एन.सी.डी.एस. क्षेत्रीय निदेशक, विशाखापतनम क्षेत्रीय केंद्र, इग्नू
'kSf{kd ifj"kn }kjk lg;ksftr ¼tks fo'ofo|ky; ds deZpkjh u gksa½		
38.	प्रो. रजनी ढींगरा (19.04.2016–18.04.2018)	डीन, विज्ञान संकाय और प्रोफेसर (मानव विकास), जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू
39.	प्रो. कुलदीप अग्निहोत्री (19.04.2016–18.04.2018)	कुलपति, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश
40.	प्रो. फुरकान कमर (19.04.2016–18.04.2018)	महासचिव, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली
41.	प्रो. एम. वेंकट बसवेश्वर राव (19.04.2016–18.04.2018)	विशेष अधिकारी और स्पीशीज संकाय, कृष्णा विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश
42.	प्रो. माखन लाल (19.04.2016–18.04.2018)	निदेशक, दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हैरिटेज रिसर्च मैनजमेंट, नई दिल्ली
43.	प्रो. एस.पी. बंसल (19.04.2016–18.04.2018)	कुलपति, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, हरियाणा
44.	प्रो. मोहम्मद मियाँ (19.04.2016–18.04.2018)	पूर्व कुलपति, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद
45.	प्रो. ए.एन. मौर्य (19.04.2016–18.04.2018)	पूर्व डीन, कृषि विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
46.	प्रो. एम.एम. सलुंखे (19.04.2016–18.04.2018)	कुलपति, भारतीय विद्यापीठ मानित विश्वविद्यालय, पुणे
47.	प्रो. रमेश चंद्र (19.04.2016–18.04.2018)	प्रोफेसर (रसायन विज्ञान), रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
Ikzca/k cksMZ }kjk ukfer dqylfpo ¼inu½		
48.	श्री एन.पी. सिंह (12.05.2015–आज तक)	कुलसचिव (प्रभारी), विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू

Ø-l-	lnL;k dk uke	in@ukedu
49.	श्री एस.के. शर्मा (22.04.2015–23.10.2016)	कुलसचिव (प्रभारी), विद्यार्थी पंजीकरण प्रभाग, इग्नू
	डॉ. एस.के. पुलिस्त (24.10.2016–27.11.2016)	कुलसचिव (प्रभारी), विद्यार्थी पंजीकरण प्रभाग, इग्नू
	प्रो. एस. श्रीलता (28.11.2016–आज तक)	कुलसचिव (प्रभारी), विद्यार्थी पंजीकरण प्रभाग, इग्नू
lnL; lfpo ¼inu½		
50.	प्रो. मंजुलिका श्रीवास्तव (17.11.2015–आज तक)	निदेशक (प्रभारी), शैक्षिक समन्वय प्रभाग, इग्नू

* मानव संसाधन विकास मंत्रालय के 18.11.2014 के क्रमांक एफ 10–2/2016–डी.4 के अनुपालन में प्रो. नागेश्वर राव (वरिष्ठतम सम कुलपति) 28.11.2014 से 28.04.2016 तक; और 28.04.2016 से प्रो. रवींद्र कुमार कार्यकारी कुलपति हैं।

** 'आज तक' रिपोर्टाधीन अवधि के अंत अर्थात 31 मार्च 2017 तक का सूचक है।

1-3 ;kstuk cksMZ

Ø-l-	lnL;k dk uke	in@ukekadu
1.	प्रो. एम. असलम* (20.03.2013–28.11.2014 से अवकाश पर) पदेन प्रो. नागेश्वर राव (28.11.2014–28.04.2016) पदेन प्रो. रवींद्र कुमार (28.04.2016–आज तक**) पदेन	कुलपति – अध्यक्ष प्रभारी कुलपति – अध्यक्ष प्रभारी कुलपति – अध्यक्ष
dqyifr }kjk ukfer		
2.	प्रो. बी. एस. सारस्वत (17.07.2015–31.03.2017)	प्रोफेसर, विज्ञान विद्यापीठ, इग्नू
3.	प्रो. स्वराज बसु (17.07.2015–16.07.2018)	प्रोफेसर, सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ, इग्नू
4.	प्रो. के. रविशंकर (17.07.2015–16.07.2018)	प्रोफेसर, प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ, इग्नू
5.	डॉ. सी.के. घोष (17.07.2015–31.08.2016) डॉ. गुलाब झा (06.03.2017–16.07.2018)	क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली–3 क्षेत्रीय केंद्र, द्वारका, नई दिल्ली, इग्नू क्षेत्रीय निदेशक, नोएडा क्षेत्रीय केंद्र, इग्नू
dqy lfpo ¼inu½		
6.	श्री सुधीर बुडाकोटी (11.09.2014–18.10.2016) श्री एस.के. शर्मा (19.10.2016–आज तक)	कुलसचिव (प्रशासन), इग्नू कुलसचिव (प्रभारी), प्रशासन, इग्नू
dqyk/;{k }kjk ukfer		
7.	श्री शशि कुमार (28.04.2014–27.04.2017)	अध्यक्ष, एशियन कॉलेज ऑफ जनर्लिज़्म, चेन्नई
8.	प्रो. संतोष महरोत्रा (28.04.2014–27.04.2017)	प्रोफेसर, सेंटर फॉर इनफॉर्मल सेक्टर एंड लेबर स्टडीज, स्कूल ऑफ साइंसिज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

Ø-l-	lnL;k dk uke	in@ukekdu
9.	प्रो. अनुपमा रॉय (28.04.2014—27.04.2017)	प्रोफेसर, सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज, स्कूल ऑफ सोशल साइंसिज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
Ikc/k ckM }kjk ukfer***		
10.	प्रो. के. श्रीनाथ रेड्डी (21.08.2013—20.08.2016)	अध्यक्ष, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया पी.एच.डी. हाउस, नई दिल्ली
11.	प्रो. जे.बी. जी. तिलक (21.08.2013—20.08.2016)	प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एज्यूकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (एन.यू.ई.पी.ए.), नई दिल्ली
12.	इंजी. मिलिंद कांबले (21.08.2013—20.08.2016)	अध्यक्ष, दलित इंडिया चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डी.आई.सी.सी.आई.), पुणे
13.	प्रो. पंकज चंद्रा (21.08.2013—20.08.2016)	निदेशक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनजमेंट बंगलौर
14.	प्रो. वी.एस. प्रसाद (21.08.2013—20.08.2016)	पूर्व निदेशक, नेशनल असेस्मेंट एंड एक्रीडिटेशन काउंसिल, बंगलौर
lnL; lfpo		
15.	प्रो. टी.यू. फुलझले (16.10.2012—आज तक**)	निदेशक (प्रभारी), योजना एवं विकास प्रभाग, इग्नू

* मानव संसाधन विकास मंत्रालय के 18.11.2014 के क्रमांक एफ 10—2/2016—डी.4 के अनुपालन में प्रो. नागेश्वर राव (वरिष्ठतम सम कुलपति) 28.11.2014 से 28.04.2016 तक; और 28.04.2016 से प्रो. रवींद्र कुमार कार्यकारी कुलपति हैं।

** 'आज तक' रिपोर्टाधीन अवधि के अंत अर्थात 31 मार्च 2017 तक का सूचक है।

*** प्रबंध बोर्ड द्वारा दो वर्षों की अवधि के लिए नामित पाँच सदस्यों की सदस्यता 21.08.2016 से रिक्त हैं।

1-4 foÙk lfefr

Ø-l-	lnL;ksa dk uke	in@ukekadu
1.	प्रो. एम. असलम* (20.03.2013–28.11.2014 से अवकाश पर) पदेन प्रो. नागेश्वर राव (28.11.2014–28.04.2016) पदेन प्रो. रवींद्र कुमार (28.04.2016–आज तक*) पदेन	कुलपति – अध्यक्ष प्रभारी कुलपति – अध्यक्ष प्रभारी कुलपति – अध्यक्ष
dqyk/;{k }kjk ukfer lnL;		
2.	श्री एस.पी. गोयल (21.11.2014–मई 2017)	संयुक्त सचिव (टी.ई.एल.), उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय
3.	सुश्री दर्शना एम. डबराल (06.01.2016–05.01.2019)	संयुक्त सचिव और वित्त सलाहकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय
izca/k cksMZ }kjk ukfer lnL;		
4.	श्री एम.पी. गुप्ता (28.05.2015–30.10.2017)	अपर सचिव (सेवानिवृत्त), भारत सरकार, नई दिल्ली
5.	प्रो. के.एन. त्रिपाठी (28.05.2015–30.10.2017)	पूर्व समकुलपति, इग्नू
dqyifr }kjk ukfer fo|kihB dk funs'kd		
6.	प्रो. पी. श्रीनिवास कुमार (15.10.2014–14.10.2017)	निदेशक, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ, इग्नू
Lkfpo ¼Ikns u½		
7.	श्रीमती विद्या सोनल (02.02.2015–20.10.2016) श्री डी.के. इसरानी (21.10.2016–आज तक**)	वित्त अधिकारी (प्रभारी), इग्नू

* मानव संसाधन विकास मंत्रालय के 28.11.2014 के क्रमांक एफ 10–2/2016–डी.4 के अनुपालन में प्रो. नागेश्वर राव (वरिष्ठतम सम कुलपति) 28.11.2014 से 28.04.2016 तक; और 28.04.2016 से प्रो. रवींद्र कुमार कार्यकारी कुलपति हैं।

** 'आज तक' रिपोर्टाधीन अवधि के अंत अर्थात 31 मार्च 2017 तक का सूचक है।

1-5 vu|l/kku ifj"kn

Ø-l-	lnL;k dk uke	in@ukekadu
1.	प्रो. एम. असलम* (20.03.2013–28.11.2014 से अवकाश पर) पदेन प्रो. नागेश्वर राव (28.11.2014–28.04.2016) पदेन प्रो. रवींद्र कुमार (28.04.2016–आज तक*) पदेन	कुलपति – अध्यक्ष प्रभारी कुलपति – अध्यक्ष प्रभारी कुलपति – अध्यक्ष
d|yifr }kjk ukfer pkj fo'k"kK ¼i|c/k ckMZ l de l de nk½] tk fo'ofo|ky; d de|pkjh u gk		
2.	प्रो. के.एन. त्रिपाठी (24.07.2015–आज तक)	पूर्व समकुलपति, इग्नू
3.	प्रो. वसुधा कामत (22.12.2015–आज तक)	कुलपति, एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय, मुंबई
4.	प्रो. के.एन.एस. यादव (24.07.2015–23.07.2018)	कुलपति, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश
5.	प्रो. पीयूष रंजन अग्रवाल (24.07.2015–23.07.2018)	कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उत्तर प्रदेश
d|yifr }kjk ;ktuk ckMZ vkj 'kf{kd ifj"kn l ukfer ,d&,d ifrfuf/k		
6.	प्रो. टी.यू. फुलझले (24.07.2015–आज तक)	निदेशक (प्रभारी), योजना और विकास प्रभाग, इग्नू
7.	प्रो. दरवेश गोपाल (24.07.2015–30.06.2016) प्रो. स्वराज बसु (25.11.2016–आज तक)	निदेशक, सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ, इग्नू निदेशक, सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ, इग्नू
d|yifr }kjk ukfer nk led|yifr ¼fjDr½		
d|yifr }kjk ukfer rhu fo|kihBk d funs'kd@iHkkxk d v/;{k		
8.	प्रो. एस. श्रीलता (24.07.2015–04.08.2016) प्रो. एम.के. सलूजा (25.11.2016–आज तक)	निदेशक, प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ, इग्नू निदेशक, कृषि विद्यापीठ, इग्नू
9.	प्रो. रवींद्र कुमार (24.07.2015–आज तक)	निदेशक, पर्यटन और आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ

Ø-l-	lnL;k dk uke	in@ukekadu
10.	प्रो. सुनैना कुमार (25.11.2015—30.09.2016) प्रो. पी.के. विश्वास (25.11.2016—आज तक)	निदेशक, मानविकी विद्यापीठ, इग्नू निदेशक, स्ट्राइड, इग्नू
dqyifr }kjk ukfer ikap lnL; ¼rhu v/;kid ¼ftuesa ls nks bXuw ds vkj ,d ckgj ds v/;kid½ gksa vkj nks vU; vdknfed lnL;½		
11.	प्रो. अवधेश कुमार सिंह (24.07.2015—23.07.2018)	अनुवाद अध्ययन और प्रशिक्षण विद्यापीठ, इग्नू
12.	प्रो. हरजीत सिंह (24.07.2015—23.07.2018)	पूर्व डीन, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
13.	श्री के. रविकांत (22.12.2015—14.12.2018)	संयुक्त निदेशक, संचार केंद्र, इग्नू
14.	डॉ. वी. वेणुगोपाल रेड्डी (24.07.2015—23.07.2018)	निदेशक, क्षेत्रीय सेवा प्रभाग, इग्नू
lnL; lfpo ¼Ikknsu½		
15.	प्रो. सत्यकाम (27.01.2016—04.10.2016) प्रो. नारायण प्रसाद (06.10.2016—आज तक)	निदेशक (प्रभारी), अनुसंधान एकक, इग्नू निदेशक (प्रभारी), अनुसंधान एकक, इग्नू

* मानव संसाधन विकास मंत्रालय के 18.11.2016 के क्रमांक एफ 10—2/2016—डी.एल. के अनुपालन में प्रो. नागेश्वर राव (वरिष्ठतम सम कुलपति) 28.11.2016 से 28.04.2016 तक; और 28.04.2016 से प्रो. रवींद्र कुमार कार्यकारी कुलपति हैं।

** 'आज तक' रिपोर्टाधीन अवधि के अंत अर्थात 31 मार्च 2017 तक का सूचक है।

1-6 v/;;u fo|kihBk ds funs'kd

Ø-l-	fo|kihB dk uke	fUkns'kd@v/;{k dk uke
1.	कृषि विद्यापीठ	डॉ. एस.के. यादव (प्रभारी) (25.06.2013–24.06.2016) प्रो. एम.के. सलूजा (25.06.2016–आज तक)
2.	कंप्यूटर और सूचना विज्ञान विद्यापीठ	श्री पी.वी. सुरेश (14.05.2015–आज तक)
3.	सतत शिक्षा विद्यापीठ	प्रो. नीरजा चड्डा (01.01.2015–आज तक)
4.	शिक्षा विद्यापीठ	प्रो. एन.के. दाश (01.08.2013–31.07.2016) प्रो. सरोज पांडेय (01.08.2016–आज तक)
5.	अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ	प्रो. पी. श्रीनिवास कुमार (05.08.2014–आज तक)
6.	विस्तार और विकास अध्ययन विद्यापीठ	डॉ. नेहाल ए. फारूक़ी (25.06.2013–24.06.2016) डॉ. पी.वी.के. शशिधर (25.06.2016–आज तक)
7.	विदेशी भाषा विद्यापीठ	प्रो. अंजू सहगल गुप्ता (प्रभारी) (27.10.2014–आज तक)
8.	जेंडर और विकास अध्ययन विद्यापीठ	प्रो. अनू अनेजा (11.02.2015–आज तक)
9.	स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ	प्रो. पिटी कौल (06.08.2014–आज तक)
10.	मानविकी विद्यापीठ	प्रो. सुनैना कुमार (01.10.2013–30.09.2016) प्रो. सत्यकाम (01.10.2016–आज तक)
11.	अंतर्विद्याश्रयी और बहु–विद्याश्रयी अध्ययन विद्यापीठ	डॉ. बाबू पी. रमेश (01.08.2015–03.08.2016) डॉ. बोइना रूपिणी (04.08.2016–आज तक)
12.	पत्रकारिता और नव–जनसंचार माध्यम अध्ययन विद्यापीठ	प्रो. शंभूनाथ सिंह (25.02.2016–आज तक)

Ø-l-	fo|kihB dk uke	fUkns'kd@v/;{k dk uke
13.	विधि विद्यापीठ	प्रो. के. इल्लूमल्लै (03.05.2013–24.11.2016) प्रो. टी.यू. फुलझले (प्रभारी) (25.11.2016–आज तक)
14.	प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ	प्रो. एस. श्रीलता (05.08.2013–04.08.2016) प्रो. मधु त्यागी (05.08.2016–आज तक)
15.	प्रदर्शनपरक एवं दृश्य कला विद्यापीठ	डॉ. गोविंदराजू भारद्वाज (25.06.2013–24.06.2016) डॉ. सीमा जौहरी (25.06.2016–आज तक)
16.	विज्ञान विद्यापीठ	प्रो. विजयश्री (09.07.2013–30.06.2016) प्रो. एम. एस. नाथावत (01.07.2016–आज तक)
17.	सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	प्रो. दरवेश गोपाल (01.07.2013–30.06.2016) प्रो. स्वराज बसु (01.07.2016–आज तक)
18.	समाज कार्य विद्यापीठ	प्रो. ग्रेशियस थॉमस (प्रभारी) (11.02.2012–24.06.2016) डॉ. रोज़ नेम्बियाकिम (25.06.2016–आज तक)
19.	पर्यटन और आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ	प्रो. रवींद्र कुमार (प्रभारी) (30.04.2015–आज तक)
20.	अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ	डॉ. राजेंद्र प्रसाद पांडेय (02.06.2014–आज तक)
21.	व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ	डॉ. अशोक कुमार गाबा (26.06.2013–24.06.2016) डॉ. आर. एस. पी. सिंह (25.06.2016–आज तक)

fVIi.kh % 'आज तक' रिपोर्टाधीन अवधि के अंत अर्थात 31 मार्च 2017 तक की अवधि का सूचक है।

1-7 iHkkxk@,ddk@dsnzk@lLFkku ds funs'kd@v/;{k

Ø-l-	fo|kihB dk uke	funs'kd dk uke
1.	अंतर्राष्ट्रीय प्रभाग	डॉ. सिलिमा नंदा (प्रभारी) (07.09.2012–आज तक)
2.	पुस्तकालय एवं प्रलेखन प्रभाग	प्रो. जयदीप शर्मा (प्रभारी) (31.12.2013–आज तक)
3.	क्षेत्रीय सेवा प्रभाग	डॉ. वी. वेणुगोपाल रेड्डी (12.05.2015–आज तक)
4.	दूर शिक्षा स्टाफ प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान	प्रो. सी.आर.के. मूर्ति (26.08.2013–25.08.2016) प्रो. पी.के. विश्वास (26.08.2016–आज तक)
5.	योजना एवं विकास प्रभाग	प्रो. टी.यू. फुलझले (प्रभारी) (16.10.2012–आज तक)
6.	संचार केंद्र (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रोडक्शन सेंटर)	श्री रविकांत (प्रभारी) (19.10.2015–08.01.2017) प्रो. कपिल कुमार (प्रभारी) (09.01.2017–आज तक)
7.	अंतर–विश्वविद्यालय कंसोर्टियम	प्रो. गायत्री कंसल (प्रभारी) (03.11.2014–01.08.2016) प्रो. उमा कांजीलाल (प्रभारी) (02.08.2016–आज तक)
8.	राष्ट्रीय दूर शिक्षा नवप्रवर्तन केंद्र	डॉ. ज्योत्सना दीक्षित (प्रभारी) (17.08.2013–03.10.2016) प्रो. मनोज कुलश्रेष्ठ (प्रभारी) (04.10.2016–आज तक)
9.	राष्ट्रीय अक्षमता अध्ययन केंद्र	डॉ. एस. के. प्रसाद (प्रभारी) (25.08.2013–25.04.2016) डॉ. हेमलता (प्रभारी) (26.04.2016–आज तक)
10.	अनुसंधान एकक	प्रो. सत्यकाम (प्रभारी) (27.01..2016–04.10.2016) प्रो. नारायण प्रसाद (प्रभारी) (06.10.2016–आज तक)

11.	शैक्षिक समन्वय प्रभाग	प्रो. मंजुलिका श्रीवास्तव (प्रभारी) (17.11.2015–आज तक)
12.	प्रशासन प्रभाग	श्री सुधीर बुडाकोटी (11.09.2014–19.10.2016) श्री एस.के. शर्मा (प्रभारी) (20.10.2016–आज तक)
13.	निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग	श्री सुधीर रेड्डी (प्रभारी) (14.06.2012–आज तक)
14.	कंप्यूटर प्रभाग	डॉ. ए. मुरली एम. राव (प्रभारी) (31.01.2016–आज तक)
15.	वित्त एवं लेखा प्रभाग	श्रीमती विद्या सोनल (प्रभारी) (02.02.2015–19.10.2016) श्री डी.के. इसरानी (प्रभारी) (20.10.2015–आज तक)
16.	सामग्री निर्माण एवं वितरण प्रभाग	प्रो. प्रदीप साहनी (प्रभारी) (27.04.2015–आज तक)
17.	विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग	श्री एन.पी. सिंह (प्रभारी) (10.06.2015–आज तक)
18.	विद्यार्थी पंजीकरण प्रभाग	श्री एस.के. शर्मा (प्रभारी) (22.04.2015–23.10.2016) डॉ. एस.के. पुलिस्त (प्रभारी) (24.10.2016–27.11.2016) प्रो. श्रीलता (प्रभारी) (28.11.2016–आज तक)
19.	सतर्कता प्रकोष्ठ	प्रो. बी.बी. खन्ना (04.01.2016–13.07.2016) प्रो. बी.आई. फौज़दार (14.07.2016–आज तक)

fVIi.kh % 'आज तक' रिपोर्टाधीन अवधि के अंत अर्थात 31 मार्च 2017 तक की अवधि का सूचक है।

परिशिष्ट-2

foÙk o"k 1 vi y 2017 l 31 ekp 2016 d nkjku bXu }kjk fd, x, le>kSrk&Kkiuk@ lg;kx&Kkiuk@djkjk@lfonkvk dh lph

Ø-l-	bXu d lkFk lfonk@djkj@ le>kSrk-Kkiu@ lg;kx-Kkiu djus okyk lxBu@ lLFkku	gLrk{kj djus dh frfFk	lnHk	Lkcf/kr fo|kihB@ iHkkx@ dnz
1.	दि इंडियन कलिनरी इंस्टीट्यूट सोसाइटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश	05.05.2016	पाकशाला और कैटरिंग कला तथा प्रबंधन के क्षेत्र में स्नातक–पूर्व कार्यक्रम चलाना	पर्यटन और आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ
2.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बंबई, महाराष्ट्र	26.04.2016	भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत नेशनल मिशन ऑन लाइब्रेरीज़ की वित्त सहायता से 'नेशनल वर्च्युल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया' शीर्षक परियोजना को लागू करना।	सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
3.	राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तराखंड सरकार, देहरादून	22.06.2016	डीई.ईएल.ईडी. कार्यक्रम में नामांकन के द्वारा अप्रशिक्षित अध्यापकों को प्रशिक्षण।	शिक्षा विद्यापीठ
4.	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	03.08.2016	आयुर्वेद की प्रैक्टिस करने वालों के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य में ब्रिज कार्यक्रम तैयार करने और चलाने के लिए।	स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ
5.	प्रसार भारती (ब्रॉडकास्टिंग कार्पोरेशन ऑफ इंडिया)	07.10.2016	ज्ञान दर्शन टी.वी. चैनलों के प्रसारण के संबंध में।	संचार केंद्र
6.	हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार	07.08.2016	हथकरघा बुनकरों और उनके बच्चों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग।	विद्यार्थी पंजीकरण प्रभाग
7.	सेंट मेरीज़ यूनिवर्सिटी, अदिस अबाबा, इथोपिया	12.08.2016	इथोपिया में विदेशी अध्ययन केंद्र की स्थापना के लिए।	अंतर्राष्ट्रीय प्रभाग
8.	इंडियन एकेडेमी, बहरीन	12.08.2016	बहरीन में विदेशी अध्ययन केंद्र की स्थापना के लिए।	अंतर्राष्ट्रीय प्रभाग
9.	एज्यूकेशनल कंसल्टिंग एंड गाइडेंस सर्विसिज, रियाद, सउदी अरब	12.08.2016	रियाद में विदेशी अध्ययन केंद्र की स्थापना के लिए।	अंतर्राष्ट्रीय प्रभाग

10.	एज्यूकेशनल कंस्लटिंग एंड गाइडेंस सर्विसिज, जद्दा, सउदी अरब	12.08.2016	जद्दा में विदेशी अध्ययन केंद्र की स्थापना के लिए।	अंतर्राष्ट्रीय प्रभाग
11.	विश्व स्वास्थ्य संगठन	15.11.2016	स्वास्थ्य देखभाल अपशिष्ट प्रबंधन में सर्टिफिकेट (सी.एच.सी.डब्ल्यू.एम.) के संशोधन के लिए।	स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ
12.	हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार	09.11.2016	कारीगरों की आय बढ़ाने, उनके सशक्तीकरण और कल्याण के लिए।	इग्नू
13.	प्रसार भारती (ब्रॉडकास्टिंग कार्पोरेशन ऑफ इंडिया)	09.12.2016	ज्ञानवाणी एफ. एम. शैक्षिक रेडियो चैनल का प्रसारण।	संचार केंद्र
14.	आगस्त्य इंटरनेशनल फाउंडेशन, बंगलौर, कर्नाटक	18.01.2017	'हैंड–ऑन साइंस' शीर्षक परियोजना का शुभारंभ। स्कूली बच्चों के लिए इग्नू में 'हनीवैल साइंस एक्सपेरीमेंट' नामक विज्ञान केंद्र की स्थापना की जाएगी।	विद्यार्थी सहायता केंद्र
15.	एन.एस.ई. एकेडेमी लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र	23.01.2017	प्रतिभूति बाजार से संबंधित विषय–विशेषज्ञों के लिए प्रोफेशनल सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर उपाधियाँ प्रदान करने के लिए।	प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ

परिशिष्ट–3

fo'ofo|ky; }kjk pyk, tk x, 'kf{kd dk;Øe

Ø-l-	dk;Øe dk uke	dk;Øe dksM	vof/k		Ekk/;e	v/;;u fo|kihB
			U;wu-	vf/k-		
1.	कृषि विस्तार में पी-एच.डी.*	पी.एच.डी.ए.जी.ई.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ए.
2.	डेरी विज्ञान और प्रौद्योगिकी में पी-एच.डी.*	पी.एच.डी.डी.आर.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ए.
3.	कंप्यूटर और सूचना विज्ञान में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.सी.आई.एस.सी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.सी.आई.एस.
4.	ग्रामीण विकास में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.आर.डी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.सी.ई.
5.	बाल विकास में पी-एच.डी.*	पी.एच.डी.सी.डी.ई.वी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.सी.ई.
6.	भोजन और पोषण में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.एफ.एन.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.सी.ई.
7.	शिक्षा में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.ई.डी.यू.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ई.
8.	विस्तार और विकास अध्ययन में पी-एच.डी.*	पी.एच.डी.ई.डी.एस.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ई.डी.एस.
9.	सिविल इंजीनियरिंग में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.सी.ई.एन.जी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ई.टी.
10.	मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.एम.ई.सी.ई.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ई.टी.
11.	फ्रांसीसी भाषा में पी–एच. डी.*	पी.एच.डी.एफ.एल.	2 वर्ष	5 वर्ष	फ्रांसीसी	एस.ओ.एफ.एल.
12.	अरबी भाषा में पी-एच.डी.*	पी.एच.डी.ए.एल.	2 वर्ष	5 वर्ष	अरबी	एस.ओ.एफ.एल.
13.	जेंडर और विकास अध्ययन में पी-एच.डी.*	पी.एच.डी.जी.डी.एस.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.जी.डी.एस.
14.	महिला अध्ययन में पी-एच. डी.*	पी.एच.डी.डब्ल्यू.एस.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.जी.डी.एस.
15.	हिंदी में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.एच.आई.एन.	2 वर्ष	5 वर्ष	हिंदी	एस.ओ.एच.
16.	अंग्रेजी में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.ई.एन.जी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.
17.	नर्सिंग में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.एन.यू.आर.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एच.एस.

18.	अंतर्विद्याश्रयी और बहु–विद्याश्रयी में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.आई.टी.एस.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.आई.टी.एस.
19.	पत्रकारिता और जनसंचार में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.जे.एम.सी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.जे.एन.एम.एस.
20.	विधि में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.एल.ए.डब्ल्यू.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एल.
21.	वाणिज्य में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.सी.ओ.एम.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एम.एस.
22.	प्रबंध में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.एम.जी.एम.टी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एम.एस.
23.	ललित कला, रंगमंच कला और संगीत में विशेषीकरण के साथ प्रदर्शनपरक और दृश्य कला में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.पी.एफ.वी.ए. पी.एच.डी.एफ.ए.* पी.एच.डी.टी.एच. पी.एच.डी.पी.एम.यू.*	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.पी.वी.ए.
24.	जैव–रसायनिकी में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.बी.सी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.
25.	रसायन विज्ञान में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.सी.एच.ई.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.
26.	भूगोल में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.जी.जी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.
27.	भूविज्ञान में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.जी.वाई.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.
28.	जीव विज्ञान में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.एल.एस.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.
29.	गणित में पी-एच.डी.*	पी.एच.डी.एम.टी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.
30.	भौतिकी में पी-एच.डी.*	पी.एच.डी.पी.एच.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.
31.	सांख्यिकी में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.एस.टी.ए.टी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.
32.	अर्थशास्त्र में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.ई.सी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
33.	गांधी विचारधारा और शांति अध्ययन में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.जी.डी.एस.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
34.	इतिहास में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.एच.आई.एस.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.

35.	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.एल.आई.एस.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
36.	राजनीति विज्ञान में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.पी.एस.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
37.	मनोविज्ञान में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.पी.सी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
38.	लोक प्रशासन में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.पी.ए.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
39.	समाजशास्त्र में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.एस.ओ.सी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
40.	समाज कार्य में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.एस.डब्ल्यू.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.डब्ल्यू.
41.	अनुवाद अध्ययन में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.टी.टी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.टी.एस.टी.
42.	पर्यटन और आतिथ्य सेवा में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.टी.एस.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.टी.एच.एस.एम.
43.	दूर शिक्षा में पी-एच.डी.	पी.एच.डी.डी.ई.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ई.
44.	व्यावसायिक शिक्षा में पी-एच.डी.*	पी.एच.डी.वी.ई.डी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.वी.ई.टी.
45.	वाणिज्य में एम–फिल.	एम.पी.एच.आई.एल.सी.ओ.एम.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एम.एस.
46.	अर्थशास्त्र में एम–फिल.	एम.पी.एच.आई.एल.ई.सी.	18 माह	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
47.	समाजशास्त्र में एम–फिल.	एम.पी.एच.आई.एल.एस.ओ.	18 माह	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
48.	राजनीति विज्ञान में एम–फिल.	एम.पी.एच.आई.एल.पी.एस.	18 माह	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
49.	लोक प्रशासन में एम–फिल.*	एम.पी.एच.आई.एल.पी.ए.	18 माह	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
50.	गांधी विचारधारा एवं शांति अध्ययन में एम–फिल.*	एम.पी.एच.आई.एल.जी.डी.एस.	18 माह	7 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
51.	समाज कार्य में एम–फिल.	एम.पी.एच.आई.एल.एस.डब्ल्यू.	18 माह	18 माह	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.डब्ल्यू.
52.	अनुवाद अध्ययन में एम–फिल.	एम.पी.एच.आई.एल.टी.टी.	18 माह	30 माह	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.टी.एस.टी.

53.	दूर शिक्षा में एम–फिल.	एम.पी.एच.आई.एल. डी.ई.	18 माह	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ई.
54.	रंगमंच कला में एम–फिल.*	एम.पी.एच.आई.एल. टी.एच.	19 माह	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.पी.वी.ए.
55.	कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातकोत्तर	एम.सी.ए.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.सी.आई.एस.
56.	एम.एस-सी. (आहार विज्ञान और खाद्य सेवा प्रबंध)	एम.एस.सी.डी.एफ. एस.एम.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.सी.ई.
57.	एम.ए. (ग्रामीण विकास)	एम.ए.आर.डी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.सी.ई.
58.	एम.कॉम.	एम.सी.ओ.एम.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एम.एस.
59.	एम.ए. (पर्यटन प्रबंध)	एम.टी.एम.	2 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.टी.एच.एस. एस.एम.
60.	एम.ए. (अंग्रेजी)	एम.ई.जी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.
61.	एम.ए. (हिंदी)	एम.एच.डी.	2 वर्ष	5 वर्ष	हिंदी	एस.ओ.एच.
62.	एम.ए. (समाज कार्य)	एम.एस.डब्ल्यू.	2	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.डब्ल्यू.
63.	एम.ए. (समाज कार्य) (परामर्श)	एम.एस.डब्ल्यू.सी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.डब्ल्यू.
64.	एम.ए. (दर्शनशास्त्र)	एम.ए.पी.वाई.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.आई.टी.एस.
65.	एम.ए. (गांधी विचारधारा एवं शांति अध्ययन)	एम.जी.पी.एस.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
66.	एम.ए. (शिक्षा)	एम.ए.ई.डी.यू.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.
67.	एम.ए. (अर्थशास्त्र)	एम.ई.सी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
68.	एम.ए. (इतिहास)	एम.ए.एच.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
69.	एम.ए. (राजनीति विज्ञान)	एम.पी.एस.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
70.	एम.ए. (लोक प्रशासन)	एम.पी.ए.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
71.	एम.ए. (समाजशास्त्र)	एम.एस.ओ.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
72.	एम.ए. (मनोविज्ञान)	एम.ए.पी.सी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.एस.

73.	परामर्श और परिवार चिकित्सा में एम.एस-सी.	एम.एस.सी.सी.एफ.टी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.सी.ई.
74.	एम.ए. (विस्तार और विकास अध्ययन)	एम.ए.ई.डी.एस.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.डी.एस.
75.	एम.ए. (प्रौढ़ शिक्षा)	एम.ए.ए.ई.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.डी.एस.
76.	एम.ए. (जेंडर और विकास अध्ययन)	एम.ए.जी.डी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.जी.डी.एस.
77.	एम.ए. (दूर शिक्षा)	एम.ए.डी.ई.	2 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.
78.	एम.ए. (नृविज्ञान)	एम.ए.ए.एन.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.एस.
79.	कंप्यूटर विज्ञान में अनुप्रयोग सहित गणित में एम.एस-सी.	एम.एस.सी.एम.ए.सी.एस.	2 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.
80.	एम.ए. (महिला और जेंडर अध्ययन)	एम.ए.डब्ल्यू.जी.एस.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.जी.डी.एस.
81.	एम.ए. (पुस्तकालय और सूचना विज्ञान)	एम.एल.आई.एस.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.एस.
82.	एम.ए. (शिक्षा)*	एम.ईडी.	2 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.
83.	व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर	एम.पी.	2½ वर्ष	8 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एम.एस.
84.	एम.कॉम. (वित्त और कराधान)	एम.सी.ओ.एम.एफ.टी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एम.एस.
85.	एम.कॉम. (व्यवसाय नीति और कॉर्पोरेट गवर्नेंस)	एम.सी.ओ.एम.बी.पी.सी.जी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एम.एस.
86.	एम.कॉम. (प्रबंध लेखाकरण और वित्तीय कार्यनीतियाँ)	एम.सी.ओ.एम.एम.ए.एफ.एस.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एम.एस.
87.	व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (बैंकिंग और वित्त)	एम.पी.बी.	2½ वर्ष	8 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एम.एस.
88.	एम.एस-सी. (आतिथ्य प्रशासन)	एम.एच.ए.	2 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.टी.एच.एस.एस.
89.	एम.ए. (अनुवाद अध्ययन)	एम.ए.टी.एस.	2 वर्ष	5 वर्ष	हिंदी	एस.ओ.टी.एस.टी.
90.	बी.ए. (पर्यटन अध्ययन)	बी.टी.एस.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.टी.एच.एस.एस.एम.
91.	कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक	बी.सी.ए.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.सी.आई.एस.
92.	कला स्नातक	बी.ए.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.

93.	वाणिज्य स्नातक	बी.सी.ओ.एम.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एम.एस.
94.	विज्ञान स्नातक	बी.एस.सी.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.
95.	समाज कार्य में स्नातक	बी.एस.डब्ल्यू.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.डब्ल्यू.
96.	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में स्नातक	बी.एल.आई.एस.	3 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
97.	बी.एस-सी. (आतिथ्य और होटल प्रशासन)	बी.एच.एम.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.टी.एच.एस.एस.एम.
98.	शिक्षा स्नातक	बी.ईडी.	2 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ई.
99.	बी.एस-सी. नर्सिंग (पोस्ट बेसिक)	बी.एस.सी.एन.	3 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.एस.
100.	लेखाविधि और वित्त में मेजर के साथ बी.कॉम.	बी.सी.ओ.एम.ए.एफ.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एम.एस.
101.	कॉर्पोरेट मामले और प्रशासन में मेजर के साथ बी.कॉम.	बी.सी.ओ.एम.सी.ए.ए.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एम.एस.
102.	वित्तीय और लागत लेखांकन में मेजर के साथ बी.कॉम.	बी.सी.ओ.एम.एफ. सी.ए.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एम.एस.
103.	स्नातक प्रारंभिक कार्यक्रम	बी.पी.पी.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी, हिंदी, उड़िया, तमिल, बांग्ला, तेलुगु, मलयालम, गुजराती और मराठी	एस.ओ.एस.एस.
104.	पुस्तकालय स्वचालन और नेटवर्किंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.एल.ए.एन.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.एस.
105.	आपदा प्रबंध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.डी.एम.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
106.	ग्रामीण विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.आर.डी.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.सी.ई.
107.	अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.टी.	1 वर्ष	4 वर्ष	हिंदी	एस.ओ.टी.एस.टी.

108.	अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.आई.बी.ओ.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एम.एस.
109.	पर्यावरण और सतत विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.ई.एस.डी.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.
110.	वैश्लेषिक रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.ए.सी.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.
111.	पत्रकारिता और जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.जे.एम.सी.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.जे.एन.एम.एस.
112.	श्रव्य कार्यक्रम निर्माण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.ए.पी.पी.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.जे.एन.एम.एस.
113.	शैक्षिक प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.ई.टी.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.
114.	विद्यालय नेतृत्व और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.एस.एल.एम.	1 वर्ष	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ई.
115.	शैक्षिक प्रबंधन और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.ई.एम.ए.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.
116.	उच्च शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.एच.ई.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.
117.	जनजातियों में समाज कार्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा*	पी.जी.डी.एस.डब्ल्यू.टी.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.डब्ल्यू.
118.	औषधि बिक्री प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.पी.एस.एम.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.वी.ई.टी.
119.	माता और शिशु स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.एम.सी.एच.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.एस.
120.	बौद्धिक संपदा अधिकार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.आई.पी.आर.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एल.
121.	दंड–न्याय में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.सी.जे.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एल.
122.	विस्तार और विकास अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.ई.डी.एस.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.डी.एस.
123.	प्रौढ़ शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.ए.ई.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.
124.	लोकतत्व और संस्कृति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.एफ.सी.एस.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.आई.टी.एस.
125.	गांधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.जी.पी.एस.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.

126.	महिला और विकास अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.डब्ल्यू.जी.एस.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.जी.डी.एस.
127.	परामर्श और परिवार चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.सी.एफ.टी.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.सी.ई.
128.	अस्पताल और स्वास्थ्य प्रबंध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.एच.एच.एम.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.एस.
129.	जरा–चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.जी.एम.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.एस.
130.	एच.आई.वी. चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.एच.आई.वी.एम.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.एस.
131.	बागान प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.पी.एम.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ए.
132.	पुस्तक प्रकाशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.बी.पी.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.
133.	पूर्व–प्राथमिक शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.पी.पी.ई.डी.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.
134.	सूचना सुरक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.आई.एस.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.वी.ई.टी.
135.	खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता प्रबंध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.एफ.एस.क्यू.एम.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ए.
136.	हृदयरोग चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा*	पी.जी.डी.सी.सी.	2 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.एस.
137.	प्रबंध में अध्यापन और अनुसंधान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा*	पी.जी.डी.टी.आर.एम.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एम.एस., आर.सी. कोच्चि
138.	शहरी नियोजन और विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.यू.पी.डी.एल.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.डी.एस.
139.	अनुप्रयुक्त सांख्यिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.ए.एस.टी.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.
140.	सततता विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.एस.एस.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.आई.टी.एस.
141.	मानसिक स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.एम.एच.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.एस.
142.	समाज कार्य परामर्श में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.सी.ओ.यू.एन.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.डब्ल्यू.

143.	प्रारंभिक बाल्यावस्था और देखभाल में डिप्लोमा	डी.ई.सी.ई.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी, हिंदी और तमिल	एस.ओ.सी.ई.
144.	पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा में डिप्लोमा	डी.एन.एच.ई.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.सी.ई.
145.	पर्यटन अध्ययन में डिप्लोमा	डी.टी.एस.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.टी.एच.एस. एस.एम.
146.	जल–कृषि में डिप्लोमा	डी.ए.क्यू.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.
147.	अंग्रेजी में सृजनात्मक लेखन में डिप्लोमा	डी.सी.ई.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.
148.	उर्दू में डिप्लोमा	डी.यू.एल.	1 वर्ष	3 वर्ष	उर्दू	एस.ओ.एच.
149.	एच.आई.वी. और परिवार शिक्षा में डिप्लोमा	डी.ए.एफ.ई.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.डब्ल्यू.
150.	महिला सशक्तीकरण और विकास में डिप्लोमा	डी.डब्ल्यू.ई.डी.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.जी.डी.एस.
151.	बी.पी.ओ. वित्त और लेखाकरण में डिप्लोमा	डी.बी.पी.ओ.एफ.ए.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.वी.ई.टी.
152.	परा–लीगल प्रैक्टिस में डिप्लोमा	डी.आई.पी.पी.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एल.
153.	फलों और सब्जियों से मूल्य संवर्धित उत्पादों के उत्पादन में डिप्लोमा	डी.वी.ए.पी.एफ.वी.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ए.
154.	अनाजों, दलहल और तिलहन से मूल्य–संवर्धित उत्पादों के उत्पादन में डिप्लोमा	डी.पी.वी.सी.पी.ओ.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ए.
155.	मांस प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा	डी.एम.टी.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ए.
156.	डेरी प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा	डी.डी.टी.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ए.
157.	वाटरशेड प्रबंधन में डिप्लोमा	डी.डब्ल्यू.एम.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ए.
158.	मछली उत्पाद प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा	डी.एफ.पी.टी.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ए.
159.	नर्सिंग प्रशासन में डिप्लोमा	डी.एन.ए.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.एस.
160.	पंचायत स्तरीय प्रशासन और विकास में डिप्लोमा	डी.पी.एल.ए.डी.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.सी.ई.

161.	क्रिटिकल देखभाल नर्सिंग में डिप्लोमा	डी.सी.सी.एन.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.एस.
162.	प्राथमिक शिक्षा में डिप्लोमा	डी.ई.एल.ई.डी.	2 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी, हिंदी, असमिया, बांग्ला, खासी, गारो	एस.ओ.ई.
163.	पाककला में डिप्लोमा	डी.सी.ए.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.टी.एच.एस.एम.
164.	जर्मन भाषा अध्यापन में डिप्लोमा	डी.टी.जी.	1 वर्ष	4 वर्ष	जर्मन	एस.ओ.एफ.एल.
165.	बिजली वितरण प्रबंधन में उच्च सर्टिफिकेट	ए.सी.पी.डी.एम.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.टी.
166.	सूचना सुरक्षा में उच्च सर्टिफिकेट	ए.सी.आई.एस.ई.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.वी.ई.टी.
167.	बांग्ला–हिंदी अनुवाद में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट	पी.जी.सी.बी.एच.टी.	6 माह	2 वर्ष	हिंदी	एस.ओ.टी.एस.टी.
168.	मलयालम–हिंदी अनुवाद में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट	पी.जी.सी.एम.एच.टी.	6 माह	2 वर्ष	हिंदी	एस.ओ.टी.एस.टी.
169.	विस्तार और विकास अध्ययन में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट	पी.जी.सी.ई.डी.एस.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.डी.एस.
170.	प्रौढ़ शिक्षा में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट	पी.जी.सी.ए.ई.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.
171.	साइबर विधि में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट	पी.जी.सी.सी.एल.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एल.
172.	पेटेंट व्यवहार में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट	पी.जी.सी.पी.पी.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एल.
173.	गांधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट	पी.जी.सी.जी.पी.एस.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
174.	कृषि नीति में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट	पी.जी.सी.ए.पी	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ए.
175.	दृष्टि–बाधितों के अनुदेशकों के लिए सूचना और सहायक प्रौद्योगिकियों में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट	पी.जी.सी.आई.ए.टी.आई.वी.आई.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.
176.	जियोइनफॉर्मेटिक्स में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट	पी.जी.सी.जी.आई.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.

177.	डायलिसिस चिकित्सा में पोस्ट–डॉक्टोरल सर्टिफिकेट*	पी.डी.सी.डी.एम.	1 वर्ष	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.एस.
178.	देशज कला व्यवहार में सर्टिफिकेट	सी.आई.ए.पी.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी / हिंदी / अन्य	एस.ओ.पी.वी.ए.
179.	दृश्य कला में सर्टिफिकेट – पेंटिंग	सी.वी.ए.पी.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.पी.वी.ए.
180.	दृश्य कला में सर्टिफिकेट – अनुप्रयुक्त कला	सी.वी.ए.ए.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.पी.वी.ए.
181.	प्रदर्शनपरक कला में सर्टिफिकेट – रंगमंच कला	सी.पी.ए.टी.एच.ए.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.पी.वी.ए.
182.	प्रदर्शनपरक कला में सर्टिफिकेट – हिंदुस्तानी संगीत	सी.पी.ए.एच.एम.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.पी.वी.ए.
183.	प्रदर्शनपरक कला में सर्टिफिकेट – कर्नाटक संगीत	सी.पी.ए.के.एम.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.पी.वी.ए.
184.	प्रदर्शनपरक कला में सर्टिफिकेट – भरतनाट्यम	सी.पी.ए.बी.एन.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.पी.वी.ए.
185.	अरबी भाषा में सर्टिफिकेट	सी.ए.एल.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी / अरबी	एस.ओ.एफ.एल.
186.	आपदा प्रबंध में सर्टिफिकेट	सी.डी.एम.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
187.	पर्यावरण अध्ययन में सर्टिफिकेट	सी.ई.एस.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
188.	अंग्रेजी अध्यापन में सर्टिफिकेट	सी.टी.ई.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.
189.	प्रयोजनमूलक अंग्रेजी (बेसिक लेवल) में सर्टिफिकेट	सी.एफ.ई.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.
190.	उर्दू भाषा में सर्टिफिकेट	सी.यू.एल.	6 माह	2 वर्ष	द्विभाषिक हिंदी / उर्दू	एस.ओ.एच.
191.	एच.आई.वी. और परिवार शिक्षा में सर्टिफिकेट	सी.ए.एफ.ई.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.डब्ल्यू.
192.	समाज कार्य और आपराधिक न्याय प्रणाली में सर्टिफिकेट	सी.एस.डब्ल्यू.सी.जे.एस.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.डब्ल्यू.
193.	स्वास्थ्य देखभाल आपदा प्रबंधन में सर्टिफिकेट	सी.एच.सी.डब्ल्यू.एम.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एच.एस.

194.	नवजात शिशु स्वास्थ्य नर्सिंग में सर्टिफिकेट	सी.एन.आई.एन.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.एस.
195.	माता एवं शिशु स्वास्थ्य नर्सिंग में सर्टिफिकेट	सी.एम.सी.एच.एन.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.एस.
196.	गृह–आधारित स्वास्थ्य देखभाल में सर्टिफिकेट	सी.एच.बी.एच.सी.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिन्दी	एस.ओ.एच.एस.
197.	कम्युनिटी रेडियो में सर्टिफिकेट	सी.सी.आर.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.जे.एन.एम.एस.
198.	पर्यटन अध्ययन में सर्टिफिकेट	सी.टी.एस.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.टी.एच.एस.एम.
199.	भोजन और पोषण में सर्टिफिकेट	सी.एफ.एन.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी, हिंदी, असमिया, गुजराती, कन्नड, मलयालम, मराठी, पंजाबी, तमिल और उड़िया	एस.ओ.सी.ई.
200.	पोषण और बाल देखभाल में सर्टिफिकेट	सी.एन.सी.सी.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.सी.ई.
201.	ग्रामीण विकास में सर्टिफिकेट	सी.आर.डी.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.सी.ई.
202.	जैविक कृषि में सर्टिफिकेट	सी.ओ.एफ.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ए.
203.	मानव अधिकार में सर्टिफिकेट	सी.एच.आर.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एल.
204.	उपभोक्ता संरक्षण में सर्टिफिकेट	सी.सी.पी.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एल.
205.	सहकारिता, सहकारी विधि एवं व्यावसायिक विधि में सर्टिफिकेट	सी.सी.एल.बी.एल.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एल.
206.	मानव–तस्करी निवारण में सर्टिफिकेट	सी.ए.एच.टी.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एल.
207.	अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी विधि में सर्टिफिकेट	सी.आई.एच.एल.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एल.

208.	सूचना प्रौद्योगिकी में सर्टिफिकेट	सी.आई.टी.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.सी.आई.एस.
209.	मार्गदर्शन में सर्टिफिकेट	सी.आई.जी.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ई.
210.	व्यवसाय कौशल में सर्टिफिकेट	सी.बी.एस.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एम.एस.
211.	रेशम–उत्पादन में सर्टिफिकेट	सी.आई.एस.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ए.
212.	प्रयोगशाला तकनीकों में सर्टिफिकेट	सी.पी.एल.टी.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.
213.	प्राथमिक विद्यालय गणित अध्यापन में सर्टिफिकेट	सी.टी.पी.एम.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.
214.	संचार और सूचना प्रौद्योगिकी कौशल में सर्टिफिकेट	सी.सी.आई.टी.एस.के.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.वी.ई.टी.
215.	मूल्य शिक्षा में सर्टिफिकेट	सी.पी.वी.ई.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.डी.एस.
216.	जल संचयन और प्रबंधन में सर्टिफिकेट	सी.डब्ल्यू.एच.एम.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ए.
217.	मुर्गीपालन में सर्टिफिकेट	सी.पी.एफ.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी/ हिंदी/ मिजो	एस.ओ.ए.
218.	मधुमक्खी पालन में सर्टिफिकेट	सी.आई.बी.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ए.
219.	एन.जी.ओ. प्रबंधन में सर्टिफिकेट	सी.एन.एम.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एम.एस.
220.	ऊर्जा प्रौद्योगिकी और प्रबंधन में सर्टिफिकेट	सी.ई.टी.एम.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.टी.
221.	प्रारंभिक अध्यापक शिक्षा में सर्टिफिकेट	सी.ई.टी.ई.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.
222.	बिजली वितरण में सक्षमता में सर्टिफिकेट	सी.सी.पी.डी.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ई.टी.
223.	ग्रामीण डेरी किसानों के लिए डेरी फार्मिंग में जागरूकता कार्यक्रम	ए.पी.डी.एफ.	2 माह	–	हिंदी	एस.ओ.ए.
224.	फलों और सब्जियों से मूल्य–संवर्धित उत्पाद में जागरूकता कार्यक्रम	ए.पी.वी.पी.एफ.वी.	1-½ माह		अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ए.
225.	कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम	सी.एल.पी.	1 माह	–	अंग्रेजी	आर.एस.डी.

226.	आलू की खेती संबंधी एकीकृत कीट प्रबंधन प्रौद्योगिकी में सर्टिफिकेट कार्यक्रम	सी.आई.पी.एम.टी.	3 माह	–	बांग्ला और अंग्रेजी	एस.ओ.ए.
227.	पान की खेती करने वाले किसानों के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम	टी.पी.बी.वी.	2 सप्ताह	–	बांग्ला और अंग्रेजी	एस.ओ.ए.
228.	पर्यावरण संबंधी एप्रीसिएशन पाठ्यक्रम	ए.सी.ई.	3 माह	–	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.
229.	मोटरसाइकिल सर्विस और रिपेयर में सर्टिफिकेट	सी.एम.एस.आर.	2 माह	–	अंग्रेजी, हिंदी, बांग्ला, तमिल और मलयालम	एस.ओ.ई.टी.
230.	जैव–नीतिशास्त्र (बायो–एथिक्स) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.बी.ई.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.एस.
231.	प्राथमिक अध्यापकों के व्यावसायिक विकास के लिए सर्टिफिकेट	सी.पी.पी.डी.पी.टी.	6 माह	18 माह	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.
232.	फ्रांसीसी भाषा में सर्टिफिकेट	सी.एफ.एल.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी, हिंदी और फ्रांसीसी	एस.ओ.एफ.एल.
233.	रूसी भाषा में सर्टिफिकेट	सी.आर.यू.एल.	6 माह	2 वर्ष	रूसी और अंग्रेजी	एस.ओ.एफ.एल.
234.	नर्सों के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य में (सर्टिफिकेट) ब्रिज कार्यक्रम	बी.पी.सी.सी.एच.एम.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.एस.
235.	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में सर्टिफिकेट	सी.एल.आई.एस.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.एस.
236.	जनसंख्या और सतत विकास में एप्रीसिएशन पाठ्यक्रम	ए.सी.पी.एस.डी.	3 माह	1 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.आई.टी.एस.

** रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान इन शैक्षिक कार्यक्रमों और पी-एच.डी. तथा एम.फिल. कार्यक्रमों में प्रवेश नहीं दिया गया।*

परिशिष्ट–4

rkfydk 2 % 31 ekpZ 2017 dks {ks=h; dsUnzokj fo|kFkhZ lgk;rk uVodZ

Ø- la-	{ks=h; dsUnz dk LFkku	fu;fer v/;;u dsUnz	dk;ZØe v/;;u dsUnz	fo'ks"k v/;;u dsUnz	efgykvksa ds fy, fu;fer v/;;u dsUnz	mÙkj fcgkj ifr : Ik v/;;u dsUnz	ekU;rk ikIr v/;;u dsUnz	mi& v/;;u dsUnz	dqy v/;;u dsUnz
1.	अगरतला	8	35	1					44
2.	अहमदाबाद	19	13	12					44
3.	आईज़ौल	13	17	12					42
4.	अलीगढ़	8	1	4					13
5.	बंगलौर	15	56	1					72
6.	भोपाल	11	47	15		1			74
7.	भुवनेश्वर	36	27	15		3			81
8.	बीजापुर	8	17	4					29
9.	चंडीगढ़	7	18	5					30
10.	चेन्नई	14	81	5			1		101
11.	कोच्चि	14	16	7					37
12.	दरभंगा	10	20	1					31
13.	देहरादून	17	33	3					53
14.	देहरी–ऑन–सोन	4	6						10
15.	दिल्ली 1	21	38	9					68
16.	दिल्ली 2	15	17	8	1				41
17.	दिल्ली 3	17	29	4			1	8	59
18.	देवघर	11	8	9	1		1		30
19.	गंगटोक	6	7	2					15
20.	गुवाहाटी	15	125	3					143
21.	हैदराबाद	10	30	1					41
22.	इम्फाल	15	62	2					79
23.	ईटानगर	8	54						62
24.	जबलपुर	7	14	48					69

Ø- l-	{ks=h; dsUnz dk LFkku	fu;fer v/;;u dsUnz	dk;Øe v/;;u dsUnz	fo'ks"k v/;;u dsUnz	efgykvksa ds fy, fu;fer v/;;u dsUnz	mÙkj fcgkj ifr : Ik v/;;u dsUnz	ekU;rk iklr v/;;u dsUnz	mi& v/;;u dsUnz	dqy v/;;u dsUnz
25.	जयपुर	24	17	14					55
26.	जम्मू	21	15	25					61
27.	जोधपुर	11	12	4					27
28.	जोरहाट	11	13	3					27
29.	करनाल	11	17	12					40
30.	खन्ना	9	25	8					42
31.	कोहिमा	15	10	5					30
32.	कोलकाता	24	47	18					89
33.	कोरापुट	8	5	25					38
34.	लखनऊ	40	40	21	2		1		104
35.	मदुरै	19	80	9					108
36.	मुंबई	8	23	3			2		36
37.	नागपुर	8	30	3					41
38.	नोएडा	31	39	15	1		1		87
39.	पणजी	7	4	2					13
40.	पटना	14	26	6					46
41.	पोर्टब्लेयर	2	3	6					11
42.	पुणे	17	23	4					44
43.	रघुनाथ गंज	5	2	4					11
44.	रायपुर	13	140	13					166
45.	राजकोट	7	8	15					30
46.	राँची	24	26	7	1		1		59
47.	सहरसा	11	11	3					25
48.	शिलांग	15	37	13		2			67
49.	शिमला	27	19	7			1		54
50.	सिलीगुड़ी	12	7	11					30
51.	श्रीनगर	20	19	6	1				46

Ø- l-	{k=h; dsn dk LFkku	fu;fer v/;;u dsn	dk;Øe v/;;u dsn	fo'k"k v/;;u dsn	efgykvksa ds fy, fu;fer v/;;u dsn	mÙkj fcgkj ifr:Ik v/;;u dsn	ekU;rk iklr v/;;u dsn	mi& v/;;u dsn	dqy v/;;u dsn
52.	तिरुवनंतपुरम	12	32	6	1				51
53.	वाराणसी	31	15	5			2		53
54.	वडाकरा	11	12	4					27
55.	विजयवाड़ा	20	26						46
56.	विशाखापतनम	11	16	5					32
	dqy	**808**	**1570**	**453**	**8**	**6**	**11**	**8**	**2864**

31 ekpZ 2017 dks bXuw&Fky lsuk f'k{kk ifj;kstuk ¼vkbZ-,-bZ-ih-½] bXuw&ukSlsuk f'k{kk ifj;kstuk ¼vkbZ-,u-bZ-ih-½ vkSj bXuw&vle jkbQYl f'k{kk ifj;kstuk ¼vkbZ-,-vkj-bZ-ih-½ ds varxZr fo|kFkhZ lgk;rk dsUnz

Øe la[;k	ekU;rk iklr {ks=h; dsUnz dk LFkku	ekU;rk iklr {ks=h; dsUnz dk idkj	dqy
1.	आई.ए.ई.पी. – चंडीमंदिर	इग्नू–थलसेना शिक्षा परियोजना	8
2.	आई.ए.ई.पी. – जयपुर	इग्नू–थलसेना शिक्षा परियोजना	4
3.	आई.ए.ई.पी. – कोलकाता	इग्नू–थलसेना शिक्षा परियोजना	14
4.	आई.ए.ई.पी. – लखनऊ	इग्नू–थलसेना शिक्षा परियोजना	5
5.	आई.ए.ई.पी. – पुणे	इग्नू–थलसेना शिक्षा परियोजना	8
6.	आई.ए.ई.पी. – उधमपुर	इग्नू–थलसेना शिक्षा परियोजना	10
7.	आई.एन.ई.पी. – कोच्चि	इग्नू–नौसेना शिक्षा परियोजना	2
8.	आई.ए.ई.पी. – मुंबई	इग्नू–नौसेना शिक्षा परियोजना	1
9.	आई.ए.ई.पी. – नई दिल्ली	इग्नू–नौसेना शिक्षा परियोजना	1
10.	आई.ए.ई.पी. – विशाखापतनम	इग्नू–नौसेना शिक्षा परियोजना	1
11.	आई.ए.आर.ई.पी. – शिलांग	इग्नू–असम राइफल्स शिक्षा परियोजना	30
dqy			84

fo|kFkhZ lgk;rk dsUnzksa dh dqy la[;k % 2864 + 84 = 2948

परिशिष्ट-5

Ckkgjh foÙk&iksf"kr Ikfj;kstukvksa dk fooj.k

ukMy fo|kihB@,dd	vuqla/kku Ikfj;kstukvksa dk 'kh"kZd	foÙk&iks"k.k djus okyh ,tsalh
Ñf"k fo|kihB	• IGNOU-APEDA Development of Agricultural Exports Related Educational Programmes	एग्रीकल्चरल एंड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट्स डेवलपमेंट एथोरिटी (एपीडा), वाणिज्य मंत्रालय
	• Capacity Building Diploma Training Programme Under Common Guidelines 2008 For Watershed Development Projects	भू–संसाधन विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय
	• Development of Training Module on Food Safety and Hygiene for Housewives	फूड सेफ्टी एंड स्टेंडर्ड्स एथोरिटी ऑफ इंडिया (एफ.एस.एस.ए.आई.), भारत सरकार
	• Human Resource Development in Sericulture and Ancillary disciplines	केंद्रीय रेशम बोर्ड (सी.एस.बी.), वस्त्र मंत्रालय
	• Capacity Building in Horticulture	कृषि मंत्रालय
vrfo|kJ;h vkSj cgq&fo|kJ;h v/;;u fo|kihB	• Functionalized Nano antimalarials: Design Synthesis and Structural aspects of novel aspartic protease Plasmepsin I and Plasmepsin II	भारत–पुर्तगाल द्विपक्षीय अनुसंधान सहयोग परियोजना, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
	• Asymmetric Reductive animation of carbonyl compounds in Chiral ionic liquids	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.)
	• Functionalized Nano antimalarials: Design Synthesis and Structural characterization of Novel Metal Complexes as Inhibitors of Plasmepsin I and Plasmepsin II	भारत–पुर्तगाल द्विपक्षीय अनुसंधान सहयोग परियोजना, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
	• Search for proficient antimalarials agents: Design Synthesis and Structural characterization of small molecule inhibitors of malarial aspartic proteases, Plasmepsin I and Plasmepsin II	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग–विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (डी.एस.टी–एस.ई.आर.बी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
foKku fo|kihB	• Role of Adiponectin and Uncoupling protein in diabetic heart in rats: Molecular and Stemic Mechanisms	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डी.एस.टी.), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

	• Free Radical Mediated Mechanism of Cardiovascular Dysfunction in chronic Heart Failure : Molecular and Systemic Mechanism	भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आई.सी.एम.आर.)
	• Geochemistry, petrogenesis and Isotopic studies of mafic dykes from Sonbhadra district, Son valley: Implications on Evolution of Sub-continental Lithosphere in Central India	वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी.एस.आई.आर.)
	• Integrated Geospatial Information Technologies for Water Resources Management: A Case study of Thatipudi Watershed, Eastern Ghat Terrain, Andhra Pradesh	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डी.एस.टी.), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
f'k{kk fo|kihB	• State Open Universities (SOUs) in India : An Evaluation	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एस.एस.आर.)
	• Certificiate Programme for Professional Development of Primary Teachers (CPPDPT) for Kendriya Vidyala Teachers	केंद्रीय विद्यालय संगठन (के.वी.एस.)
Lkkekft d foKku fo|kihB	• Multi-National in India: Consumption, Culture and Cooperate Life Style	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.)
	• Assessment of Human Wellbeing: A Multidimensional Approach	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एस.एस.आर.)
	• Prevalence of Obesity and its association with Blood Pressure and Blood Glucose levels	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.)
	• Capacity Building in Disaster Management for Government Officials and Representatives of Panchayat Raj Institutions and Urban Local Bodies at District Level	राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एन.डी.एम.ए.)
	• Politics of Separate States in Uttar Pradesh: Castes, Regions and Development	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.)
	• The Post Liberalization Rural Transformation: A study of Rural Society of Bihar	सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एस.एस.आर.)

	• Seeing the Unseen: A Visual/Photographic Documentation of Manual Scavenging in NCR Region	सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एस.एस.आर.)
	• National Virtual Library of India	संस्कृति मंत्रालय
	• National Coordinator for SWAAYAM and SWAYAM PRABHA	मानव संसाधन विकास मंत्रालय
	• Design and Development of a Certificate programme on Life and Thoughts of B.R. Ambedkar	डॉ. भीमराव अंबेडकर फाउंडेशन, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
Ikc/k v/;;u fo|kihB	• Study of Corporate Governance Practices of India Financial Sector Companies	नेशनल फाउंडेशन फॉर कॉर्पोरेट गवर्नेंस, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय

परिशिष्ट–6

bXu }kjk vk;kftr lEeyu@dk;'kkyk,@iuy ifjppk,@0;k[;ku@lxkf"B;k

fo|kihB@,dd dk uke	fo"k;] LFkku vkj frfFk
fo'ofo|ky; Lrj	• 2 जुलाई 2016 को 'Ram Reddy and Narasimha Rao – Why Leadership Matters' विषय पर गवर्निंग बोर्ड, सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च के सदस्य डॉ. संजय बारू का 21वाँ जी.राम रेड्डी स्मृति व्याख्यान। • 19 नवंबर 2016 को 'Ethics and Values in Governance' विषय पर अल्पसंख्यक मामले मंत्रालय के सेवानिवृत्त सचिव श्री विवेक मेहरोत्रा के व्याख्यान के साथ विश्वविद्यालय के 31वें स्थापना दिवस का आयोजन। • 21 जून 2016 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन। • 31 अक्तूबर–5 नवंबर 2016 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन। • 2 दिसंबर 2016 को 'Rights and status of persons with disabilities in Indian society' विषय पर मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) इयान कार्डोज़ो के व्याख्यान के साथ अंतर्राष्ट्रीय विकलांगजन दिवस का आयोजन। • 14 सितंबर 2017 को 'हिंदी दिवस' का आयोजन। • 19 सितंबर, 2016 को मुक्त विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के सातवें सम्मेलन का आयोजन। • 8 मार्च 2017 को 'Voice from Grassroot' विषय पर पैनल परिचर्चा के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन। • भारतीय शिक्षण मंडल के सहयोग से 23–25 फरवरी 2017 को भारत बोध पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन।
Lkkekftd foKku fo|kihB	• 16–17 मार्च 2017 को 'Interpreting Culture: Subjectivity, Ideology and Identity' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन। • गोआ इंस्टीट्यूट ऑफ काउंसलिंग, गोआ के निदेशक श्री क्लिफोर्ड डि'सिल्वा का 11 जुलाई 2016 को 'Harnessing the Potential of Generation 'Y'' विषय पर सत्र। • दिल्ली की जानी–मानी मनोवैज्ञानिक डॉ. जयंती दत्ता का 7 अक्तूबर 2016 को 'Overcoming Depression: The common cold of modern life' विषय पर वार्ता। • 16–18 नवंबर 2016 को 'Thoughts and Ideology of Bharat Ratna Dr. B.R. Ambedkar: Acceptance, Deviations and Relevance, India 2025' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

	bfnjk xka/kh Lok/khurk laxke v/;;u dsaæ ¼vkbZ-th-lh-,Q-,l-,l½ • 9 अगस्त 2016 को 'Indian Freedom Struggle: Different Voices, Varied Streams but Common Goal' विषय पर संगोष्ठी।
Ik;ZVu vkSj vkfrF; lsok izca/k fo|kihB	• 5–6 अप्रैल 2016 को 'Problems & Prospects of Tourism and Hospitality Studies in India' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। 30 सितंबर 2016 को विश्व पर्यटन दिवस का आयोजन।
vuqokn v/;;u vkSj izf'k{k.k fo|kihB	• 9–10 फरवरी 2017 को 'Gender in Translation: Fidelity Reconstrued' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। • 3–5 मार्च 2017 को 'Beyond Post-Colonial Hermeneutics: Comparative Perspectives' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी। • इग्नू संकाय के लिए 22–23 सितंबर 2016 को 'Translation in ODL: Paradigm and Strategies' विषय पर अनुवाद प्रशिक्षण कार्यशाला। fla/kh v/;;u ihB ds varxZr % • 25–26 अप्रैल 2016 को 'Framing new schemes for promotion of Sindhi language' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला। • 28–29 दिसंबर 2016 को उत्तर प्रदेश के फैज़ाबाद में 'Identities in India with Special Reference to Sindhi Society and Culture' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। • 15–16 फरवरी 2017 को गुजरात के आदिपुर में 'Translating Sindhi Literature into Hindi' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। • 10–11 मार्च 2017 को मुंबई में 'Sindhi Bhakti Literature' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।
tSaMj vkSj fodkl v/;;u fo|kihB	• यू.के. ओपन यूनिवर्सिटी के डॉ. क्लैम हर्मन की 3 मार्च 2017 को 'ODL and Women's careers in IT & STEM' विषय पर वार्ता।
foKku fo|kihB	• 28 फरवरी 2017 को 'Science and Technology for specially abled persons' विषय पर संगोष्ठी के साथ विज्ञान दिवस का आयोजन।
f'k{kk fo|kihB	• 27–29 मार्च 2017 को 'Teacher Education through Open and Distance Learning : Challenges and the Road Ahead' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।
varfoZ|kJ;h vkSj cgq&fo|kJ;h v/;;u fo|kihB	• 12 अप्रैल 2016 को 'Efficacy of Rural Public-Housing Projects: Field-based Insights on Indira Awas Yojana in Uttarakhan Villages' विषय पर इग्नू की अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ की सुश्री श्रुति सैमुअल का व्याख्यान।

	• 26 अप्रैल 2016 को 'Migration and Industrial Work: Thinking Through Key Concepts in Industrial Sociology' विषय पर दिल्ली के अंबेडकर विश्वविद्यालय की एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. सुमंगला दामोदरन का व्याख्यान। • 11 जुलाई 2016 को 'Interdisciplinary Studies' विषय पर हैदराबाद विश्वविद्यालय की सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के प्रोफेसर (नृविज्ञान) और डीन प्रो. कमल के. मिश्रा का व्याख्यान। • 8 अगस्त 2016 को 'Disability, Technology, Value: The Case of Deaf Workers with Disabilities in Indian Multinational Corporations' विषय पर न्यूयॉर्क की स्टोनी ब्रुक यूनिवर्सिटी के डॉ. मिशेले फ्रेडनर का व्याख्यान। • 29 मार्च 2017 को 'Environmental Geochemistry and Health' विषय पर गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, हिसार के पर्यावरण विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. आर. बस्कर का व्याख्यान। • 29 मार्च 2017 को 'Vaccines and Health' विषय पर राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. अमूल्य के. पांडा का व्याख्यान। • 29 मार्च 2017 को 'Disaster Management' विषय पर डॉ. अनिल के. गुप्ता का व्याख्यान। • 22–23 मार्च 2017 को 'Migration and Diasporas: Emerging Diversities and Development Challenges' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।
LokLF; foKku fo|kihB	• विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर 7 अप्रैल 2016 को पी.एस.आर.आई. टीम के सहयोग से स्वास्थ्य वार्ता और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन। • मेदांता के सहयोग से 26 अक्तूबर 2016 को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन।
nwj f'k{kk LVkQ izf'k{k.k vkSj vuqla/kku laLFkku ¼LVªkbM½	• 29 अप्रैल 2016 को 'Development of MOOCs in India' विषय पर कार्यशाला। • 18 जुलाई–10 अगस्त 2016 को एस.ओ.सी.आई.एस. और आर.एस.डी. के सहयोग से इग्नू के अध्यापकों और शैक्षिक सदस्यों के लिए 'ICT in ODL' विषय पर 21–दिवसीय पुनश्चर्या कार्यक्रम। • नव–नियुक्त सहायकों/कनिष्ठ सहायकों–टंककों के बैच–I के लिए 30 जनवरी–1 फरवरी 2017 को कार्यशाला। • नव–नियुक्त सहायकों/कनिष्ठ सहायकों–टंककों के बैच–II के लिए 1–3 मार्च 2017 को कार्यशाला। • 17 मार्च 2017 को 'Open Badges' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।

	• 13–14 अक्तूबर 2016 को यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ अफ्रीका के दो वरिष्ठ संकाय सदस्यों (डॉ. जेनिफर रॉबर्ट्स द्वारा 'Future and Changing Role of Staff in Distance Education: A Study of Identify Training and Continuous Professional Development Needs' विषय पर; और प्रो. इगनेटियस जी.पी. गाउस द्वारा 'Learning Re-Prioritised: Supporting ODeL Students by Developing a Personal Information Management and mastery Systems and Strategies Programme' विषय पर) द्वारा संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण। • 30 नवंबर 2016 को विदेश मंत्रालय की आई.टी.ई.सी / एस.सी.ए.ए.पी. योजना के अंतर्गत सी–डैक, नोएडा के साथ अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों के लिए 'Design, Development and Implementation of E-Learning Courses' विषय पर विशेषीकृत पाठ्यक्रम। • 23 जनवरी 2017 को ब्राज़ील की रियो डी जेनेरियो यूनिवर्सिटी के संकाय सदस्य द्वारा 'Open Education in the Global World' विषय पर संगोष्ठी प्रस्तुती. करण। • 9–11 मार्च 2017 को 'Skill Development through ODeL: Innovations, Entrepreneurship, Employment for Inclusive and Sustainable Livelihoods' विषय पर तीन–दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।

परिशिष्ट–7

'kk/k idk'ku vkj lEeyuk@lxkf"B;k@dk;'kkykvk@idkf'kr xFkk e ;kxnku

d- 'kk/k idk'ku

d-1 idkf'kr xFk

foLrkj vkj fodkl v/;;u fo|kihB

ik- ch-d- iVuk;d

- *Introduction to Development Studies*, सेज, इंडिया, आई.एस.बी.एन : 978–93–515–0820–5 I

tMj vkj fodkl v/;;u fo|kihB

ik- vu vutk

- *Embodying Motherhood: perspectives from Contemporary India*, सेज, इंडिया, आई.एस.बी.एन : 978–93–515–0893–8 I(शुभांगी वैद्य के साथ संयुक्त लेखन)

Lkkekftd foKku fo|kihB

ik- vydk /ketk

- *Public Administration: Approaches and Applications*, पीयर्सन, इंडिया, आई.एस.बी.एन : 978–93–325–5507–5 I (श्वेता मिश्रा के साथ संयुक्त लेखन)

ik- njo'k xkiky

- *Indo-Pacific Emerging Power, Evolving Regions and Global Governance*, आकार बुक्स, नई दिल्ली, 2016 (दलबीर अहलावत के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- lgkl 'krxkodj

- *Textbook of Parametric and Nonparametric Statistics*, सेज, दिल्ली (संयुक्त लेखन)

Ikk- 'kf'kHk"k.k mik/;k;

- *Historiography in the Modern World*, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, आई.एस.बी.एन : 978–019–945970–4 I

Lkekt dk; fo|kihB

Mk- jkt ufEc;kfde

- *Tribal Adolescents and their Public Health Concern, Uppal Publishing House*, उप्पल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, आई.एस.बी.एन : 978–81–7658–090–8 I

;k tuk vkj fodkl iHkkx

Mk- uhye pk/kjh

- *Nurturing Social Equity through Distance Education*, इग्नू, नई दिल्ली, आई.एस.बी.एन : 978–93–86100–72–6। (गिरिजा शंकर के साथ संयुक्त लेखन)
- *Three Decades of Distance Education*, इग्नू, नई दिल्ली, आई.एस.बी.एन : 978–93–86100–71–9। (गिरिजा शंकर के साथ संयुक्त लेखन)

d 2- ifrf"Br 'kk/k&if=dkvk e vkys[k

Ñf"k fo|kihB

Mk- e|d'k dekj

- "Evaluation of Models and Approaches for Effective Rainfall in Irrigated Agriculture-A Review", *जर्नल ऑफ सॉइल एंड वाटर कंज़र्वेशन*, वर्ष 16(1), पृ. 32–36, 2017. (रोहिताश्व कुमार, ज़ीनत फारूक़ और सुष्मिता एम. दाधीच के साथ संयुक्त लेखन)
- "Development of Mathematical Model for Estimation of Wetting Front Advance under Drip Irrigation in Sandy Loam Soil", *जर्नल ऑफ सॉइल एंड वाटर कंज़र्वेशन*, वर्ष 16(1), पृ. 53–58, 2017. (श्रुति रानी तिर्की और अर्पण शेरिंग के साथ संयुक्त लेखन)
- "Evaluation of reference evapotranspiration models using single crop coefficient method and lysimeter data", *इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसिज़*, वर्ष 87(3), पृ. 350–354, 2017. (रोहिताश्व कुमार के साथ संयुक्त लेखन)
- "Efficient design of drip irrigation system using water and fertilizer application uniformity in different operating pressures at semi-arid region of India", *इरीगेशन एंड ड्रेनेज 2017*, जारी करने की तिथि 10.1002/आई.आर.डी. 2108. (रोहिताश्व कुमार, टी.बी.एस. राजपूत और नीलम पटेल के साथ संयुक्त लेखन)
- "Sensor network based irrigation system for real time irrigation scheduling in vegetable crops under different methods of irrigation", *इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसिज*, वर्ष 86(11), पृ. 1433–1437, 2016. (जितेंद्र कुमार, नीलम पटेल और टी.बी.एस. राजपूत के साथ संयुक्त लेखन)
- "Modelling of soil loss using USLE through Remote Sensing and Geographical Information System in micro-watershed of Kashmir valley, India", *जर्नल ऑफ सॉइल एंड वाटर कंज़र्वेशन*, वर्ष 15(1), पृ. 40–45, 2016. (रोहिताश्व कुमार, ए.आई. शाह, एस.ए. भट्ट, एम.ए. वाणी और डी. राम के साथ संयुक्त लेखन)
- "Modelling of soil loss using USLE through Remote Sensing and Geographical Information System in micro-watershed of Kashmir valley, India", *जर्नल ऑफ सॉइल एंड वाटर कंज़र्वेशन*, वर्ष 15(1), पृ. 40–45, 2016. (रोहिताश्व कुमार, ए.आई. शाह, एस.ए. भट्ट, एम.ए. वाणी और डी. राम के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- ih-d- t|u

- "Knowledge mapping on cotton (Gossypium herbaceum L.) production technologies of the farmers of Karimnagar district in Telangana state", *दि जर्नल ऑफ रिसर्च एंग्राऊ (ANGRAU)*, वर्ष 45(1), पृ. 64–70, 2017. (एन. वेंकटेश्वर राव, एन. किशोर कुमार और एम. जगनमोहन रेड्डी के साथ संयुक्त लेखन)

- "Utility of KVKs as Perceived by the Farmers in Improvement of Production and Productivity in North Eastern Region of India", *जर्नल ऑफ एग्रो–इकोलॉजी एंड नेचुरल रिसोर्स मैनजमेंट*, वर्ष 4(2), पृ. 124–127, 2017. (दीपक नाथ, आर. के. तालुकदार और बी. एस. हंसरा के साथ संयुक्त लेखन)

- "Performance of KVKs in North Eastern Region of India under Different Administrative Units", *जर्नल ऑफ कम्युनिटी मोबिलाइज़ेशन एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट*, वर्ष 12(1), पृ. 87–99, जनवरी–जून 2017. (दीपक नाथ, आर.के. तालुकदार और बी.एस. हंसरा के साथ संयुक्त लेखन)

- "Performance of KVKs in North Eastern Region of India", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर साइंसिज़*, आई.एस.एस.एनः 0975–3710 और ई–आई.एस.एस.एनः 0975–9107, वर्ष 9(16), पृ. 4120–4127, 2017. (दीपक नाथ, आर.के. तालुकदार और बी.एस. हंसरा के साथ संयुक्त लेखन)

- "Extent of Utilization of Mass Media Sources by Farmers Field School (FFS) and Non-FFS Farmers of Groundnut", *दि आंध्रा एग्रीकल्चर जर्नल*, वर्ष 64(1), पृ. 213–216, 2017. (एस. श्रीनिवासलु और टी.पी. शास्त्री के साथ संयुक्त लेखन)

- "Adoption of Maize (Zea mays L) Production Technologies in Karimnagar District of Telangana", *जर्नल ऑफ कृषि विज्ञान*, वर्ष 5(2), पृ. 1–4, 2017. (एन.वी. राव, एन. किशोर कुमार और एम. जगनमोहन रेड्डी के साथ संयुक्त लेखन)

- "A Study on Constraints Faced by KVK Scientists of NE Region of India and Suggestion for Improvement", *जर्नल ऑफ कम्युनिटी मोबिलाइज़ेशन एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट*, वर्ष 11 (2), पृ. 169–172, 2016. (दीपक नाथ, आर.के. तालुकदार और बी.एस. हंसरा के साथ संयुक्त लेखन)

- "Economic Dimensions of Enterprises Established Under Agri-Clinics and Agri-Business Centers", *जर्नल ऑफ कम्युनिटी मोबिलाइज़ेशन एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट*, वर्ष 11 (1), पृ. 39–44, 2016. (पी.एस. अर्मोरिकर, बी.एस. हंसरा, एम.जे. गौड़ा और एम.जे. चंद्रे के साथ संयुक्त लेखन)

- "An Analytical Study of Web Support in Distance Education Programmes", *इंडियन जर्नल ऑफ ओपन लर्निंग*, वर्ष 25(3), पृ. 187–203, 2016. (मोहिंद्र कुमार सलूजा और जी. मैथिली के साथ संयुक्त लेखन)

- "Constraints Encountered by the beneficiaries of Krishi Vigyan Kendra in North Eastern Region of India", *जर्नल ऑफ एक्सटेंशन एज्यूकेशन*, वर्ष 28(2), पृ. 5665–5668, 2016. (दीपक नाथ, आर. के. तालुकदार और बी.एस. हंसरा के साथ संयुक्त लेखन)

f'k{kk fo|kihB

ik- ,l-oh-,l- pk/kjh

- "Towards Inclusive Education: A Case Study of IGNOU", *जर्नल ऑफ लर्निंग फॉर डेवलपमेंट,* आई.एस.एस.एन: 2311–1550, वर्ष 3(3), पृ. 43–59, 2016. (पंकज खरे, संजय गुप्ता और सुरेश गर्ग के साथ संयुक्त लेखन)

ik- ljkt ikM;

- "Teacher Education Curriculum Reform: An Analysis of Teacher Education Syllabus of selected universities of Uttar Pradesh", *यूनिवर्सिटी न्यूज़,* 22–28 अगस्त 2016. नई दिल्ली।

ik- ,- feJk

- "Teaching Students with Hearing Impairment at Secondary Level", *जर्नल ऑफ नेशनल कनवेंशन ऑफ एज्यूकेटर्स ऑफ दि डफ,* वर्ष 7(1), पृ. 47–51, मुंबई, 2016.
- "Comparison of Environmental Characteristics between Inclusive and Non-Inclusive Set Ups with reference to DHH Children", *जर्नल ऑफ नेशनल कनवेंशन ऑफ एज्यूकेटर्स ऑफ दि डफ,* वर्ष 8(1), पृ. 27–32, मुंबई, 2017. (ए. उपाध्याय के साथ संयुक्त लेखन)
- "Professional Collaboration of Teachers and Teach Language Pathologies for promoting inclusive practices", *जर्नल ऑफ नेशनल कनवेंशन ऑफ एज्यूकेटर्स ऑफ दि डफ,* वर्ष 8(1), पृ. 12–18, मुंबई, 2017. (ए. दाश, जी. जयवाल और ए.आर. सिंह के साथ संयुक्त लेखन)

ik- ch- Mkxjk

- "Leveraging Technology in Open and Distance Learning (ODL) for Continuing Teacher Education", *ज्ञानोदय दि जर्नल ऑफ प्रोग्रेसिव एज्यूकेशन,* वर्ष 9(1), पृ. 1–10, 2016. (इंडियनजर्नल्स डॉट कॉम.)
- "An Inclusive and Contextual School Curriculum for Mainstreaming the Learners From North-east India", *क्वैस्ट इंटरडिसिप्लिनरी जर्नल,* वर्ष 10(2), पृ. 127–133, 2016. (एम.बी.एल. साह के साथ संयुक्त लेखन, इंडियनजर्नल्स डॉट कॉम.)
- "Pedagogies for Participatory Inclusion in Schools", *एज्यूकेशनल क्वैस्ट : एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एज्यूकेशन एंड एप्लाइड सोशल साइंसिज़,* वर्ष 7(3), पृ. 325–329, 2016. (इंडियनजर्नल्स डॉट कॉम)

foLrkj vkj fodkl v/;;u fo|kihB

ik- ch-d- iVuk;d

- "Decentralized development planning: An approach towards grassroots development", *पॉलिटिकल इकोनॉमी जर्नल ऑफ इंडिया,* वर्ष 25(1–2), पृ. 77–87, जनवरी–जून 2016.

- "Demonetization. Cashless Economy and Development", *योजना,* वर्ष 61, पृ. 47–52, फरवरी 2017.

- "Impact of NRHM on infrastructure', manpower, and service delivery at village level: A study in Rajasthan", *पॉलिटिकल इकोनॉमी जर्नल ऑफ इंडिया,* वर्ष 25(2), पृ. 1–6, 2016.(प्रथम लेखक जी.के. करोल, सह–लेखक जे.के. दास)

- "Health and nutritional status of women and children: An empirical study in the slums of Delhi, India", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ चाइल्ड हेल्थ एंड ह्यूमन डेवलपमेंट,* आई.एस.एस.एनः 1939–5965, वर्ष 9(2), पृ. 163–170, 2016. (प्रथम लेखक एस. सिंह, एन.ए. फारूक़ी और ए. मित्रा के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- ugky vgen Qk:dh

- "Impact of Globalization and Changing values on Pastoral Grazing in Indian Central and Eastern Himmalaya", *एन.आई.यू. जर्नल ऑफ सोशल साइंसिज़,* आई.एस.एस.एनः 2347–9795, वर्ष 3–4, पृ. 46–61, 2016. (एन.के. झा, आर.के. मैखुरी और पी. गूच के साथ संयुक्त लेखन)

- "Nutritional status of children in slum: A case study of non-notified slum of Delhi", *एकेडमिया,* आई.एस.एस.एनः 2395–0161, वर्ष 1(1), जनवरी–जून 2016. (प्रथम लेखक एस. सिंह, बी.के. पटनायक के साथ संयुक्त लेखन)

- "Procedural Contrivance for best Practices in Land Laws and Policies for Rural-Urban (Re) Settlement - Needs a Core Solution", *पॉलिटिकल इकोनॉमी जर्नल ऑफ इंडिया,* वर्ष 25(2), पृ.22–30, 2016. (प्रथम लेखक ब्रज एम.क. शौरी)

- "Entrepreneurial Behaviour of Vegetable Growers in Karnataka", *पॉलिटिकल इकोनॉमी जर्नल ऑफ इंडिया,* वर्ष 12(2), पृ.369–376, 2016. (प्रथम लेखक एन. कुमार और सह–लेखक पी.वी.के. शशिधर)

- "Performance of Area catechu and Piper betle as a Mixed Cropping under Organic Condition in Tumkur District of Karnataka", *एनवायरनमेंट एंड इकोलॉजी,* वर्ष 34(4सी), पृ.1946–1949, 2016. (प्रथम लेखक एन. कुमार और सह–लेखक पी.वी.के. शशिधर)

- "Study on Market Intelligence Knowledge among Tomato Farmers of Karnataka", *पॉलिटिकल इकोनॉमी जर्नल ऑफ इंडिया,* वर्ष 12(1), पृ.441–445, 2016. (प्रथम लेखक एन. कुमार और सह–लेखक पी.वी.के. शशिधर)

Mk- ih-oh-d- 'kf'k/kj

- "Training Evaluation of Field Veterinarians: Implications for Scaling Up", *जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन मैनजमेंट,* वर्ष 17(2), पृ. 71–80, 2016. (प्रथम लेखक एम. रवि कुमार, सह–लेखक के. गैब्रिएल)

- "Assessment of Veterinary Health Care Infrastructure Availability in Karnataka", *इंडियन रिसर्च जर्नल एक्सटेंशन एज्यूकेशन,* वर्ष 17(1), पृ. 46–49, 2017. (प्रथम लेखक बी. चन्नप्पागौड़ा)

vfHk;kf=dh vkj ik|kfxdh fo|kihB

Mk- ,u- oidV'ojy

- "Distance Education: How much Distance? The History, Opportunities, issues and Challenges", *ग्लोबल जर्नल ऑफ इंटरप्राइज इनफॉर्मेशनल सिस्टम्स,* आई.एस.एस.एन: 0975–1432, वर्ष 8(3), पृ. 70–76, जुलाई–सितंबर 2016. (एन.वी.एस. राजू और प्रदीप कुमार के साथ संयुक्त लेखन)
- "Skill Development Training Programme: A Case Study of IGNOU", *ग्लोबल जर्नल ऑफ इंटरप्राइज इनफॉर्मेशनल सिस्टम्स,* आई.एस.एस.एन: 0975–1432, वर्ष 8(4), पृ. 66–70, अक्तूबर–दिसंबर 2016. (आशीष अग्रवाल और राखी शर्मा के साथ संयुक्त लेखन)

LokLF; foKku fo|kihB

Mk- jhVk noh

- "Prevalence of self-reported Type 2 diabetes Mellitus and associated socio-economic-demographic factors among adults above 20 years in a residential area of Delhi", *एशियन जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसिज़,* आई.एस.एस.एन: 2467–9100, वर्ष 7(4), पृ. 6–13, जुलाई–अगस्त 2016. (बिमला कपूर और एम. मेघचंद्र सिंह के साथ संयुक्त लेखन)
- "Effectiveness of self-learning module on the knowledge and practices regarding foot care among type II diabetes patients in East Delhi, India", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ,* आई.एस.एस.एन: 2394–6032, वर्ष 3(8), पृ. 2133–2141, अगस्त 2016. (बिमला कपूर और एम. मेघचंद्र सिंह के साथ संयुक्त लेखन)
- "Positive thinking and health status among adults in a tertiary care hospital of Delhi, India", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ,* आई.एस.एस.एन: 2394–6032, वर्ष 3(12), पृ. 3511–3514, दिसंबर 2016. (प्रथम लेखक एम. मेघचंद्र सिंह, संचित दुहन और सुष्मिता संधु)

vrfo|kJ;h vkj cg&fo|kJ;h v/;;u fo|kihB

Mk- ch- :fi.kh

- "Design, synthesis and biological evaluation of arylpiperazine-based novel phthalimides: Active inducers of testicular germ cell apoptosis", *जर्नल ऑफ केमिकल साइंसिज़,* वर्ष 128(8), अगस्त 2016, पृ. 1245–1263, जारी करने की तिथि : 10.1007/एस.12039–016–1122–0. (प्रथम लेखक अनिल के. सिंह, सह–लेखक जितेंद्र के. भारद्वाज, अना ओलिवल, योगेश कुमार, अविजित पोद्दार, अंकुर माहेश्वरी, रेणुका अग्रवाल, एन. लता, ब्रजेंद्र के. सिंह, हेलेना टॉम्स, जोआओ रोड्रिग्स, राम कृष्ण और बृजेश राठी)
- "Skill development in environmental sector through open and distance learning using information and communication technologies", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिस्प्ली एज्यूकेशनल रिसर्च,* आई.एस.एस.एन: 2277–7881, वर्ष 5(4), पृ. 87–98, मई 2016. (प्रथम लेखक ए. मुरली एम. राव और सुष्मिता भास्कर)

Mk- lf"erk HkkLdj

- "Evidences for microbial precipitation of calcite in speleothems from krem syndai in Jaintia Hills, Meghalaya, India", *जिओ–माइक्रोबायोलॉजी जर्नल,* वर्ष 133(10), पृ. 906–933, 2016, टेलर और फ्रांसिस. (जॉयनतो रूथ, रामनाथन बस्कर, अभिनव कुमार, हानामितिनैन और मिर्जा इतावारा के साथ संयुक्त लेखन)

- "Biominralization abilities of cupriavidu strain and bacillus subtilis strains in vitro isolated from speleothems, Rani Cave, Chhattisgarh, India", *जिओ–माइक्रोबायोलॉजी जर्नल,* पृ. 1–16. 8 दिसंबर 2016 *http:/dx.dio.org/10.1080/01490451.2016.1257663.* (प्रथम लेखक स्वाति चालिया; मीनाक्षी प्रसाद, रामनाथन बस्कर और कौशलेश रंजन के साथ संयुक्त लेखन)

Ik=dkfjrk vkj uo&ehfM;k v/;;u fo|kihB

Mk- fdj.k cly

- "Alternative media in HIV AIDS prevention: A study in Nagaland", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडिजिनस एंड मार्जिनाल्इज़्ड अफेयर्स,* आई.एस.एस.एन.: 2454–1699, वर्ष 2(1–2), पृ. 99–114 नई दिल्ली, जनवरी–जून–दिसंबर 2016, पृ. 99–114. (प्रथम लेखक इमेचिन इम्नसेन)

- "Knowledge and beliefs about HIV/AIDS among rural women of Udham Singh Nagar", *विवेकानंद जर्नल ऑफ रिसर्च,* आई.एस.एस.एन.: 2319–8702, वर्ष 5(1), जनवरी–जुन 2016, पृ. 48–62. (प्रथम लेखक युकि आज़ाद तोमर)

foKku fo|kihB

ik- Hkkjr bnq Qk tnkj

- "Cuspidate A, new anti-fungal Triterpenoid Saponin from Lepidagathis cuspidate", *नेशनल प्रोडक्ट रिसर्च,* वर्ष 31(7), पृ. 773–779. (प्रथम लेखक राजीव रतन; वीणा गौतम, रितिका शर्मा, दिनेश कुमार और उपेंद्र शर्मा के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- ,e- vCnqy djhe

- "Antihaemolytic activity of phytochemical aqueous extracts of pterocarpus santalinus and phyllanthus emblica in red blood cells of human subjects receiving chronic alcohol and cigarette smoking", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसिज़ एंड रिसर्च,* आई.एस.एस.एन: 0975–8532, वर्ष 7(9), पृ. 3857–3864, सितंबर 2016. (प्रथम लेखकगण टी. लोकेश, बुल्ले सारदा, के. स्वर्णलता और एन.सी.एच. वरदाचार्युलु)

Mk- vjfoUn dqekj 'kkD;

- "Medicinal plants: Future source of new drugs", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हर्बल मेडिसिन,* आई.एस.एस.एन.: 2394–0514, वर्ष 4(4), पृ. 59–64, 2016.

- "Protective effect of Sharbat-e-Deenar against acetaminophen-induced Heptatotoxicity in experimental animals", *जर्नल ऑफ ट्रेडिशनल चाइनिज़ मेडिसिन,* आई.एस.एस.एन.: 0255–2922, वर्ष 37(3), पृ. 387–392, 2017. (संगीता शुक्ला के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- euh"kk ikMs;

- "Candiduria: Managing a therapeutic challenge diagnostically", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ सिस्टम एंड डिज़ास्टर मैनजमेंट,* पृ. 139–142, जनवरी 05, 2017, वॉल्टर्स क्लूवर–मेडनो, जारी करने की तिथि : 1044103/2347–9019.196795. (प्रथम लेखकगण हरी ओम शरण, गणेश एस. भातांब्रे और तृप्ति बाजपेयी; मीना वर्मा के साथ संयुक्त लेखन)

- "Species-level Identification of Acinetobacter by 16s rRNA sequencing: Necessity Today, Essentiality Tomorrow", *न्यू नाइजीरियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल रिसर्च,* वर्ष 5(8), पृ. 55–58, जुलाई–दिसंबर 2016, वॉल्टर्स क्लूवर–मेडनो, जारी करने की तिथि : 10.4103/2250–9658.197438. (प्रथम लेखकगण तृप्ति बाजपेयी, गणेश एस. भातांब्रे; मीना वर्मा के साथ संयुक्त लेखन)

- "Prevalence of TEM, SHV and CTX-M Beta-Lactamase genes in the urinary isolates of a tertiary care hospital", *ऐवेसीना जर्नल ऑफ मेडिसिन,* वर्ष 7(1), पृ. 12–16, जनवरी–मार्च 2017, वॉल्टर्स क्लूवर–मेडनो, जारी करने की तिथि : 10.4103/2231–0770.197508. (प्रथम लेखकगण तृप्ति बाजपेयी, गणेश एस. भातांब्रे; मीना वर्मा के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- iow'k cCcj

- "Thiamine Deficiency induced dietary disparity promotes oxidative stress and neurodegeneration", *इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री,* पृ. 1–7, सितंबर 01, 2017, स्प्रिंगर, जारी करने की तिथि : 10.1007/एस12291–017–0690–1. (प्रथम लेखकगण अनीषा चौहान, निधि श्रीवास्तव)

Mk- defydk cuth

- "Synthesis, spectroscopic characterization and invitro bacterial evaluation of Ni(II) complexes of new tridentate arolydrazone ligands", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड इंजीनियरिंग रिसर्च एंड साइंस (आई.जे.ए.ई.आर.एस.),* आई.एस.एस.एन. : 2349–6495 (पी) 2456–1908 (0), वर्ष 3(12), पृ. 119–125, दिसंबर, 2016. (प्रथम लेखक प्रमोद कुमार सिंह; संगीता सिंगला के साथ संयुक्त लेखन)

- "Synthesis, spectroscopic properties of Co (II) complexes derived from new aroylhydrazone ligands", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड ऑफ साइंस एंड रिसर्च,* आई.एस.एस.एन. : 2319–7064 (ऑनलाइन), वर्ष 6(2), पृ. 1911–1915, फरवरी 2017. (प्रथम लेखक प्रमोद कुमार सिंह; संगीता सिंगला के साथ संयुक्त लेखन)

- "Synthesis and spectroscopic properties of Co (III) complexes of dibasic tridentate hydrazone Schiff base Ligands", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड इंजीनियरिंग रिसर्च एंड एप्लीकेशन,* आई.एस.एस.एन. : 2248–9622, वर्ष 7(3)1, पृ. 41–45, मार्च, 2017. (प्रथम लेखक प्रमोद कुमार सिंह; संगीता सिंगला के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- ltho dekj

- "Validation of RP-HPLC method for simultaneous determination of Curcumin, Sesamin and Glycyrrhetinic Acid in a wound healing Polyhedral oil formulation", *इंटरनेशनल जर्नल कैमिस्ट्री,* आई.एस.एस.एन. : 2249–2119, वर्ष 5(3–4), पृ. 264–276, 2016. (प्रथम लेखक यू. रेम्या, प्रधान्य जे. प्रभु; सुरेश पतंकर के साथ संयुक्त लेखन)

- "TLC-MS identification and HPTLC fingerprinting of Curcumin, sesamin, Glycyrrhetinic acid and Beta sitosterol in wound healing Polyherbal Oil formulation followed by Preliminary Phytochemical screening and Physicochemical analysis", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कैमिस्ट्री*, आई.एस.एस.एन. : 2249–2119, वर्ष 5(3–4), पृ. 212–222, 2016. (प्रथम लेखक यू. रेम्या, प्रधान्य जे. प्रभु; सुरेश पतंकर के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- dkdkyh xkxkb

- "Challenges and opportunities in geosciences education in open and distance learning : India", *लर्निंग कम्युनिटी*, आई.एस.एस.एन. : 0976–3201, वर्ष 7(2), पृ. 117–126, अगस्त 2016. (बेनीधर देशमुख और मीनल मिश्रा के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- vkdkj oek

- ए. खोसला और एस.जी. लुकास द्वारा संपादित *Cretaceous Period : Biotic Diversity and Biogeography* में "Historical Biogeography of the late cretaceous vertebrates of India: Comparison of Geophysical paleontological data", न्यू मैक्सिको, पृ. 317–330, 2016. (आशु खोसला, जे. गोइन फ्रांसिसको और जसदीप कौर के साथ संयुक्त लेखन)

- "Myliobatid and pycnodont fish from the Late Cretaceous of Central India and their paleobiogeographic implications", *हिस्टोरिकल बायोलॉजी : एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पेलबायोलॉजी*, आई.एस.एस.एन. : 0891–2963, वर्ष 29(2), पृ. 253–265, 2017, टेलर एंड फ्रांसिस. (आशु खोसला, जसदीप कौर और एम. प्रशांत के साथ संयुक्त लेखन)

Ikk- l|uhrk eYgk=k

- "Design Synthesis and Biological Evaluation of Fluroquinolone Schiff Bases", *वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एंड फार्मास्युटिकल साइंस*, आई.एस.एस.एन. : 2278–4357, वर्ष 5(6), पृ. 2320–2336. (पी. कृष्णैया और राधानंदन चतुर्वेदी के साथ संयुक्त लेखन)

- "Development of Cosmeceutical Products from Nano-sized Active colour Constituents of Ratanjot, Seabuckthorn and Annatto", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मेसी एंड फार्मास्युटिकल साइंस*, आई.एस.एस.एन. : 0975–1491, वर्ष 8(5), पृ. 232–237, 2016. (स्वाति पाल और सत्यनारायण नाइक के साथ संयुक्त लेखन)

- "A Convenient and Industrially Viable Route to Separate Lipophilic and Hydrophilic Fractions of Seabuckthorn Pulp and Analysis of their Activities", *इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ फार्मेसी*, आई.एस.एस.एन. : 2230–8407, वर्ष 7(11), पृ. 86–91. (स्वाति पाल और सत्यनारायण नाइक के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- 'kHkk xk[ky

- "Dysprosium doping insuced shape and magnetic anisotropy of Fe3-xDyxO4(x+0.01-0.1) nanoparticales", *जर्नल ऑफ मैग्नेटिज़्म एंड मैग्नेटिक मैटीरियल्स*, अंक 414(2016), पृ. 111–115, क्रॉस मार्क. (ऋचा जैन और वंदना लूथरा के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- ,l- ykck

- “Exchange hardening in Fept/Fe3pt dual exchange spring magnet: Monte Carlo modeling”, *जर्नल ऑफ एलॉय्स एंड कंपाउंड्स,* अंक 30, पृ. 1–6. (राजन गोयल, निशिता अरोड़ा और एस. अन्नपूर्णी के साथ लेखन; आकांक्षा कपूर के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- lit; xIrk

- “Implementation of Choice Based Credit System in Open Universities”, *यूनिवर्सिटी न्यूज़,* वर्ष 54(47), पृ. 3–10, 21–27 नवंबर 2016. (सुरेश गर्ग के साथ संयुक्त लेखन)
- “Autonomy, Accountability and Governance of Higher Education Institutions”, *यूनिवर्सिटी न्यूज़,* वर्ष 54(26), पृ. 3–10, 27 जून 2016. (सुरेश गर्ग के साथ संयुक्त लेखन)

Lkkekftd foKku fo|kihB

Mk- #[lkuk teku

- “Sashimani: The God-Kings Last Wife”, *दि ईस्टर्न एंथ्रोपॉलिजिस्ट्स,* आई.एस.एस.एन. : 0012–8686, वर्ष 69(3–4), पृ. 477–488, जुलाई–दिसंबर 2016.

Ikk- Mh- xkiky

- “Australia-India Strategic Relations: From Estrangement to Engagement”, *इंडिया क्वार्टर्ली,* वर्ष 71(3), पृ. 206–220, 2016. (दरबीर अहलावत के साथ संयुक्त लेखन)

Ikk- txiky flg

- “Communal Violence in Muzaffarnagar: Agrarian Transformation and Politics”, इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, वर्ष 51(30), पृ. 94–101, 2016.

Mk- vpuk 'kDyk

- “Growth of Solar Physics Research in India since 1960: A Scientometric Analysis”, *जर्नल ऑफ इंडियन लाइब्रेरी एसोसिएशन,* वर्ष 52(3), पृ. 63–71, 2016. (एम.एन. आलम के साथ संयुक्त लेखन)
- “Stellar Research in India: A Scientometric Study”, *इनफोलिब,* वर्ष 9(3–4), पृ. 9–20, 2016. (एम. एन. आलम के साथ संयुक्त लेखन)
- “Research on Astronomical Instrumentation, Methods and Techniques (AIMT): A Sientometric Analysis”, *एल.आई.एस. कम्युनिकेशन,* वर्ष 2(4), पृ. 2–14, 2016. (एम.एन. आलम और जे.के. सरखेल के साथ संयुक्त लेखन)
- “Progress of Meteorology and Atmospheric Research Publication in India since 1960s: A Scientometric Analysis”, *इंडियन जर्नल ऑफ लाइब्रेरी साइंस एंड इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी,* वर्ष 1(2), पृ. 66–74, 2016. (एम.एन. आलम के साथ संयुक्त लेखन)
- “Dental Clinics of North America 2004-2014: A Bibliometric Study”, *लाइब्रेरी हेरल्ड,* वर्ष 54(1), 2016. (श्रुति पपरेजा के साथ संयुक्त लेखन)

- "Instructional services for the students of Ramakrishna Mission Blind Boys Academy-A case Study", *आई.ए.एस.एल.आई.सी. बुलेटिन*, वर्ष 61(1), 2016. (शर्मिष्ठा मित्रा और बी.के. सेन के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- jf'e flUgk

- "Body Mass Index, Blood Pressure and Blood Sugar in Adult Women of Delhi – Is their Co-Existence Inevitable?", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च*, आई.एस.एस.एन. : 2277–8179, वर्ष 5(7), पृ. 637–639, इंप्रैसको इंडिया, 2016.
- "An Association between Working Status, Physical Activity, Food Preference and BMI among Adult Women of Delhi", *इंटरनेशनल एज्यूकेशनल साइंटिफिक रिसर्च जर्नल*, आई.एस.एस.एन. : 2455–295X, वर्ष 2(7), पृ. 91–93, वर्ल्डवाइड जर्नल्स, अहमदाबाद, 2016.
- "Combating Obesity Anthropologically", *इंटरनेशनल जर्नल फॉर एप्लाइड साइंस*, वर्ष 1(6), पृ. 1–12, 2016.
- "Anthropology in Forensic Science" (संपादकीय), *एवरीमैंस साइंस*, वर्ष 51(6), आई.एस.एस.एन. : 0531–495X, इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन, कोलकाता, 2017.

Lkkekftd foKku fo|kihB

Mk- jkt ufEc;kfde

- "Reproductive and Sexual Health Awareness among Adolescent Girls: A micro study in Churachandpur district of Manipur", *पॉलिटिकल इकोनॉमी जर्नल ऑफ इंडिया*, आई.एस.एस.एन. : 0971–2097, वर्ष 26(1–2), पृ. 87–98, जनवरी–जून 2017.

;ktuk ,oa fodkl iHkkx

Mk- idt [kjs

- "Project approach for capacity building of ODL practitioners", *एज्यूकेशनल क्वैस्ट*, आई.एस.एस.एन. : 0976–7258, वर्ष 7(1), पृ. 43–48, अप्रैल 2016.

Mk- uhye pk/kjh

- "A Tracer Study of IGNOU Graduates", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट एडवांस्ड रिसर्च*, आई.एस.एस.एन. : 2319–6505, वर्ष 5(4), पृ. 791–798, दिल्ली, अप्रैल 2016. (गिरिजा शंकर के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- idt [kUuk

- "A Conceptual Framework for achieving Good Governance at Open and Distance Learning Institutions", *ओपन लर्निंग : दि जर्नल ऑफ ओपन, डिस्टेंस एंड ई–लर्निंग*, वर्ष 32(I), पृ. 21–35, इंग्लैंड, अक्तूबर 2016.

Jh fxfjtk 'kadj

- "Assessing Learner Support Services at IGNOU: A Case Study of BCA Programme", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टी–डिस्प्लिनरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट*, आई.एस.एस.एन. : 2349–5979, वर्ष 3(5), पृ. 198–203, अकिनिक पब्लिकेशंस, दिल्ली, 2016. (नीलम चौधरी के साथ संयुक्त लेखन)

, 3- lEikfnr iqLrd esa v/;k;

Ñf"k fo|kihB

Mk- oh- oadVjeuu

- बीरेंद्र प्रसाद और उदित कुमार द्वारा संपादित *Innovative Agriculture: Techniques and Practices* में *"Impact of climate change on crop growth, development and productivity"*, आई.एस.एस.एन. : 978–81–7622–382–9, पृ. 25–41, बायोटेक बुक्स, नई दिल्ली, 2017. (शची शाह और एस.डी. सिंह के साथ संयुक्त लेखन)

Jh- ,e-d- lyt

- एम.वाई. असफा और शिवगुंडे द्वारा संपादित Emerging Trends in Technical and Vocational Education and Training में "Issues and challenges in implementation of recognition of prior learning in Agriculture Sector", पृ. 67–74, लेनिन मीडिया, दिल्ली, 2016. (पी. विजयकुमार के साथ संयुक्त लेखन)

Lkrr f'k{kk fo|kihB

Mk- jf[kk lu 'kek

- एलिस फॉर दि राइट टू अर्ली चाइल्डहुड डेवलपमेंट द्वारा संपादित *Rights to the Youngest: Towards a Legal Framework for Early Childhood Development* में "The Rationale for the Right to Early Childhood Development", आई.एस.एस.एन. : 978–81–9269–072–8, पृ. 17–32, बुक्स फॉर चेंज, प्रथम संस्करण 2016.

- एलिस फॉर दि राइट टू अर्ली चाइल्डहुड डेवलपमेंट द्वारा संपादित *Rights to the Youngest: Towards a Legal Framework for Early Childhood Development* में "Right to Pre-primary Education for 3-6 Year Olds", आई.एस.एस.एन. : 978–81–9269–072–8, पृ. 112–124, बुक्स फॉर चेंज, प्रथम संस्करण 2016.

- नित्या राव द्वारा संपादित *Disciplinary Dialogues on Social Change* में "Literacy in Pre Primary and Class 1 : Processes of Teaching and Learning in a Trilingual Environment", आई.एस.एस.एन. : 978–933–270–348–3, पृ. 93–130, एकेडेमिक फाउंडेशन, 2016 संस्करण.

f'k{kk fo|kihB

Jh- ljkst ikMs;

- मानस रंजन पाणिग्रही द्वारा संपादित *Resource book on ICT Integrated Teacher Education* में "Tele-conference-based model of capacity building for ICT integration", कॉमनवेल्थ एज्यूकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया, नई दिल्ली, 2016.

Jh- ch- Mkxjk

- *Learning Issues & Aspects* शीर्षक संपादित पुस्तक में "Adopting Critical Pedagogy in Teaching Learning Process", पृ. 101–112, ग्लोबल बुक्स ऑर्गेनाइज़ेशन, नई दिल्ली, 2016.

- *Higher Education in India : Challenges and Possibilities* शीर्षक संपादित पुस्तक में "Promoting Excellence through ICTs in Higher Education", पृ. 145–157, कनिष्क पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2017.

f'k{kk fo|kihB

Mk- ehuy feJk

- अरविंद कुमार झा और गिरीश पाल सिंह द्वारा संपादित *Dimensions of Education* में "Status of Women in Geosciences Education in India", आई.एस.बी.एन. : 978–93–85502–08–8, पृ. 321–331, रेणु पब्लिशर, नई दिल्ली, 2016. (काकोली गोगोई और बेनीधर देशमुख के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- cuh/kj n'keq[k

- अरविंद कुमार झा और गिरीश पाल सिंह द्वारा संपादित *Dimensions of Education* में "Geospatial Education in India: Present Scenario", आई.एस.बी.एन. : 978–93–85502–08–8, पृ. 273–286, रेणु पब्लिशर, नई दिल्ली, 2016.

Mk- lhek dkyjk

- निधी शर्मा और राकेश गुप्ता द्वारा संपादित *Financial Empowerment and Economic Development* में "Micro Financing ; Battle for Financial Empowerment", आई.एस.बी.एन. : 978–81–8457–756–3, कनिष्क पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2016.

lkekftd foKku fo|kihB

Mk- fLerk xqIrk

- नंदिनी साहू और श्याम सांतनी द्वारा संपादित *Dynamics Children's Literature* में "The Panchatantta: The Impact and Scope in Children's Literature", आई.एस.बी.एन. :978–81–8290–417–0, पृ. 44–53, शुभि पब्लिकेशंस इंडिया, जून 2017.

Mk- #[lkuk tekWu

- *Doing Autoethnography* में "Who is a Muslim: A Reflection on the Self", आई.एस.बी.एन. : 978–81–8387–672–8, पृ. 168–191, सीरियल पब्लिकेशंस, नई दिल्ली, 2016.

Mk- d- vfuy dqekj

- नॉर्बी पॉल द्वारा संपादित *Development, Displacement and Capitals* में "Indira Sagar Multipurpose Project and Its Impact on Tribals in Andhra Pradesh", आई.एस.बी.एन. : 978–81–92967–13–4, केरल, 2016.
- व्योमकेश त्रिपाठी और डी.वी. प्रसाद द्वारा संपादित *Ethno-Science and Traditional Technology in India* में "Tribes and Their Indigenous Agricultural Knowledge: Dimensions and Relevance", आई. एस.बी.एन. : 978–93–85161–27–8, आयु पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2016.
- देवेंद्र भुक्य द्वारा संपादित *Tribal Education in India: Issues and Challenges* में "Issues Related to Literacy and Education of Scheduled Tribes in United Andhra Pradesh", आई.एस.बी.एन. : 978–81–83877–70–1, सीरियल पब्लिकेशंस, नई दिल्ली।

Ikk- vu|jkx tk'kh

- अलका धमेजा और श्वेता मिश्रा द्वारा संपादित *Public Administration Approaches and Applications* में "Policy formulation, Implementation and Evaluation", आई.एस.बी.एन. : 978–93–325–5507–5, पीयर्सन इंडिया एज्यूकेशन सर्विसिज़ प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा।

l|Jh ch- fdj.ke;h

- अलका धमेजा और श्वेता मिश्रा द्वारा संपादित *Public Administration Approaches and Applications* में "Historical Antecedents of Civil Society", आई.एस.बी.एन. : 978–93–325–5507–5, पीयर्सन इंडिया एज्यूकेशन सर्विसिज़ प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा।

Jh lk/xkrk l|u

- अलका धमेजा और श्वेता मिश्रा द्वारा संपादित *Public Administration Approaches and Applications* में "The Rational – Choice Approach", आई.एस.बी.एन. : 978–93–325–5507–5, पीयर्सन इंडिया एज्यूकेशन सर्विसिज़ प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा।
- अलका धमेजा और श्वेता मिश्रा द्वारा संपादित *Public Administration Approaches and Applications* में "Public Policy: Concept and Approaches", आई.एस.बी.एन. : 978–93–325–5507–5, पीयर्सन इंडिया एज्यूकेशन सर्विसिज़ प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा।

Ikk- mek eMjh

- अलका धमेजा और श्वेता मिश्रा द्वारा संपादित *Public Administration Approaches and Applications* में "The Human Relations Approach", आई.एस.बी.एन. : 978–93–325–5507–5, पीयर्सन इंडिया एज्यूकेशन सर्विसिज़ प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा।
- अलका धमेजा और श्वेता मिश्रा द्वारा संपादित *Public Administration Approaches and Applications* में "New Public Administration", आई.एस.बी.एन. : 978–93–325–5507–5, पीयर्सन इंडिया एज्यूकेशन सर्विसिज़ प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा।
- अलका धमेजा और श्वेता मिश्रा द्वारा संपादित *Public Administration Approaches and Applications* में "Concept of New Public Administration", आई.एस.बी.एन. : 978–93–325–5507–5, पीयर्सन इंडिया एज्यूकेशन सर्विसिज़ प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा।
- अलका धमेजा और श्वेता मिश्रा द्वारा संपादित *Public Administration Approaches and Applications* में "Towards Post-New Public Administration", आई.एस.बी.एन. : 978–93–325–5507–5, पीयर्सन इंडिया एज्यूकेशन सर्विसिज़ि प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा।
- अलका धमेजा और श्वेता मिश्रा द्वारा संपादित *Public Administration Approaches and Applications* में "Nature of Financial Administration", आई.एस.बी.एन. : 978–93–325–5507–5, पीयर्सन इंडिया एज्यूकेशन सर्विसिज़ि प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा। (श्वेता मिश्रा के साथ संयुक्त लेखन)

{k=h; lok iHkkx

Mk- ,Lk- jk/kk

- *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टी–डिसिप्लीनरी रिसर्च में* "The Signification of Bhagavad Gita as a Spiritual Theory of Human Resource Management-a Holistic View" शीर्षक आलेख, आई.एस.एस.एन. : 2277–9302, वर्ष 6(8)I, पृ. 50–53, दिसंबर 2016.

- *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डेवलपमेंट्स इन ट्रेड, कॉमर्स एंड बिज़नेस में* "A study of Entrepreneurship Traits and Skills among MBA Students" शीर्षक आलेख, आई.एस.एस.एन. : 2348–1633, वर्ष 36(8)I, पृ. 8–14, अगस्त 2016. (डॉ. एस. राधा और श्री अनिल कुमार के साथ संयुक्त लेखन)

d- 4 vU; idk'ku

¼if=dk@lekpkj&i=@l tukRed y[ku@ekukxkQ½

tMj vkj fodkl v/;;u fo|kihB

Ikk- vu vutk

- *Blendig* में "Reconciling Feminist Pedagogy and Distance Education across Cultures" शीर्षक आलेख, टेलर एंड फ्रांसिस, आई.एस.एस.एन. : 0954–0253, पृ. 1–19, *http://dx.doi.org/10.1080/9540253.2016.123762.*

[k- lEeyuk@lxkf"B;k@dk;l'kkykvk e Hkkxhnkjh@fn, x, 0;k[;ku

Ñf"k fo|kihB

Mk- ed'k dekj

- 'Water and Land Management for Food and Livelihood' विषय पर छत्तीसगढ़ के रायपुर द्वारा 20–22 जनवरी 2017 को आयोजित प्रथम एशियाई सम्मेलन डब्ल्यू.एल.एम.एफ.एल.एस–2017 में "Food and livelihood security through watershed management approach" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

- 'Water and Land Management for Food and Livelihood' विषय पर छत्तीसगढ़ के रायपुर द्वारा 20–22 जनवरी 2017 को आयोजित प्रथम एशियाई सम्मेलन डब्ल्यू.एल.एम.एफ.एल.एस–2017 में "Temporal Analysis of Drought Using SPI Method at Temperate Region of Kashmir" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत। (रोहिताश्व कुमार, मलिका माजिद, सदाफ मीर और मेहरीन शहज़ाद के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- ih-d- tu

- 'Skill Development through ODel: Innovations, Entrepreneurship, employment for inclusive and Sustainable Livelihoods' विषय पर इग्नू के स्ट्राइड द्वारा 9–11 मार्च 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "A Study on Usefulness of Learner Support Services for Completion of a Distance Education Programme" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

- 'Skill Development through ODel: Innovations, Entrepreneurship, employment for inclusive and Sustainable Livelihoods' विषय पर इग्नू के स्ट्राइड द्वारा 9–11 मार्च 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय

संगोष्ठी में "Assessment of Skills Acquired by the Learners in Organic Farming and Open and Distance Learning (ODL)" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

- फिलिपींस के मनीला में 26–29 अक्तूबर 2016 को 30वें एशियन एसोसिएशन ऑफ ओपन यूनिवर्सिटी सम्मेलन संगोष्ठी में "Dropout of Learners and Support Services in Distance Education Programme: An Explanatory Study" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

Ikk- ,e-d- lytk

- 'Promoting Public-Private Sector Partnerships in Enhancing Food Value Chains' विषय पर राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद द्वारा 3–4 नवंबर 2016 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "Capacity Building in Food Processing Sector Through PPP Model" विषय पर व्याख्यान।

- 'Recent Developments in Food Processing Technology and Opportunities for Foreign Direct Investment (FDI) in Food Retail' विषय पर ऑल इंडिया फूड प्रोसेसर्स एसोसिएशन, नई दिल्ली द्वारा 9 मार्च 2017 को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "Skill Development for Food Processing Industries in India" विषय पर व्याख्यान।

Mk- ih- fo t ; dekj

- 'Promoting Public-Private Sector Partnerships in Enhancing Food Value Chains' विषय पर राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद द्वारा 3–4 नवंबर 2016 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी।

- 'Skill Development through ODel: Innovations, Entrepreneurship, employment for inclusive and Sustainable Livelihoods' विषय पर इग्नू के स्ट्राइड द्वारा 9–11 मार्च 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भागीदारी।

Mk- ih-d- tu

- 'Open Badges for Open Education' विषय पर इग्नू के स्ट्राइड द्वारा 17 मार्च 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भागीदारी।

- 'Science and Technology for persons with Disabilities' विषय पर इग्नू की विज्ञान विद्यापीठ और राष्ट्रीय अक्षमता अध्ययन केंद्र द्वारा 28 फरवरी 2017 को आयोजित संगोष्ठी में भागीदारी।

Lkr r f'k{kk fo|kihB

Ikk- fguk d- fc t yh

- 'Contribution of Baba Saheb Ambedkar for Development of Modern India' विषय पर बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा 13–14 अप्रैल 2016 को आयोजित दो–दिवसीय राष्ट्रीय सिम्पोज़िया में "Articulating Dr. Ambedkar's Vision Of Gender Equality Through Health Communication Strategies: Dr. Ambedkar's Vision for the Development of Modern India" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

- 'Skill Development through ODel: Innovations, Entrepreneurship, employment for inclusive and Sustainable Livelihoods' विषय पर इग्नू के स्ट्राइड द्वारा 9–11 मार्च 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय

संगोष्ठी में "Exploring Delivery of Non-Formal Education Programmes Through ODL By Engaging CSR" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

- 'Migration and Diasporas' विषय पर आई.सी.एस.एस.आर. और इंडिया सेंटर फॉर माइग्रेशन, एस.ओ.आई.टी.एस, इग्नू द्वारा 22–23 मार्च 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "Migrant Women and Crucial Issues for Promoting Health" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

Mk- j[kk 'kek lu

- 'Re-defining Early Childhood Professional Development in India: Challenges and Potential' विषय पर अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय और यूनिसेफ के साथ एसोसिएशन ऑफ अर्ली चाइल्डहुड डेवलपमेंट प्रोफेशन इन इंडिया द्वारा अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बंगलौर में 7–8 नवंबर 2016 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "Using Distance Education in Early Childhood Teacher Preparation" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

- 'Comprehensive Early Childhood Care & Development: Health Care and Learning' विषय पर डिपार्टमेंट ऑफ ह्यूमन डेवलपमेंट एंड चाइल्डहुड स्टडीज़, इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली की साझेदारी में आई.सी.ए.एन.सी.एल. ग्रुप – आई.ए.पी. द्वारा 18 नवंबर 2016 को आयोजित विशेषज्ञ समूह परामर्श में "Distance Learning in ECCE: IGNOU experience" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

- 'Mother tongue based Multilingual Early Education and Development' विषय पर ओडिशा के गोपालपुर में 13–14 जनवरी 2017 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "Through Preschool Education to Early Literacy - Some Insights from my Research", Invest in Young Children" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

- 'ECCE Training' विषय पर एस.सी.ई.आर.टी. के डिस्ट्रिक्ट इंस्टीट्यूट ऑफ एज्यूकेशनल ट्रेनिंग (डी.आई.ई.टी.) द्वारा दिल्ली राज्य के नर्सरी अध्यापकों के लिए 21 मार्च 2017 को आयोजित कार्यशाला में "Significance and Nature of Early Childhood Interventions" विषय पर व्याख्यान।

- 'Early Childhood Care and Education' विषय पर भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के बाल विकास विभाग नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 2 दिसंबर 2016 आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में "National Curriculum, Teacher development & Distance Learning in ECCE" विषय पर राष्ट्रीय पाठ्यचर्या।

f'k{kk fo|kihB

Ikks- ,- feJk

- 'Severe Intellectual & Multiple Disability' विषय पर एस.ओ.बी. और एन.आई.ई.पी.एम.डी., चेन्नई द्वारा 26–28 जून 2016 को भीमताल के एस.ओ.एस. जे.एन. कौल इंस्टीट्यूट ऑफ एज्यूकेशन में आयोजित पहले राष्ट्रीय कनवेंशन में "Challenges and Issue in Services for Persons with Severe Intellectual and Multiple Disabilities" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

- 'Examination Reforms for Inclusive Education' पर केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सी.बी.एस.ई.) द्वारा 23–24 अगस्त 2016 को नई दिल्ली के आई.आई.सी. में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "Critical Review on Existing Examination Provisions" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

- ‘Severe Intellectual & Multiple Disability’ विषय पर एन.आई.ई.पी.एम.डी. चेन्नई में और भुवनेश्वर में ओडिशा सरकार द्वारा 1–2 सितंबर 2016 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में “Universal Design in Learning, National Conference on Holistic Management of Person with Multiple Disabilities” शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

- ‘Inclusive Education’ पर शिक्षा महानिदेशालय के उप–प्रधानाचार्य और प्रशासकों के लिए एस.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा 28 दिसंबर 2016 को आयोजित आई.एन.एस.ई.टी. कार्यक्रम में “Welcoming and Retaining Students with Diverse Needs in Schools: Equalization of Opportunities and Universal Design for Learning (UDL): 20 Tips for Parents” शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

- ‘National Convention of Educators of the deaf (India)’ पर एन.सी.ई.डी. राजस्थान द्वारा 21–23 फरवरी 2017 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में “Research Priorities in Education of DHH Students” शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

Ikk- ch- Mkxjk

- ‘Learning’ पर दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी इर्विन कॉलेज द्वारा नई दिल्ली में 2 अप्रैल 2016 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय सम्मेलन में “Participatory Inclusive Pedagogies in School Education for Effective Learning” शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

Ikk- Mh- odV'ojy

- ‘Teacher Education in Digital Era: Promises and Pitfalls’ पर सी.सी.एस. विश्वविद्यालय, मेरठ में 25–27 फरवरी 2017 को आयोजित आई.ए.टी.ई. के पचासवें वार्षिक सम्मेलन के सत्र की अध्यक्षता.

Mk- ,e-oh- y{eh jMMh

- ‘Teacher Education through Open and Distance Learning: Challenges and the Road Ahead’ पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 27–29 मार्च 2017 को आयोजित “Panacea for Pandemic Challenges of Teacher Education in India’’ विषय पर।

Mk- Hkkjrh Mkxjk

- ‘Relevance of Open and Distance Learning (ODL) in Contemporary India’ पर केंद्रीय शिक्षा सं. स्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 22–24 फरवरी 2017 को आयोजित “Critical Analysis of Policies” सत्र की अध्यक्षता.

dI;Vj vkj lpuk foKku fo|kihB

Mk- oh-oh- lcge.;e

- ‘Digization : Envisioning Technology and Accelerrating Growth in Business Transformation (NCD’16)’ विषय पर श्री गुरु तेग बहादुर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनजमेंट एंड इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली द्वारा 10 दिसंबर 2016 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में “MOOCs: Augmenting Training and Development for Management Students and Professionals” शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत। शोध आलेख, सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित भी, पृ.152–157, आई.एस.बी.एन. : 978–81–906342–6–7, स्पर्श बुक गैलरी, नई दिल्ली। (सह–प्रस्तुतकर्ता के. स्वाति)

- 'Skill Development through ODel: Innovations, Entrepreneurship, employment for inclusive and Sustainable Livelihoods' विषय पर इग्नू के स्ट्राइड द्वारा 9–11 मार्च 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "Use of Mobile Apps to Enhance the Access to ODeL Students" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत। (सह–प्रस्तुतकर्ता के. स्वाति)

- 'Open, Online and Flexible Learning : the key to Sustainable Development' विषय पर कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग (सी.ओ.एल.) और ओपन यूनिवर्सिटी मलेशिया (ओ.यू.एम.), मलेशिया द्वारा कुआलालम्पुर में 27–30 नवंबर 2016 को आयोजित आठवें पैन–कॉमनवेल्थ फोरम ऑफ ओपन लर्निंग (पी.सी.एफ.8) में "MOOCs in the Digital Age Learning: An Indian Perspective" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत। (सह–प्रस्तुतकर्ता के. स्वाति)

vfHk;kf=dh vkj ik|kfxdh fo|kihB

Mk- ,u-odV'ojy

- 'Skill Development through ODel: Innovations, Entrepreneurship, employment for inclusive and Sustainable Livelihoods' विषय पर इग्नू के स्ट्राइड द्वारा 9–11 मार्च 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "The New Ways of Collaborations, Alliances and Networking Best Practices in ODL System" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत। (सह–प्रस्तुतकर्ता आशीष अग्रवाल)

0;kolkf;d f'k{kk vkj if'k{k.k fo|kihB

Mk- vkj-, l-ih- flg

- 'Skill Development through ODel: Innovations, Entrepreneurship, employment for inclusive and Sustainable Livelihoods' विषय पर इग्नू के स्ट्राइड द्वारा 9–11 मार्च 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "Digital Financial Literacy through ODeL : A study of Skill Development Efforts Under National Digital Literacy Mission with special Reference to Digidhan Mela and Digital Payments in India" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत। (सह–प्रस्तुतकर्ता हर्षिता भटनागर और वाई.पी. चावला)

Lkkekft d foKku fo|kihB

Ikk- Mh- xkiky

- "Gandhi Memorial Lectures in various institutions in Tunisia on theme of Contemporary Relevance of Gandhian Values on Non- Violence and Truth" विषय पर 30 जनवरी 2017, 1 फरवरी 2017 को व्याख्यान।

- "Sustainable Development: Issues and Concerns" विषय पर 21–22 मार्च 2017 पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में व्याख्यान।

- "Politics and Ethics: Gandhian Perspectives" विषय पर 28 फरवरी 2017 पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में व्याख्यान।

Ikk- ncy d- flgjk;

- 'Social Movements' विषय पर एस.पी. पुणे विश्वविद्यालय, पुणे द्वारा 13–14 जून 2016 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "Identity and Social Movements" विषय पर आधार व्याख्यान।

- इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद द्वारा 5 अगस्त 2016 को "Agrarian Development in the Neo-liberal India: Emerging Research Concerns" विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान।

- 'Marginalization, Poverty and Decentralization' विषय पर दि केरला इंस्टीट्यूट ऑफ लोकल एडमिनिस्ट्रेशन, कोच्चि द्वारा 19–22 नवंबर 2016 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "Marginalization, Social Movements and Empowerment through Local Self Government" शीर्षक प्लीनरी प्रस्तुतीकरण.

Ikk- txiky flg

- 'Social Movements in India: Recent Trends' विषय पर राजनीति विज्ञान विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, राजा राममोहनपुर, दार्जिलिंग द्वारा 8 मार्च 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "Collective Action: Social Movement or Public Action? – Some Theoretical Concerns" में व्याख्यान।

Ikk- dfiy dekj

- '100 Anniversary of End of Indentured Labour' विषय पर भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आई.सी.सी.आर.) द्वारा 17–19 मार्च 2017 को त्रिनिडाड में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "The Idea of Bharat (India) and its Relevance for Diaspora" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

- 'Indian Indenture Labour' पर गुआना के भारतीय उच्चायुक्त के आदेश से भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आई.सी.सी.आर.) द्वारा प्रायोजित और गुआना में 9–18 मार्च 2017 को गुआना में "Highlighting the efforts made during the Indian Freedom Struggle on highlighting the Indentured Labour and working for its abolition" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

Mk- Lokfr ik=k

- 'Indian Mind and Societal Concerns: An Interdisciplinary Dialogue' विषय पर नेशनल एसोसिएशन ऑफ साइकोलॉजी, रामानुजम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय के कनवेंशन सेंटर में 2–3 अप्रैल 2016 आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "Violence among Children and Adolescents in India: A Growing Public Health Risk and Challenge" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

Mk- lgkl 'krxkodj

- नेशनल एकेडेमी ऑफ साइकोलॉजी के 26वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान सिम्पोज़ियम के एक भाग के रूप में आई.आई.टी. मद्रास, चेन्नई में 29–31 दिसंबर 2016 को "Harnessing the Potential of Employees with Disability: The Role of the Organisation" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

- 'Revisiting the Discourse on Duties and Responsibilities in Health Research' विषय पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 7 जनवरी 2017 को आयोजित तीसरे वार्षिक सम्मेलन में "Ethical Issues and Challenges while conducting research on Female Victims of Domestic Violence" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

- 'Health and Wellbeing: An Interdisciplinary Inquiry' विषय पर जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा 22–23 मार्च 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "Application and Effectiveness of Body Psychotherapy: Evidence based on Review of Literature" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

- ‘Counselling Techniques for Senior Service Officers’ विषय पर डी.आर.डी.ओ., दिल्ली द्वारा 22 सितंबर 2016 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में “Counselling for anxiety and depression” विषय पर व्याख्यान।

Mk- ekfudk feJk

- ‘Indian Mind and Societal Concerns: An Interdisciplinary Dialogue’ विषय पर दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 2–3 अप्रैल 2016 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में “Harnessing the Potential of Employees with Disability: The Role of the Organisation” शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

- ‘Health and Well being: An Interdisciplinary Inquiry’ विषय पर जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा 22–23 मार्च 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “Digital Technology and Mental Health Care: An Indian Perspective” शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

Mk- fLerk xqIrk

- दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी परिसर में मार्च 2017 में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में “Happiness As an indicator among youth” शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

ik- mek dkthyky

- नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा 17 फरवरी 2017 को आयोजित यू.जी.सी.–डी.ई.बी. संगोष्ठी के उद्‌घाटन सत्र में आधार व्याख्यान।

ik- ih- oudVjeuu

- ‘Celebrating Anthropology: The Human Science’ विषय पर दिल्ली विश्वविद्यालय के नृविज्ञान विभाग द्वारा 22–23 अप्रैल 2016 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में “Ethnicity and Metabolic syndrome in South Indian Population” शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

- ‘Migration and Diasporas: Emerging diversities and development challenges’ विषय पर इग्नू के एस.ओ.आई.टी.एस. द्वारा 22–23 मार्च 2017 को आयोजित द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “Prevalence of Non communicable Diseases (NCD) among the South Asian immigrants: An overview” शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

- ‘Role of Anthropology and Forensic science in National Development’ विषय पर दिल्ली विश्वविद्यालय के नृविज्ञान विभाग द्वारा 24–25 मार्च 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में “Increasing prevalence of obesity: Influence of cultural and behavioral factors” शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

Mk- d- vfuy dqekj

- ‘Role of Anthropology and Forensic science in National Development’ विषय पर दिल्ली विश्वविद्यालय के नृविज्ञान विभाग द्वारा 24–25 मार्च 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में “Role of Indigenous Knowledge and Practices in Sustainable Development” शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

- ‘Migration and Diasporas: Emerging diversities and development challenges’ विषय पर इग्नू के एस.ओ.आई.टी.एस. द्वारा 22–23 मार्च 2017 को आयोजित द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “Impact of Migration Indigenous Communities: Issues and Challenges” शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

- 'Education and Politics in India: A Perspective from Below' विषय पर हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 24–25 फरवरी 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "Development Projects and Issues of Displacement of Tribal People in Andhra Pradesh" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

- 'Genomic and Cultural Variation of Indian Populations: An Appraisal of Health and Disease Susceptibility' विषय पर श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति के नृविज्ञान विभाग द्वारा 23–24 फरवरी 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "Public Health Service Delivery System in Tribal Areas of Telangana State" विषय आमंत्रित वार्ता.

- 'Development, Dispossession and Resistance' विषय पर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला, भारत द्वारा 14–15 नवंबर 2016 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "Development, Displacement, and Marginalisation: A Case Study of Polavaram Dam" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

- 'Land Rights, Changing Agrarian Relations and Rural Transformation' विषय पर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट एंड पंचायती राज (एन.आई.आर.डी.पी.आर.), हैदराबाद, भारत द्वारा 14–16 अक्तूबर 2016 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "Development, Displacement, Resettlement and Rehabilitation" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

Lkekt dk;l fo|kihB

Mk- jkt ufEc;kfde

- 'Skill Development through ODel: Innovations, Entrepreneurship, Employment for inclusive and Sustainable Livelihoods' विषय पर इग्नू के स्ट्राइड द्वारा 9–11 मार्च 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "Education: A Panacea for Tribal Development" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत। (सह–प्रस्तुतकर्ता डॉ. ग्रेस)

;ktuk ,o fodkl iHkkx

Mk- idt [kj

- हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, शाहपुर, कांगड़ा में 9–15 जून 2016 को *"Faculty Development Programme on Emerging Tends of ICT in Higher Education"* विषय पर विषय विशेषज्ञ।

{k=h; lok iHkkx

Mk- ,l- jk/kk

- 'Idea of Bharat' विषय पर इग्नू, भारतीय शिक्षण मंडल, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, आई.जी.एन.सी.ए, आई.आई.एम.सी., आई.जी.एन.टी.यू. और नीति द्वारा इग्नू, नई दिल्ली में 23–25 फरवरी 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "Empowerment of Universe through Spiritual Dynamism of Bharat – A Holistic View" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

- 'Empowering Womanhood: Transforming Society' विषय पर क्रांतिवीर संगोली रायन्ना कॉलेज ऑफ एज्यूकेशन, बेलगवी में 26–27 नवंबर 2016 को आयोजित और यू.जी.सी. द्वारा प्रायोजित राष्ट्र–स्तर

के दो दिवसीय सम्मेलन में "A study on Work Performance and Job Satisfaction among Women Teachers" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

- 'MUDRA-Startup Entrepreneur for Young India' विषय पर वीरशिवा कॉलेज, बेल्लारी में 10 सितंबर 2016 को आयोजित संगोष्ठी में विषय–विशेषज्ञ।

Mk- iue dekj flg

- 'Skill Development through ODel: Innovations, Entrepreneurship, Employment for inclusive and Sustainable Livelihoods' विषय पर इग्नू के स्ट्राइड द्वारा 9–11 मार्च 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "ODeL Led Skill Development-A New Perspective for Sustainable Rural Growth" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत।

- "Capacity Building" पर इंटरनेशनल सेंटर फॉर डिस्टेंस एज्यूकेशन एंड ओपन लर्निंग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में 19–20 दिसंबर 2016 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में "Capacity Building in ODL- A Broader Perspective" विषय पर वार्ता।

Lkf{kIrk{kjk ¼Abbreviations½ dh lwph

Lkf{kIrk{kj	fooj.k
ए.आई.एफ.	आगस्त इंटरनेशनल फाउंडेशन
ए.आई.आर.	आकाशवाणी (ऑल इंडिया रेडियो)
बी.ए.	कला स्नातक (बैचलर ऑफ आर्ट्स)
बी.सी.ए.	कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस)
बी.कॉम.	वणिज्य स्नातक (बैचलर ऑफ कॉमर्स)
बी.डी.पी.	स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बैचलर डिग्री प्रोग्राम)
बी.ओ.एम.	प्रबंध बोर्ड (बोर्ड ऑफ मैनजमेंट)
बी.आर.ए.ओ.यू.	डॉ. भीमराव अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय
बी.आर.पी.एल.	बी.एस.ई.एस. राजधानी पॉवर लिमिटेड
बी.एस-सी.	विज्ञान स्नातक (बैचलर ऑफ साइंस)
बी.एस.डब्ल्यू.	समाज कार्य स्नातक (बैचलर ऑफ सोशल वर्क)
सी.ए.टी.6	कैटेगरी 6 केबल
सी.बी.सी.आई–इग्नू अध्ययन पीठ	कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया–इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय अध्ययन पीठ
सी.बी.सी.एस.	विकल्प–आधारित क्रेडिक प्रणाली (च्वॉयस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम)
सी.बी.आई.	केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो
सी–डैक (C-DAC)	प्रगत कंप्यूटिंग विकास केंद्र
सी.ई.ए.	बाल शिक्षा भत्ता
सी.ई.सी. (यू.जी.सी.)	शैक्षिक संचार कंसोर्टियम (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग)
सी.जी.पी.एस.	गांधी और शांति अध्ययन केंद्र
सी.ओ.एल.	कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग
सी.वी.सी.	केंद्रीय सतर्कता आयोग (सेंट्रल विजिलेंस कमीशन)
सी.वी.ओ.	केंद्रीय सतर्कता अधिकारी (सेंट्रल विजिलेंस ऑफिसर)
डी.ए.ई.	प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय (डायरेक्टोरेट ऑफ एडल्ट एज्यूकेशन)
डी.ए.वी.सी.एम.सी.	दयानंद एंग्लो–वैदिक कॉलेज प्रबंधन समिति
डी.बी.टी.	सीधे लाभ हस्तांतरण (डायरेक्ट बैनिफिट ट्रांसफर)
डी.डी.	दूरदर्शन

डी.डी.ए.	दिल्ली विकास प्राधिकरण (दिल्ली डेवलपमेंट अथोरिटी)
डी.डी.ई.	दूर शिक्षा निदेशालय (डायरेक्टोरेट ऑफ डिस्टेंस एज्यूकेशन)
डी.ई.आईज़	दूर शिक्षा संस्थान (डिस्टेंस एज्यूकेशन इंस्टीट्यूट्स)
डेलनेट (DELNET)	डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क
डी.जे.बी.	दिल्ली जल बोर्ड
डी.एन.एस.	डोमेन नेम सर्वर
डी.एस.टी.	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी)
डी.टी.एच.	डायरेक्ट टू होम
ई.एम.पी.सी.	संचार केंद्र (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रोडक्शन सेंटर)
ई.आर.पी.	उद्यम संसाधन नियोजन (इंटरप्राइज रिर्सोस प्लानिंग)
एफ.एम. रेडियो	फ्रीक्वेंसी मोड रेडियो
जी.बी.पी.एस.	गीगाबाइट्स प्रति सेकंड (गीगाबाइट्स पर सेकंड)
जी.डी.	ज्ञान दर्शन
जी.ओ.आई.	भारत सरकार
जी.एस.ए.टी–10	जिओसिंक्रोनस सेटेलाइट–10
जी.वी.	ज्ञान वाणी
एच.आई.वी./एड्स	ह्यूमन इम्युनोडेफिशिएंसी वायरस इनफैक्शन/एक्वायर्ड इम्यून डेफिशिएंसी सिंड्रोम
एच.क्यू.	मुख्यालय (हैड क्वार्टर्स)
आई.सी.ए.आई.	इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया
आई.सी.ए.आर.	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च)
आई.सी.एस.एस.आर.	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च)
आई.सी.टी.	सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (इनफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी)
आई.डी.	अंतर्राष्ट्रीय प्रभाग (इंटरनेशनल डिविजन)
आई.जी.सी.एफ.एस.एस.	इंदिरा गांधी स्वाधीनता संग्राम अध्ययन केंद्र
इग्नू	इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी)
आई.आई.टी.ई.–गांधी नगर	भारतीय अध्यापक शिक्षा संस्थान (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टीचर्स एज्यूकेशन), गांधी नगर
आई.जे.ओ.एल.	इंडियन जर्नल ऑफ ओपन लर्निंग

आई.एल.ए.	भारतीय पुस्तकालय संघ (इंडियन लाइब्रेरी एसोसिएशन)
आई.एन.ए.	इंडियन नेशनल आर्मी
इनसैट 3 सी	इंडियन नेशनल सैटलाइट–3 सी
इसरो	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन)
आई.टी.	सूचना प्रौद्योगिकी (इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी)
आई.टी.ई.सी / एस.सी.ए.ए.पी.	इंडियन टेक्निकल एंड इकनॉमिकल कॉर्पोरेशन / स्पेशल कॉमनवेल्थ अस्सिटेंस फॉर अफ्रीका प्रोग्राम
आई.यू.सी.	अंतर–विश्वविद्यालय कंसोर्टियम (इंटर–यूनिवर्सिटी कंर्सोटियम)
के.वी.एस.	केंद्रीय विद्यालय संगठन
एल.एस.सी.	विद्यार्थी सहायता केंद्र (लर्नर सपोर्ट सेंटर)
एम.फिल.	मास्टर ऑफ फिलॉसफी
एम.सी.डी.	दिल्ली नगर निगम (म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन ऑफ दिल्ली)
एम.ई.ए.	विदेश मंत्रालय (मिनिस्ट्री ऑफ एक्सटर्नल अफेयर्स)
एम.एच.आर.डी.	मानव संसाधन विकास मंत्रालय (मिनिस्ट्री ऑफ ह्यूमन रिर्सोस डेवपलेंट)
एम.आई.एस.	प्रबंधन सूचना प्रणाली (मैनजमेंट इनफॉर्मेशन सिस्टम)
एम.ओ.सी.	सहयोग–ज्ञापन (मेमोरंडम ऑफ कोलाबोरेशन)
एम.ओ.एच.एफ.डब्ल्यू.	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
मूक्स	व्यापक मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (मेसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सिस)
एम.पी.डी.डी.	सामग्री निर्माण और वितरण प्रभाग (मेटीरियल प्रोडक्शन एंड डिस्ट्रिब्यूशन डिविज़न)
एन.ए.डी.ई.पी.	एन.डी. पंधारी पांडे
एन.बी.ई.	नेशनल बोर्ड ऑफ एग्ज़ामिनेशंस
एन.सी.डी.एस.	राष्ट्रीय अक्षमता अध्ययन केंद्र (नेशनल सेंटर फॉर डिसेबिलिटी स्टडीज़)
एन.सी.ई.आर.टी.	राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (नेशनल काउंसिल ऑफ एज्यूकेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग)
एन.सी.आई.डी.ई.	राष्ट्रीय दूर शिक्षा नवप्रवर्तन केंद्र (नेशनल सेंटर फॉर इनोवेशन इन डिस्टेंस एज्यूकेशन)
एन.डी.एल.	राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी)
एन.जी.ओ.	गैर–सरकारी संगठन (नॉन–गवर्नमेंटल ऑर्गेनाइजेशन)
एन.आई.सी.	नेशनल इनफॉर्मेटिक्स सेंटर

एन.आई.ओ.एस.	राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी संस्थान (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग)
एन.आई.टी.टी.आर.एस.	नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च
एन.के.एन.	राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (नेशनल नॉलेज नेटवर्क)
एन.एल.एम.	राष्ट्रीय साक्षरता मिशन (नेशनल लिटरेसी मिशन)
एन.एस.ई.	नेशनल स्टॉक एक्सचेंज
एन.एस.क्यू.एफ.	राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशंस फ्रेमवर्क)
ओ.बी.सी.	अन्य पिछड़ा वर्ग (अदर बैकवर्ड क्लासिज़)
ओ.डी.एल.	मुक्त और दूर शिक्षा (ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग)
ओ.एफ.सी.	ऑप्टिकल फाइबर कम्युनिकेशन
ओपेक	ऑनलाइन पब्लिक एक्सैस कैटलॉग
ओ.एस.सी.	विदेशी अध्ययन केंद्र (ओवरसीज़ स्टडी सेंटर्स)
पी.जी.	स्नातकोत्तर
पी–एच.डी.	शोध उपाधि (डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी)
पी.एम.ओ.	प्रधानमंत्री कार्यालय
पी.एस.सी.	कार्यक्रम अध्ययन केंद्र
पी.एस.आर.आई.	पुष्पावती सिंघानिया अनुसंधान केंद्र (पुष्पावती सिंघानिया रिसर्च सेंटर)
प्यूरा (पी.यू.आर.ए.)	ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी सुविधाएँ उपलब्ध कराना (प्रोवाइडिंग अर्बन एमैनिटीज़ टू रूरल एरियाज़)
आर.सी.	क्षेत्रीय केंद्र (रीजनल सेंटर)
आर.आर.सी.	मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय केंद्र (रिकोग्नाइज़्ड रीजनल सेंटर)
आर.एस.डी.	क्षेत्रीय सेवा प्रभाग (रीजनल सर्विसिज़ डिविजन)
आर.टी.आई.	सूचना का अधिकार (राइट टू इनफॉर्मेशन)
एस.सी.	अनुसूचित जाति (शेड्यूल्ड कास्ट्स)
एस.सी.एस.पी.	अनुसूचित जाति उप–योजना (शेड्यूल्ड कास्ट्स सब प्लान)
एस.ई.डी.	विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (स्टूडेंट इवेल्यूशन डिविजन)
एस.एल.एम.	स्व–शिक्षण सामग्री (सेल्फ लर्निंग मैटीरियल)
एस.ओ.ए.	कृषि विद्यापीठ (एस.ओ.ए.)
एस.ओ.सी.ई.	सतत शिक्षा विद्यापीठ (स्कूल ऑफ कंटीन्यूइंग एज्यूकेशन)

एस.ओ.सी.आई.एस.	कंप्यूटर और सूचना विज्ञान विद्यापीठ (स्कूल ऑफ कंप्यूटर एंड इनफॉर्मेशन साइंसिज)
एस.ओ.ई.	शिक्षा विद्यापीठ (स्कूल ऑफ एज्यूकेशन)
एस.ओ.ई.टी.डी.एस.	विस्तार और विकास अध्ययन विद्यापीठ (स्कूल ऑफ एक्सटेंशन एंड डेवलपमेंट स्टडीज़)
एस.ओ.ई.टी.	अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ (स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी)
एस.ओ.एफ.एल.	विदेशी भाषा विद्यापीठ (स्कूल ऑफ फॉरेन लैंग्वेजिज़)
एस.ओ.जी.डी.एस.	जेंडर और विकास अध्ययन विद्यापीठ (स्कूल ऑफ जेंडर एंड डेवलपमेंट स्टडीज़)
एस.ओ.एच.	मानविकी विद्यापीठ (स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज)
एस.ओ.एच.एस.	स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ (स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसिज़)
एस.ओ.आई.टी.एस.	अंतर्विद्याश्रयी और बहु–विद्याश्रयी अध्ययन विद्यापीठ (स्कूल ऑफ इंटर–डिसिप्लनरी एंड ट्रांस–डिसिप्लनरी स्टडीज़)
एस.ओ.जे.एन.एम.एस.	पत्रकारिता और नव जनसंचार माध्यम अध्ययन विद्यापीठ (स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड न्यू मीडिया स्टडीज़)
एस.ओ.एल.	विधि विद्यापीठ (स्कूल ऑफ लॉ)
एस.ओ.एम.एस.	प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ (स्कूल ऑफ मैनजमेंट स्टडीज़)
एस.ओ.पी.वी.ए.	प्रदर्शनपरक और दृश्य कला विद्यापीठ (स्कूल ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स)
एस.ओ.एस.	विज्ञान विद्यापीठ (स्कूल ऑफ साइंसिज़)
एस.ओ.एस.एस.	सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (स्कूल ऑफ सोशल साइंसिज़)
एस.ओ.एस.डब्ल्यू.	समाज कार्य विद्यापीठ (स्कूल ऑफ सोशल वर्क)
एस.ओ.टी.एच.एस.एम.	पर्यटन और आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ (स्कूल ऑफ टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी सर्विस मैनजमेंट)
एस.ओ.टी.एस.टी.	अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ (स्कूल ऑफ ट्रांसलेशन स्टडीज़ एंड ट्रेनिंग)
एस.ओ.यू.	राज्य मुक्त विश्वविद्यालय (स्टेट ओपन यूनिवर्सिटीज़)
एस.ओ.वी.ई.टी.	व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण विद्यापीठ (स्कूल ऑफ वोकेशनल एज्यूकेशन एंड ट्रेनिंग)
एस.एस.सी.	विशेष अध्ययन केंद्र (स्पेशल स्टडी सेंटर)
एस.टी./अ.ज.जा.	अनुसूचित जनजाति (शेड्यूल ट्राइब्स)

स्ट्राइड (STRIDE)	दूर शिक्षा स्टाफ प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (स्टाफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट इन डिस्टेंस एज्यूकेशन)
स्वयं (SWAYAM)	स्टडी वेब्स ऑफ एक्टिव–लर्निंग फॉर यंग एस्पायरिंग माइंड्स
टी.ए.	यात्रा भत्ता (ट्रेवलिंग एलाउंस)
टी.ई.ई.	सत्रांत परीक्षा (टर्म एंड एग्ज़ामिनेशन)
टी.एस.पी.	जनजाति उप–योजना (ट्राइबल सब प्लान)
यू.जी.सी.	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन)
यूनिसेफ (UNICEF)	संयुक्त राष्ट्र बाल निधि (यूनाइटेड नेशंस चिल्ड्रन्स फंड)
डब्ल्यू.एच.ओ.	विश्व स्वास्थ्य संगठन (वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन)
डब्ल्यू.एच.ओ. (सिएरो)	विश्व स्वास्थ्य संगठन–दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय (वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन – साउथ ईस्ट एशिया ऑफिस)
वाई–फाई	वायरलैस फाइडैलिटी
वाइपो (WIPO)	विश्व बौद्धिक संपदा अधिकार संगठन (वर्ल्ड इंटलैक्चुअल प्रॉपर्टी ऑर्गेनाइज़ेशन)